ৰ্মাত ভাত --- (ছাত ছমত)--- 73

/ S C (CC REGISTERED NO. D-(DN)-73 ISSIC NO WORLD 40.41

pazette o

PUBLISHED BY AUTHORITY

40? 401 नई किली. शनिवार, अक्तुबर 6,1984 (आश्विन

NEW DELHE SATURDAY, OCTOBER 6, 1984 (ASVINA 14, 1936)

इस माग में भिन्न बच्छ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्रव में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नाम 🌃 -- व्यव्य 1 [PART III—SECTION 1]

म्यायालयाँ, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संख्या और अधीन कार्याखर्यों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

tifications issued by the High Courts, the Comptroller and Additor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संब बोक सेवा प्राप्तिम

नई विस्ली-110011, विनांक 7 प्रगस्त 1984

सं ० ए० 32018/1/83-प्रशा**ा । -- इस कार्या**लय की सम-यरमक अधिसूचना विनांक 16-6-1984 के अनुकम में अध्यक्ष, रथ लोक सेवा प्रायोग एतद्वारा संघ लोक सेवा ायोग के कार्यालय में स्थायी वरिष्ठ प्रोग्रामर श्री जे० ॰ खन्ना को 18-8-1984 में 31-10-1984 तक की ग्र**ग्रे**सर मनः भ के लिए भयवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो. लोक सेवा भायोग के कार्यालय में प्रबंधक (ई० डी० पी०) ''क"—रं∘ 1500—60—1800) के पद पर स्थानापन्न .क्ष से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. प्रबंधका (इहिंग बीं० पीं०) के पद पर श्री जे० के० त्रा की उक्त नियुक्ति संघ लोक सेवा ग्रायोग के ग्रनमोदन के ारिणामस्वरूप है।

3. प्रबंधक (ईंट की० पी०) के पद पर श्री जे० केऽ **बस**ें की मियक्ति पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर है भौर इससे -266G1\\ 84

इन्हें प्रबन्धक (ई० डी० पी०) के पद पर नियमित नियक्ति ग्रयवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> एम० पी० जैन म्रवर सचिव (प्रशा०) कृते ग्रध्यक्ष संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 6 श्रगस्त 1984

32014/1/84-प्रणा०-III---संघ लोफ सेवा भायोग के कार्यालय के निम्नलिखित महायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रस्येक के सामने उल्लिखित सबधि के लिए प्रथवा धागामी प्रादेशों तक, जो भी पहले हां, प्रनुभाग प्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :---

कम सं० नाम पदोक्षति की ग्रवधि 2 सर्वश्री 1. भगवती चरण 2-8-84 से 15-9-84 तक 2. एस० के० बंसल 1-8-84 से 31-8-84 तक

(22853)

1 2	3
सर्वेश्री	
३. ए स० एस० कु मार	1-8-84 से 26-8-84 तक
4. फिलिप जॉन	बही
5 ए०एस० जाट	वही
 सी० एल० मट्ट 	वही
 भागीरथी कुमार 	1-8-84 से 18-8-84 तक
8. श्रीमति एन० मीरा .	1-8-84 से 16-8-84 तक
9. के० एल० सूद .	धहीं
10. कुमारी भारतीय नरसिम्हा	27-7-84 से 1 6-8- 84 तक
11. एस० बी० मल्ल	2-8-84 से 16-8-84
	(पूर्वाह्र) तक
12. वेबदस (घ० जा०)	28-7-84 से 16-8-84 तक
13. तारा सिंह् (ग्र० जा०)	वही

2. इस कार्यालय की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनोक ुँ2 जुलाई, 1984 में क० सं० 3 पर नाम "कुमारी भारती नरसिम्हा" पढ़ा जाए ।

विनोक्त 4 सितम्बर 1984

सं० ए० 33012/1/84-प्रणा० III—संघ लोक सेवा प्राचीक के संवर्ग में केंद्रीय सचिवालय सेवा के प्रनुपाग प्रधिकारी सर्वेश्री डी॰ सिवाराजन और के॰ एम॰ इबाहिम यूसुफ की सेवाओं को, कमशः 10-9-84 (धपराह्न) भीर 8-10-84 (धपराह्न) से केरल के क्यूलोन भीर पालबाट जिलों में 13-1/2 महीनों के कार्यपालक प्रशिक्षण के लिए, केरल सरकार को अस्थाई उप से सीपी जाती हैं। उक्त प्रधिकारियों को कमशः 10-9-84 (अपराह्न) और 8-10-84 (अपराह्न) से कार्यमार मुक्त किया जायेगा।

ए० जे० बजाज, स्पसचिव (प्रशा०)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 ग्रगस्त 1984

सैं॰ इं॰ 32013/1/१० प्रणा॰ II—इस कार्यालय की प्रधिसूचना सं॰ ए॰ 32013/1/80-प्रणा॰ II (i) तथा सं॰
32013/1/80-पा॰ II(ii) विनाक 14-6-1984 के प्रमुक्तम
में घड्यका, संध लोक सेवा भायोग एतद्दारा संघ लोक सेवा
भायोग के कार्यालय में निम्नौलिखित स्थायी प्रोग्रामरों को
सनके नाम के सामने निर्दिष्ट भग्नेतर भवधि के लिए धथवा
भागामी भावेगों तक, जो भी पहले हो, भायोग के कार्यालय
में वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद में तवर्थ भाभार पर नियुक्त करते
हैं:—

श्री एम० एल० क्स्तगी

18-8-84 से 31-10-84

तक

2. श्री जे० पी० भग्रवाल

1-9-84 से 31-10-84 तक

 तवर्ष नियुक्ति की उपर्युक्त प्रविध संव लोक सेवा प्रायोग के धनुमोदन के प्रध्यधीन है। 3. वरिष्ठ प्रोग्रामरों की यह नियुक्तियां पूर्णतः त. आधार पर की गई हैं भौर उन्हें इससे वरिष्ठ प्रोग्रामर पद पर नियमित नियुक्ति भ्रयवा वरिष्ठता का कोई उन्हीं मिलेगा।

सं० ए० 32013/1/83-प्रज्ञा० II—इस कार्यालय की सम-संक्यक प्रधिसूचना दिनांक 18 जुलाई 1984 के प्रमुक्तम में प्रध्यक्षा, संघ लोक सेवा प्रायोग एतद्द्वारा स्थायी इंजीनियर श्री प्रदीप मेहला को 1-8-84 से 31-10-84 तक प्रथवा प्रागामी धादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यान्यय में वरिष्ठ इंजीनियर (ग्रुप "क") के पद पर तदर्व प्राधार पर नियुक्त करते हैं।

- 2. वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर श्री प्रवीप मेहता की उक्त निपृक्ति संघ लोक सेवा धायोग के प्रमुमोदन के फल-स्वरूप है ।
- 3. उनकी यह नियुक्ति पूर्णतयः तदर्ष प्राधार पर है इससे इनको वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर नियमित नियु, प्रथम वरिष्ठता का कोई इक नहीं मिलेगा ।

्र्या० पी० जैन, प्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा प्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता भाषोग

नई विल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1984

सं 8 एम० पी० आर० एस० 214—भी सम्पत राय जैन, सहायक तकनीकी परीक्षक (विद्युत) सहायक ग्रभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग) की सेवाएं 10 सितम्बर 198 के अपराह्म से निर्माण महानिदेशालय की सींपी जाती हैं।

> कृष्ण आस मल्होबा, धनर सचिव, कृते केन्द्रीय सतकंता भागूक्त,

गृह मन्त्राखय

पुलिसे धनुसंघान एवं विकास म्यूरो नई दिल्ली, विनाक 13 सितम्बर 1984

सं० 8/35/76-प्रशा०-11-श्वी के० एल० द्वींगरा सहायक को पुलिस धनुसंधान एवं विकास ब्यूरों में तदर्य भाषार पर प्रशासनिक मधिकारी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में भगले भाषेगों तक नियुक्त किया जाता है।

एस० के० मल्लिक, महानिवेशक

वा० एवं प्र० सु० विश्वास केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 11 सिसम्बर 198

सं० डी'० : 2/69-प्रशासन-5--राष्ट्रपति, श्री डी'० के श्र जैन, वरिष्ठ सोक झिभयोजक, केंद्रीय अध्वेषण ब्यूरो; को दिनांक 1 सितम्बर 1984 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में छप-विज्ञि-सलाहकार के कप में सहर्ष नियुक्त करते हैं

> मार० एस० नागपास, प्रमासनिक ग्रह्मिनारी (स्थापना), केन्द्रीय ग्रम्थेषण व्यूरो

महानिदेशालय केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 सितम्बर 1984

सं घो० दो० 1764/82-स्थापना---महानिदेशक केंद्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डाक्टर भवानी प्रसाद हजारीका को 4 भगस्त 1984 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में केनिष्ठ चिकित्सा घिषकारी के पद पर तदर्ष रूप से सहवं नियुक्त किया है।

सं श्रो वो 1890/83-स्थापना—राष्ट्रपति जं ने डा जी एस रोहतन, जनरल ड्यूटी श्रफसर ग्रेड II (डि एस पी कम्पनी कमान्डर) का त्याग पत्र दिनांक 11 जून 1984 पूर्वीह्न से स्वीकार कर लिया है।

विनांक 15 सितम्बर 1984

सं० घो० दो० 1774/83-स्थापना महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बन ने डाक्टर सुरेन्दर कुमार परिमल को 31 घगस्त 1984 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये प्रथा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहषं नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 सितम्बर 1984

सं० ग्री० दो 1810/83-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ट चिकित्सा ग्रिश्वकारी (औ० डी० ग्री० ग्रेड-II) डाक्टर एफ० के० पानिग्राही, ग्रुप सेंटर सी० ग्रार० पी० एफ० रामपुर को केंद्रीय सिविल सेवा (श्रस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के श्रनुसार, एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनौक 10 श्रगस्त 1984 श्रपराह्म से सह्यं कार्य मुक्त कर दिया है।

एम० पी० अखमोला, सहायक निवेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली-110003, विनांक 19 सितम्बर 1984 मं० ई-16013(1)/5/84-कार्मिक-राष्ट्रपति, श्री के० डी० नैयर, भा० पु० मे० (यू० टी०-67) को, प्रोक्सति पर 31 प्रगस्त 1984 के पूर्वाह्म से 2000-2250/- रुपये के वेतनमान में केंद्रीय ग्रीश्रोणिक सुरक्षा बल में उप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं। केंद्रीय ग्रीश्रोणिक सुरक्षा बल में उनकी प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि भी 31 दिसम्बर 1986 तक बकार्र गई है।

(ह०) प्रपठनीय महानिदेशक/के० घौ० सु० ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1984

संव 10/17/84-प्रशा०-I---राष्ट्रपति, केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री श्रार० सी० सचदेव को भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली में तारीख 18 अगस्त, 1984 से एक वर्ष की अनिधक अवधि के लिए तवर्ष आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

वी० एस० वर्मा, भारत के महारजिस्ट्रार

वित्तीय वर्ष में परिवर्तन समिति नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० सी० सी० एफ० वाई०-2(7)-ए/84--भारतीय खाद्य निगम नई दिल्ली से स्थानांतरण होने पर श्री नीतीन एम० मजुमदार, भारतीय प्रशासन सेवा, मू पी० : 57, को विलीय वर्ष में परिवर्तन समिति में 4 सितम्बर के पूर्वा से धनसा धादेश होने तक 2500-2750 ६० के वेतनमान में संयक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

विनोक 17 सितम्बर 1984

सं० सी० सी० एफ० वाई०-2(6)-ए/84--- प्राधिक प्रशासन सुधार भायोग नई विल्ली में प्रशासनिक भ्रधिकारी (प्रतिनियुक्ति) पद से स्थानान्तरण होने पर सीमा सुरक्षा बल के म्रधिकारी, श्री एस० एन० तिवारी को वित्तीय वर्ष में परिवर्तन समिति में 31 मगस्त 1984(भ्रपराह्म) से ग्रगले मादेश होने तक उप निदेशक नियुक्त किया गया है।

जे० पी० मिश्र, प्रशासनिक एवं लेखा धर्धिकारी

भारतीय लेखा परंक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा), गुजरात

ग्रहमदाबाद-380001, दिनांक 11 सितम्बर 1984

सं व्या (ए०)/जी० भो०/3/39)/1462 महालेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात, भ्रष्टमदाबाद के निर्णय के भनुसार निम्निशिक्षत भनुभाग भिक्षकारी (लेखापरीक्षा) को कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात, भ्रष्टमदाबाद/राजकोट में स्थानापन्न

सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई तारीख से ग्रगले श्रादेश मिलने तक नियुक्त	1 2	3
सामन बताइ गई ताराखा सं अपन आदश्वामलन तक नियुक्त किया जाता है !	सर्वेश्री	
1. श्री ए० एन० तलाटी 17-7-84 ग्रहमदाबाद		
(पूर्वान्ह)	· 5. ए० एस० मानोलो	महालेखाकार (ले० पा०)-1 महाराष्ट्र, बम्बर्ष
2 श्रीएच०डी० मेहता 2-8-84 राजकोट	6. पी० जी ० जीमी	"
पूर्वान्ह	7. एम० जो० बारवानी	, ,
उपरोक्त नियुक्ति अस्थायी है ग्रीर 1984 की विशेष	8. वाई० के नाडकर्णी	
सिविल ग्रावेदन पत्न सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च	9. एस० बा ० चिट णीस	7.7
न्यायासय के निष्कर्ष की शर्तपर की जाती है।	10. एम० डो० कुसुरकर	17
ह० अपठनीय	11. आर० के० लिमये	7.1
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)	12. व्हा० एस० दामले	11
कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा)	13. आर० ए० पोतनीस	1)
	14. एम० के० वर्षे	
महालेखाकार का कार्यीलय (लेखा परीक्षा), कर्नाटका	15. एम० एस० करंदीकर	, , ,
बंगलीर 560001, विमांक 20 ग्रगस्त 1984	16. के एन े परवतक र	, ;;
सं प्र 1/ले॰ प॰/1/ए2/84-85/379-महालेखा-	17. जो० आर० हरीदा स	
कार (लेखायरीका) 1 ने निम्नलिखित पांच सहायक लेखायरीका	18. जे० जेड० अलबुकारक	11
धिक्रारियों को, केवल ग्रस्थाई लेखापरीका ग्रधिकारियों के रूप	19. एस० व्हो० देशपांडे	11
में ग्रागामी श्रादेश सक, उनके वरिष्ठों को बिना प्रतिकृल	20. डी० आर्० सरदेसाई	11
•	_	12
प्रभाव डाले उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीच से	21. एस० औ० रेगे	1.1
पदोन्नत किये हैं ।	22. एस० यू० कामत	"
सर्चश्री	23. कुमारी एस० चेंगामल	11
1. श्रार० नागराजा शर्मा	24. आर ं व्यक्टकृ ष्णन	1,
2. बी एन० मोदब राव	25. एस० ए० सी वराम न	7.1
3. नूर भ्रहमय पाशा	26. कही ० जी ० देशपांडे	ກີ
4. जी० एम ० शेव	27. डी० बी० सालकर	17
5. भार० स्थागराज	28. एम० जी० टोल	1)
उ० संकर,	29. पी० ठही० येरंडेकर	"
उप महालेखाकार (प्रशासम)	30. के० डी० पाटलेघर	11
	31. बी० डी० कुलकर्णी	11
कार्यालय महालेखाकार (ले॰ प॰) 1, महाराष्ट्र	32 एम० आही० सावत	7.7
बम्बई-400020,दिनांक 2 जून 1984	33. डो० एम० वर्तक	11
सं० प्रशासन 1/ले प०/सामान्य/स० ले० प० म्र०/2	34. के० एच० मेहता	1)
(1)/1 महालेखाकार (ले॰ प॰)-1 महाराष्ट्र, बम्बर्ध ने,	35. पो० एत ० बादला नी	11
निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रधिकारियों को, पुनर्सरचना के ग्रन्तर्गत	36. जी० एन० देसाई	11
1-3-84 ग्रपरान्ह से प्रभावित सहायक लेखापरीका मधिकारी	37. आहो० पी० लेले	11
के पद पर कार्य करने के लिए, नये लेखा परीक्षा एवं लेखा कार्या	38. डो० रामचंद्रन	1 I
लयों को ग्राबंटित किया है । ग्रगला श्रादेश जारी होने तक :	39. कु०एस० जो० पंजवान	Γ,,
क० अधिकारी का नाम कार्यालय जिसमें नियुक्त	40. एस० डो० जोशो	11
संo किये गये हैं	41. पी० व्ही० गोपालाकुष्ण	न ,,
1 2 3	42. एस० व्ही० कणि क	<i>J</i> (
	43. पो० पो० पिपलोकर	J *
सर्वश्री	44. एम० एम० हिरवे	, ,,,
1. के० एल० मानकर महासेखाकार (से० प०) 1,	45. एम० एस० मुरकर	11
महाराष्ट्र, बस्बई	46. डी० जी० वर्गीस	7.1
	and the second s	11
		17
2. भार० बी० चौबल 3. म्हारे एउटा साराम्बर	46. डी० जी० वर्गीस 47. बी०एस० वने 48. के० राक्षा ड णन	,

2	3	1	2	3	
सर्वंभी			सर्वेश्वी		
.9. वहो ० मे ० पंडोल	महालेखाकार (ले०पा०)	93.	ह्यी० एस० नवाये	निर्देशक,	लेखापरीक
	1, महाराष्ट्र, बम्बई		ч.	केन्द्रीय,	
50. ह्वं≀ े नारायणन	, ,		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	,	. , ,
st. पो० के० हुलसोगी	7)		ह्यो० जो० सुर्वे	17	
52. सुरेश जी जोगी	11		आर० पी० पाटील	1.1	
53. एम० पी० गोपाल कृष्ण न	1.4		एम० ए स० आवेक र	11'	
54. जोखान	1.1		डो०एम० खानोलकर	- 11	•
5.5. श्रीमति सी०सी० नाईकः	11		एम० जे० कांडे	, 1	
56. सरमलक र	1,		ह्यी० श्रोनिवासन	"	
57. श्रीमिति बेबी जान	11		एम० ह्वी० वारीयर		
58. एस० जे० स्वामी	*)		एस० ह्यी० रामपुरे	* 1	
59. एम० जो० सो हो नी	11		पी० के० पाटिल	11	
60. एम० एम० श्रामणकर	1)		एम० बी० विश्वासराव	1 7	
61. आर० संथाना कृष्ण न			एन० डी० जावाली.	,,	
62. र्फा० ए० पाठक	1,		ए० डी० नटराजन	1 7	
63. एस० डो० जयवंत) ;		एम० एस० मेषरजनी	11	,
64. एम े ह्व ि देशपंडि	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	107.	एम० ह्वी० अने	1 1	
55. ह्वीं० आर० रा ज् वाडे	11	108	र्पा० एम० करंदीकर	T 1	
66. एन० जी० चौब ल	11	109.	व्यक्ती० पी० कुलचन्द्रा	11	
67. पी०एस० कर्वे	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	110.	आर० एस० हेगड़े	J J	
68. पा० एन० कुलकर्णी) 1	111.	एस० जे० कुंदनानी	11	
69. के० आए० गेंडये	11	112.	सी० एम० कृष्णन	. ,,	
70. कु० डी० पो० भयानी	11	113.	जे ० एन० मराठे	, ,	
71. के वर्षा पाटणे	,	114.	एन० जॉय० कुट्टी	. ,,	
72. आर० एन० मुलबगाल	निवेशक, लेखा परीक्षाः	115.	जी० के० नेने	J T	
	वै० एवं० वा० विभाग	116.	एस० एस० संकेश्वर	1)	
73. एस०र्ह्मा० दुवें	11	117.	एम० एस० सम्नाभद्ती	7 1	
74. श्रीकृष्णा जी० जोगी	11	118.	सीं० नारायणन	1 7	
7 5. आर ० वेम्बु	* **	119.	डी० जी० पाटील 🗸	13	
76. एस० संकरनारायणन	11	1 2 0 .	जॉर्ज कोशी	ı f	
77. एम० टी पाठक	1)	121.	टी० भास्करण	j' j	
78. के० ह्वां० मोक	11	122.	श्रोमति एलिजावेथ चेरीयस		
79. ओ० पी० श्रीवास्तवा	11	123.	जे० पी० बक्र्य ि	7.1	
80. पी० डी० मेनन	स् र ;	124.	जे० ए० खान	, ,	
81. एम० पी० हराहरपुत्रण			सी० एच० शोहानी	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
	निदेश लेखापर ीक्ष ः, ने द्व		ह्वी० एम० कारकींडे	,,	
	स म्र्		सोमण साकरोयास		
83. आर ० वैद्यनाथन	1+1		श्रीमति फलौरीया अय्वर	,,	
84. बीं० आर० दातार	,		डो० जो० नायर	,,	
85. एस० डी० पतंगे			बी० आर० देशपांडे	"	
86. एस० ह्वा० फेगडे	7.)		कै० एस० स्वामीनाथन	1,	
87. श्रोमति एल० सुंदराम्बाल			जी० जी० ठाकुर	11	
88. श्रीमति सी० आनन्दावली	,,,		एन० एच० पांड्रांगी		
89. संकरानारायणन	()		सी० इ० श्रीनिवासम	; i	
90. टो॰ एन ॰ वें कटरामन	.11		एस० एस०वाडके	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
91. एम० बाई० केणी			बी० एस० देशपाच्डे	; i	
92. जी० रत्नम	9)		भार० सुन्दरासन	11	

1 2	3	1 0 2	3
सर्वश्री		सर्वे त्री	
138. ऋी० बी० माधीनकुर्वे	निदेशक, लेखापरीक्षा, केलीय बम्बई	180. म्रार० के० श्रीवास्तव	महालेखाकार (ले० प०) महाराष्ट्र, नागपुर
139. एन० एस० जमादार	11	181. भार० पी० देवरस	n
140. एम० बी० पाठारे))	182. वी॰ एन॰ बायवार	"
141. बी० डी० पालव	n	183. जी० एम० मातोडे	n
- 142. श्रीमती ए० बी० राय	11	184. पी० एस० मोगले	11
- 143. के०सी०पालुस्कर	n	185. व्ही० एन० जोशी	"
144. श्री घार० जी० वोंड़े	11	186. एम० जी० पांगडे	"
145. वहीं० टी० कावनूर	11	187. एन० व्ही० गोडबोले	n
146. एस० एस० पाटील	11	188 सयद मानसूर ग्रली	n
- 147. एस० के० राउलगांवकर	11	189. एस० बी० भिडे	11
148. श्रीमती एस० भास्करन	31	190. एस० पी० जोशी	11
149. श्रीमती एफ० जे० कारूलकर	11	191. ह्यी० एम० काले	11
150. पी० डी० ठाकूर	п	192. एम० ए० पेंडको	11
151. कु० जैड० एच० गुंजा	11	193. एम० औ० भालेराव	***
152. श्री एन० ग्रार० व्यास	"	194. सी० एन ० देव	11
153. श्रीमती सी० रेमादेवी	η	195. टी॰ पी॰ जमप	11
154. एस० भार० नायर	11	196ः के० विजयानरसिम्हण	**
155. एम० के० रामचन्द्रन	11	197. एस० डी० ग्राम्बास्कर	, D
156. एन० के० येकेदत	$n = -\epsilon$	198. व्हीं वी जाचक	17
157. ऐ० विश्वनाथन	n	199. बी० डब्ल्यू० लोहीतकर	31
158. इति जे० वानावली	11	200. सी० जी० वैद्यना य न	_U
159. भ्रार० भी० मालवणकर	11	201. बी० एम० जोशी	"
160. वाई० सैम्युभल	n	202 एस० के० बनर्जी	11
161. कु० एस० डी० वासवानी	n	203. एम० एन० गडकरी	")
162. एस० एस० कृष्णन	n	204. डी॰ के॰ मापटे	,,
162. जे० पी० जगदीश रत्नम	"	205. श्रीमती पी० पी० चांदेकर	n
164. के० जी० विजयाधरण	n	206. डी० बी० चाफले	· <i>1</i> 1
165. के० व्ही ० खाती	"	200: डॉ॰ पॉ॰ पॉ॰ 207: व्ही॰ एम॰ दिवेकर	n
166. क्ही० एम० ग्रासवानी	n	208. ए० धार० मोचे	11
166. व्हार एमर आसपाना 167. एसर केर भाजरलेकर	2)	209. आर० के० पारखी	*11
167. एस० के० आजरलकर 168. श्रीमती रमानी सी० प्रय्यर	†)	209. जारण्यारखा 210. डी० बी० देशम् ख	11
	11	210. चार वार वसमुख 211. एस० व्ही० सुले	<i>,</i> , •
169. के० टी० सोमसुन्दरम 170. श्रीमती मार० जे० मालु		212. एन० बी० ठाकृर	7)
	n	212. एन० बा० ठाकूर 213. पी० बी० वातक	7 9
बालिया	,,	213. पा०बा० वातक 214. पी० एस० अपराजी त	73
171. एन० एस० जगझापे	n		,,
172. भीमती के विजयालक्ष्मी		215. सी० एस० नारायण राव	tt
178. ग्रार० जे० भिष्टे	महालेखाकार (ले०	216. के० पी० देवदासन	,,
	प०-II, महाराष्ट्र , नागपुर "	217. सीं० अरविन्वकान)†
174. एस० डी० कुलकर्णी		218. एस० व्ही० कुलकर्णी	• 14
175. एस० एम० हातवालने	"	219. सी० एम० पेशवे	3)
1,76. एस० सी० गाह	"	220. व्ही० के० भोंसले	19
177. के० जी० जोशी	"	221. सी० इस० बाकरे	
178. एम० पी० डावरे	"	222. बी० भ्रार० काले	
179. ग्रार० सु व्रमनीय न	17	223. पी० के० मारपट्टीवार	"

12	3	1 2	3
		सर्वेश्री	
224. ए० मं० कारपाते .	महालेखाकार (ले० प०)	267 भार०के० प्रलकारी	. महालेखाकार (ले० प०) I
	म ह ाराष्ट्र, नागपुर		महाराष्ट्र, नागपुर
२२.५ डी० के० दिवानजी .	n	268 एन े बालासुबमनीय न	, ,,
26. डब्स्यू० एन० ना ईक ०	17	269. बी॰ जे॰ पटवर्धन	"
27. डब्ल्यू० जी० गुंडालकर .	"	270. व्ही ० के० वामोर कर	, 11
28. डी० भ्रार० शिलेदार .			•
29. एस० एस० बादगय्या	17	271. सी० एस० मानेकर	•
230. एस० ए० पितके 31. एस० रामचन्द्रा ग्रस्यर	11	272. बी० अही० नाईक	- 17
232. डी० वाई० हिंगनीकर	11	273. ए० के० चन्दनखेडे	•
232. इति वाइताहर्गनाकर . 233. एच० के० सावंगीकर .	"	274. बी० म्रार० पांडे	. "
234. बी॰ वाई॰ बुजोने .	"	275. एच० ए० भीष्मा	
235. बी० बाई ० उपाध्ये .	n,	276. एन० एन० भाटवडेकर	•
236. एस० पी० देवरस	, m	2 <i>77.</i> के ः ग्रा र ः पत्की	
237. एम० ग्रार० शाह	11 ·	278. सी० व्ही० रायपुरे	'n
238. एस० जी० देशपाण्डे	11	279. म्रार० एन० रामटेके	1)
239. व्ही० एन० जानकीरामन .	"	280. पी० पी० ग्रन्जानकर	•
240. पी० एस० तागलपल्लीवार	11		· ·
24.1 के०एन०मोहने ०	n	281. अं० ए० रा क्यू	. महालेखाकार (ले०प०)
242. एस ० एन० जोगी (^[])	11		I, महाराष्ट्र, बम्बई। "
43. एस० एल० मिक्रा	n	282. एम० बी० कोठेकर	H
.44. डी० वाई० पतकी .	11	283. सी० के० जोशी	•
245. ए০ জা০ হৰিছ	"	284. बाई० डी० जोशी	•
246 ग्रार०बी० मांगे	n	285. डी॰ डब्स्यू॰ घोंगे	, n
247. एल • डी० दोतखानी	"	286. एस० एन० गोरेगां वक र	
248. डी० बी० जुगाडे .	1)	287. वाई० डी० शिवणकर	,
२४. एस० एम० श्रोवती .	,,	288. एस० बी० ठाकरे	
2.50. एन० वाई० सोइतकर .	"	289. एम० के० सागदेव	"
251. ए० डब्स्यू० गोखले .	 11	290. बी० पी० फुलझेले	, ,,
252. जी०पी० महाखोडे .	<i>t</i>),	•	· '
253. बी॰ एम० वहीकर . 754. डी॰ के० काले .	"	291. श्रीमती एस० भार० नाय	. <i>n</i>
	57	292. डी० एस० रांगणेकर	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
2.55. के० एल० तेलंग .	,,	293. डी० एन० वर्षे	•
256. एम े डी ० मिश्रा .		294. के० एल ० कारमुडी	• "
257. भार०एल० बादकास .	"	295. टी० ग्रार ्पांचपाके सन	•
258. सी०जी० माठवले .	11	296. एस० व्ही० रांसेकर	•
259. व्ही० एस० मोहारीकर .	"	297. डी० ग्रार० बोडास	. "
260. वाई० डब्ल्यू० पाठक .	"	298. के० पी० गोधवानी	•
261. के०टी० संगीतराव .	11	299. पी० इब्ल्य० गंबाले	
262. एम० बी० लुन्गे .	"	<i>∆ छ छ</i> । याच ३००० च स्वास	•
263. के० एच० पेंडके .	· "		
264. एम० ए० धंजू म .)1		
 -	· 11	सं० प्रशासन <i>1/</i> ले०प०/सा	मान्य/म०ले०प०ग्र०/2(1)2—
2-6,5 सी०डी०तोश्रल .			ाराष्ट्र बम्बई ने प्रसन्न होकर
2 66. भार० एल० नेरकर	"		गरियों को, जिन्हें नये स

परीक्षा कार्यालयों को, लेखा	परीक्षा एवं ले	खा कार्यालयों की			
पुनर्गठना के फलस्वरूप, ग्रांब	ांटित किया	गया है, सहायक			
लेखापरीक्षा अधिकारियों के रू	प में कार्य सं	गदन की श्रनुमति,			
उनके नामों के समक्ष लिखित तारीखों से, नया भ्रादेश जारी					
होने तक, प्रदान की है:					
%० ग्रधिका री का नाम	स० ले० प०	जिस कायौलय को			
#ia	शासिक के पट	ਜਿਲਵਜ ਵਧ ਵੈਂ			

% 0	ग्राधिकारी का नाम		स० ले० प०	
सं०			भ्रघि० के पद	नियुक्त हुए हैं
			पर नियुक्ति	
			की तिथि	
	सर्वश्री			
1.	एस० ए० कबाड़		5-3-84	महालेखाकार
			पूर्वाह्न	(ले०प०) I
				महाराष्ट्र, बंबई
2.	एस० व्ही० कुलकर्णी		19-3-84	निदेशक ले० प०
	, ,		पूर्वाह्न	(केन्द्रीय) बंबई
3.	श्रीमती पी० पी० ए	न०		, ,
	राव		6-3-84	73
			पूर्वाह्न	
4.	एम० जे० मोरे		19-3-84	1)
			पूर्वाह्न	
5.	ब्रार० डी० निगुण		5-3-84	11
	· ·		पूर्वा ह्न	
6.	एम० डब्ल्यू० पौनीव	र ्		
			31-3-84	महाले खा कार
			पू र्वाह्न	(ले॰ प॰) II महा-
				राष्ट्र, नागपुर
7.	ए० के० मुदालियार		5-3-84	"
	,		पूर्वाह्न	
8.	व्ही० एस० नायक		3-3-84	11
_			पूर्वीह्न	
			•• ••	••

सं० प्रशासन/ले०प०/सामान्य/म०ले०प०अ०/2(1)/3—महा लेखाकार (ले०प०) I, महाराष्ट्र, बम्बई ने, प्रसन्न 'होकर अक्षोलिखित अनुभाग अधिकारियों की प्रति नियुक्ति/विदेश सेवा मंजूर का है जिनको लेखापरीक्षा ग्रीर लेखा कार्यालयों की नई संरचना के आधार पर नये ले० प० कार्यालयों को आबंटित किया गया है। उनकी यह सहायक ले० प० अधिकारी के रूप में प्रपत्न प्रोन्नति, नये आदेश के जारी होने तक 1-3-84 पूर्वाह्न से प्रभावी होगी।

5:3-84 पूर्वोह्न

9. बी० जी०जोगलेकर .

不。	अधिकारी	कानाम	 	कार्याल	य	f	जसमें	कार्य
सं०			 	E	कर	रहे	हैं।	
					_	_	•	

 श्री आर० सी० जखमोला भारत के नियंत्रक एवं महार्लेखापरीक्षक, नई दिस्सी।

1	2	3.
सर्वेश		V.
2.	के॰ जनार्दनन	भारत के नियंत्रक एवं
		महालेखापरोक्षक, नई दिल्ला
3. 5	री० एच० परमेश्वरन	महाराष्ट्र जल आपूर्ति
		एवं मलनिर्यास बोर्ड,
		बम्बई।
4. 8	गै० आर० झो पे	"
5. t	ए० ए० वझे	n
6. 8	श्रीमती एस० व्ही० कल-	
ब	तग	निदेशक वाणिज्य लेखा-
		परोक्षा, बम्बई।
7. 3	प्रार ० जेड० पडोले	n
8. 8	हो० ए व० सराफ	कृषि अनुसंघान, भारतीय
		समिति, विटाल, दक्षिण
		कनारा ।
and required require	alifer to seed years some started resid county seeds every seeds to be because your resid seeds to see	अ० कु० सीताराम,
		जिंच क्रूप साताराम,

महालेखाकार का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 11 सितम्बर 1984

वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन।

सं० महालेखाकार लेखापरीक्षा/हकदारी एवं रोकड़/1-10-3/84-85--महालेखाकार का कार्यालय, केरल (लेखापरीक्षा) तिश्वनन्तपुरम, के निम्नलिखित लेखापरीक्षा अधिकारी, अधि-वर्षिता के कारण, उनके नाम के सामने लिखित तारीख से सेवानिवृत्त हो गए हैं:-

सर्वश्री	·	
 के० सुन्नमण्य अथ्यर (सं० 1) 	नेखापरोक्षा अधि- कारी	31-8-84
2. जी० कुष्ण कुरुप	लेखापरो क्षा अधि- कारो	31-8-84

वो० लक्ष्मी नारायणन, महालेखाकार।

कार्यालय, उपनिदेशक लेखा (डाक) कपूरयला-144601, दिनांक 12 सितम्बर 1984

सं० प्रशासन/ए० II/अनुशासन/जैमजिविलियम/ 989—श्री जैम्ज विलियम सुपुत श्रा इनायत मसीह इस कार्यालय मैं अवर लेखाकार के पद पर कार्य करता हुआ जानबूझ कर अनिधकृत रूप से 1-3-83 से अतिरिक्त समय छुट्टी पर रहा ग्रौर समय पर भेजे गए आदेशों की पूर्ति ना करन का दोषी ठहराया गया। के० सि० से० (अ० नि०अ०) निर्ममावली, 1965 के विभागीय नियमों के अन्तर्गत आवश्यक अंनुभानात्मक कार्यवाही का अनुपालन करने के उपरान्त श्री जैम्ज विलियम को 18-7-84 (अपराह्न) से नौकरी से हटाया गया। सेवा से हटाये जाने वाले आदेश उसके कार्यालय में अन्तिम उपलब्ध पते पर उसे भेजे गए। उक्त कर्मचारी ने उसे नौकरी से हटाये जाने वाले उपरोक्त आदेश की पावती नहीं भेजी। अतः एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री जैम्ज विलियम सुपुड श्री इनायत मसीह को 18-7-84 (अपराह्न) से नौकरी ने हटाया जाता है।

ङार० एल० जोशो। उप निदेशक लेखा (डाक)

रक्षा लेखा विभाग

क्षायानय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ल:-66, दिनां 11 सितम्बर 1984

सं० प्रका०/I/1172/1/III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकार्गः श्रं वी० राधाकृष्णन को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रक्षासनिक ग्रेड (स्तर-II) (वेतन-मान ६० 2250-125/2-2500) में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के जिए, दिनांक 22 अगस्त, 1984 के पूर्विह्न ने, आगामी अदिश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त रुरते हैं।

ए० के० घोष, रक्षा लेखा अपर महानियंतक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय आर्डनेन्स फैक्टरी; बोर्ड

कलकता-700069, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० 03/8/ए/ए/म—वार्धक्य तिवृति आयु (अर्थात् 58 वर्ष) प्राप्त कर निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधि-कारी प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत हुए।

ऋ० नाम एवं पद सं०	फैक्टरी	दिनांक
 डा० एस० के० चौधरी, सहायक चिकित्सा अधिकारी 	तोप एवं गोला फैक्टरी, काशोपुर	31-3-84 (अपराह्न)
 डा० (श्रीमती). झरणा वसू, सहायक चिकित्सा अधिकारी 		30-6-84 (अपराह्न)

आर० के० चेल्लम एडिशनल डी० जी० ग्री०एफ०/सदस्य (कार्मिक) ~2 —266 GI|84

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली दिनांक 10 सितम्बर 1984 आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/2/84-प्रशासन (राज०)/6839 — राष्ट्रपति, श्री पी० वैंकटेशन, नियंत्रक, आयात-निर्यात को मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में, 1 जुलाई, 1984 से 31 अक्टूबर, 1984 तक श्रीर (चार महीने की) अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 सितम्बर 1984

सं० 13/9/79-प्रशासन (रा०)/6860 --सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एस०वी० परव, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में स्थाना-पन्न नियंत्रक, आयात-निर्यात 31-5-84 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> एम० एल० जयन्त उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1984

संं ए-38012/1/84-प्रशासन III--राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालय, वस्त्र विभाग, हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र, वाराणसी में सहायक निदेशक ग्रेड I (डिजायन), श्री श्रीनाथ प्रसाद को सेवा निवृति की आयु होने पर 31 जुलाई ,1984 के अपराह्न से सेवा निवृति की अनुमति देते हैं।

दिनांक 1 सितम्बर 1984

सं० ए-12025(1)/1/83-प्रशासन III--राष्ट्र-पति, श्री बी०पी० श्रंजनप्पा को 16 अगस्त 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक के लिए भारतीय हथकर्घा प्रौद्यो-गिकी संस्थान, गोहाटी में निदेशक (संस्थान) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> विवेक कुमार अग्निहोत्नी अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

पटसन आयुक्त का कार्यालय कलकत्ता-700069, दिनांफ 13 सितम्बर 1984 सं० पटसन (प्र०)/147/58-वा० --पटसन आयुक्त ने श्री दिलीप कुमार दत्ता, सहायक निदेशक (पटसन- प्रौद्योगिकी (श्रेणी—1) इस कार्यलय में रु० 550~900/—वेलनमान को सहायक निदेशक (विनिर्माण) वर्ग "क" राजपित्तत के रूप में रु० 700—40—900—द० रो०—40—1100—50—1300/— के वेतनमान पर स्थानापन्न सामर्थ पर पटसन आयुक्त के कार्यालय से 20 जुलाई, 1984 (दोपहर के पूर्व) से नियुक्त किया है। जब-तक अगला आदेश जारी नहीं किया जाता है।

सं० पटसन $(\pi \circ)/149/58/31\circ -$ पटसन आयुक्त ने श्री कस्याण कुमार दास (निरोक्षक तक्तोकी) I-श्रेणी, इस कार्यासय में रु० 550-900/- वेतनमान की सहायक निदेशक (पटसन प्रौद्योगिकी) वर्ग "खेँ राजपित्रत के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200/- के वेतनमान पर स्थानाप्र सामर्थ पर पटसन आयुक्त के कार्यालय में 20 जुलाई 1984 (दोपहर के पूर्व) से नियुक्त किया है जब-तफ अगला आदेश जारी नहीं किया जाता है।

डी० के० गोस्वामी कार्यपालिका अधिकारी कते पटसन आयुक्त

इस्पात भौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्युरो

नागपूर, दिनांक 10 सितम्बर 1984

सं० ए-19011 (325) / 83-स्था० ए० --डा० एम० पी० चाचारकर का रक्षा प्रयोगशाला, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, जोधपुर में वैज्ञानिक "डी" पद पर चयन होने के परिणामस्वरूप उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो से वरिष्ठ रसायनविष् का पदभार विनोक 31 जुलाई 1984 के अपराह्म से छोड़ दिया है।

विनांक 12 सितम्बर 1984

सं० ए-19012(203)/84-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नाति समिति की सिफारिश पर श्री डी०डी० भीम राजु, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनन अभियंता के पद पर दिनांक 30 अगस्त 1984 के पूर्वास्त्र से पदोन्नति प्रदान की गई है।

पी० पी० वादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरी

आकाशवाणी महानिदेशालय, (सिविल निर्माण स्कन्ध)

नई विल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1984

सं० 35018/4/83—सी० डब्स्यू०—महानिदेशक आकाशवाणी नई दिल्ली केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/क् विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय के निम्नलिखित समे-धारियों को सिविल निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी में प्रति-नियुक्ति के आधार पर 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक वास्तुक के पद पर प्रत्वेक के नाम के आगे लिखी तारीख से तथा दी गई समयाबधि के लिए जब इक कि पदों को स्थायी रूप से भरा न जाए जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं:---

क्रुरुसं० नाम	कार्यभार ग्रहण करने करने की तिथि	प्रतिनियुक्ति की अवधि
1. श्री एस०के०		
भटनागर	1-3-84 (पूर्वाह्न)	3 साल
2. श्री प्रेम चंद	3→4→84 (पूर्वाह्न)	3 साल
3. श्री पी०एस०नेगी	16-6-84(अपराह्न)	3 साल
4. श्री डी० जै० देसाई	12-6-84 (पूर्वाह्म)	2 साल

2. अधिकारियों के वेतन एवं भसे विक्त मंद्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० $10/24/\xi$ —III/60, दिनांक 4-5-61 के अन्तर्गत (जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है) नियमित किए जाएंगे।

एस० के० मोहिन्द्रा मुख्य अभियंता, के० ई० मो० कृते .महानिदेशक

नई दिल्लो, दिनांक 12 सितम्बर 1984

सं० 4/2/84-एस-दो-महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा कुमारी बी० अम्बा, हिन्दी सहायक ग्रेड "बी" मंडलीय रेलवे प्रबन्धक का कार्यालय दक्षिण-पूर्वी रेलवे, बिलासपुर को 13 अगस्त, 1984 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाश-वाणी, कटक में, अस्थाई रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

कुमारी अम्बा ने आकाशवाणी, कटन में 13-8-1984 को पदभार संभान लिया।

> मोहन फांसिस प्रशासन उप निवेशक कृते महानिवेशक

सचना और प्रसार मंत्रात्य

फिल्म प्रभाग

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1984

सं० 9/48/49-ई- --श्रीमती एस० बी० पेसवानी' अधीक्षक फिल्म प्रभाग, बम्बई की, श्री आर०पी० परमार सहायक प्रशासकीया अधिकारी को दिलांक 1-9-1984 से

31-10-1984 तक छुट्टियों की मंजूरी देने की स्थिति में, दिनांक 1 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ६० 920/- प्रतिमाह वेतन पर तदर्थ रूप में स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्ति की गयी है।

नरेन्द्रनाथ शर्मा प्रशासकीय अधिकारी कृते प्रशासन निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई विल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1984

सं० ए०-11019/2/84-एम० (एफ० एण्ड एस०) -- राष्ट्रपति ने श्री क्रज किशोर प्रसाद को 30 तवम्बर, 1983 से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधा न संस्थान, पाण्डिचेरी में उप निदेशक (प्रशासन) के पद पर स्थायी क्षाधार पर नियुक्त किया है।

विनांक 1 सितम्बर 1984

सं० ए० 12025/2/83-एम० (एफ० एण्ड एस०)-राष्ट्रपति ने डा० एस० रामास्यामी को 3 अगस्त, 1984
के पूर्वाह्म से तथा अस्थायी आधार पर जवाहर लाल स्नात-कोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी के भेषजगुण-विज्ञान (फार्माकालोजी) में लैक्चरर के पद पर नियुक्त किया है।

> पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० ए०-19012/12/83-के० स० स्वा० यो०- 2-स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० (कुमारी) गशी गोखले को 16 जुलाई, 1984 (अपराह्न) से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेधिक काय-चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1984

सं० ए०-19018/7/83-के०स०स्वा०यो०-1 --स्वा-स्थ्य सेवा महानिदेशक ने हकीम जाकिउद्दीन को 28 अगस्त, 1984 से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय संग्कांग स्वास्थ्य योजना, दिस्ली में यूनानी कायचिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राव उप निदेशक प्रशासन (के०स०स्वा०यो०)

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

कानपुर, दिनांक 20 जुलाई 1984

सं० स्था० ए-19012/54/84--श्री राजेन्द्र सिंह की नियुक्ति "ब" वर्ग के सहायक इन्जीनियर (यांत्रिकी) के

अस्थायी पद पर ६० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेसनकम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में विनांक 17-7-84 (पूर्वाह्र) से की जाती है।

दिनांक 8 सितंम्बर 1984

सं० अ-19012/55/84 स्था०—अधोहस्ताक्षरकार्ति श्री पुष्पेन्द्र कुम।र जैन को रा० गं० संस्था में सनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर जिसका वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 है, 29 अगस्त, 1984 पूर्वाह्न से अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

राम कुमार निदेशक

दक्षिण क्षेत्र फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान

गार्लदिन्ने-515731 दिनांक 18 अगस्त 1984

सं० 2-8/84 पो०एफ०--श्री के० आर० मूर्ती सदर्भ प्रवर शिक्षक, फार्म मशोनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुदनी (म०प्र०) को दक्षिण क्षेत्र फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान गार्लेदिसे, जिला अनंतपुर (आ०प्र०) में 1-7-84 के पूर्वेदिन से 31-12-84 तक या अग्रिम आदेशों तक जो पहले हो तदर्थ आधार पर प्रवर शिक्षक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

मुल्क राज दीवान निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० पीए/79(5)/83-आर- III--नियंद्धक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र इस अनुसंधान केंद्र, के श्री नामदेव भोवाजो धुले, स्यायी उच्च श्रणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक की दिनांक 27 अगस्त 1984 पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केंद्र में सहायक कामिक अधिकारी पव पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> बो० सी० पास उनस्यापना अधिकारो

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भंडार निदेशालय बम्बई विनांक 13 सितम्बर 1984

संवर्भ : डी पी एस/41/2/83-प्रशा०/975-परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, श्री पी० सी० मथाहै को इसी निदेशालय में विनांक 5-3-84 (पूर्वाह्म) से 5-4-84 (अपराह्म) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200 रुपये के वैतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर, स्थानापक रूप से

नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक मंडार अधिकारी श्री के॰ चंद्रशेखरन के स्थान पर की गई है, जिन्हें भंडार अधिकारी (तदर्थ) के रूप में पदीस्नत किया है।

पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं अम्बर्ध-400039, दिनांक 7 जून 1984

आदेश

संदर्भ भाषाप/ओ०४०अ/5(187)/83/2316(ए) —— क्योंकि यह आरोप था कि,

"श्री एस०बी० पटेल, वैज्ञानिक सहायक 'सी', भारी पानी सथन्त (बड़ोदा) ने अपने दर्शक्य के प्रति निष्ठा के अभाव को प्रदिश्चित किया है जो सरकारी कर्मचारी के लिए निर्तात अशोभनीय है। दिनांक 8-7-1933 से आर्य से अनाधि इत रूप से अनुपस्थित रह कर उसने केन्द्रीय सिविल सेवा (अनुबंध) नियम 1964 के नियम 3 के उप-नियम 1(ii) तथा 1(iii) वस उन्लंधन किया है"।

ु और क्योंकि उक्त श्री पटल को दिनांक 22-11-1983 के ज्ञापन सं० भाषाप/ओ०स०अनु०/427 के ब्रारा अभियोग सूचित कर दिया गया था।

और क्योंकि 3-3-1984 तथा 30-3-1984 को बडोदा में उक्त श्री पटेल के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा के (वर्गीकरण, नियन्त्रण तथा अपील) नियम 1965 के नियम 14 के प्रावधान के अन्तर्गत जांच की गई थी।

और क्योंकि दिनांक 2-5-1984 की हुई जांच के प्राधिकारी के प्रतिवेदन में उक्त श्री पटेल के विरुद्ध आरोप सिद्ध हो गया है।

और क्योंकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिवेदन के सबूत और जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रतिवेदन को ध्यानपूर्वः मनन करने के उपरान्त जांच अधिकारी के निष्कर्ष के सहमत है कि उक्त भी पटेल के विरुद्ध आरोप सिद्ध होता है।

अतः अब, अधोहस्ताक्षरी प०ऊ०वि० के आदेश सं० 22(1)/68/प्रशा—II, दिनांक 7-7-1979 के अन्तर्गत प्रदन्त अधिकार का प्रयोग करते हुए इस के हारा आदेश केता हूं कि उक्त श्री पटेल को तुरन्त केवा है निष्काषित कर दिया जाए।

एन० श्री निवासन प्रधान कार्यकारी

सेवा में, श्री एस० वी० पटेल नवलखा हवेली के समीप, भुजवाड़ा, बड़ौदा (गुजरात)

जाँच प्रतिवेदन की प्रति के साथ बस्बई-400039 दिलां ३ 7 जून 1984, आहेश

संदर्भ भाषाप/ओ०रा०अनु०/5(186)/83/2316(बी) --- नयोंि यह आरोप था कि,

"श्री बाई ० अ. पर पटेल, वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता, ग्रेड 'एस०वी' ०', भारी पानी संकत (नड़ोदा) ने अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा के अभाव को प्रविध्य किया है जो सरकारी एर्सचारी के लिए अत्यन्त अशोभनीय है। दिनांक 12-7-1983 से कार्य से अनाधिशत रूप से अनुपस्थित रह कर उसने केन्द्रीय सिविल सेवा (अनुबंध) नियम 1964 के निषम 3 के उपनियम 1(ii) तथा 1(iii) वा उत्लंघन किया है"।

और क्योंकि उन्त श्री पटेल की दिनांक 22-11-1983 के शापन सं० भाषाप/ओ०स०अनु०/428 के द्वारा अभियोग सूचित कर दिया गया था।

और नयोंकि 2-3-1984 तथा 29-3-1984 को बड़ौदा में एक्त श्री पटेल के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा के (वर्गीकरण, नियन्त्रण तथा अपील) नियम 1965 के नियम 14 के प्रावधान के अन्तर्भत जांच की गई थी।

और पर्योदि दिनांक 30-4-1984 को हुई **जांच के** प्राधिकारी के प्रतिवेदन में उक्तश्री पटेल के प्रिरुद्ध आरोप सिद्ध हो गया है।

और क्योंकि अधोहस्साक्षरी प्रतिवेदन के अयूत और जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रतिवेदन को ध्यानपूर्वक मनन करने के उपराक्ष काच अक्षिणरी के निष्कर्ष से सहमत है कि उक्त श्री पटेत के विषद्ध आरोग लिड होता है।

अतः अब अधीह्स्ताक्षरी प०ड०वि० के आदेश सं० 22(1)/68/प्रणान्धः विसांश 7-7-1979 के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकार जा प्रयोग उरते हुए इसके द्वारा आदेश देता हूं कि उक्त श्री पटेल की सेवा से तुरन्त निष्कापित कर दिया जाए।

एन० श्रीनिवासन
सेवा में प्रधान कार्यकारी
श्री वाई० श्रार० पटेल श्रावाई० और० पटेल जांच प्रतिवेदन
वी-50 शिवस सोसाइटी प्रवासी मन्दिर के पास की प्रति के
भाषासं(व) कालोनी लखबाड़ा नडियाड पोस्ट साथ
के पास, छानी जकरत जिला-किरा (खेड़ा)
निकासपुरा गुजरात राज्य
बडीदा-2

बम्बई-400039 दिनांक 22 अगस्य 1984

सं० प्रापाप/05045/जी विशेष्टित नारी पानी परियोजनाओं के प्रधान-कार्यकारी, राजस्थान परमाणु विजली घर के स्थायी सहायक अधिकारी तथा भारी पानी संयंत्र (बड़ौदा) ये स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी, श्री सी के उप्णान को इसके द्वारा 16-3-1984 से भारी पानी संयन्त्र (बड़ौदा) में स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० एल० बता वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1984

सं० ए-32013/16/82-ई०ए० -- महानिदेशत नागर विमानन ने श्री जी०एस० बुदल, उपसिदेशक विमान क्षेत्र, मद्रात को दिनांक 6 अगस्त, 1984 से और अन्य जादेश होते तक क्षेत्रीय नियन्त्रक विमानक्षेत्र, मद्राल के पद पर नियुक्त किया है।

> ांब० भीमिक राहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली दिनांज 29 अगस्य 1984

कमसं० नाम अर्थभार ग्रहण ाने तैयाती स्टेशन की आ**री**ख

सर्व श्री

1. आर्थी पी०के०

बंधोपाध्याय

25-5-83 बैं०सं० स्टेशन, यलदात्ता

সর্ব শির্

28-5-83 লা০খি০ প্র্যাত কল্ব

इनाह्।बाद

3. सी०आर० मुधीर 31-5-83 वै०सं० स्टेशन, मद्रास

4. के० गणेशन 27-6-83 वै०मं० स्टेशन, जनहत्ता

5. श्री शांत्रन् घोष ३१--१०--१३ ----४थोपरि---

6. ए०क०

चट्टोपाध्याय

26-11-83 --यथोपरि--

7. एम०एत०

चऋवर्ती

31-3-84 - यथोपरि---

सं० ए०-12025/1/83-ई०नि० (खण्ड II)(ii)-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अक्षिक्षणियों को प्रत्येश के नाम के
पामने दी गई तारीख में और अन्य आहेश होने तक नागर
विमानन विभाग के वैमानि० संवार संगठन में संचार अधिहारी के पद पर निधुक्त दिया है तथा उन्हें निम्नलिखित
स्टेशनों पर तैनान किया गया है :--

क्रम नाम ार्थग्रहण तैनाती स्टेणत त्रुचे की तारीख

1. श्री एन०एम०

कुणवाहा

1-6-83 व०सं० स्टेशन लखनऊ

2. श्री पी०के०

व०संस्टेशन

झा

17-46-83

मद्रास

হিশান ৫ দিশাস্থ্য 1984

रो०ए० -35.018/7/83 -ई०1---नाष्ट्रपति ने आर० सी० गुणा को वितोज 6-9-84 (पूर्वाह्म) में दिनांक 11-12-1964 हो। की अवधि के लिए अयवापद के विथमित आधार पा सने जाने कठ इनमें में जो श्री पहले हो। पण्डि वैज्ञाति अधितारी के एउ पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है

ओ० पी० अग्रवाल ग्रहायण निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा णुक्क लमाहर्तालय बडोदरा, दिनाक 5 फितम्बर 1984

सं० 14/1984 --श्री ते०टी उनाव्याय, प्रसासिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा गृल्ड (वर्ग "ख्") मण्डल-1, वडोदरा वृद्धादस्या में पेन्सा की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31~3-1984 के अनुपान्न में निवृत्त हो गये हैं।

> एन० बी० सोशावणे समाहर्ता, केन्द्रोय उत्सदादन और सोमा शुरुक, बजोदरा।

नेन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ला-110066, दिलाक 6 सितम्बर 1984

सं० 22/4/83-प्रपासक-1(घ) —-अध्यक्ष, किन्दीय विद्युत प्राधिकरण एतव्द्वारा श्री जीं० एस० दास की केद्रीय विद्युत इंजीवियरी (समूह 'ख') सेवा के अित-रिक्त सहायक विदेशक/लहाराण अभियंता के ग्रेड में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में स्थानायल धामका में 10-7-1984 के अपने आदेशों ता निवृत्त करते हैं।

बो० एम० लाल अवर सचिव

निर्माण निर्देशावय

केन्द्रीय लोक तिर्भाण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 11 नितम्बर 1984

भं० 30/29/83-ई०नीः — राष्ट्रपति निम्नित्वित सहायक इंजीनियरीं (श्विदिन) को रोन्द्राय लोक निर्माण विभाग में नदर्भ आधार पर उनके नामों के आगे दिखाई गई नारिखों के अगे दिखाई पई नारिखों के अगे अपे अधिकार हंजीनियर (सिविन) के नासिनियुक्त करते हैं।

सर्वश्रः

1. एस०पी० पर्ग

30/7/84 (दोपहर बाद)

2. एस०के० गुप्त।

27-7-84

करन सिंह

30-7-84

(अनु०जन०जाति)

4. বী০জাব০লী০ বাব০ 13~7~84
 (अनु० जन० जाति)

नानक सिंह प्रशासन उपनिवेशक

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 13 सितम्बर 1984

सं० पी/जी/14/300ई०---इस रेलवे के कार्मिक शाखा के द्वितीय श्रेणी के स्थानापन्न निम्नलिखित अधिकारियों की नियुक्तियां, उनके नामों के सामने दिये गये दिनांक से, पुष्ट कर दी गयी हैं।

क्रमांक नाम व पदनाम पुष्टिकरण की तिथि

- 1. श्र पी०जे० राव, मण्डल कार्मिक अधिकारी, 12-9-79 वालतेरू।
- 2. श्री वी॰एस॰ शर्मा, प्रवर कार्मिक अधिकारी, 1-3-82 (पी एण्ड पी) गार्डेन्रीच।
- 3. श्री सी०जी० साहा, मण्डल कार्मिक अधिकारी, चक्रधरपुर। 1-3-83
- 4. श्री के०बी० विश्वास, प्रवर कार्मिक 1-3-82 अधिकारी, (आई आर) गार्डेनरीच।
- 5 श्री एस० गंगय्या, मण्डल कार्मिक अधिकारी, खोरधारोड ।
- श्री टी० के० मण्डल, सहायक कार्मिक अधिकारी,
 (एक्न/आर) गार्डेनरीच 1-3-82

एम० के० खोसला महाप्रवन्धक

1-3-82

विधि, न्याय और कस्पनी कार्य मंत्रासय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्याल य

कम्पनी अधिनियम 1956 तथा मैसर्स हैपी वैली हैनुरीण प्राईवेट के बारे में ।

श्रीनगर, विनांक 4 सितम्बर 1984

नं जी जी कि 550/2021 — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि उपयुक्त तिथि से तीन माह की समाण्ति पर अगर कोई आपत्ति नहीं प्राप्त होती है तो मैसर्स हैपी वैली हैकुरीज प्राईवेट का नाम कम्पनी रिजस्टर से निकाल दिया जायेगा और उक्त कम्पनी का विघटन कर दिया जायेगा।

एस०के० सक्सैना कम्पनी पंजीकार जम्मूव काशमीर,श्रीनगर सम्पर्नी अधिनियम, 1956 और मेसर्स हरयानी इंबेस्टमेंट्स प्रा० लिमिटेड के विषय में गवालियर, दिनांस 12 सितम्बर 1984

सं० 1544/पो एस/सीपी/3094—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अनु-सरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि मैं० हरयानी इन्वेस्टमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है

> सुधामीय करमाकरः कम्पनी रॉजस्ट्रार, भव्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर

मानजाली कुरीस एण्ड एजन्सीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनाँक 14 सितम्बर 1984

सं० 2721/लिकिव/560(5)/9497/84—कम्पनी अधि-नियम 1956 की घारा 560 की उप घारा (3) के अनुसार एतव्हारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख़ से तीन मास के अवसान पर मानजालों कुरोस एण्ड एजन्सोज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

ट्रिच्यूर फर्टीलाइजर डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, विनांक 14 सितम्बर 1984

सं० 2244/लिम्बिं०/560 (3) 9499/84--- कम्पनी
अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (37 के
अनुसार एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख
से तीन मास के अवसान पर ट्रिच्चूर फर्टीलाइजर हिस्ट्रीब्यूटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके तिकूल कारण
दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा
और उक्त कम्पनी विषटित कर दो जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रोयल ग्रेनाइट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 4 सितम्बर 1984

सं० 2756/लिम्बि०95/560 (5) 9501/84—अप्रमानी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतदहारा सूचना वी जाती है कि रोयल ग्रेनाइर्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

> श्रम्पनी अधिनियम 1956 और

मार्डन इलेक्टानिक्स गैडजट्स इन्जीतियरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 4 सितम्बर 1984 सं० 2712/लिक्ब०/560(5)/9503/84—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतदहारा सूचना दी जाती है कि मार्डन इलेक्ट्रानिक्स गैडजट्ट्स इन्जीनियरिंग सम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज सम्पनियों के रजिस्टर से साट दिया गया है और उक्त सम्पनी विघटित हो गई है।

> नम्पनी अधिनियम 1956 नौर

मिलियनस रियल एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कोजीन, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० 3076/लिक्वि०/560(5)/9505/84 — कम्पनी अधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतदबारा सूचना की जाती है कि मिलियनस रियल एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से खाट दिया गया है और उक्त अम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

कैरलि चिट फण्ड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनाँक 14 सितम्बर 1984

सं 0 621/लिक्यि 0/560(5) 950—सम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतदबारा सूचना दी जाती है कि कैरलि चिट फण्डस प्राई-वेट लिमिटेड का नाम आज सम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त सम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बादर्स चिट फण्ड्स प्राक्षिवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, विनाँक 14 सितम्बर 1984 सं० 2288/लिक्बि०/560(5)/9509/84--- सम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) ½ अनुसार एतदब्वारा सूचना दें। जाती है कि बदर्स चिट फण्ड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उन्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

नवजीवन प्रिटिंग एन्ड पब्लिशिम सम्पनी लिमिटेड से विषय में कोचीन, दिनांस 14 सितम्बर 1984

सं० 2942/लिक्विंगं | 560 (5) | 9511 | 84 - कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतदब्रारा सूचना दी जाती है कि नवजीवन प्रिटिंग एन्ड पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्ट्रार से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इंडियन ट्रस्ट एण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन विनांक, 14 सितम्बर 1984

सं० लिक्बिं०/483/560(3)/9513/84—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनु-सार एतदहारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इंडियनट्रस्ट एण्ड प्राईविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी अधिनियम 1956 और

परूप केनिंग इन्डस्ट्रीज प्राईबेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं• 2030/लि विव ं 2560 (5) 9515 / 84 / → कम्पनो अधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतदब्रारा सूचना दी जाती है कि परूर के निग इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज सम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त सम्पनो विव टित हो गई है।

के० पंत्राशक्षान कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल अध्य आहें, और एक सुधार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 सार्च 1984

निदेण मं० पी०—114/एकवी०——शतः मुझे, ए० प्रसाद, बाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उदल अधिर्मियम' बहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन ग्रह्म अधिरही को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उविद्य बाजार युख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी श्राराजी खसरा नं० 370, मौजा खुर्रम नगर, तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरममान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अवापूर्वाक्त नंपील का कि विवास मृत्य , उसके उद्यागन गतिकल से एने दश्यमान प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के यीच एने अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिपाल, निमालिखित अन्तरेय से उद्या बन्तरमा , लिखित यो अस्तिबर कप से अधिक नहीं किया गया गैं ---

- (क) अन्तरण सं हुई जिली आब की वाबत उक्त अधिनिधम के धर्धल कर देने के राज्यक के दायिक में ककी करने यह रायम बचने की स्विधा के लिए; सर्विधा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों तही, जिन्हां भागितिय लाग-दार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना नाहिए का कियाओं में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग के अनुसरण

में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपवारा (1)

क घीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, वर्षाच ः--

(1) श्रीमती प्राप्तिना खातून ।

(म्रन्तरक

(2) पर्वतीय यहकारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ द्वारा : सचिव, श्री पी० एस० भण्डारी।

(अम्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को य**ह सूच**ना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति तः अर्जन **के** सि**ए** कार्यवाहियां करता हुं।

उद्भत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति तृ
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनः की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारंग, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा राकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची-

श्राराजी भूमिधरी खत्यरा नं० 370, पैमाइशी 5 बीधा 8 बिण्वान्सी, स्थित मौजा खुरंग नगर, परगना तहसील व जिलालखनऊ श्रौर सम्पत्ति का पत्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी सं० 11511 में विजित है जिसका पंजीकरण सब-र्जिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 17 जनवरी, 1984 को किया जा खुका है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजन रेंज, पटना

तारीख : 30-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) प्रजैन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी०-120/एवबी०---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० सी-21/4 का हिस्ता मलदिहया, हबीबपुरा, वाराणमी में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिभिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 20 मार्च, 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एंसे इस्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रशिवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तत अन्तरण निश्चत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगान में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
3—266GI84

- (1) 1. श्रीमती ऊषा रानी उर्फ श्रीमती ऊषा रविसेन,
 - श्रीमती देविका रानी उर्फ श्रीमती देविका रमन ।
 - श्रीमती सरिता रानी उर्फ श्रीमती सरिता श्रग्रवाल।

(श्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती पृष्पा देवी अग्रवाल।
 - 2. श्रीमती सावित्री देवी श्रग्रवान ।

(अन्तरितः)

(3) विकेसा

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यविभयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकीं।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मकान नं भी-21/4 का हिस्सा स्थित मलदहिया, ह्बीबपुरा, वाराणसी मयभूमि पैमाईशी 5732 वर्ग फीट, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 20 मार्च, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-9-1984

प्रकृष कार्ड , टी , एन , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

धारत वरकार

क्रप्यास्य , सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० मं० यू०-35/एक्वी०---मझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000 / 25 से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० सी 21/4 का हिस्सा मलदिहया, ह्वीबपुरा, वाराणमी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, वाराणमी में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, नारीख 20 मार्च 1983

का प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिल्पाने के सुविधा के लिए;

कतः जब, उद्धतः जीधनियम की धारा 269-ण के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीतः :----

- (1) 1. श्रीमती ऋषा रानी उर्फ श्रीमती उषा रविसेन ।
 - श्रीमती देविका रानी उर्फ श्रीमती देविका रमन ।
 - श्रीमती मरिता रानी उर्फ श्रीमती सरिता ग्रग्रवाल।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती उवा पाहुजा ।

2. श्री सतीश कुमार।

(ग्रन्तरिती)

(3) विक्रोता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया हैं।

-प्त्जी

मकान नं० सी 21/4 का हिस्सा, स्थित मलदिह्या, हंबीबपुरा, वाराणमी मयभूमि पैमाईशी 5791 वर्ग फीट, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 20 मार्च, 1984 को किया जो चुकाहै।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-9-1984

मोहर _

प्रक्षम् बार्चः . टी . एव . एस . -----

अ।सकर अभिनितान, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, तागपुर

नागपुर, दिनांक 26 जुलाई 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० मी० एक्षी०/13/13/84-85---ग्रान: मुझे, एम० सी० जोणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम इसके पदकात 'उवत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269 ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं खुली जगह जिसका सी के नं 50/1-ए० एम० व० 56 सी ठी० एम० नं 18816 साट नं 261 इटखेड़ा, श्रीरंगावाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रीरंगाबाद (डाकूमेंट सं 109/84) में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, सारीख 9 जनवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नतिश्वत उद्योगय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त आपि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए आपर/या
- ह) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमां अधीतः :— (1) मै० किणनदास गोवर्धन दास
गंगापुर वाला ।
 श्रू पार्टनर श्रीगोवर्धन दास लक्ष्मण दास,
गंगापुरवाला रा० पार्डीबा,
 श्रीरंगाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मानकचन्द नवब मल गाधी, रा० पडीबा श्रीरंगाबाद, श्राणी, इतर-14 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पर्तिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उनत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ब्वागः;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिला-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया पमा है।

वयस्यी

खुली जगह जिसका मी० नं० 50/1ए, म्यु० न० 56, सी० टी० एस० नं० 18816 मीट नं० 261 इटखेडा, श्रीरंगाबाद 65568 स्वये० फीट (6091 स्वये० मी०)।

> एम० सी० जोशी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नारीख: 26-7-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

बस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 जून 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्बी०9/3/84-85—श्रतः मुझे, एम० सी० जोशी

नायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० खेत सर्वे नं० 57/1 है तथा जो मौजा सेगांव, प्र० नांदगांव पेट, ता० जिला श्रमरावती में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमरावती में (डाक्सेट सं० 283/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 जनवरी, 1984

करें पूर्वित सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस उन्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण की, जैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बाबाराच गोचिन्दराच नवले, रा० सरस्वती नगर, श्रमरावती ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० सुदर्शन ट्रेडर्स, मैं० मिलक श्रीमती जे वी बाई, श्री किशन छांगानी, रा० बच्छराज, प्लाट ग्रमरावती ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

खत सब न० 57/1. जो मौजा झेगांव प्र० नांव गावपेठ, ता० जिला ग्रमरावती में स्थित है जिसका कुल एरिया एकड़ 4 गुंठे 3 में से 2 एकड़ जगह।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 19-6-1984

मोहर

प्रकृष आहैं. टी. एन. एस. - - - - - नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 16 जून 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० मी० एक्वी०/12/13/84-85---श्रतः मुग्ने, एम० सी० जोगी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रुट. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाटस है तथा जो सर्वे नं० 33, मौजा नवसारो, ता० जिला श्रमरावती में स्थित है (ग्रीर इससे उपापढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रमलावर्ता (डाक्सेट मं 278, 279/84-85) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 5 जनवरी, 1984

को पृत्रों कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी अध्य की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में प्रविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के चधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अधित्:-- (1) श्री श्रब्दुल भाई मोशन श्रली, श्रार० नं० 9, नागपुरी गेट के श्रन्दर, श्रमरावती ।

(यन्तरक)

(2) नियोजित अभियन्ता सहर गृह निर्माण संस्था, चीपा प्रमोटर । श्री ए० सी० वानखेड़े, राधा नगर, अमरावती ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्स में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

10 प्लाट्स सर्वे नं० 33, मौजा नवसारी, ता० जिला श्रमरावती ।

> एम० सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, नागपूर

नारीख : 26-6-1984

मोहर ¤

प्ररूप आदि दी, एन. एव:-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 25 जून 1984

निदेश सं० भाई० ए० सी० एक्की०10/13/84-85---भ्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कम्कान नं है तथा जो प्लाट नं 301 शीट नं 81 बीं सावणपुरा, श्रमरावती में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्न रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमरावती (डाक्सेंट सं 346 31-1-84) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारींख 31 जनवरी, 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य वसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिसयों) के नीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ति विश्वत

अन्तरण से हुई किसी आय की आजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/या

एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम या धन्कर अधिनयम या धन्कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) बैंडभीन, निम्नलिक्ति स्पक्तियों संधीत (1) श्री दुलीचन्द राम चरण लाल जैसवाल, ग्रम्बादेवी मार्किट, ग्रमरावती ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती निर्मला देवी सत्यनारायण झंवर ।
 - श्रीमती णांता देवी मुरेश कुमार झंबर, श्रमरावती ।

(भ्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंच :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्धि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्रे अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान साबरपुरा श्रमरावती में स्थित है जिसका प्लाट नं० 301 है श्रीर शीट नं० 81 बी है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 25-6-1984

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन तुमना

भारत सरकार

कार्यात्मय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनाः 27 जुलाई 1984

निदेशमं० आई०ए० मी० एक्वी० /17/14/84--85----अतः मुझे, एम० मी० जोशीः,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3/5 है तथा जो गाईन रोष्ट पेक्षवे प्लाट यवतमाल में स्थित हैं (और इसस उपावद्ध अनुसूचः में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं) रिजिस्ट्रीयत्ती अधिकारी के कार्यालय यवतलाम (डाक्सेंट सं०) में रिजिस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 24/27 जनव्री 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिशियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बामित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/बा
- (ज) एती किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतियस, के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चैं अभीन, निम्नचिक्ति व्यक्तियों, अधीत :—— (1) श्री बायांदमल उर्फ विद्यासागर अवस्त सिंह बडीला भार पजलवाडी कैस्प ययतमाल ।

(अन्तरहर)

- (2) 1. श्रीभुरेण यादव राव येरावर
 - श्रीदीपः यादवराव येरावरः।
 रा० सिविल लाइन येवतमालः।
 - 3. श्री यादवराव नारायण राव गादेवार
 - श्रीमुधाकर उद्धवराव गादेवार रा० काजोरिया नगर यवनमाल ।

(अन्तरिती)

कां यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र मों प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी
 अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित में दिये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्युषी

्लाटनं० 3/5 मीट नं० 37 गार्डेन रोड पेझवे प्लाट यवतमाल कुल एरिया 32500 स्के० फीट।

> ्म० सी० जोषी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयावर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

न**ार**ीख: 21 - 7-1 4

मोहाड 🛢

प्रकथ गाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26%-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपूर

नागपुर, दिनांक 26 जुलाई 1984

निवेशसं० आई० ए० सी० एक्की०/14/113/84~85~ अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 71/84—85 है तथा जो सर्वे न० 138 है खेती है म्युनिसिपल लिमेट परमानी में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधि ारी के कार्यालय परमजी (डाक्सेट सं० 71/84—85) में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी खा 10 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिक्त व्यक्तिस्तां, अधाँत :—— (1) श्रीशिक्तदर खान अब्दुल रङ्जाक खान कांति **च**ैक परमनी ।

(अन्य रहा)

(2) मैं । सहेश ट्रेडर्स पार्टनप श्रीरामेण्यर डी । अग्रवाल परमनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः —— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्थी

खेती सर्वे नं० 138 म्युनिसियल कमेटी परमनी के अन्दर।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

सारीख: 26-7-1984

मोहर 🏻

प्रकृष् आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर भिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहाय्क नायक र नायकत (निरोक्तण)

अर्जन रेज- 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० सी० रेंज--11/कलकत्ता/1984--85---अतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो वर्धमान रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम अधिकारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 17 जनवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में भारतिक रूप से क्षित कर में क्षित कर से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने की अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्वीदना के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए

- (1) श्रीरघ्नाथ प्रसाद यानोरिया औरअन्य। (अन्तरक)
- (2) मैं । एन । बी । आई । उन्डस्ट्रीयल फाडनेंस रूम्पनी लिमिटेंड ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारना हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास् निश्चित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, तही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

मन सूची

जमीन 34.03 शहा जमीन के साथ मकान । पता—15 वर्धवान रोड (मार्कलट ए) क्लक्सा थाना अलीपुर।

राक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में 17-1-1984 में। रिकस्ट्री हुआ कमिश संख्या 22।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिद्यारी महायदा आयदार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; कलकन्ना

दा**रो**ख: 17--8-1984

प्ररूप आह². टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुखना

भारत शरकार

कार्यासयः नहायक कायकर आयुक्त (मिरीकण) अर्जन रेंज, कलकताः

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० सी॰ रेंज--I|/कलकणा/1984→**85**--अत: मुझे, एस० के० बनर्जी.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उनत निधिनियम' कहा गया है'),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो बर्धवान रोड कुलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित रिजस्ट्रीयर्ती अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 जनवरी 1984

को पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इल्यमान प्रतिकल से एसे इल्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे अचने मों मृविधा के लिए; और/था
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कं नभीत, निम्नलिसित व्यक्तियों, नधीत :—- (1) श्रीरचुनाथ प्रसाद कानोरिया औरअन्य।

(अन्तरक)

(2) मैं अधुबस्रत लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

जमीन----10.37 कट्टा जमीन का साथ मकान ।

पता—15 वर्धवान रोड (मार्क लट बी) कलक्ता थाना। अलिपुर स्थान अधिकारी के कार्यालय में 13-1-84 में रजिस्ट्री हुआ कमिक सं०-23

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II 54, रको अहमद किदबाई रोड, कनकत्त-16

दिनांक: 14-8-1984

प्रकृष् नाहुँ न दी न एन न एस न ------

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश सं० ए० सी० 24 रेंज-4/कलकत्ता/84-85--भ्रतः मृत्ते, शंकर के० बनर्जी

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के विधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/रु. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रालमपुर, हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 6 जनवरी, 1984

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तपुण वं हुई जिल्ली बाव की वावत, उक्त ब्रिशिवन में अधीन कर वंते के अन्तरक के वाजिल में कनी करने या शक्त क्यतें में सुविचा के सिए; ब्रीप्/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में समिथा के विद्य;

बंधः बंब, उब्त मिनियम की भारा 269-ग के मनुबर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्चात् .-- (1) श्री रघुनाथ, श्री निर्मल, श्री मधु सूदन, श्री ग्रनिल सोमानि,

(भन्तरक)

(2) श्री विनय फरजिन लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय थे 45 विन की अवृष्टि या तस्सम्बन्धी क्या क्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की बर्बाभ, जो भी अवृष्टि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिटबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोकरण :--इसमें प्रमुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, से अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्यास में विस्थ प्याहाँ।

मन्स्ची

जमीन 6.6 बीघा जमोन का 1/5 भाग । पक्षा----ग्रालमपुर, थाना संकाईल, जिला हावड़ा । दलील सं० 1984 का 66 ।

> णंकर के० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजंन रेंज−4, कलकत्ता

तारी**ख**: 3-9-1984

मोहर 🛭

प्रकृष बाह्र , टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निर्देश सं० ए० सी० 25/ अर्जन रेंज-4/कलकत्ता/84-85-श्रत: मुझे, शंकर के० बनर्जी.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं व है तथा जो श्रालमपुर, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 6 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इत्य शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अधीन, निम्निनिध्य व्यक्तियों, अधीन:-- (1) श्री रघुनाथ, श्री निर्मल, श्री मधुसूदन, श्री ग्रमिल सोमानि ।

(भ्रन्तरक)

(2) अभिनय फरजिन लि॰।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन--- 6. 6 बीघा जमीन का 1/5 भाग । पता----श्रालमपुर, थाना सांराईल, जिला हावड़ा । दिलल सं०-1984 का 67 ।

> गंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज∼4, कलकत्ता

तारीख : 3-9-1984

माहर

प्ररूप बार्च टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश मं० ए० सी० 26/एज-4/कलकत्ता/1984-85--श्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्रालमपुर, हावड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि—नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 6 जनवरी, 1984

को पूर्वे वित संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ राया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उकत मन्तरण जिलाकत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बागत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के निए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री रघुनाथ, श्री निर्मल, श्री मधुसूदन, श्री अनिल सोमानी ।

(मन्तरक)

(2) श्री भिनय फरजिन लि०।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उभत्त 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन—6.6 बीघा जमीन का 1/5 भाग । पता—श्रालमपुर, थाना सांराईल, जिला हावड़ा । दलील सं० 1984 का 68।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶4, कलकत्ता

तारीख: 3-9-1984

प्रकृत बाइ, टी. एन. एव. -----

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्थीन स्थना

बारत ब्हुकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्तां, दिनांक' 3 सितम्बर 1984

निदेश सं० ए० मी० 27/ अर्जन रेंज-4/कलकत्ता/84-85-यतः, मुझे, शंकर के० बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको सं० है तथा जो श्रालमपुर, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारों के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6 जनवरी 1984

को पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृशोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एस स्थमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उचित अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी अरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बाँड/था
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

बह: बब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसर्थ भों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री रषुनाथ, श्री निर्मल, श्री मधुसूदन, श्री ग्रनिल सोमानी ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री भिनय फरजिन लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के भर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कांड्रों भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्याष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

जमोन—-6.6 बीधा जमोन का 1/5 हिस्सा। पता—-प्रालमपुर थाना सांऋईल, लिला हाबड़ा। दलोल सं०-1984 का 69।

> शंकर के० **धनर्जी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज–4, कल**क**ता

तारीख: 3-9-1984

शरूप शहरै, टी. एत. एस.------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-न (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मितम्बर 1984

निदेश मं० ए० सी० 28/73-4 कलकत्ता/84-85-यतः, मुझे, शंकर के० बनर्जी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पिन, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्रालमपुर, हावड़ा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रो— कर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधोन, तारोख 6 जनवरी, 1984

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय को बाबत उक्त आँघं-विश्वम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्सर अपने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारो प्रकट नहीं किया सद्या था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, क्लिनिक्त व्यवितयों, अर्थात :--- (1) श्री रघुनाथ, श्रो निर्मल, श्री मधूमूदन, श्री ग्रनिल मोमानः ।

(असारक)

(2) मैं० भिनय फरजिन लि०।

(ग्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी अविक्तरों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकता

तारोख : 3-9-1984

प्रकृप बाईं, टी. एव. एव.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर काम्क (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, मद्रास
मद्रास, विनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 48/जनवरी 84/रंज-2—-ग्रतः मुझे, एम० सामुबेल,

बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परवात जिस्त विभिन्नमा कहा गया हैं). की भारत 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपतित जिसका उजित बाबार मूक्ब 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 36, वार्ड सं० 12, डी० नं० 12, वार्ड 15, कैलांसम हाऊस है तथा जो स्थित है(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम पन्न सं० 164/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पृथेक्ति संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के नीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्या निम्नीसीयत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्त-विक स्थ से स्थित नहीं किया क्या हैं है---

- (क) अच्छरण वे हुए किली नाग की नानत सकत निध-निसम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्न में खनी करने वा अकते वचने में बुविधा के निये; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एन० परमेण्वरन श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपी०ए० एल० ग्रण्णामलै।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ड भी जाक्षेप ह**—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, कांभी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति पंकिए वा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भगा है।

मन्सूची

भूमि श्रौर मकान—-डा० नं० 164/84 केशेडुल में दी हुई सम्पत्ति, गांधीपुरम ।

एम० सामुबेल सक्षमप्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-9-1984

प्रक्य ब्राइ. टी. एन. एस. - -

नायकर निधानियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 206/जनवरी/रेंज-2/----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पल्लडम तालुक तोट्टिपालयम गांव में है तथा जो तिकप्पूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्या-लय तिकप्पूर पत्न सं० 246/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गड है और सभी यह विद्यार

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकल, निस्निसिंद उद्देश्य से स्वत बन्तरण निचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंदरण से हूइ किसी बाथ की बाथतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; कॉर/बा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 5--266GI/84

(1) श्रीसौंधध चेट्टियार ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती ग्रार० वेल्लम्माल श्री रामस्वामी की पत्नी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा नधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए वा सकींगे।

स्यख्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि मौर मकान-तोट्टिपालयम गांव, पल्लउम तासुक, तिरुप्र पन्न सं० 246/84 मैलायूर।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, मजस

सारी**ख** : 6-9-1984

प्रारुप आई. टी. एत. एस.------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, भद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 211/जनवरी 84/रेज-2-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० परलक्ष्म गांव, तिरुप्पुर टाऊन, तोठ्ठिपालयम गांव है तथा जो तिरुप्पूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय तिरुप्पूर पन्न सं० 122/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बीर मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उषित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से एसे हश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिद्धा और/सा
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए;

जतः वयः, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मैं, अक्त जिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को जधीन, निम्निसिंगित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री जेतुभाय गोविघ जी पावर एजेंट : मै० के० वी० काटन एण्ड विविग श्रीर प्रोसेसिंग कम्पनी प्रा॰ लि० ।

(मन्तरक)

(2) मै० कार्तिक कम्पलैक्स।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर मकान—वार्ड नं० 15, डोर सं० 7, तो द्विपालयम गांव, पल्लंडम तालुक, तिरुप्र पत्न सं० 122/84, तिरुप्र ।

> श्रींमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-9-1984

प्ररूप आहे टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मत्रास

मद्रास, विनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 177/जनवरी 1984/रेंज-2-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि भ्रौर मकान पुदुकोटी गांव में है तथा जो पुदुकोटी डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भौदापेठ पत्न सं० 86/84 में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिक्रत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकाँ) और जन्तरित (जन्तरितयाँ) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है हिला

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविक्धा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती रानी अपराक्षिय नचियार।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० राजेन्द्रन ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि भौर मकान: --पुबुकोटी तालुक पुबुकोटी डिस्ट्रिक्ट संव नंव 127-1, पत्र संव 86/84, गौदापेट ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीक : 6-9-1984

मोहरु 🖫

प्ररूप नार्द्रं, दी., एन., एस.,-----

बायकर अर्धिनियम, ,1961 (1961 का 43) की भारा 269-ग (1) के बुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 145/जनवरी, 1984/रेंज-2-प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित काजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० घड़यार गांव, शैदापेठ तालुक येमलपठ डिस्ट्रिक्ट एस० नं० 63 है तथा जो भ्रडयार में स्थित है (भौर हससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री—कर्ता मधिकारी के कार्यालय, घड़यार पत्न सं० 194/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, विस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पेने के अन्तरक के सामिल्य में कभी करने मा उससे समने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भग या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में सुनिया के हिन्दाः

बत्रक बन, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त मधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलुखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्रीटी॰ बी॰ लक्षनांयी धौर श्रीटी॰ बी॰ बाल्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पीं ० सेल्लडीन ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृत्रोंक्त सम्पृतित के वर्णन के दिवह कार्यनाहियां शुरु करता हो।

उनतः सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेड्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीक रणः — इसमें प्रवृक्त सब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नमुस्पी

भूमि—शैवापेठ तालुक, येंगलपेठ डिस्ट्रिक्ट गांव झडयार, एस० नं० 63, पत्र सं० 194/84/झडयार।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मजास

तारीख: 6-9-1984

प्ररूप बार्च टी, एन. एस.------बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 सितम्बर 1984

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1, रामाकृष्णा स्ट्रीट, अथवा 25 माम्बलम रोड, है तथा जो टी॰ नगर, मद्रास-17 में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से भ्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी॰ नगर, पत्न सं टी॰ एस॰ नं॰ 7958/3 न्यू टी॰ एस॰ सं॰ 4698 में रजिस्ट्रीकरण श्रधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उद्वोक्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बुन्तरण ते हुई किसी बाद की बाबत ज बन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से किए;

क्तः वय, उक्त विधिनियम, की धारा 269-म् के बनुसर्क में, में., उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन,, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राम कृष्णा मिशन बेलूर भट होरा (वेस्ट भेंगाल)-711202।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० श्रप्पू होटेलस लिमिटेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करमः चन्द्रममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अखिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, बही सबंहोगा, को उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्यी

भूमि भौर मकान---25, माम्बलम रोड, टी॰ नगर । टी॰ एस॰ नं॰ 7958/3, टी॰ नगर, रिजस्ट्रीकर्ता ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-9-1984

मोहर:

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . -----

मायक ड मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नाय्यत (निर्देश्य)

घर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 5/जनवरी, 1984/रेंज-2-मातः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपब से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2 वार्ड कुम्बकोणम टाऊन, टी० एस० भ्रार० विग स्ट्रीट है तथा जो कुम्बकोणम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिर्धकारी के कार्यालय, कुम्बकोणम पत्र सं० 21/84 में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम सं हुइ किसी बाय की बायत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के जिए; शहर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए:

अतः जब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग वी अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्तों, वर्षात् ६(1) श्री भार० श्रीनिवासन भौर अन्ध।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के॰ एम॰ एस॰ के॰ बालसुत्रमणियम चेद्रियार ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्धबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का., आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि --- 2 वार्ड, कुम्बकोणम टाऊन, टी॰ एस॰ ग्रार॰ विग स्ट्रीट, कुम्बकोणम । (लेख सं० 21/84) कुम्बकोणम ।

> श्रींमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायंक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्वास

तारीख : 6-9-1984

मोहर:

प्रकप बाहा टी. एन. एस.----

भागकर अभि िनयम, वि961 विश्व की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 96/जनवरी 1984/रेंज-2----श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० 5, टी० एस० नं० 2430 भीर 2429 ब्लाक ए, बी, सी, डी एफ जी, है तथा जो पुतुकोड्डे में स्थित है (श्रीर इससे उपावद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी कार्यालय, पुदूकोटे लेख सं० 204/84 रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मून्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंक्षेह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेषों से उक्त अन्तरण निवित्त में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; औद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 की (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, जर्भात् ६—— (1) श्री भार० राजगोपाल कोण्डमान भौर यूसरा।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री ए० मेईयपप्पम

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

मन्स्ची

भूमि भौर मकान—वार्ड नं० 5, टी० एस॰ नं० 2430/ 2429 ब्लाक में ए, बी, सी, डी, ई० एफ जी एच पुदुकोट्टी टाऊन, लेख सं० 204/84 पुदुकोट्टी

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6र 9-1984

मोद्दर 🗈

प्रस्य बाह्र टी. एन. एस. -----

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायकं भायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 107 ने हे स्ट्रीट, कारेक्काल टाउन है, तथा जो कारेक्काल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कारेक्काल लेख सं० 36/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नसितित उद्देश से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सविधा के सिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिवित कित्वां, अर्थात् :--- (1) श्री मरिया नाशासिरम तेलोर ग्रीर भन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनीमेगलाई।

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथ्वें कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा, जो उस अध्याय में किया गवा हैं।

अपचर्ची

भूमि भीर मकान 107, नेरु स्ट्रीट कारैक्काल लेख सं० 36/84 कारैक्काल टाउन ।

> श्रीनती एम् सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज=II, मद्रास

तारी**ख:** 6-9-1984

मोहुरु 🛭

प्ररूप बाइ. दी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के लधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयक्तर आएक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज्-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 55/जनवरी, 1984/रेंज-II---श्रतः मुझे, एम० साम्बेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उकत बीधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 63, तोहिपालयम गांव है तथा जो तिरुप्र श्रीर जिसकी सं 63, तोहिपालयम गांव है तथा जो तिरुप्र श्रिर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, तिरुप्र लेख सं 261/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984 को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंवरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण निसित मे

नास्तिबिक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के टायित्व में कमी करने या उसमें क्यने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य मास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुतिधा जाता ।

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधेन निम्निलिखिङ व्यक्तियों, जर्यात् हि—— 6—256GI/84

(1) श्री पलनियम्माल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपी० एक्षियप्पन भौर म्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अमस ची

भूमि—डोर नं० 64 ढी० एस० नं० 129/4/2 भौर डोरनं० 63 डी० एस० नं० 129/4/2 तोिं पालयम तिरुप्पर। लेख सं० 261/84 ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 6-9-1984

मोहर

प्ररूप अपद्व. टी. एत . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26 नग (1) के नाधीर सुपना

(1) श्रीमती ग्रमीना नीवी श्रीण ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपी० चन्द्रशेकरन ।

(अन्दरिनी)

भारत सणकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आय्वत (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 7/जनवरी 1984/रेंज-II--- धतः मुझे, एम० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिरियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000⁷-रडः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 48/84 के शेडुल में दी हुई सम्पत्ति है जो में स्थित है (और इनके उपाजद में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधि ारी के कार्यालय कुंबकोणम लेख सं० 48/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी, 1984

को पुर्गीत सम्पत्ति के उचित बाजार स्ल्य से काम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित धाजार मृत्य, इसके दश्यभान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रिफल निम्नलिखित उददोश्य से उकत अंतरण लिखित में **बास्तरिक** रूप से कश्यित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुए किसी बाग की बाबत, उक्त ्रिभागात के अभीन कार हो। की अन्त्या की दापि व में कभी करते या उत्से बचने भें सुविधा े लिए, और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हीं भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) **या** उका अधिनियम, **या** बहानार अधिनियम, 195 (1957 का 27) वे धवानमार्थ अन्तरिती व्वाप प्रकार नहीं किया ा के पारिकास जाना को एका, दियाने में स्विभा के लिए;

का यह सचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी अप्रांप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख सं 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी ध्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रवेक्ति वाक्षितवों में से किपी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्योकरणः -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिकाधित है, बड़ी अर्थ द्वांगा जो उस अधाय में विदा मया हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान-लेख मं० 48/84 के शेंडुल में दी हुई सम्पत्ति /कुम्बकोणम ।

> एम० साम्बेल सक्षय प्राधि अरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, महास

भतः अत्र अवतः अधिनियम् की। धारा 269-ए के अनुसरण भें, में, जबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) षे अधीर, निम्ननिधित व्यक्तिस्त अधीत :---

तारीख : 6-9-1984

मोहर:

प्रख्य बाइ'.टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 88/जन०/84/रेंज

श्रतः मुझे, एम० सामुवेल

नायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पंच्चजंगुष्पम गांव (सं० 45र०) ब्लाक सं० 3 है तथा जो कडलूर तालूक माउथ ग्ररकाठ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कडलूर (लेख सं० 64/84) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1984

का पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान पितफल के लिए अन्तरित को गई हैं और अभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित को उचित बाजार मूल्य लगकी स्थापताल पितफल में, एगे देखमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिन कर कार्य करने करने परित्यों के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिन कर करने करने परित्यों के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिन कर करने करने करने परित्यों के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत किथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एची किसी अग्य या जिली धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) हो अभीन निम्मालिकित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) दी साइंटीफिक फर्टीलाईजर को० प्रा० जि०।

(भ्रन्तरक)

(2) डायरेक्टर श्री टी॰ वी॰ वी॰पति श्रीमती ग्रार॰ संतानलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्थोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

बाबरा सम्पत्ति का अर्जन को सम्बन्ध की कोई। भी आरोप :--

- (क) इस स्वना के राजपक के अकाशन की तारीख से 45 धिन की अविध या तत्म म्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहरूतक्षारी के पास लिखित में किए जा सकी थे।

स्पव्योक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त जिम्हियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सक्षा ही

बन्स्ची

भूमि:—-डोर नं० 45ए०, ब्लाक नं० 3 पंच्चजंगुप्पम गांव कडलूर तालूक, सीत धारकाठ डिस्ट्रिक्ट लेख सं० 64/84 कडलूर ।

> एम० सामुबेस सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

विनांक : 6-9-1984

मोहरः

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

ब्रायश्वर मित्रियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सुख्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ^{II}, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 194/जन० 84/रेंज II---ग्रतः मुझे,

एम० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-छ। से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 160, ग्रारं के मठ रोड़, श्रणामलेपुरम है तथा जो मन्नास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मैलापूर पन्न सं 35/64 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखन में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुन्दें किसी बाय की दावत, उक्त बाधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में काबी करने या उत्तले वचने भें सुनिधा के सिद; सार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्री एस० डोलेग्रम्माल, सी० दमयंती ग्रम्माल श्रीमती ग्रंजुगम ग्रीर सी० राजा बण्मुगम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भार० सुम्रमणियन, एस० स्थामावाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुषता बारी करके पूर्वेक्त सम्पृत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियों केरता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से फिसी स्पनित बुवारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में. परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भुमि श्रीर मकान:—160, श्रार० के० मठ रोड़, राजा श्रण्णामलैपुरम, मद्रास पत सं० 35/84।

> एम० सामुवेल सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 6-9-1984

मोहर :

प्रकृत बाद ्री प्रकृतका कार्य

नाधकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुवना

भारत सहकाड

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 192/जन० 84---श्रतः मुझे, एम० पामवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यान् 'तक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है:

श्रीर जिसकी सं० 16, पठम्माल स्ट्रोट, सोमु मुदलियार कालोनी है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के मैलापूर पत्न सं० 47/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन तारीख जनवरो 1984

को पृत्रींत्रतः संपरित को उत्तित बाजार मृत्य मं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उत्तित वाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिमयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिक उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया हैं।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, जनत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वजने में सुविधा के निए: क्षोर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जारितमाँ को, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, 41 धन-कर अधिनियम, 41 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

(1) मदास संस्कृत कालेज ग्रीर एम० एस० बी० पाठणाला दस्टी के० चन्द्रशेखर ग्रय्यर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० आर० विश्वनाथन ग्रॉर मीनाक्षो विश्वनाथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

डाक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भुमि और मकान :--16, पठम्मल स्ट्रीट सोमु मुदलियार कालोनी, मद्रास-28 पत्र सं० 47/84/मैलापर ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज II, महास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारी 269-ग के अनुसरण मं-, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीत:

दिनांक : 6-9-1984

मोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर वायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 188/जन० 84/रेंज II—-ग्रत: मुझे,

एम० सामुबेल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके प्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उधित क्षाजार मृज्य 25,000/- रा. संअधिक है:

ग्रीर जिसकी सं० वेकन्ठ लैन्ड सं० 62 मौबेस रोड़ है तथा जो ग्रालवारपेठ, मद्रास-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ प्रमुस्चो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरा के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 67/84 में रिजस्ट्रोकरण ग्रिश्चित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारोख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ध्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा बया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुड़ किसी जाय की बाबत, उक्स जिपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के वाजिरण में कमी करने या उससे बचने में सूचिया के लिए; जोड़/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर मिशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 209-ए के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रापो० एम० क्रुज्णामृति ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुब्बुलक्ष्मी जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो. के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्यारा अधीहाताक्षरी की पास निम्मित मी किए का नकीय।

स्पस्टीकरणः—इसमें पय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्रभी

भूमि :—सं० 62, मोब्रेस रोड़, श्रालवरपेठ मद्रास-18 पत्न सं० 67/84मैंलापूर ।

एमः सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज- मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

मोहर ः।

प्रकृष आहे. ही. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 व**ा 43)** की भारा 269-व (1) क**े सधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्राप्त मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 179/जन० 84/रेंज U—प्रतः गुन्ने, श्रीमतीः एम० सामुबेल,

मायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सर्क पश्चात 'जकत लिधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह धिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वेल जोशी गांध, श्राप्त एस० तं० 78, टी० एस० तं० 8, ब्लाक तं० 15, है तथा जो वेल ज्वेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गौदापेठ पत्र सं० 45/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुरु यह जिल्हास करने के कारण है कि स्थापविकास संपत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पामा प्रतिफल, जिन्निलिधित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवस, उत्तर अधिनयम के अधीन कर येने के उत्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी अन सा लाय अपिस्ता।
 की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1900 का 11) या अका अधिक के सा अपकर अधिनियम, 1957 (1977 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया
 था या किया जाना नाहिए था किया में स्थिश
 किया जाना नाहिए था किया में स्थिश

(1) श्री कें पी० ग्राप्त मेनन की पत्नी श्रीमती यणीदा मेनन ।

(ग्रन्मरक)

(2) श्री एन० के० बालचन्द्रन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर संपरित में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकती।

रपन्द्रीकरणः--ध्समे प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 2()-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 260-ए के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 260-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक: 6-9-1984

मोहर :

श्रक्ष **काइं**. टी. एत. एवं. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 184/जन० 84/रेंज-2--ग्नतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर राम्पिता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 20, द्रिष्लिकेन है रोड़, मद्रास-5 है तथा जो मद्रास-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक तो अधिकारों के कार्यालय, द्रिष्लिकेन पत्र सं० 40/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरों 1984 को पूर्वोक्त सञ्चित के लिए जनतरित को गर्थ है और मृद्रों यह विश्वास करने का कारण है कि गधापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि गधापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि गधापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि गधापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि गधापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि गधापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि गधापनोंक्त संतरित (गंतरितों) के बीच एसे वन्सरक के किए तम पाग गया प्रतिक्त का विद्यानिवित उद्देशक से उच्ल बंतरण विद्या में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण तं हुई किवी जाव की बावत छक्त बिक् नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) इसी सिक्सी बाज सा किसी धन वा बन्त जास्तिकों को, सिन्हें भारतीय बाबकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कृषिनियम, या धन-कर जीपनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोखनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा सा किया आणा चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

(1) थो फजलूर रहमान पावर एकेंट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जान मुहमूद केन्नर ग्राफ फसलूर रहमान पावर एजेंट ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यित्सियों प्र सूधना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांक्स क्यांक्स में से किसी क्यांक्स व्यावस देवारा;
- (स) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त चल्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूमि श्रीर सकान :--20, ड्रिव्निकेत है रोड़, मद्राप लेख सं० 40/84 द्रि प्लिकेन ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भों. उक्क अधिनियम की धारा 269-व रगधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाषु:---

दिनांक : 6-9-1984

मोहर 🗧

प्रस्प नार्षे, टी. एन. प्रा.

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

सारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 183/जन० 84/रेंज-2---म्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 5, वालाजा रोड़ चेपाक है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारो के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन पत्न सं० 55/84 में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पृथेंगित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कर्षित् नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत उक्त अधि-निष्म के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 7-266GI/84

- (1) श्रीमती मियोबाई सुत्रम्दास मेहतानी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० मेय्यप्पन की पत्नि श्रीमती एम० उमयाल श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथांकत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं। उक्त सम्मति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की ब्यधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर ध्यावित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- तब्ध किनी अला कार्यत द्वार तथाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रूप: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

अनुसूची

भूमि:--सं० 5, बालाजा रोड़, चेपाक, मद्रास स्रो० एस० नं० 1108 न्यू सर्वे नं० 3049, पत्न सं० /55/84 टिप्लिकेन,।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी हायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्चन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

्मोहर**ः**

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.

बायकड अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

HER SECRE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मदास

मब्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 186/जनवरी 84/रेंज-2--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

कायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं पत्न सं० 37/84 के शोंडूल में वी हुई सम्पति है तथा जो में स्थित है (भौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकौरी के कार्यालय ट्रिप्लिकेन पत्न सं० 37/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमाँ ह जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफात को सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया म्या प्रतिफाल निम्निलिशत उद्दोष्य से अक्त अन्तरण कि बिय त्य पाया म्या प्रतिफाल निम्निलिशत उद्दोष्य से अक्त अन्तरण कि बित में शास्त्रिक कप से कि भत नहीं कि या गया है:--

- (क) जन्तरण ने हुई किसी नाय की जानत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के दारित्य में कबी करने या उससे बचने में सुविधा से जिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत गीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना वाहिए वा, छिपाने भें सविया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:--- (1) श्री प्रल्लाहबकाष ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल० के० एस० गावी ।

(ग्रन्तरिती)

को वह स्वना धारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- पिक) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से ♣5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस ब्रुचना के राज्यम के प्रकाशन की वारीय से 45 विन के शीतर बक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किशी अन्य व्यक्ति इवारा वंशोहस्ताक्षरी के पाद विश्वित में किए या ब्लॉने डे

स्वाधिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्मा वृरि पर्यो का, जो उनत जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

भूमि ग्रौर मकान :—पत्र सं० 37/84 के शेडूल में दी हुई सम्पत्ति (द्रिप्लिकेन/पत्र सं० 37/84) ।

> एम० सामुवेल सक्षम ∎प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

मोहर 🌣

मुक्य जार्ष्*्रवी पुत्र पुत्र व्यवन्त्र*

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी पत्न सं० 110/84 के शेष्ट्रल में दी हुई सम्पति है तथा जो तिरूप्पुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पत्लाडम पत्न सं० 110/84 में रिजस्ट्रीकरण, श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गएं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने मा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसा नाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० राघवन पिल्लें।

(मन्तरक)

(2) श्री के० मुतुस्वामी धौर भ्रन्य

(भन्तरिती)

कार्यह सूचना बार्री करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्बन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्वोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान :--नेख गं० 110/81 के शेंडून में दी हई सम्बति ।

> एम० सः बुबेल सज्जन प्राधिकारो सहायक प्राथकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

मोहर 🔅

प्ररूप . बार्च . टी एन , एस .,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 70/जन०/रेंज-2—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे . इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 2, विजयपुरम, विल्लपुरम है तथा जो तिरूवारूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाद्य अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय तिरूवारूर पन्न सं० 173/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनाँ जनवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है इ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री कल्याण सुन्दरम श्रीर भ्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० ग्रार० मोहम्मद मोहिदीन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

भूमि ग्रौर मकान :—2, विजयपुरम, विल्लपुरम गांव, तिरूवारूर ताल्क, पत्न सं० 173/84 तिरूवारूर ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

मोहर 🖫

प्रकार बार्ष टर्जु एक्, पुत्रु,----

वायकार व्यभिनियम, 1961 (1961 वस 43) की भारत 269-म (1) के व्यभीन सूचनः

मारव ब्रकाड

कार्यालय, सहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-2, म**ब्रा**स

मब्रास, विनांक 6 सितम्बर 1984

निवेश सं० 233/जन० 84/रेंज 2--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० लोठिपालयम गांव, सभापतिपुरम रोड,
म्युनिसिंगल वार्ड सं० 14 है तथा जो तिरूपुर महाबीर
कालोनी में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय,
तिरूपुर पन्न सं० 139/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और भूके यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्पू से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; शौर/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किस्त गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्श काटन गिन्निंग ग्रौर
 प्रेसिंग कम्पनी प्रा० लि०
 पावर एजेंट जेतुबाय गोविन्दजी।

(श्रन्तरक)

(2) म्वेतांबर जैन मन्दिर ।

(भ्रन्तरिती)

न्त्रं यह त्यना थाडी करके पृशासित सम्पृत्ति के वर्षत् के दिस्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्पृतित के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र≓

- (क) इस स्वा के राजपन में प्रकाशन की वादीय से 45 विन की नवीं भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पनित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किछ जा सकों में।

स्पव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवों का, जो उक्त गिंधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् ै, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

जन्स्ची

भूमि श्रोर मकान :—संबापतिपुरम रोड. महावीर कालोनी तिरूपुर टाउन, तिरूपुर (पत्न सं०: 139/84)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मुद्रास

अत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारां (1) के अधीन, निम्निसिख् आधिकत्यों, अर्थात् ा⊶

दिनांक : 6-9-1984

मोहर 🕽

प्रकृत वर्ता ही पन एस

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बचीन सूचना

ब्राइट ब्रुड्याड

कार्यनय, तहायक शायकर नायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निवेश सं• 41/जनवरो 84/रेंज-2-- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

कालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके प्रकाद 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० वार्ड 1, टी० एस० 2034, नामपट्टिनम टाउन है तथा जो मेंताजी रोड, नागपटिनम टाउन में स्थित है (भौर इससे उपावड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपट्टिनम पल सं० 111/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान शितफस के सिद्ध बन्तरित की गई है और मुर्फे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरित्वों) के बीच एसे बन्तरच के सिए तय पाया नया प्रतिफल का पंत्रह मिला उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित में वास्तविक कम से क्षित्त नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी बाय की वावत , उक्त वर्षिणियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी अन्तर्भ वा उससे व्यने में सुविधा के शिष्; वीर्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना लाहिए था, छिपाने में स्वीक्या के किय;

वरः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के व्यथिन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) र्गास्त्रामी चेट्टियार की परिन श्रीमती भार० सुलोचना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धन्नाहम का पुत एस० ए० रायन ।

(धन्तरिती)

को यह श्वना बारी करके पूर्वनित सम्पृत्ति के मर्चन के सिए कार्यमाहियां सुरू करता हुं।

बन्ध बन्धित्त हो बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थक्ति द्वारा सधोहस्ताक्षरी के दास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त सुन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्यी

भूमि भौर मक्षान :--वार्ड 1, टी० एस० 2034, नंताजी रोड, नागपट्टिमम टाउन पक्ष सं० 111/84 नाग--पट्टिनम ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

मोहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस.-----

बाव्कर लिभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के लिभीन सुकता

aige aleas

कार्यालय्, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनोक 6 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 205/जन० 83/रेंज 11—अतः मुझें, भीमती एम० सामुवेल

जायक द मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'अन्त विभिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार भूस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 18 वाह लिबेट्टिपुरम I स्ट्रीट तोट्टिन पालयम गांव है तया जो तिरूपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरूपुर पत्न सं० 245/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उन्ति वाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि कथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उत्तके स्थमान प्रतिफल है, होते क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से अधिक हैं जार जंतरिक (अंतरका) जार जंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिकित उच्चेय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किती भागकी बावत, उक्त अर्डिशनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक हैं दायित्व में कमी करने या उससे वचने में अर्डिशभा के सिए; बीड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भाउतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत् अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 में 1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए का, कियाने में सुविधा के निए;

नतः अन, उनत निभिनयम की भारा 269-म के ननुसरण में, में, उनत निभनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री सौण्डप्प चेट्टियार ।

(अन्तरम)

(2) भी बी० रामास्वामी ।

(भ्रन्तरिती)

भी यह स्पना पार्टी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में क्लोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के उपलब्ध में प्रकाशन की तार्त्रण है 45 दिन की बनिश या तरहम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृत्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाड़ा;
- (ब) इस स्थान के राष्प्र में प्रकायन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमव्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्तव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त बज्यों और पूर्वों का, को उनक्ष वरिभृतियम्, के वश्याय 20-क में प्रिशाविक हैं, वहीं वृथे होगा को उस वश्याय में दिया गया है।

मग्तुन

भूमि भौर मकान :—वार्ड 18, बेत्तिचेट्टिपालयम, 1 स्ट्रीट, बोहिपालयम, तिरूपुर पन्न सं० 245/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग्र-2, मद्रास

विनांक : 8-9-1984

मोहर:

प्रस्य वार्ड. टी., एन., एस., = - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, महास

मद्रास, विनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेसं० 147/जन० 84/रेंज III -- अतः मृझें, श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति., जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 10, III मेन रोड, गांधी नगर, अख्या है तथा जो मद्रास-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधि-कारों के कार्यालय, अडयार पत्र सं० ैं 175/84 रिजस्ट्रीकरण में अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गमा है है

- (क) जन्तरण संहुदं किसी जाव की वाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के जिल् अदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्निमिशक कावितयों, अर्थात् (1) श्रीमली राजलक्ष्मी ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कल्पना घेडिंग सारी हाउस की मेनेजिंग पाटनर श्री एम० नागेन्द्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

- जन्सुची

भूमि श्रौर मकान:--10, III मेन रोड, गांधो नगर अडयार मद्रास-20, पत्न सं० 174/84 अडयार।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

मोर् "

प्रकृष बाही, टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निडिक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० 241/रेंज 2/जन० 84—अतः म्झे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रहे. से अधिक ही

भीर जिवकी सं० न्यू नं० 8 (पुराना सं० 7) वालस गार्डन 1 स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थौसन्ड लैण्डस के अधीन तारीख जनवरी 1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसीं जाय की जायत, अक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे नजने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अभै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, स्थित्।

(1) श्रीमती पी० लीला रेड्डी ।

(अन्तरक)

- (2) गडिहा सहिया दृस्ट
 - 1. एस० एस० शर्मा अहमद हुसेन
 - 2. अईस्हता जैलानी
 - 3. के० एस० एम० अहमद हुसैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क)। इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविधि एं तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाः
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि गी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिख्त में किए आ सकी

स्यष्ट्रीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनस्ची

भुमि श्रीर मकान :---न्यू नं० 8, वालस गार्डन 1 स्ट्रीट मद्रास-6 लेख सं० 39/84/थीसडन्लैंडस ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

मोहर :

प्ररूप शाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बुद्दकाड

कार्यालय, सहायक वायकर नायकत (निर्काण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सिलम्बर 1984

निवेश सं० 242/जन० 84/रेंज II—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रहा से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट सं० 17 सर्वे सं० 214/2 हिस्सी है तथा जो तिरूवानिमयूर गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 43/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित कहीं किया क्या है :---

- (क) जनसरण संहुई किसी आय की बाबत अक्त अभि-नियम के अभीन कर वार्च के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिवों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रक में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिष्टिए स्थितियों, अधित है——

(1) श्री बीं० बीं० राजगीपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० ए० कोदन्डारमन ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्य सप्रिक्त के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त सम्परिष्ठ के कर्जन के सम्बन्ध के कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की ताड़ींब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 शस लिकित में किए जा सकोंगे :

स्पळीकरण ह---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, ओ उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीमा को उस अध्याम में निया क्या हैं औ

प्रमुख औ

भूमि भौर मकान प्लांट सं० 17, सेल डीड एस० नं० 214/2 में वी हुई प्लान के समान लेख सं० 43/84 (मद्रास सेंट्रल) ।

> एम० सामुवेल सक्तम श्रधिकारी [सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, मद्रास

निदांक 6-9-1984 मोहर 🛭 प्ररूप आहें . टी. एन. एस त =---

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 244/जन० 84/रेंज 2--अतः मुर्झे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० राजाजी 2 स्ट्रीट, वेस्ट लेख एरिया है तथा जो नुंगम्बाइनकम, मद्रास-34 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, थौसन्ड लैन्ट्स लेख सं० 30/84 में रजिस्ट्रोकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक वे हूप किसी बाव की बावत उक्त विक-विवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जॉर/मा
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी अन वा बन्य आस्तियों को, विनहीं भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्तार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के रिवर:

अतः सब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उदद अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) श्रो एन० सी० तिरूमलाश्वारी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चेल्लम्माल ग्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित । हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

भूमि श्रीर मकान :---राजाजी, II स्ट्रीट, वेस्ट लेख एरिया, नुंगम्बाक्कम मद्रास-34 लेख सं० 30/84 थीमुन्ड लैठ्स ।

> श्रीमिति एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,मद्रास

दिनांकः 6-9-1984 मांहरः भक्षण बार्गः, टी., एन्., पुरु.-----

मैं (1) श्री के० जे० एडवर्ड कुपाकरन।

(अन्तरक)

(2) श्री के० जयकुमार ।

(अन्तरतो)

अध्यक्षर परिशतिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्धेश सं० 243/जन० 84/रेंज 2--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मकं पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० लेख सं० 33/84 के गेड्यूल में दो हुई सम्पति है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकृती अधिकारी कार्यालय, गद्रास सेंट्रल में रिजस्ट्राकृती अधिकारी कार्यालय, गद्रास सेंट्रल में रिजस्ट्राकृता अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधान तारींख जनवरा 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करको पूर्वात्वतः सम्बरिष् को वर्जन को लिए कार्यवाहियां कारता हो ।

चनत् सम्पारत् के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्तियुं दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए का सकनी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान :--लेख सं० 33/84 के शेड्यूल में दी हुई सम्पति -मद्रास सेंट्रल ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2.मद्रास

दिनांक : 6-9-1984

मोहर:

यस. प॰, ८७९ भीगाँवियम की धास १७९० हे अनुगरण में, में उक्त अधिनियस की धारा २०९७ की उपधार। (1) के बधीन, निम्ननिश्चित व्यक्तियों, वर्षास् १००० प्रकल जाइ ें दीन एकन एक

भायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० आई ए० सीं० /एक्यू०/3/37ईई/1-84/277-अतः मुझे, जीं० एस० गोपाला

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अभिक है

थौर जिसको सं० 631 है तथा जो 9-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कब के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उचत अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अत्र, उक्त जिथिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, में, जनत अभितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नुर्यात् ः— (1) श्रोमती दयावन्ती निवासी 111-ए०-10, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा वी० जम्बोलकर,
परिन श्री वी० के० जम्बोलकर,
बो०-1/4, टाईप-4
एम० एस० फ्लेट्स
पेशवा रोड, नई दिस्सी।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिक्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लोट नं० 631, तादादी 335 वर्ग फीट, 9-भीकाणी कामा प्लेस, नई दिल्ला ।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼3, दिल्ली, नई दिल्बी

दिनांक : 5-9-1984

मोहर:

प्रक्रम् बार्दः, टी., एर., एर. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहत्यक नायकार नायुक्त (निरीक्ष)

अर्जन रेंज-3 इन्वप्रस्थ स्टेट, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/1-84/314-अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसको संख्या ए-320, है तथा जो 3 भाकाजा काभा प्लेस नई दिल्लो में स्थित है (भ्रार इससे उपावद अनुसूचो में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकार के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधान तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक एम से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के द्यायित्य में कभी करने या उससे जचने में सुविधा के सिए; बीट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के सिए;

अतः अन, जन्म अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं जन्म अधिनियम की धारा 269-थ की जपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारा करा (1) मै० भनोट प्रापर्टीज एन्ड इन्डस्ट्रीज लि० 102-103, राजा हाउस, 30-31-नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं ० इन्जीनियरिंग कल्सट्रकशन कार्पीरेशन लि० 32-शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिति)

का यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ए----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्त्रची.

फ्लंट नं ए ए - 320, तादादी 295 वर्गफोट, तीसरी मंजिल 5-भोकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 6-9-1984

मोहर 🕫

प्ररूप भार्व . दी , एन् , एस , -----

नायकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸3

जी-13, प्राउण्ड फ्लोर, सी० आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांफ 5 खितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/ 330--अतः मुझे, जी० एस० गोपाला

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 304, है तथा जो 6-भोकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ला में भारताय श्रायकर अधिनियम 1961 के अर्धान तारांख जनवरा 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्मित्बित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि सिद्धत में थास्तिक्त कप से किथित नहीं किया गया हैं:-

- (क) अन्तरण से हुई किनी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, शः धनकर अधिनियम, शः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया वाना वाहिए वा कियाने में सुविभा के लिए;

बतः जब, अक्त जीविभियम की पारा 269-त के अपूत्रपत्न भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के जपीन, निम्नितितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा कंबलजात सिंह सेठा निवासा-10 राज निवास मार्ग नई दिल्ला ।

(अन्तरक)

(2) निर्वन कर्मासयल कं० ति० 3, फ़ेंन्डस कालोनो, नई दिल्लो (वेस्ट)

" (अन्तरिती)

को यह बूचना जारो करके पूर्वों का स्ट्रम्टित के अर्थन के सिए कार्यनाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास विशेषत में किए वा सकोंगे।

स्थरद्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्नस्यी

प्रो० नं० 304, तादादी 551 वर्गफीट, 6 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिस्सी

विनांक : 5-9-1984

मोहर ::

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3

जी०-13, ग्राउण्ड फ्लोर, सं१० आर० बिस्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्लो नई दिल्लों, दिलांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/329,

-अतः मुझे, जीः एस० गोपाला

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित वाजार मृल्य 25,000/-राग्धे से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 302, है तथा जो 6 भीकाजो कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और्/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के. के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थाकः :— (1) श्रो हर्रिवन्बर सिंह सेठी, निवासी→10-राज निवास मार्ग, दिल्ली, मार्फत श्री एन० एस० सेठी, पो० बाक्स नं० 4692 सफर कुवैत ।

(अन्तरक)

(2) इन्डक्वीप लीसिंग एन्ड फाइनांस लि॰ 3, फ्रेंन्डस कालोनी (वेस्ट) नई विस्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सक[्]गे।

स्थष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज़न्द्र ची

तादादी 302 तादादी 859 वर्गकीट,6⊸मीकाजी कामा प्लेस. न**र्ड** विल्ली ।

> जी० एम० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

विनांबर : 6-9-1984

प्ररूप आर्डः टी. एन. एस[.]. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० 3/एक्यू०/37ईई/1-84/ 328-अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 3 है तथा जो ए-1 एण्ड 2, रणजीत मगर, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जनवरी 84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिया के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रश्न जनार्थ अंतिरियो द्यारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मानिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----9---266 GI∣84 (1) श्रा हेमन सो विसान्त्रा सुपृत
 श्रा चन्द्रज्ञास के विसान्त्रों,
 श्र वालेम स्ट्रोट, फोर्ट
 वम्बे-1

(अन्तरक)

(2) मै० कैमलान प्रा० लि० (ए० एम० डियोजन) मैरोल बाजार, बम्बे-59

'(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िए ए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के सीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) उस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीदारण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विदः गया है।

नगत्त्वी

स्पेस नं० 3, पहली मंजिल, सत्या मैनशन, प्लाट नं० $\eta-1$ श्रीर 2, रणजात नगर, कम्युनिटो सेन्टर, नई विल्ला एरोया 484 वर्ग फोट ।

र्जा० एस० गोपाल, सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-9-84

मोहर :

प्ररूप . अरड् . टी . एन . एस . - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्~3, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 6 सित्तम्बर 1984

निर्देश सं अाई- ए० से ०/एक्यू/3/37ईई/1-84/327/ 106--अत: मुझे, जे ० एस० गोपाला,

गायकार अधि। यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सकी पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६०-६ के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विष्यास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य

ग्री: जित्तका सं० ई-5 है तथा जो 1, राजेन्द्र प्लेस नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीट इसपे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप से बित्ति है). रिजिस्ट्रार्ता अधिकार के फार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ला में भारत य आयरार अधिनियम 1961 के अधान वित्तीक जनवर 84

की पर्शवित चर्णांचन के रिचित बाजार मल्य में कम के दृश्यमान ग्रिंगिफल के जिए जन्मीरित की गर्ड है और मझे यह विश्वास करने का बारण है कि एथएपवितित सम्यक्ति का उचित आजार बुल्या, २००० व्यापास गोलाल का एए उपमान ग्रीतफल का दिल्ल प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती अंतरिति गों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक इप में किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुवा किसी बाव की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में काणी करने या उससे बचने में स्विधा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय त्याय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिएती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं ० नेहा दीप कन्सद्रक्शन 1--राजेन्द्रा प्लेस, मई दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) कुमारी अर्थना सम्बद्धेय, कुमारी अलका सम्बदेव, निवासो, 2/8 तिलक नगर, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

का बह स्वना कारी करके मृथाँक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन की अविधि या नत्यं बंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रविक्त स्थितितयों में में किसी स्थितित द्वारा.
- (स) इस सचना के राजपक में प्रकारण की नारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्थावत व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित म किए जा मकोगं।

स्पथ्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्त विधिनयमः क अध्यायः । व र ं है, बहीर अर्थ होगा जा उस अध्याय स

यम् स्ची

वातानुकुलित स्पेस नं॰ ई-5, ग्राउन्ड फ्लोर, 1 राजेन्द्रा प्लेस, ाई बल्ली, लादाया 160 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपासा सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज⊸3, नई विल्ली-110002

दिनांच : 6-9-84

मोहर 🛭

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-ध्याप्यकर रुपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, नई दिल्लो

नई दिल्लो, विनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सं२०/एक्यू/3/37ईई/1-84/326---अतः मुझे, ज२० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसका संख्या 25 है तथा जो नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ल. में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचः में पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्राफर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ला भारताय में आयकर अधिनियम 1961 के अधान दिनाक जनवरी 84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था छिणाने में सुविधा के लिए;

शतः सब, सकत अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उकत अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थात् :— (1) नेशनल कैमिकल इन्डस्ट्रःज लि० 26, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्लः।

(अन्तरक)

(2) मैं० सुपर रब्बर इन्टरप्राइजेज,71/3, माइल स्टोन, जा० टा० रोड,करनाल

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्रो० नं० 25 नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली, ताबादीं 4740,40 वर्ग गज ।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिस्की;

दिनांक : 6-9-84

मोहर ४

प्ररूप आहर. टी. एत. एस..----

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्लो

नई विल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/ 325--अतः मझे, जी० एस० गोपाला,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धीर जिसका सं० 405 है तथा जो 6 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो, में भारतीय आयवर अधिनियम 1961 में के अधीन दिनांक जनवरी 84

को प्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और म्कें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निष्टित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी अग्य की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) गोपास दास वहल, सावितो देवो वहल, कृष्ण देव बहल श्रीर दिवन्दर नाथ बहल, निवासी एच-3, किर्ती नगर, नई दिल्लो। (अन्तरक)
- (2) मास्टर सचिन कुमार (माइनर) निवासी एच 50, कालका जी नई दिल्लो। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-शब्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

प्रो॰ 405, सादावीं 381 वर्ग फींट, 6-काजी कामा, प्लेस, नई दिल्ली

र्जा० एस० गोपाला सक्षम प्रधिकारी सेहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 6-9-84

मोहर :

प्ररूप. बाइ . टी. १न. एस. ----७

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिख्लो

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू/3/37ईई/1-84/ 324—अत: मुझे, जी० एस० गोपांला,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 106, से 109 है तथा जो 3-भीकाओं कामा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में एप में विणत है), रिजस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ला, भारतीय आयकर अधिनयम 1961, के अधीन दिनांक जनवरी 1984

को पृष्णेक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से काम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उभी यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापृथोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया वया है —

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन ठा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदाने में सुविधा के सिए।

- (1) मै० भ्रांसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्छस्ट्र.ज प्रा० लि० 115 श्रांसल भवन, 16 के० जा० मार्ग नई दिल्ला। (अन्तरक)
- (2) मैं महास रीफ इनरीज लिं रोफा इसरी झाउस, क-79 होज खास-इन्कलेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपीत्त मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित मों किए जा सकाँगे।

स्पष्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पक्षो का, जो उक्त अधिनियम, के शध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंलट नं ० 106 से 109, तादादा 1717 वर्ग फीट, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

जं (० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसिन व्यक्तिस्यों, अर्थात् ----

दिनांक : 6-9-84

मोहर 🛭

प्रस्प बाइ. टी. एप. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सचना

भारत तरकाउ

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०ण्ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/323----अतः मुझे, जी० एस०गोपाला,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 107 है, तथा जो ए-3,एण्ड 4, रणजीत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवृक रूप से किशत नहीं किया गया है :——

- (क) जस्तरण से हुई किसी जाद की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उत्से ब्चने में सृविधा के जिए; बीद/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित स्मिक्तयों, स्थान हु--- इत अरार्टमेंट प्रा० लि०, एम-70, मेन मार्लेट, ग्रेटर कैलाश-1, मई विल्लो।

(भन्तरक)

विग्स नीयर प्रा० लि०,
 1/4, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो ।

(बन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों को हूं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स स्वीक्तयों में से किसी व्यक्तित दुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार्च लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वस्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया स्या है।

मन्सूची

पर्लैट नं • 107, बिल्डिंग नं • ए-3, एण्ड 4, रण जीत नगर, नई दिल्लो, तावादी 597 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेंज-3, दिल्लो, नई दिल्ली

दिनौक: 6-9-1984

मोहर 🛭

प्ररूप जाह³. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बचीन सुचना

बारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/322---अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 601 है, तथा जो झन्डेवालान एक्सटेंशन, करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्भन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पृथों अत सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कल, निम्निसिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वायत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के सिए; गीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ कन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

आप तथा उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— स्कीपर कन्सद्रक्यान, कं० प्रा० लि०, 22-काराक्षम्बा रोड, नई हिल्ली।

(अन्तरक)

 मैं० श्याम कन्स्ट्रवशन्स कं० 2481/9 बींडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सुकी

फ्लैट नं ° 602, झन्डे वालान टावर, करोल बाग, नई विस्ली, तावाची 305 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज ३, दिल्ली, मई दिल्ली

दिनांक: 6-9-1984

मोहर :

प्रस्य बार्ड, टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं ० आई० ए० सी ० / एत्यू ० / ३ / ३ ७ ईई / १ - ८ ४ / ३ १ ८ — अतः मुझे, जी ० एस० गोपाला,

क्रायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-का व अधिन क्षाय प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु, से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है, तथा जो गगन विहार, दिल्ली-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ञत है) रिजिस्ट्रम्खर्जी अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधान दिलीक जानकरी, 1984

को प्रशेषत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्व में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय प्राया प्रतिपाल है निश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधितिसम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भे, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

- श्री आर॰ एस॰ सन्धु सुपुत श्रो के॰ एस॰ सन्धु निवासी के-38ए, कैलाक कालोनी, पहें दिस्सी।
 - (अन्तरक)
- (1) श्रो सी० पी० गुप्ता, सुपुत्र स्व०श्री जी० सी० गुप्ता, निवासी आर-42, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।
 - (2) श्री आर० के० गुप्ता, सुपुत्र श्री आर० बी०एस० गुप्ता, निवासी ई-160, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली
 - (3) श्री एल० सी० गुप्ता, सुपुत्र स्व० श्री ओ०पी० गुप्ता, निवासी सी-67,ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कामवाहिया करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अव्धि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु¹, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दियह गया है।

अमृसुची

नियासीय प्लाट नं० 4, तादादी , 380 वर्ग गज, सिविल ऐविएशन, कर्मचारी सी-एच०पी० एस० गगन विहार, दिल्ली-22 ।

जा० एस० गोपाला, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्लो, नई दिल्ली

दिनांक : 6-9-1984

मोहर

प्रकृष जाइं.टी. एन्. एश्व. ------

प्रायक्तर प्रशिवित्यम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांबा 6 सितम्बर, 1984

निर्देशसं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/313---अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक है

और जिसकी सं० 627/9 है, तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विधित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली, शारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाकार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित को गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुएं किसी नाम की बाबस, उन्तर ज्ञिनियम में ज्ञीन कर दोने के जन्तरक के दासित में कमी करते या उससे स्थाने में मुविधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिविधा के लिए;

1. श्रीमती इन्दरा भण्डारी, निवासी 65/4,न्यू रोहतक रोड, नईदिल्ली। (अस्तरक)

शिव जवाला बेनीफिसियरी ट्रस्ट,
 23/29,ओल्ड पाजिन्दर नगर, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुनाँकत सस्पत्ति के अर्थन के शिष कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्विक्त मों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह स्विक्त यू में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का जो उकत बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो

अमुसूची

प्लेट नं० 627/9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, सादावी 335 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिस्ली, नर्ष दिल्ली

खतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

^{दि}नांकः : 6÷9−84

मोहर :

10-26d GI/84

प्रकर बाह", टी. एन. प्रा.-----

मायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज्-3, सई दिल्ली

- नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/3/37ईई/1-84/312 अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, या किकास कारते का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उभित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ६-3, एस० एम ए, है तथा जो ग्राम हैदरपुर, जी० टी० करनाल रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनाक जनवरी, 84

- को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित वाजार ब्रुच, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का बन्दर प्रीपत्ति से अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नों संचित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कीयत महीं किया गया है है—
 - (क) वन्तरण वे धुर्च किसी जाय की बाधता, उप्तर विधिनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक के सावित्य के कभी कारने या उससे वचने के स्विधा के सिए; सरि/वा
 - (क) एसी किसी जान या किसी भन या लगा आहिएको को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा को लिए;

 मै० ग्रान्ड बैकर्स एण्ड कन्फैक्शनर,
 2284, श्रार्या समाज रोड, करोल बाग, मई दिल्ली द्वारा श्री सरदारी लाल प्रो०।

(अन्तरक)

2. श्री सुवाण चन्दर मल्होता, श्री रामनाथ मल्होता, श्री भूपिन्दर कुमार मल्होता, श्री सूघीर कुमार मल्होता और श्री जगन नाथ मल्होता निवासी 23-हाथी खाना, विल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां घुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पध्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदौं का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

प्रो० नं० ई-3, एस० एम० ए०, को-आपरेटिव इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, जी० टी० करनाल, रोड, ग्राम हैवरपूर, विल्ली।

> जीं० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 ,दिल्ली, मह दिल्ली

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अधीन :--

दिनांक: 6-9-1984

प्रकृष बाद'. टी. एन. एस. ----

जाब्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ज्भीन सुच्ना

भारत चुडकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 6 सितम्बर 1984

निर्देश सं० माई० ए० सी'०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/311— मतः मुक्ते, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िअसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावत सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 308 है तथा जो 9-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के मधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखत खब्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तरिक सम हो का मूलिए नहीं किया गया है —

- (क) बन्दाहरू से हाई किसी बाव की बादतु, उक्तु अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्दारक के बायिएन् वो कमी करने या उद्देश बचने में पृत्भा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर बिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

'आतः ज्ञाब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत :--- श्रीमती उमा नायर,
 निवासी फ्लंट नं० 23, श्रलीपुर इस्टेट,
 8/6/1, भ्रलीपुर रोड, कलकत्ता-27।

(म्रन्तरक)

2. संयुक्त निर्माता (प्रोप०) (को-प्रोनर), 89, जोर बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्य सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त सन्तों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस मुख्यान में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं 308, तावावी; 460, वर्ग फीट, 9 भीकाजी कामा, प्लेस, नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, दिल्ली; नर्भ दिल्ली

दिनांक: 6-9-1984

मोष्ठर:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.; -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर वायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/309— भ्रतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सोप नं० 19 है, तथा जो 22 राजिन्द्रा प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक जनवरी; 1984

को पूर्धित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मै० भाटिया सेहगल कन्स्ट्रमशन, कार्पोरेशन,
 48-ए, जोर बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री नरिन्दर श्राहुजा, निषासी 209, एम० आई० जी० प्लेट्स, प्रसाद नगर, नई विल्ली।
 - (2) श्रीमती इन्दु कुमार निवासी 5-बी, रिवीयरा, 45-माल रोड, दिल्ली-7 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सोप नं० 19, भ्रंपर ग्राउन्ड फ्लोर, पदमा टावर नं० 11, 22 राजेन्द्रा प्लेस, नई विल्ली, तादावी 200 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-उ, ृनई विल्ली,

दिनांक: 6-9-1984

मोहर 🕄

प्रस्प आहे. टी. एन्, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्पना

भारत सुरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 सिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1~84/307— म्रतः मुझे जी० एस० गोपाला, "

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दश्जात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रार जिसकी सं० 414 है, तथा जो 6-भीकाजी कामा, प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रजन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीन दिनांक जनवरी, 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित कि गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आंग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धम-प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिचित व्यक्तियाँ:——

- 1. भ्रांहल प्रोपर्टीण एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, भ्रांसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सतीश कुमार सिरपाल, श्रीमती शीला दिवी, पुनम सिरपाल, निवासी बी-2/205, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(ग्रसरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन् की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी अयित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, वो उक्द अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, को उस अभ्याय में दिया पदा है।

जनसूची

प्रो० नं० 414, तादादी 524 वर्ग फीट, 6 भीकाजी कामा प्लेस, मई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विनांक: 6-9-1984

मोहर 🛭

अभूष नाहाँ , सी , एन , एक _स------

नायकर मिश्रीनयम., 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के न्भीन सूचना

भारत बुरक्दा

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)' धर्णन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनोक 6 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०3/37ईई/1-84/302— ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार बृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 507 है, तथा को 6 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावन श्रमुस्ती में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध कारी के कार्यालय श्रजन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1984

की पृथोंक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कमं के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्षक कि निम्नलिबित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्नलिख में दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्) भन्तरण, रंहुई कियी शाव की बावत, उक्य अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्दरक बे बाबिरव में कभी करने या उक्स व्यन्ने में सुविधा के किए; और/मा
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा औं शिष्ता

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनस्ररण को. की. उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीन. निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र~ श्री शीक्षिर ग्रग्नवाल श्रीर श्रीमती उषा रानी ग्रग्नवाल, मिन्टो पार्क, यमुना बाग रोड, श्रलाहाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी कविता कपूर निवासी एन-7, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित कें अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्कत सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंक्त व्यक्तियों में से किसी स्पवित बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए था मकोंगे।

स्थव्यीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों जींद्र पूर्वों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसमी

प्लेट नं 507, बिल्डिंग नं 6, भीकाणी कामा प्लेस, मई दिल्ली।

जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनोक: 6-9-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.,-------

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

. नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/301-म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ए-303 है, तथा जो 5-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यीलय धर्जन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के स्क्रीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के इवसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से एसे इक्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को सिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कुद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री सोमदत्त बिल्डर्स प्रा० लि०
 56, कम्युनिटी सेन्टर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती प्रवीन पापर, निवासी डी-I-26, सत्या मार्ग, च।णक्यपुरी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के िलए कार्यवाहियां क्रस्ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस स्वाम के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबव्ध किसी सन्य व्यक्ति इतारा अभृहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लेट मं० ए-303, तीसरी मंजिल, 5-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 295 वर्ग फीट लगभग ।

> जीं० एस० गोपाला, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-9-1984

प्ररूप आर्थः, टी. एन., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/3/37ईई/1-84/ 298—अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उज्जित बाजार मृत्य 25,000/-रापय से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० ए-303 है, तथा जो 5 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पृष्योंकत सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकात के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके ऋयमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की पंधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, वर्धातुः—

- मै० के० एल० थापर,
 डी-1-26, सत्या मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिस्ली।
 (अन्तरक)
- 2. मैं शोमवस बिलर्डर्स, प्रा० लि०, 58-कम्युनिटी सेन्टर, इस्ट आफ कैलाण, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्स् ची

प्रो॰ नं॰ ए-303, तीसरी मंजिल, 5 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 295 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो

दनीक: 5-9-1984

ोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयजर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर-2/1-84/ 1414—अतः मृक्षे, जी० एस० गोपाला,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- छ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एफ-38 है, तथा जो निवासीय योजना नरायणा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूले यह विद्वार करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल कर पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक्ष (अंतरकों) और अंतरिक्ष (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिलत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री कुलवीर सिंह,
 निवासा एफ-80, नरायणा निवासीय योजना,
 नई दिल्ला।
 (अन्तरक)
- श्री सत पाल, निवासी 3/52, रुप नगर, दिल्ली । १(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 स्टन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्स्ची

प्रो० नं० एफ० 80, निवासीय योजना नरायणा, नई विल्ली

जी एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 4-9-1984

प्रस्य नाइं.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3,-नई पिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी० ए०/क्यू०/3/एस०आर०-2/1-84/ 1459— अतः अतः मुझे, जी॰ एस० गोपाला,

जासकर कॅथिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

शीर जिसकी सं० 20/52 है, तथा जो ग्राम माधीपुर, पंजाबी बाग, विस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, विस्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्णियत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृल्य असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) कलारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती व्चारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं:, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घकी उपधारा (1) के अधीन, प्रमनित्तिकत व्यक्तियों,, अर्थातु:---

- 1. (1) श्रोमतो सत्या चिव पत्नी श्री राजकुमार चिब,
 - (2) श्रोमतो सावित्री वाधवां पत्नी श्री आनन्य कुमार वाधवा श्रीर श्रीमती कमलेश घई एलीयस कमलेण देवी घई, पत्नी श्री प्रकाश घई, निवासी 125, न्यु फेन्ड्रस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (1) श्री सिकन्दर लाल कुमार सुपुत्र श्री मेला राम कुमार,
 - (2) श्री मेला राम कुमार सुपुत्र श्री लघा राम कुमार श्रीर श्रीमतो शोला रानो पत्नो श्री सिकन्दर लाल कुमार, निवासी 20/52, पंजाबी बाग, नहीं दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी खंसे 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में दित- वहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के शास निवित में किए या सकोंगे।

स्थातिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उच्छ कृषिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ती

प्रो॰ नं॰ 20/52, लावादी 873.75 वर्ग गज, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, एरीया ग्राम मादीपुर, दिल्ली।

जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो

दिनांक: 4-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सा०/एक्यू०/3/एस०आर०-4/1-84/1012—अतः मुझे जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-सः से अधिक है

भौर जिसकी सं० 212 है, तथा जो पुराना नं० 11/125, गोन्डली, फुब्ज नगर, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई कियी जाय की वाब्त । सक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या सत्तसे वचने में सुविभा के सिए;
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के आए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण "भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- श्री राम लुभाया सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द् तिवासी मकान नं० 212, वेस्ट आजादपुर, विल्ली-51 (अन्तरक)
- 2. श्री जीवन दास सुपुत्र श्री सतराज वास, निवासी मकान नं० 3, गली नं० 2, गुरचरनपुरा, रोहतक।
 - (2) तिलक राज श्रीर
 - (3) श्री गुलगान कुमार सुपुत्र श्री जीवन दास 11/172 वेस्ट आजाद नगर, विल्ली-51 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

स नत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यी

प्रो० नं 11/125, नया नं 212 प्लाट नं 30 (भाग) एरिया 342.5 वर्ग गज खसरा नं 697/151. एरीया, ग्राम जोन्डलो, नियर कृष्ण नगर, अवादी बेस्ट, आजाद नगर, दिल्लो-51

जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 4-9-1084

मोहु:

प्रस्प बार्च. टी. एन., एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीत स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-4/1-84/1009—असः मुझे, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-म के अधीत गण्य प्राण्यकारी को यह निश्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 0 11/499 है, तथा जो चन्द्रावली, शाहदरा-32 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाग्रद्ध अनुसूचा में ग्राँर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ला में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एमें रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कश्चित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं धुद्धं किसी आय की आवत, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्य में कमी करने या उम्रस्टें बचने में सुर्टेषधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपन में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को सनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के श्वीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थात् :— श्री सन्त राम सुपुन्न स्व० श्री केशर दास,
 निवासो मकान नं० 6/2/2 लोनो रोड, णाहदरा,
 दिल्ली-32 ।

(अन्तरक)

2 श्री तारा चन्द सुपुत्र श्री जयराम वास, निवासी मकान नं० 261, तेलीसारा, शाह्यरा, दिल्लो-32

(अन्तरिती)

को यह स्वना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदासु;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चितित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकश्च :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

प्रो० नं० 11/499, तादादी 37.1/2 वर्ग गज, खसरा नं० 642, ग्राम चन्द्रावली एन्लीयस शाहदरा, आबादी तेलीवारा, शाहदरा, दिल्ली-32

जीं० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

· दिनांक : 4-9-1984

मोहर

अकप **वार्ट**ः टी. एम_ी एस_{ी व}ान न न समस्य

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क कायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-4/1-84/1010—अत: मुझे, जं१० एस० गोपाला,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रहे से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 11/499 है, तथा जो ग्राम चन्द्रावली, शाहदरा, इलाका तेलोवारा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत-, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान के स्वीवधा औ लिए;

जतः जस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री सन्तराम सुपुत्र श्री श्री केशर दास, निवासी 6/2/2, लोनी रोड, गाहदरा, दिस्ली-32 (अन्तरक)
- श्रं, जयराम दास सुपुत्र स्व० श्रो राम दास, निवासी 261, तेलीवारा, शाहदरा, दिल्ली-32 (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिया गया है।

वन्स्ची

प्रो॰ नं॰ 11/499 खसरा नं॰ 642, तादावी 37.1/2 वर्ग गज, ग्राम चन्द्रावलो, एलोयस शाहबरा, इलाका शाहदरा, दिल्ली, तेलोवारा ।

र्जा० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेज-3,नई दिल्ली

विनोक: 4-9-1984

प्रकप बार्दः टी. एन. एस.,----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/एसआर-4/1-84/1048—अत: मुझे, जी० एस० गोपाला,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जो-37 है, तथा जो ग्राम खुरेजो, राधेपुरी, दिल्लो में स्थित है (श्रौर इसमे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण किया है) रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेतृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कार कीं धनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिंग द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नस्थित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

- श्री रमेश चन्द सुपुत्र श्री किशन चन्द,
 - (2) श्री पदमचन्द सुपुत्र श्री होशियार सिंह, निवासी मकान नं० 55, ग्रीपाल पार्क, शाहदरा दिल्लो-31

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह, निवासी मकान नं० 720/10, प्रेम गली, गांधी नगर, दिल्लो-31

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितृ के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

•यच्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नगुजुनी

प्रो० नं० जी-37, दक्षिण का भाग, खसरा नं० 2/26, ग्राम खुरेजी, खास, राधेयपुरी, दिल्ली, तादादी 100 वर्गगज।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

धिनांफ: 4-9-1984

मोहर

प्ररूप आर्थः, ट्यो. एन. एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

मारल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/3/एस०आर०-2/1-84/ 1339—अत: मुझे, जी॰ एस० गोपाला,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 009/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 22 है, तथा जो थोमियाह रोड, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्देष्य से उक्क अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की गावत, उक्त मधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कथी कर्टने वा उत्तरी क्याने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः मृत्र जिस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्षात ः—

- कमान्डर एम० आर० ए० राव, आई० एन० रिटा० ग्रीर श्रामता इन्दु ए० राय, निवासो-22 थामियाह मार्ग, दिल्लो केंट, नई दिल्ली-10 (अन्तरक)
- श्री अरविन्द डुमरा श्रामती मंजु डुमरा, श्रीर मास्टर अमित डुअरा, निवासी 19, राजदूत मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

22 थि मियाह मार्ग, (22 मौडे रोड), दिल्ली केंट, नई दिल्लो, मेन बिल्डींग 3 बैंड रूम, 3-बाथ रूम, ड्राइंग/डाइनिंग, फिचेन ग्रीर 2-स्टोर, तथा 2 बैंड रुम, 2-बाथ रुम, ड्राइंग/डाइनिंग फिचेन ग्रीर 6 सर्वेन्ट क्वार्टर, तादावी, 2619.46 वर्ग मीटर।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व्यक्ति रेंज-3, न**ई दिल्**ली

दिनांक् : 4-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ------

आयकर प्रक्षिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 268-च(1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई विरूली नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०आ४०-3/1-84/461—अत: मुझे, जी० एस० गोपाला,

बायकर अभिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ को अभीन सक्षम श्राधिकारी वो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० ए-4 है, तथा जो सर्वोदय इन्कलेब, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचो में भीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्न्तरण विखित में धास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; जीए/या
- (क) देशी किसी जाय 'या किसी धन या अन्य आरितवीं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया घर्या था था किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए;

अंडिंग अप्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री रितेन्द्रा मोजुमवार, सुपुत्त स्व० एस० एन० मोजुमवार निवासी ए-4, सर्वोदय इन्कलेब, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. ए० के० चटर्जी, सुपुत्त श्रो ए० बी० चटर्जी, श्रीमती वरशारी चटर्जी, पत्नी श्रीए० के० चटर्जी, मास्टर विश्वजीत घटर्जी, कुमारी अमिता चटर्जी, श्रौर कुमारी शकुन्तला चटर्जी, सुपुत्र एवं सुपुत्री, श्री ए० के० चटर्जी निवासी जी-10, एन० श्री० एस० ई-II, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच थे 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अमित स्वारा अभोइस्याकरी से पास जिला में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया द्वा हैं।

वन्स्य

प्रो० नं० ए-4, तादादी 782 वर्ग गज, सर्वोदय इन्कलेंब नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाम : 4-9-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. **एन. एस**. -----

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी'०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/ 1-84/471—अतः मुझें, जी० एस० गोपाला ,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 5823/16 है, तथा जो बस्ती रेगरपुरा, देवनगर, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक स्थ से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; आए/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा हो सिए;

नतः मन, उन्त निधिनियम, की धारा 260-च के ननुसरण है, मैं, उन्त निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन विस्तितिका स्थितियम, अर्थात् —

- 1. श्रो शिव कुमार खुलर, सुपुत्र श्री स्व० खुशी राम खुलर, निवासी 6/56, डब्ल्यू० ई०ए० करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री विनय कुमार मारवाह सुपुत्र श्री राम प्रकाश मारवाह निवासी 5823/16, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त नव्यक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख सं 45 दिन की अविध या तरसंबंधी अविकासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पद्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रची

प्रो०नं० 5823/16, ब्लाक नं० 4, प्लाट नं० 95, बस्ती रेगरपुरा, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 77 वर्ग-गणा।

> जी० एस० गोपाला, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

दिनांक : 4-9-1984

मोहर 🛭

प्रक्य बाई. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 3. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० भाई०ए० सी०/एक्यू०/3/एस०भार०-3/1-84/433—श्रत: मुझे, जी० ए० गोपाला .

क्तयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मुख्य 23.0000 के स्थावर सम्पत्ति,

श्रौर जिसकी सं० 471/260-261 है, तथा जो जोशी रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और भूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल सं,, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्त्रण सं हुई किसी नाय की बानत, उन्तर मुधिनियम के अधीन कर बाने के बन्तरक के सावित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; नौर/मा
- (क) एसे किसी जाय था किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए।

नतः थन उनत अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- मै० लोक सेवक चिटएण्ड फांइनेंस, (इन्डिया) प्रा० लि० 1553, गुरक्कारा रोड, कोटला मुबारकपुर, म्यू विल्ली, क्वारा एम० डी॰ श्री भगवान वास, बला (प्रान्तरक)
- 2. श्री हरी भोम सुपुत्र श्री चुनी लाल खुराना, भौर श्रीमती निर्मल पत्नी श्री हरी भोम, मकान नं० 419, गली नं० 14, जोशी रोड, करौलबाग नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के एाचपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मूलि में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:----इसम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया भूषा हैं।।

ग्रनु**स्**ची

प्रो० नं० 16/468 (न्यु) सावावी 198.1/2 वर्ग गण, ब्लाट |खसरा नं० 471/260-261 गली नं० 14-15, जोशी रोड, करील बाग, नई दिल्ली ।

> जीव एसव गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

विनोक 4-9-1984 मोहरः प्रकथ आर्ड् . टी . एन . एवं . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर जालंधर, दिनौक 5 सितम्बर 1984

निर्वेश नं० ए० पी० नं० 5584-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

असमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें समें परकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है तथा जो जालन्धर में स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का दृद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया मितकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन क्रिस्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरच से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभागम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; अरि/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नक्षः ववः, उक्त निधिनियमं कौ धारा 269-वः के अनुसरणं मैं, उक्त निधिनयमं की धारा 269-व की उपधारा (1) वधीतः, निम्निसिक्त न्यमित्यों नर्धात् :—

 श्री प्रवतार सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी 164/2, बारागी केप जालन्धर, मुख्तयारे खास : मनजीत सिंह पुत्र भला सिंह वासी 4-माइल टाउन, जालन्धर

मुख्तयारे ग्राम सुभाव चन्द्र बाटीया, डब्ल्यू एफ०-137, ग्रली मुहल्ला, जालन्धर,

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरमैल सिंह पुत्र श्री भ्रमर सिंह वासी पिंड भौर पी० भो० चन्त्रेवाला, तहसील होशियार पुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवदः स्ट्यारित व्हें वर्षम के सम्बन्ध में ओई भी नामोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या सर्मक्षी प्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि में भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-पद्ध जिसी अन्य व्यावन गुवारा, अधाहरताक्षरी के जस निमित्त में किंग् आ एकींगे।

स्पच्छोकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसंची

सभापति तथां ध्यक्ति, जैसा कि विलेख सं० प्रार० 6174, विनाक जनवरी, 1984 रजिस्ट्रीकर्ता में प्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी [सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 5-9-1984 मोहर: प्रकल आहाँ. टी एन्. एस. ----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5585—अप्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जिलन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1980 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनाक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिकत उद्वेदियों से उक्त जन्तरण लिचित के बास्तरिक रूप से किचित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी बाय की वाब्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्से बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, कियाने में सृतिधा के लिए;
- अतः अब् उक्त अभिनियम की भार 269-ग के अनुसरण क्त, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिकित व्यक्तियमों, अथिक ≟—~

- 1. श्री संजीव कुमार गुप्ता, पुत्त कृष्ण कुमार बासी बंदा बहादर नगर, जालन्धर, मुख्तयारे खास: श्री जोध राज गुप्ता, पुत्र विद्याप्रकाश वासी ई० ए० 175, काजी मुहल्ला, जालन्धर । (अन्तरक)
- श्रीमती गुरमीत कौर पन्नी गियान सिंह, वासी पिंड ललोयाँ कलां, जालन्धर ॥
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधतः सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, खों भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 5837, दिनांक जनवरी, 84 में रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज जालन्छर

दिनांक 5-9-1984 मोहर्

त्रकम भाष्ट्री, टी. एन. ५स. -----

राजाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर जालन्घर, दिनांक 5 सितम्बर 1984 नेटेण संक्षेत्र प्रोक्ष केंक्स

् निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5586---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-ए रहे अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपतित, जिसका उचित गाजार मूस्य 25,000/-रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के अनुसार है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बौर/या

अत. अब उथत अधिनियम की भाग 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपभाग (1) के अधीन, निम्नीसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री कंवलजीत सिंह पुत्र ध्रमरजीत सिंह पिंड सहीदपुर, जिला कपूरयला द्वारा मुख्तयारे श्राम श्रजीत सिंह

(भ्रन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर कौर पुत्री व चिन्त सिंह पिंड और पी० ग्री० चक बन झल जिला जालन्धर। (भ्रन्तरिती)

न्ध्रः य**ह सूचना भा**री करके पृथां क्या सम्मात्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहिमां करता हुई।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पूर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध जाद मों समाप्त होती हों,, के भीतर पूर्वों कर विस्तरों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 जिन के भीतर लक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहरताक्षरी के पास निकास में जिसा जा सकोंगे।

स्वक्शीकरणः - इसमें प्रवृत्व कन्दी बीट वर्षी का, की उपक निधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वृत्व है।

अमृस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख कर उप्तरण जनवरी, 1984 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्छर में लिखा है।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक बा**कर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, जालन्धर

दिनोक: 5-9-1984

श्रक्ष आक्रो.टो एन.एस.

आयकर अधिनियम, 196:1 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सुचना

THE TAXES

कार्याजयः, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्शन)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5587—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीर अधीर अधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृतित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक ही

श्रीर जिसक सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्बद्धित के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एंसे द्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंदरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरित्यार) में श्रीक एसे अन्तरण के सिए तम गया गया प्रतिक कम, निम्निवित उद्वरिय से इस्त नन्तरण मिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरम ने हुए किनी बाव की बावत , क्यर विधिवनम के सभीन कुए दोने के बन्धरक के राजित्स में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; सौर/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

बत: जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के बनुसूरक मा, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— भी कंबलजीत सिंह पुत्र श्री ग्रमरजीत सिंह वासी पिंड सहीदपुर जिला कपूरथला । (द्वारा मुख्तयारे भाम भजीत सिंह)

(ग्रन्तरक)

2 श्रो स्वर्ण सिह पुत्र श्री विरियाम सिंह वासी पिंड मलीन खुरद , तहसील नकोवर, जिला आलन्वर ।

(धन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके वृत्रोंक्त सम्मित्ति के अर्जन के फिए कार्यवाहियां करता हैं।

जनत सम्पृतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसोद: 💀

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की मामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्विक्तियों में से किसी स्परित ह्वारा;
- (थ) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारी ह ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकों थे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगत्त्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नम्बर, 6207, दिनांक जनवरी, 1984 में रजिस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्त्रर

दिनांक 5-9-1984 मोहर: प्रकृप बाही, दी, एन, एस, -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन स्चना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं 5588—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूत्री में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 ा 18) के श्रधीन तारीख जनभरी 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भागने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित वाजार यूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का निद्ध प्रतिकृत में अभिक है और अंतरिक (अंतर्थों) और अंतरिती जान्दरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्निलिश्त उद्दोर्थ से उक्त अन्तरण निश्चित में अस्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (ला) अन्तरण स हुए किसी बाय की बाबत, उपका जिथिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वाजित्व में कभी फारने या उपस्थे बखने में मुखिया का निए; जॉर/ता
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या कत्य अधिनात की, जिल्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एक धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयासित की विद्या प्रकट नहीं किया प्रयासित की किया जाना चाहिए था. कियाने में अधिकार के किए?

अतः अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री कुलजीत सिंह, कंवलजीत सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह वासी 75-गार्डन कालोनी, जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह सैगल पुत्र श्री प्रेम सिंह श्रीर संजय पुत्र श्री भीम सैन वासी लाडावाली रोड़, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्थळ्डीक रणः -- -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नम्स्यी

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नं० 6001 दिनांक जनवरी, 1984 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्त्रर

दिनांक : 6-9-1984

प्रक्ष माइं.टी.एन.एस. -----

आयकार **मीपनियम, 1961 (1961 का 4**3) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश नं०/ए० पी० नं० 5589—श्रत: मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000. - रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसको सं० जैसा कि ग्रनुसूचो में लिखा है तथा औ किंगरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति से उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वव्य से उन्त अन्तरण लिक्ति में अन्तरिक क्या में क्षिक क्या में क्ष्यिस मुझी किया मवा है :---

- (क) निष्यास ने हुई किसी नाव की सम्बत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बौर/या
- (w) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा जिल्हा भाग बाहिए था, छिपाम में स्तिधा वे विद्

(1) श्री कुलजीत सिंह पुत्र संत सिंह वासी पिंड किंगरा, 75 गार्डन कालोनी जालन्धर ।

स्य **दे** स्थारण ५०० - त्रा ल्यास्य लच्चार सम्बार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार खन्ना
पुत श्री धरमा नन्द खन्ना
वासी रस्ता मुहल्ला
जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकर करें कराया में विकास व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन को तारीब बं 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति (द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नसं० 60002 विनांक जनवरी 1984 में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० ँगिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजैन रेंज, जालन्धर

विनांक : 6-9-1984

मोहर :

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) प्ररूप बार्ड . टी . एम . एस , -----

कामकर का धनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मितम्बर, 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5590——ग्रन: मझे, जे० एल० गिरधर

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अरारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार भन्य 25,000 /- रा. में अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रन्मुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारो के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधियनिथम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख जनवरी 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार गुल्य से कम के इत्यमान पौतफोन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लाए करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, असके इष्यमान प्रतिफाल से एसे इष्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एेमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक

में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आफ्नियाँ को जिन्हीं भारतीय आय-कर लिधनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्न आंधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गगा था या किया जाना चाहिए था, छियाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिन्यिम की धारा 269-ग क अनुसरण **मों., मौं , उच्च अधि**नियम की भारा 209-ए की उपधारा (t)

के अधीन, निम्हीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात:---

(1) श्री हरीपाल सिंह पत्र थीं। अजागर सिह निवासी पिष्ठ किंगरा तहसील जालन्धर (कोल्ड स्टोरेज वाले)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती परमजीत कौर, पत्नी था निरमल सिंह ग्रीर कुलविन्द्र कौर पत्नी श्री: देव सिंह वासी पिंड डिनसा जिला जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

के यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए ंबाहियां करता हूं।

रक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्र**काशन की तारीख** से 45 दिन की प्रवधि या शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की धविब, जो भी भविष् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्य क्तियों में से किसी क्य कित द्वारा ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्री।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ दोगा को उस अध्याय में विधा गया

मनसची

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नं० 5904 दिनांक जनवरी 1984 में रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी लहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-9-1984

मोहर:

13-266GI/84

प्रमूप साइ . टी. एन. एस . ------

कामबार क्रिमिन्स , 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के क्रिमेन सुबना

भारत सरकार

मार्गालय . सहायच आयकार झाय्कत (निरीक्षण) ग्राजन रेज, जालन्धर

ालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश नं० ए पो० नं० 5591—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धसके पश्चात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित जाजार मून्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका संव जैसा कि अनुस्ता में लिखा है तथा जो किक्या में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध अनुस्ता में ग्रीर पूर्ण का से वणित है) राजस्ट्रोडर्ना ग्रिधिकारों के कार्यालय, जालन्धर में राजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान ताराख जनवरों 1984

का पृथिकत संपरित क उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास धानने का कारण है कि स्थापनेक्ति सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल के एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-राज, निम्नानिकत उप्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में बाल्य कि क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरिक्ष में हुई िससी साथ की बासस्य, अवस भिक्तियान को अधीन कार दोने को अन्तरिक को शामित्य मो कभी करने या उससे बचने मो शृतिका की की लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भगलीय अन्यकार अधिनियम 1097 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में भृषिधा के निए;

बतः वंद, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वामुक्रक भी, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) कैजधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, वर्षांत :---- (1) श्रो हरीपाल सिंह पुत्र श्रा ऊजागेर सिंह वासो पिंड किंगरा गहसोल जालन्धर । (कोल्ड स्टोरेज वाले)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नमीब कीर
पत्नि श्रं, गुरचरण सिंह रन्धावा
वासी बाझी दाम कालीनी
जालन्धर, और
हरभजन कौर
पत्नी श्री ग्रमरीक सिंह
वासी पिंड शारी

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्ट संपत्ति के अर्थन के जिस् कार्यक्रीहर्भ करू करता हुए।

उक्त संपत्ति की अर्जन की सबंध में केंग्रिं भी काक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृथना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति वृजारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उत्तत स्थावर सम्मित्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकने।

स्यथ्यक्रिरण:--एसमं प्रश्नुसन शन्यों और पदी का, जो उक्त अभिनिजय के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिथा गया है।

मनत ची

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैमा कि विलेख नं० 5905 दिनांक जनवरी 1984 में रजिस्ट्रींकर्ता ग्रधिकारी जासन्धर ने लिखा है

> जेल एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक ध्रायकर स्रायुक्त (निर∂क्षण) ध्रजैन रेंज, जालनधर

दिनोक : 6-9-1984

प्रस्प आई.टी.एन.एम. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सृथता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आध्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदंश नं ० ए० पी० 5592—अतः, मुझे, जे० एस० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन नारीख जनवरा 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में पास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुइं किसी जाम की वाबत, अवल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा औ सिए;

अत: अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, जबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, मिस्निसिस स्पिक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जोगिन्दरं पाल
पुत श्री परभुराम मृष्टितयारे
खास करनेल सिह
पुत्र श्री मोता सिह
डब्ल्यू० ए०-341 चोक मुदाँ
जालन्धर
मृज्ज्यारे ग्राम वृपिन्दर सिह
पुत्र श्रो गुरबचन सिह
वामः गार्डन कालोनीः
जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोता सिह पुत्र श्री साधु सिह बासा सकात ने० डब्ह्यू० ए० 341, चीक मुदौ, जालन्धर ।

(श्रन्तरितो)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उन्स संपत्ति के बर्जन के सबध में कांद्र भी काक्षेप :-- --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक् स्वित्तरों मा से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन है भीडर उस्त स्थावर सर्पाल्य में हिनवद्य किसी २०८८ रिका दक्षाण अध्यष्टभाक्षारी के पाम लिखित में स्थिए का सर्कोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों कां, जा उक्त अधिनियम क बच्चाय २०-क या परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वरसर्वीं

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख न० 6159 दिनांक जनवरा 1984 में रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारो जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6~9-1984

प्रस्य बाहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भागात सार्कार

कार्यालग्, सहायक गायकर गायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश नं० ए० पी० 5593—श्वतः, मुझे, जे० एल० गिग्धर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्धाद् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का अरिण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जनवरी 1984

को पृत्रों कर सम्मिरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों कत संपरित का उचित बाजार बृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंदिरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के किए तम् पामा भमा प्रति- फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) बन्तरण से हुए फिसी जाय की शक्ष्य, उबक अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायस्य में कभी करने या उसस अवने में सूर्यका से सिध्; और/का
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी पन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उत्कतं अधिनियमं की धारा 269नं के अनुसरण में, भैं, उक्तं अधिनियभं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधान, जिस्तालिक व्योक्तयाः, अधातः :--- (1) श्री राजिन्दर सिंह पुत श्री मुखदेव सिंह वासी पिड किगरा तहसील जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा वैदप्रकाण वर्मा पुत्र श्रा ग्रमर नाथ वासो 464एल, माडल टाउन जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो प्रकल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिशा समाहै।

मन्स्पी

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नं० 6098 दिनांक जनवरी 1984 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालस्थर

दिनांक : 6-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर भिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (पिरक्षिण) ग्राजैन रेंज, जालनर्

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश नं० ए० पी० 5594—ग्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पिटित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विद्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो। पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योध्य में उसते अन्तरण निम्नलिसित उद्योध्य में उसते अन्तरण निम्नलिसित

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभि-नियम के बधीन कर दोने के बन्सुरक के दायित्व में कमी करने वा उवसे व्यने में सुविधा के निए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्म्लिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री अगत सिंह पुत्र श्रो हरी सिंह वार्सा पिंड किंगरा तहमील जालन्धर द्वारा मृख्तियारे श्राम श्री राम श्रवतार पुत्र श्री भगवान दास

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रिष्यिनी सहगल पुत्र श्री क्रष्ण कुमार सहगल बासी 7/21, जसवन्त नगर, पी० ग्रा० गड़ा, तहसील जालन्धर।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वाक्त स्थितारों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्वोष्टें।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जिस्स अधिनियंस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा वया है।

नन्त्र्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नं० 6146 दिनांक जनवरी 1984 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, जालन्धर

विनांक : 6-9-1984

प्रकल आइँ. टी. एन. एस.-----

नानकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) ने नधीन स्वना

बारक बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश नं० ए० पी० 5595------ प्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि विलेख में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधोन नारोख जनवरी 1984

को पूर्वोवत सम्मित्त के उचित वाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे १६१यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरित (बंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष निम्निलिक उद्योग से उसत बन्तरण मिस्तिन में गास्ति क के निम्निलिक उद्योग से उसत बन्तरण मिस्तिन में गास्ति क

- (क) जन्तरन ते हुई किसी नाम की नावत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के विधित्व में केमी करने वा जनते बचने में तृतिभा के लिए। बीए/वा
- (वा) एकी किसी भाग या किसी भंग या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम या भन-कर जीविनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या द्यांकिया जाना चाहिए था, द्वियान से गुनिया के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगत सिंह पुत्र श्री हरी सिंह वासो पिंड किंगरा तहसील जालन्धर द्वारा मुख्तियारे ग्राम राम ग्रवतार।

(श्रन्तरक)

(2) श्रो श्रजायब सिंह पुत्र श्रा गुरदियाल सिंह पुत्र कश्मीर सिंह वासी 15 डिफेंस कालोनी. जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना चारी करके पृत्रांचित सभ्यांतित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरगम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को वर्षा, को भी वर्षा सद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब बें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें
 गाग सिनिशा में १२१ जा मकरिं।

स्याकरण:---क्ष्ममं प्रयास्त शब्दों और पदों का, वा उपल अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उस सभ्याय में दिवा मका है।

वनसूची

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नं० 5842 दिनांक जनवरी 1984 में रजिस्ट्रोकर्ना प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिशांक : 5-9-1984

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एत. -----

भायकार अभिनिमम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अभीत स्वा

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण! अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक ६ सितम्बर, 1984

निवेण नं० ए० पा० नं० 55५६----धनः मृक्षे, जे० एन० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्चिमारा के कार्यालय, जालम्बर में रिजस्ट्रीकयरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ताराख जनवरा 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि ग्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस्ति उद्वरिथ में उक्त अंतरण लिसित में बाम्तिविक रूप में किथत नहीं फिया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुवं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करि, जिन्हीं भारतीय सायकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, 1927 का 27) के प्राप्त कर्मा क्यां प्राप्ति (प्राप्त प्राप्त क्यां क्यां

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रा जगत सिंह पुत्र श्रो हरी सिंह वामो पिंड किंगरा तहमील पालन्धर द्वारा मुख्तियारे आम राम अकतार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चरणजीत मंगला पुत्र श्री मोहन सिह पिड समराण, तहसील जालन्धर।

(ब्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सध्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं क्य होगा, जो उस अध्याय में दिया एया है।

नगुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति कर्वा जैमा कि विलेख नं ० 6262 विनांक जनवरी 1984 में रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर प्राक्षकत (निरोक्षण) श्रजेन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

सामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) की अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्दर, दिनांक 6 दितम्बर, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5597---श्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'टक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्ल 25,000/ का से अधिक ही

ष्मौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताराख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल से प्रस्तु प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रक फल निम्मलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण विस्तित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण संहुद्धं किसी आग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१०९० का ११) ाः वित्र अधिनियम, या धन-कार सीधिवियम, १००७ ११९६७ का १२) से एयो कार्या अवस्थित कार्य एकार सहीर जिल्ला गर्था भा या किया जग्ना शाहिए था, खिपाने में मुनिधा के लिए:

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— (1) श्री सोहन सिह्-पुत्र श्री मुल्ला सिंह, सासी पिंड किंगरा तहसील, जालन्धर द्वारा मुख्तिसारे ग्रास-राम श्रवतार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्रनिल सहगल, श्रश्विनी हगल पुत्रगपा श्री कृष्ण कुमार, वासी-जमवन्त नगर गडा-नहसील जालन्धर ।

(श्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के 'सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अथाहिन्साक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्थी

सम्यति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6260 दिनांक जनवरी, 1984 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर भायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्ध र

दिनांक : 6-9-1984

प्रकप बाइं ही पुन, एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निद्रक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 6 सितम्बर, 1984 निदेश नं० ए० पी० नं० 5598—-श्रतः, सुझे, जे० एल० गिर र

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित चाजार मन्द्र 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्वद्ध श्रनुमुखी में श्रौर रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 जा 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह पिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित धाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्तरण ए हुइ किसी साथ की बादस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्सरक के वासित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या कन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार विधिनियस. 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियस, या यन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय। या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सविधा के जिए:

बतः सव, उत्तर विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन . निम्निसिश्वित व्योक्तिमों, अर्थात् । 14---266GJ/84 (1) श्री सोहन सिंह पुत्र श्री भुल्ला सिंह वासी—-किंगरा तहसील, जालन्धर।

(भ्रन्तरः)

(2) श्री सोहन सिंह पुत्र श्रो पाल सिंह, वासी पिंड-.पी० ग्रो०भल्लाचुकी कलां, जिला जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ती।

स्पच्छीक र्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा औं उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसुधी

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नं० 5890 दिनांक अनवरी, 1984 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर ने लिखा है

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

विनांक : 6-9-1984

प्ररूपः, बार्दः, टी. एनः, एसः,-----

बायकडे मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के बधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 6 सितम्बर, 1984 लिदेश नं० ए० पी० नं 5599—श्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके प्रकाद जिसे अधिनियम कहा गया है), की धारा 26∮ च के अधीन सक्षम प्रांजिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा अधिक है 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के दार्यात्तय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख जनवरी, 1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित माजार मृत्य से कम के दशामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं और मुफे यह विद्वाय करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में भासाबिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अभने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः स्व . उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की नाकाय (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री सोहन सिंह पुत्र श्री भुल्ला सिंह, वासी—-पिंड किंगरा तहसील—-जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री कश्मीरा सिंह, बासो 15 डिफेंस कालोनी---जालन्थर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां घरूरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षीप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अक्ष किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त ज़ब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होंगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

अनसची

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नं० 5841 दिनांक जनवरी 1984 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रामकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-9-1984

मोहर 🦿

प्रकृष बाइं.टी. एन. एस. ------

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5600—म्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का -कारण हैं कि स्थाय समसीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा. से अधिक हैं

ग्नीर जिसवर्का सं० जैसा कि ग्रनुसूर्वा में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद ग्रनुसूर्वा में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुफ्ते यह विक्यात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल रिम्नलिखित उद्योख से उनत अंतरण लिखित में बास्तिक एप से किया गया है: --

- (क) अस्तरण सं हुई किसी जाय की बावता, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क पी दायित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिशत व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) श्रोमतो प्रीतम कौर
परिन श्री दर्शन सिंह,
वासी—पिंड लितरा
तहसील—नकोदर, जिला—जालन्धर
मुक्तियारे ग्राम दर्शन सिंह
पुत्र श्री सुन्दर सिंह ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह
पुत्र श्री दिलबाग सिंह
श्रीर जगदीप सिंह
पुत्र श्री हरबन्स सिंह,
वासो—पा० ग्रो० रामपुर
जिला—होशियारपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्णि मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्रहस्त।क्षरी यं पास सिक्ति, मों किए जा सकते।

स्प्वतिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूया है।

अभूस्ची

सम्पति तथा व्यक्तिकर्ता जैसा कि विलेख नं० 6071 दिनांक जनवरी, 1984 में रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-9-1984

भोहर :

प्र**क्ष आह**ै. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5601—श्रत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण ह्व से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारा के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्शांवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबता, अक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी झारने या उससे ब्यन में सुविधा के निद्र; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, था भनकर अधिनियम, था भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविशा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः⊸- (1) श्रीमती प्रीतम कौर
पत्नी श्री दर्शन सिंह
वासी—-पिंड लितरा
तहसील---नकोदर, जिला---जालन्धर
मुख्तियारेग्राम दर्शन सिंह
पुत्र श्री सुन्दर सिंह

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बलबीर कौर
पन्नि श्री हरबन्स सिंह
श्रीर श्रमर पाल सिंह
पुत्र श्री हरबन्स सिंह,
वासी—-पिंड श्रीर पी० श्रो०, रामपुर
जिला—-होशियारपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकोंगे।

स्पष्टोकरण द्र---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्तिकर्ता जैसा कि विलेख नं० 6176 दिनांक जनवरी, 1984 में रजिस्ट्रोक्**र्ता धधिकारी, जालन्धर** ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायरक भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-9-1984

नोहर :

मुक्य बाह् टी. पुर एस्. ------

जासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के जभीन स्चना

भारत वहकार

कार्यालय, सहायक आयकार नामुक्त (निर्देक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश नं० ए० पो० नं० 5602--- ग्रत, मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 का (1908 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है गौर मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशंत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) बन्तरण सं इद्वां किसी जाय की बाबत, उक्क अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबि्ट्य में केसी करने या उससे क्यूने में सुविधा के निष्कु और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को धिनहीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया बाना बाहिये जा, जियाने में सुनिधा में निए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के विधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियमों, अभित् ः— (1) श्री सुनील श्रग्रवाल पुत्र श्री लखपतराय, वासो-12 गंगा रोइ, जालन्धर केंट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष श्रग्रवाल भीर जुगल ग्रग्नवाल, पुति श्री हंसराज श्रग्नवाल वासी—1-न्य जवाहर नगर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

जनत संपरित के अर्जन के सर्वध में फोड़ें भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इत्रारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्युक्त करणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगुल्ली

सम्पत्ति तथा व्यक्तिकर्ता जैसा कि विलेख नं० 6357 दिनांक जनवरी, 1984 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रष्ठायुभरा (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

विनांक : 6-9-1984

मोहर 🛎

प्रस्प बाहु : दी , प्रन , प्रस् ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5603—म्म्रतः, मुझे, जे० एस० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो नन्दनपुर में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख जनवरी, 1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से अस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जुन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर योगे के जन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; जुरू/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की रुपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्रा मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री बिचनत सिंह, वासी-—पिंड नन्दनपुर तहसील—जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मिलखा सिंह
पुत्र श्री करतार सिंह,
किशन सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह
श्रीर हरभजन सिंह,
पुत्र श्री इंदर सिंह,
वासी—पिंड नन्दनपुर,
तहसील जालन्धर ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की संत्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीवर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

वन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्तिकर्ता जैसा कि विलेख नं. 6084 में दिनांक जनवरो, 1984 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारो, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 6-9-1984

भोहर 😢

प्रकप बार्ड . दरे . एम् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भागवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सिलम्बर 1984

निवेश नं० पी० अ।र० नं० 2995/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसका ब्लाक नं 236 है तथा जो सारंगपुर श्रंकले श्वर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रंकिनेश्वर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्णेश्वत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एमें दृष्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षात पिन्न निवास का विश्वतियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षात परितास निवास का विश्वतियों। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षात का विश्वतियों।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर जिथिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्मिरिती कुमारा प्रकट कहीं (भिन्न गया था या किया जाना जाड़िए जा, क्षिणाने व सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्रां धनोबेन बेनरभाई सारंगपुर, नालुक प्रंक्लेण्यर ।

(अन्तरक)

(2) पारस इन्डस्ट्रियल स्टेट प्रा० लि० जयप्रकाण नगर, . बम्बई--63 ।

(अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के जर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारीच लं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वित्तरों में से किसी त्यक्तित क्योरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4 ु दिन के पालर उक्त स्थावर सम्मारित में हितबब्ध किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्युक्तिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाधित हैं, यही अर्थं होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अवस्था

जमीन जो सारंगपुर, श्रंकलेण्वर में स्थित है । सब-रिजिस्ट्रार, श्रंकलेश्वर में 75 नं० पर जनवरी 1984 में रिजिस्टर्ड का गई है ।

> जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षग) अर्जन रेंज⊶2, अहमदाबाद

दिनांक : 10-9-1984

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, मङ्गयक व्ययकर आध्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 6 सितम्बर, 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5605→ अतः मुझे, जे० एल० गिरधरण

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिवा है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य. जालन्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूतरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भृषिन्दर सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह वासी पिक जन्दू सिहा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह, श्री हरवनश सिंह, वलवीर सिंह, श्री जसपाल सिंह, जसबीर सिंह, श्री जसपाल सिंह, पुत्र सारे श्री दर्शन सिंह वासी पिंड भोड़, तहसील नकोदर जिला जालन्धर और सुरिन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री सतनाम सिंह वासी मृहल्ला कारारखा, जालन्धर ।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रमुक्त घट्यों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्स्त्री

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मम्बर 6270 विनांक जनवरी 1984 में रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्बर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक **आयकर आयुक्त (**निरीक्षण) **अर्जन रें**ज, जालन्सर

विमोन : 6--9--1984

प्रकृप बार्च . को . धन . एस . ------

बायकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 मित्तम्बर 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5606--अतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. स्थ अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान् पतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूमे यह विश्वास करन का कारण है कि यभापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिष्ठ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथिस एहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की अजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियद में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269 न के अनुमरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----15---266GI/84 (1) श्रां प्रीतमसिंह पुत्र मनजोर किरपाल सिंह मुख्तियार आम महाराजा मुखजीत सिंह कपूरभला ।

(अन्तरक)

(2) श्रांमती रीता रागी पत्ति श्री प्रमोद कुमार और अशोक कुमार पुत्र श्री राम लाल बासी डब्स्यू० एम-5, बस्ती गुजा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत मंपरिस के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति कर्ता जैसा कि विलेख नं० 6079 दिनांक जनवरी 1984 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयंकर आयुक्त (निरीधण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-9-1984

प्ररूप काई. टी. एन. एस. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-घ (1) के अधीन युचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश नं० ए० पी० नं० 5551——अतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विध्वत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी 1984

करे प्यंक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास वहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क विधिनियम के ब्रंभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती कौशल्या देवी पत्ति श्री दुनी चन्य वासी भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरिवयाल कौर पत्नि श्री लाल सिंह वामी 745 आर०, प्रताप नगर, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियों करता हूं

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्त्याः

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विर्लेख नं० 4307 दिनांक जनवरी 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 10-8-1984

मोहर

प्ररूप आइ े टी. एन ∴ एस . -----

जायकर जिम्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 ग्रगस्त 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 555—-ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्प्रीर जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्छा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके एरयमान प्रतिफल से, एसे एक्समान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क्य, जिम्मिलिश्वत उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित्त में बाक्त विक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुए किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियस के स्थीन कर दोने के अस्तुरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में सिए; स्टिंग्स
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों बुवाड़ा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना वर्गहए ना जियाने में सुविधा के निए;

कतः नव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्निविचित व्यक्तियों, जर्मात् ६(1) श्री मेजर सिंह पुत श्री नान सिंह सतीश कुमार पुत श्री हन्त सिंह, मुखितयारे श्राम श्री जोरा सिंह, श्री जगीर सिंह, श्री जगीर सिंह, गुरिवयाल सिंह पुत्र श्री इन्त्र सिंह, गार्फत नक्ष्मी एम्पोरियम, भटिण्डा श्री नाभ सिंह, विकर सिंह, श्री निरंजन सिंह पुत्र चितन कौर विधया नन्द सिंह कोल्हे श्रमरपुरा, भटिण्डा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नि श्री मेजर सिंह मार्फत स्टैन्डर्ड फर्नीचरज, श्रमरीक सिंह रोड़, भालवा वर्कणाप, भटिण्डा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की गविभ या तत्सम्बन्धी न्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थानित स्थान स्थानित स्था
- (ण) इस सूचना के यजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यी

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख र्नं० 4323 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दनांक . 10-8-1984

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 श्रगस्त 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5553—श्वतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इम्प्ये पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्राँर जिसकी मं जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भिटण्डा में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से यणित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भिटण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वे जित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मुनिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसर्णें में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री मेजर सिंह पुत्त श्री लाल सिंह, सतीश कुमार पुत्त श्री हन्त सिंह, मुख्तयारे श्राम श्री जोरा सिंह श्री जगीर सिंह, श्री गुरदयाल सिंह पुत्त श्री इन्द्र सिंह मार्फत लक्ष्मी एम्पोरियम, भटिण्डा श्री लाभ सिंह, श्री बिकर सिंह, निरंजन सिंह पुत्र श्री खतिन सिंह विधया श्री नन्द सिंह काल्हें श्रमरपुरा, भटिण्डा।

(श्रन्तरकाँ

(2) श्रीमती विवा परिन श्री विनोद कुमार नाभा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं 4324 दिलांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेंन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 10-8-1984

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

शायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्मना

भारत स्रकार

क्तर्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 ग्रगस्त 1984

ं निदेश नं० ए० पी० नं० 5554—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्त्रित की गई है और मुर्भे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्ता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुव किसी जाव की बाबत, उसक के करी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व बीए/या
- (क) एसी किसी जाय का किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कि 11) के उन्ते श्रीवीत्रम, के उन्ते अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

जतः त्रक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मेजर सिंह पुत्त लाल सिंह सतीश कुमार पुत्र हन्त राम मुख्तयारे श्राम श्री जोरा सिंह श्री जगीर सिंह शर सिंह, श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री इन्त्र सिंह मार्फत लक्ष्मी एम्पोरियम भटिण्डा लाभ सिंह, विकर सिंह निरंजन सिंह पुत्र चितन कौर, विधवा श्री नन्द सिंह कोल्हे ग्रमरपुरा, भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजय कुमार पुत्न श्री मेघ राज टोहाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष- :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी पर पृत्रे कित व्यक्ति में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

मन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पति जैमा कि चिलेख नं० 4325 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर

दिनांक : 10-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्ट (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5555—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- एउ. में अधिक है

भौर जिसकी सं जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उच्या अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- ंक) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उपकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री मेजर सिंह पुत्र श्री लाल सिंह
सतीश कुमार पुत्र हन्त राम
मुख्तियारे ग्राम श्री जोरा सिंह
श्री जगीर सिंह , शेर सिंह
श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह
मार्फत लक्ष्मी एम्पोरियम, भटिण्डा
लाभ सिंह विकर सिंह,
निरंजन सिंह
पुत्र चितन कौर विधवा नन्द सिंह,
कोल्हे ग्रमरपुरा, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रविनाश पुत्र श्री पवन कुमार माफंत एस० ग्रार० भटिण्डा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हरू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्काक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

वनसर्वी

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं० 4326 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 10-8-1984

मोहर 🤋

प्रकम बाइ".टी.एन.एस.------

जायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-ण (1) के सभीन स्**ण्ना

धारद सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 प्रगस्त 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5556--- ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के प्रधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रा. से अधिक है

सं० जैमा कि ध्रनुमूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1984

को भूबोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास जरने का कारण है कि यथापूर्विका सम्पर्शि का उचित बाजार पृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्रियमान प्रतिफल का निम्न प्रतिकत के लिए तम पाया प्रतिकत (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिकत, निम्नलिकित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर देंगे के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192 का 11) या उथक अधिनियम, या पन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ज प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मेजर सि पुत्त श्री लाल सिंह
सतीश कुमार पुत्र श्री हन्त राम
मुख्तयारे श्राम श्री जोरा सिंह
श्री जगीर सिंह, श्री शेर सिंह,
श्री गुरदयाल सिंह पुत्र इन्द्र सिंह
मार्फत लक्ष्मी स्पोरियम, मटिण्डा
श्री लाभ सिंह सिंह विकर चितन कौर
विधवा नन्द सिंह
कोल्हे श्रमरपुरा, भटिण्डा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता गोयल पत्नि श्री सतीश कुमार, मार्फन एस० श्रार० भटिण्डा ।

(ग्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पृत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्योवतयों पर सूचना की तामीन सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थितत व्यासः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20-क में दिया

अमुसची

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं० 4341 दिनांक जनवरी 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 10-8-1984

मोहर 🗧

प्ररूप आर्ड. टी. एन. **ए**स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकः भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 श्रगस्त 1984 निदेश नं० ए० पी० नं० 5557--श्रतः मुझे, जे० एल० रधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्याण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्टा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखिल व्यक्तियों, अर्थातः:—

- (1) श्री मेजर मिंह पुत्न श्री लाल सिंह सतीण कुमार पुत्न हन्त राम. मुख्तयारे श्राम श्री जोरा सिंह श्री जगीर सिंह, णेर सिंह गुरुदयाल सिंह पुत्न इन्द्र सिंह मार्फन नक्सी एस्पोरियम, भटिण्डा, जाभसिंह, विकर मिंह, निरंजन सिंह पुत्न निता कीर विध्वा श्री नन्द सिंह कोल्हे श्रमरपुरा, भटिण्डा । (अन्तरक)
- (2) श्री स्रवतार सिंह पुत्र श्री हाकम सिंह गांव मेहता तहसील व जिला भटिण्डा । (स्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची -

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं० 4342; श्रनुसूचो विनांक जनवरी 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 10-8-1984

ध्रम्य मार्चा, दी , एन , एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 10 ग्रगस्त 1984

निदेण नं० ए० पी० नं० 5558—-ग्रसः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथान 'जन्त जिसे नियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को एके दिन सम्पन्ति को उचिन बाजार सत्या में कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतित सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे धवने में सुविधा के लिए; और/भा
- (अ) एसी किसी आय यां किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था छिपाने भें सविधा के नियम.

असर कहा, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मों, तक्त अधिनिय की धारा 269-ण की उपधारा (1) को सभीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---16--26601/84 (1) श्री नेजर सिंह पुक्ष लाल सिंह सताण कुमा र पुत्र एक राम मुख्यमारे साम श्री जोरा सिंह श्री जजीर सिंह, जेर सिंह, श्री गुरवियाल सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह मार्फत लक्ष्मी एम्पोरियम, भटिण्डा-श्री लाभसिंह, विकर सिंह, श्री निरंजन सिंह पुत्र चितन कौर विश्रवा श्री नन्द सिंह, कोल्हे श्रमरपुरा, भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रोमप्रकाश पुत्र लम्भूराम मार्फत एस० श्रार० भटिण्डा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपन्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीश्वरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया नया

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 4343 दिनोक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, मटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल**० गिरधर** सक्षम **प्राधिकारी** सहायक स्रायकर स्रायुक्त (नि**रीक्षण**) श्रजेंग रेंज, जालन्सर

विनांक : 10-8-1984

शोहर:

प्रस्थ भाद^क्टी _र**स्न**्पुस्_य-----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5579-—यत: मुझे जे० एल० गिरधर

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मिन, जिसका उचित बामार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजर्स्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया यवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावता, उत्तर अभिनियम के अभीत कर वेते के बन्तरक की दावित्व में केनी करने या उससे ब्यने में सुविधा के निष्: सौर/वा
- (स) ऐसी किसी भाग वा किसी भन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री मुखदेव मिह पुत्र श्री पूरन सिंह नजदीकः देहरा टाँप तहसील व जिला भटिण्डाः।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र सिंह सेठी पुत्र श्री तरलोचन सिंह मार्फत सेठी मेडिकल स्टोर, सिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शिक अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकिय में किए था सकीये।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पर्वों का, जो उन्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गंबा है।

नम्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं० 4167 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-1984

मोहुरुः

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस .; -----

भायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमृना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुवस (निरक्षिण)

भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 प्रगम्त 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5580---श्रसः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रक्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित आजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक क्य से कि भित्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन फर पने के अन्तरक को बादित्य में कमी अहने या जन्तरे बुवने में सृदिधा के लिए; स्ट्रेट/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त जीपनियम की भारा 269-म के विकृत्यक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के भृषीम, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) श्रो सुखदेव सिंह पुत्र श्रो पूरनसिंह, नजदोक: देहरा टॉप, तहसील व जिला भटिण्डा।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द्र कौर परिन श्री तरलोचन सिंह मार्फत सेठी मेडिकल स्टोर, सिरकी बाजार, भटिण्डा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कक्षों ज़ौर पवां का, जो अवस अधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

समाम की

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं० 4168 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारो, भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिवारी स**हायक भ्रायक**र भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-1984

महिर 🤉

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मलय, सहस्यक कायकर काय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5581——ग्रतः मुझे, जे० ए**ल० गिरध**र

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० जैसा कि भ्रानुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भ्रीर इससे उपावड श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण ग्रा नियम 1908 (1908 का 16) के अधोन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग को बाबत, उभरा जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (ण) ऐसी किसी बाव या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिषधा के लिए।

चतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) चौ वधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अधीत — (1) श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह, नजदीक : देहरा टॉप, तहसील व जिला भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देविन्द्र सिंह पुत्र श्री तरलोचन सिंह, मार्फत सेठी मेडिकल स्टोर, सिरकी बाजार, भटिण्डा।

(श्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नगुसुची

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं० 4169 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो, भटिण्डा ने लिखा

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-1984

माहर:

प्ररूप बाह . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5582—श्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्यें गह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूलय 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिष्क्ष के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिष्क्ष से, एसे रूपमान प्रतिष्क्ष का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्क्ष फल निम्नलिश्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्ति में वास्त-विक रूप से किया गया है:—-

- (क) अंतरण से हुई किसी शाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ण) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् :--- (1) श्री प्रसाप सिंह पुत्र श्री राम सिंह, गांव: महमां, सवाय ।

(अन्तरक)

(2) श्री जसविन्दर सिंह श्री बर्जाजन्द्र सिंह पुन्न श्री गुरजनत सिंह, गांव महमा सवाय, तहसील व जिला भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वकित सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्तः स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (**ए**) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 4322 दिनांक जनवरी 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 14-8-1984

मोहर 🖫

प्रकल्प कार्यः, दी. ६न्. एस.------

बायकार व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85/773/21-8-84---यतः मुझे, संतोष दशा,

बायकर किंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परुवाद 'उन्त विधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० लैण्ड श्रौर बिल्डिंग ग्रंट भांवुर्डा 4 बम्बई पुणे रोड, शिवाजीनगर, सर्वे नं० 15ए, हिस्सा नं० 2 (पार्ट) सी० टी० एस० नं० 140 हैं तथा जो पुणे में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनोक जनवरी 1984,

का पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आयुक्ती पावत, अवत् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक की दायित्व में कभी कड़ने या उससे म्यूने में सविया के सिद्; स्ट्रिंग
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अमृतरच में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) मैं o नाथानी स्टील प्राइवेट लिमिटेड, विशाविहार रेलवे स्टेशन (पश्चिम) के पास, यम्बई-400086।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ॰ थर्मेक्स प्राइवेट लिमिटेड, चिंचवड, पुणे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृश्वित सम्पृति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त शुरुपति को अर्थन के सुरुवन्य में कोई भी जाओप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त जिम्मीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया न्या है।

अमृत्यी

लैण्ड झौर बिल्डिंग श्रंट भांबुडी, बम्बई पुणे रोड, शिवाजीनगर, सर्वे नं० 15ए, हिस्सा नं० 2 (पार्ट) सि० टी० एस० नं० 140, पुणे-411005 ।

(क्षेत्र : 4397.92 चौरस मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं 37ईई/3219/पुणे/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज; पूना

दिनांक : 21-8-1984

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० सी०'ए० 5/37 स्रो० स्रो०/772/84-85—यत: मुझे, संतोष दत्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरा) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्प्रीता, जिसका उधित बाजार मूस्य 25,000/- उ. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० श्रोपन प्लॉट नं० 20, स० नं० 93-की, नव-राजस्थान को० श्रॉपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, भांधुर्जा है तथा जो पुणे-411016 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पुणे में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल को निक्त प्रतिफल को निक्त प्रतिफल को निक्त प्रतिकात अधिक है और खंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रवाप प्रतिफल निम्नलिकित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाम की वाबता, उक्त विधानियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के सिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिक्धा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार: (1) के अधीर भिग्निलिखित व्यक्तियों, अधीर "--- (ग्रन्तरक)

(2) मिसेस एस० बी० बोंब्रे, ग्रंट/पोस्ट : मुरुम,

तालुका : फलटण, जिला-सातारा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

श्रोपन प्लाट नं० 20. स० नं० 93-बी, नवराजस्थान को०-ग्रॉपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, भांबुर्डा, पुणे-411016 ।

(क्षेत्र : 2745 चोरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रोक्टत नं० 37ईई/3140/पुणे/83-84 जो तारीख फरवरी, 1984 को सहायक धायकर धायकर धायकत, (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक: 16-8-1984

मोहर् ः

ं क्षाइं . ए . **्या. एस**्

अध्यक्तर अधिनिष्य, 1961 (1961 का 43) की पारा 260 म (1) को अभीत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 14 श्रमस्त 1984

निदेश सं० गी० ए० 5/37ईई/771/84-85—यतः मुझे, संतोष दत्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षय प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर अध्यित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक ही

शौर जिसकी सं क फरैट नं के 110 शौर 111, प्लॉट नं के 9, 10, 11, 12 सक नं के 11 शौर 13, विलेज नवधर वसई है तथा जो नवधर विलेज वसई जिला ठाणे में स्थित है (शौर इससे उपाबश्च अनुसूची में शौर पूर्णक्य से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) शर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पृथेकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित में अधिक ही और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नानत, उनस निधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरण के दाबितन भा करी करते ना उससे , नचने से सुविधा भे सिए जीवर्यस
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धृत या जन्य जास्तियों करों, रिश्हों भारतीय दाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 कर रिशिनयम, या धनकर विधिनियम, रिशिनयम, या धनकर विधिनियम, रिशिनयम, रिशिनयम, रिशिनयम, रिशिनयम, रिशिनयम, रिशिनयम, रिशिन्यम, रिशिन्यम
- अतः ७ व , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिशित व्यक्तियों . अथात :--

- (1) मैं विश्वकर्मा बिल्डर्ग, गिस्त्री नगर, विश्वमी निवास, स्टेशन रोड, वसई (पश्चिम), जिला-ठाणे । (श्रन्तरक)
- (2) मिसेस सरिता त्यागी और मिस्टर एम० डी० त्यागी, द्वारा पी० सी० त्यागी, गुप्ता क्लाक, भवन्स कालेज, भवन कंपस, मुन्गी नगर, संधेरी, (पश्चिम), बम्बई

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृत्रोंक्स संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यसाहियां कारता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ई---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीत से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यो

इम्मु**॰हे बल प्रापर्टी बेश्र**रिंग फ्लैंट नं० 110 श्रोर 111, प्लॉट नं० 9, 10, 11, 12, स० नं० 11 श्रौर 13, विलेज मुनवघर, वसई ।

. (क्षेत्र : 760 चारम पुट)

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृष नं० 37ईई/3701/पुणे/83-84 जो तारीख फरवरी, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक् (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।]

> संतोष दक्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 14-8-1984

सोहर:

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85/770—यत: मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25.700/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8-5, हाउसिंग हाईटस, को०-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, लि० है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1984,

को पृत्नीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्नीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एंसे दश्यमान प्रविम्धन का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जैतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक्त न निम्मतिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण कि सिश्वत में वास्तिबक रूप से किंधत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीत कार कोने के अतरक के दिशीयता में तानी कारम या प्राप्त कार की । हि गत के लिए कोर/या
- (क) एंसी किसी आय जा किसी धन या अन्य आस्तियों फी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अवः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रक व्यक्तियों, अर्थात् :---17--266GI/84

- (1) कैं० रमेश बिल्डर्स (इंडिया), 618, साचापीर स्ट्रीट, पुणे-411001 । (ग्रन्तरक)
- (2) मिसेस मीना एस० साखराणी, 798/3, भवानी पेठ, हार्मेनी बिल्डिंग, पुणे-411002 । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सभ्यक्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जार्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अहीं अभी होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 8-5, हमिस हाईंट्स, को० प्रॉपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि०, 1994, कान्धेण्ट स्ट्रीट, पुणे-411~001~।

(क्षेत्र : 1385 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं 37ईई/3298/83-84/पुणे, जो तारीख फरवरी, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-8-1984

प्ररूप आहु", टई. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37ईई/769/84-85—यतः मुझे, संतोष दत्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, 'मोहित श्रपार्टमेंटस, प्लॉट नं० 135, लुल्लानगर, है तथा जो पुणे-1 में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबढ़ भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, '1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वेक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खर्यमान प्रतिफाल से, ऐसे खर्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूपण से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनिधम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :—-

- (1) मिसेस हरि गेलाराम अन्सारी, 146(822) सिंध को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, ग्रींध, पुणे-411007 । (श्रन्तरक)
- (2) मिस्टर केणविकरण गणपत् भ्रापटे, 759/23, डेक्कन जिमखाना, पुण-411004 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपर्दित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में करेड़ें भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी हु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जी सकरेंगे।

स्वस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1, 'मोहित श्रपार्टमेंटस', प्लाट नं० 135, लुल्लामगर, पुणे-1 ।

(क्षेत्र : 1160 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/32781/पुणे/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-8-1984

मोहर 🙂

प्रकृप आहें.टी.एन.एस

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्धासक)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिसांक 16 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई 768/84-85---यत: मुझे संतोष दत्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, सेकण्ड फ्लोर, स्वामिनी ज्योत, सि० टी० एस० नं० 391, विष्णुनगर, डोंबिवली (पिश्चम), है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित भाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकार) और अन्तरिती (जन्तरितयार) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) न्तर्डण से हुई किसी नाम की बावर, उक्स वृषिनियम के स्थीन कर दोनें के नन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉट/या
- (ख) एसं किसी आय का िसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, वर्षाद्व ध— (1) मैं० ज्योति बिल्डर्स, 319/19, हरेश चामर संम्युएल स्ट्रीट, वडबाबी, बम्बई-3 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एच० कुसुमा षोणांय, द्वारा सिंडीकेट बैंक, डोंबिवली, ठाणे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिध् कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती.हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति प्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूर्याः

पलैट नं० 205, सेकण्ड प्लोर, स्वामिनी ज्योत, सी० टी० एस० नं० 391, विष्णुनगर, डोंबियली (पश्चिम), जिला ठाणे, ।

(क्षेत्र : 580 चौरस फूट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3061/ठाण/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक प्रायकर अध्यक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-8-1984

प्ररूप आहर . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेण सं० सी० ए० 5/37ईई/767/84-85--यतः मुझे, संतोष दत्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी संव फ्लैट नंव 12, मिडल फ्लोर, अस्मिता अपार्टमेंट्स, सव नंव 167-ए/2, हैंप्पी कालोनी है तथा जो कोशकड़,
पुणे में स्थित है (ग्रीप इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्णकप मे
विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय महायक आयकर
आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज, पुणे में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 वर्ग 16) के अग्रान, दिनांक जनवरी, 1984,
की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अग्रमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत, उत्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक स्थिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में स्थिश के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीचिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷— (1) मे० मांडके कन्स्ट्रकणन कम्पना, 1132/2, अलंकार भवन,
 शिवाजी नगर, पुणे-411016 ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजित उदयन आमडेकर श्रीर मिसेस सुनन्दा अजित आमडेकर, 'बो' बिल्डिंग, 7वां फ्लोअर, श्रोशन गोल्डन सोसायटी, ट्विन लेन, प्रभादेवी, बम्बई-25 ।

(अन्सरितो)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारी स से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- अष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

फ्लैट नं० 12, मिडल फ्लोअर, अस्मिता अपार्टमेंटस, स० नं० 167-ए/2, कोथरूड़ हैप्पी कालोनी, पुणे-29।

(क्षेत्र : 1069 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2659/पुणे/83-84, जो तारीख जनवरी, 1984 गोको सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> सन्तोप दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 8-8-1984

अक्षम भाषाँ दी, एन. एस.- - - -

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-খ (() को नधीन मुखना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 अगस्त 1984

निदेश सं० सो० ए० 5/37ईई/766/84-85---यतः मुझें, संतोप दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 323, थर्ड फ्लोर, कीर्ति अपार्टमेंटस, फ्लाट नं० 22, एफ०पो० प्लाट नं० 260, टी० पी० एस० संगम बाडी, है तथा जो नारंगी बाग, पुणे में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयक्षर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांफ फरवरी 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्वेष्य से उच्त अंतरण लिश्वत में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्स अभिनियम की अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा छे शिस्ए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात है —

- (1) श्रीमती सकीना आयुव बहारीनवाला श्रीर श्री आयुव मोहम्मद भाई बहारीनवाला. 23/7, बंड गार्श्वन रोष्ठ, पुणे-411001। (अन्तरक)
- (2) श्री सफाकत एफ० भगत श्रीर श्रीमती फकीरी एस० भगत, फ्लैट नं० 5, बिस्डिंग नं० 5, 5 स्टार को० आपरेटिंब हाउसिंग सोसायटी, लि०, बण्ड गार्डन रोड, पुणे---411001 ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रांक्त सभ्यत्ति के वर्षन के निष्

उसत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीकत व्यक्तियों में भी किसी स्पक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस् अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दया हैं!

जन्स्ची

पलैट नं० 323, थर्ड फ्लोर, कीर्ति अपार्टमेंटस, एफ० पी० नं० 260/2 स्रीर 260/3, मंगमवाडो, नारंगी बाग, पुणे। (क्षेत्र : 885 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० सी० ए० 3/37ईई/3059/83~84ए जो तारीख फरवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष वत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 1.6-8-1984

मोइर 🖫

प्रकृष कार्यः दी. युष्, पृष्कः ----------

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-वृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (िन्**रीक्षण)** अर्जन रोंज, पूना

पूना, दिनांक 16 अगस्त 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37/1169/84-85---यत: मुझे, संतोष दत्ता, 1169,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं सिं टीं एसं नं 253/2, हिर निवास, सांगलो है तथा जो सांगलो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रिजस्ट्रार, मिरज-1 में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमती जे० बो० पाटिल, 253, सांगली वाडी, सांगली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो यू० पो० रावणेकर ग्रौर दो इतर, सी० टो० एस० नं० 253/2, सांगली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा क्यां किसी व्यक्ति ब्रांगः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नग्राम्

बिल्डिंग एट सो० टी० एस० नं० 253/3, हरि निवास, सांगली एक्सटेंशन एरिया, सांगली ।

(क्षेत्र : 1073 चौरस फूट)

(जैसे कि रजिस्ट्रोक्कत सं० सी० ए० 3/457/एस० आर० मिरज-सांगली/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सब-रजिस्ट्रार, मिरज-1, मिरज के दक्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 16-8-1984

मोहर 🛭

प्रकप आइँ, टी. एन. एस.-----

बायकर भीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 अगस्त 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/1168/84-85---यतः मुर्झे, संतोष दत्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात उक्त अधिनियम कहा गया ही की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूज्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० लैण्डएट गट नं० 453, करोशिविलेज, इचलकरंजी के पास है तथा जो इचलकरंजी जिला कोल्हापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रिजस्ट्रार, इचलकरंजी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

की प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की वास्त, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/आ
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अवं, उन्नत जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अण्णा-प्पा डी० उपाध्ये, करोणि, इचलकरंजी, जिला कोल्हापुर । (अन्तरक)
- (2) श्री अरुण महादेव घोरपडे, चेअरमैन, श्री दत्तकृषा महकारी गृह निर्माण संस्था लिमिटेड, करोशि विलेज, इचलकरंजी, जिला-कोस्हापुर । (अन्तरिती)

को वह सुचना आरी करके पूर्वाक्त । संपरित के वर्षन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अनिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिसित में किए जा सकींगे।

स्यध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पवों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाँगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

नगत्त्वीं

लैण्ड एट गट नं० 453, करोशि विलेज, इचलकरंजी के पास, जिला कोल्हापुर ।

(क्षेत्र: 2 एकड़)

(जैसे कि रिजस्ट्रोकृत नं० 939/37जी/84-85 जो तारीख फरवरी, 1984 को सब रिजस्ट्रार, इचलकरंजी के दफ्तर लिखा है'।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-8-1984

प्रकप भार्षः, टी., एन्, एस.,-----

बायकपु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० सी०ए० 5/37ईई/84-85/774---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं व्यक्तित नं 10, ग्राउंड फ्लोअर, दिवाण और शाह काम्प्लेक्स, नं 2, सं नं 74, है तथा जो सवसई, जिं ठाणे में स्थित है (और इससे उपायत अनुसूची में और पूर्णेक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1 908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरीं 1984, को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उच्चित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्त का जिप्त बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित रिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) मे० बसौन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन,
 दिवाण टावर नवघर, बसौन रोड,
 जिला—-ठाणें ।

(अन्तरक)

(2) मे॰ इंडस्ट्रियन क्रोमेस्टिय मिश्रासरीज और काम्पोनेंटस सावरकोत वाडी, मेरीज, सांडोर, वसई, जिला---टाणे ।

(अन्तरितौ)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4/5 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रे वस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थरहीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 10, ग्राउंड फ्लोअर, दिवाण और शाह काम्प्लेक्स सं० 2, स० न० 74, वसई, जिला ठाणे ।

क्षेत्र : 1350 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रोक्टल नं० 37ईई/3202/83-84 तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुण के दफ्तर में निखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रज, पूना

दिनांक : 17-8-1984

्रभः) आर्ड्र.टी.एन.एस.,------

साधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 अगस्त 1984 निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85/775---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट एट 618/11, फर्स्ट फ्लोर, एरंडवणा, है तथा जो पूणे--4 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुणे में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वीक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंटरकॉ) और अंतरिती (अंटरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के सदीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा को लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों कर जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गता था किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए,

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरफ मों, में, जरून अधिनियम की धारा 269-घ की त्राधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---18---266 GI/84

- (1) में बोर के इरेक्टर्स, 61-41/11, एरडक्णा, पुणे-411004 । (अन्तरक)
- (2) मिस्टर मल्लाप्पा नागप्पा मार्ला और मिस्टर अभय बालासाहेब मार्ला, डाक बंगले के पास पुणे-बंगलीर रोड, पोस्ट : निपाणी, तालुका : चिकोडी, जिला--बेलगाम ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी आदित व्यक्तियाँ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट एट 61-बी/11, फर्स्ट फ्लोअर , एरडवणा, पुणे-4 (क्षेत्र : 1181 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2704/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रोज पूर्ण के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 17-8-1984

प्रकृष वाह^{*}. टी . क्न . एक . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 17 अगस्त 19854

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उन्त बिधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 17, 4था माला, गोविन्द अपार्टमेंटस, सि० स० नं० 7936 से 7940 तक, टिक्को नं० 27 और 34, विनेज जी० बी० पाथलीं, है तथा जो डोबिबली जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुचनी में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (किरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पृचां क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीद कर दोने के ब्रासरण को दायित्व में कभी करने वा उससे बच्चने में सूदिया के सिए; क्षुर्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1929 का 11) या सकन अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसरों, अर्थात् :— (1) मे॰ शाहं और मोदी बिल्डमें द्वारा परेश इस्टेट एजन्सी, 4, पाटकर बिल्डिंग, स्टेशन रोड, कनरा बैंक के सामने, डोबिबली, (पूर्व), पिन: 421 201 ।

(अन्तरम)

(2) श्रोमती दीप्ति दिवाकर कामत,
6, सुखदा को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
सेकण्ड फ्लोअर,
नाथ पै नगर, घाटकोपर, (पूर्व), अम्बई: 77।
(अन्तरिती)

स्त्री वह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्मृतित् के अर्थन् के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप हा--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उच्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रनव्यक्तिरनः --इसमें प्रयुक्त कथ्यें जीर पर्यों का, को उक्त जीभीनयम के जभ्याय 20 क में परिभाषित है, बड़ी वर्ष होगा को उस अभ्याय में विया गगा है।

नमस्यी

पलैट नं० 17, 4था फ्लोअर, गोविन्द अपार्टमेंटस, सिटी सर्वे नं० 7936 से 7940 तक, टिक्का नं० 27 और 34, बिलेज जी० बी० पाथलीं, एन० सी० केलकर रोड, डोंदियली (पूर्व), वासुका : कल्याण, जिला : ठाणे ।

(क्षेत्र : 620 पौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रोधत नं० 37ईई/6021/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी कहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 17--8--1984

प्रकप् **बाइं<u>.</u> टो. ५**न., एस 🚁 🖛 🗷

कायकड किंपनियस, 1961 (1961 का 43) कर्त भाग 269-मृ (1) के अभीन सुम्पा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85/777---यत: मुझे, संतोष दत्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृख्य 25,000/-स. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 219, सेकण्ड फ्लोअर, बी०-विंग, फ्लोअर सेंटर, 7, मोलेदिना रोड, हैं तथा जो पुणे-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विंगत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अशोज, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित् वाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए स्य पाग ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृष्धि। के किएए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनुकर आधिनियम, या धनुकर आधिनियम, या धनुकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती च्वारा प्रकट महीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्तः अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, जाती :---

- (1) मे॰ विजय एंटरप्राइज्स,515, रेबा घेंबर्स,न्यू मरीन लाइन्स बम्बई-400 020
- (2) 1. मिस्टर दिलीप नारायणदास परमार, 2. मिसेस मृदुला दिलीप परमार, 774, रविवार पेठ, नाह्येल बिल्डिंग, पुणे—-411002।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्मृति के सूर्वन् के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिर्भ :-- इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, जो उक्त बिधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्त्रुक्त

फ्लैट नं० 219, सेकण्ड फ्लोअर, बी०-विम, क्लोह्बर सेंटर, 7, मोलेदिना रोड, पुणे--1।

(क्षेत्र : 572 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत मं० 37ईई/2778/पुणे/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दला मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 17-8-1984

∤ोहर :

प्रसम बाहै, दी. एन., एस.,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 अगस्त 1984

निवेश सं० सी० ए.० 5/37ईई/778/84-85-- यतः मुझे, संतोष बत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 63, फर्स्ट फ्लोर, दिवाण और शाह इंडस्ट्रियल इस्टेट नं० 5, स० नं० 37, बसई, (पूर्व), है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है और इससे उपावक अनुच्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के उध्यमान श्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि सुआपूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्ल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे उध्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिस्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण निश्चित में अध्यक्तिक हम् से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्रेश्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वद उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) में बसान इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन, दिवाण टांबर, नवघर, बसीन रोड, जिला—ठाणे।

(अन्तरक)

(2) में ॰ लैक्सन्स इंजीनियरिंग और इलैंक्ट्रिक्त प्रा॰ लि॰, लैक्सन्स हाउस, प्लाट एए 2, बालबट रोड, गोरेगांव, (पूर्व) बम्बई-400 063 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

नन्स्यो

यूनिट सं० 63, फर्स्ट पलोर, दिवाण और शाह ईडस्ट्रिअल इस्टेट नं० 5, वसई (पूर्व) जिला ठाणे स० नं० ३७। (क्षेत्र: 755 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रोक्टल नं० 37ईई/3201/83~84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के वफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पूना

दिनांका : 17--8--1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पुना, विनांक 18 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए०/5/37ईई/84-85/779---यतः मुझे, संतोध दसा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संज फ्लैंट एट सींज टींज एसज नंज 418, नारायण पेट है तथा जो पुणे—30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से बिजत है), रिजर ट्रंबर्ता अधिक रंके कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का वन्स्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्स अन्तरण लिखित मैं धास्तविक हथ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों अते, रिप्त कार्यका अध्यक्त अधिकार, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकार, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मे॰ नूतन एंटरबाइजेस, 1379, भवानी पेठ, पुणे--2।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश वामन परांजपे, 383-ए, शनवार, पेठ, पुणे---30 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उत्पत्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किमे जा सकांगे।

स्पछ्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

फ्लैट एट सि॰ टी॰ एस॰ न॰ 418, नारायण पेठ, पुणे— 411030 ।

क्षेत्र : 644 चीरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रोइन्त नं० 37ईई/2626/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18--8--1984

प्रस्म नाइ". टी. एन. एस्. --

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्मना

भारत सुरकार

न्।। यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 अगस्त 1984

निदेश सं० मो० ए० 5/37ईई/84-85/780---यतः मुझे, संतोध बत्ताः

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित भाजार मृल्य 25,000/- क. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 418, नारायण पेठ हैं तथा जो पुणे—30 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन नेंज, पुणे में, रजिस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बयापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नसिवित उद्वोक्त से उक्त अन्तरण निविध में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की नामत उक्त जीव-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग की उपधारा (1) कों अधीन, निक्नीलीसत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) ये॰ नूतन एंटरप्राइजेस, 1379, भवानी पेठ, पुणे-2

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यम्ना वामन परांजपे, 383-ए, शनवार पेठ, पुणे-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अफन के लिए कार्यनाष्ट्रियां कारता हुं।

उनत सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीज से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविंध, जो भी जबिंध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनत्यों में से किसी क्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद-वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

जन्द ही

पर्लंट एट सो० टी० एस० नं० 418, नारायण पेठ, पुणे— 411030 ।

(क्षेत्र : 541 चीरस फुट)

(जैसं कि रिजर्द्ध कृत नं० 35ईई/2627/83--84 जो तारीख जनवरो, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।

> सं तोष दसा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-8-1984

मोइन्ट 🗩

प्ररूपः, आर्दः, दी. एन. एस्. - - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांका 18 अगस्त 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85/781---यतः मुक्के, संतोष दत्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/ र रा. स जावक ह
और जिसकी सं० णाग नं ० एस० – 18, ग्राउंड पलोर, सी
विंग, क्लोब्हर सेंटर, 7, मोलेदिना रोट, पुणे--1 है तथा जो पुणे
में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहागक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के एरयमान
प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूच्य, उसके एरयमान प्रतिफल सं, एसे एरयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (प्रतीरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नेलिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुइं किसी बाद की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अक्रि:/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान को सुविधा के लिए;

क्तः सब, उक्त सिंधिनयम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियभ की धारा 269-घ की उपधारा (!) के वधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्थात् हिल्ला

- (1) मे० विजय एंटरप्राहजेस,
 515, रेवा चेंबर्स,
 न्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-400020।
 (अन्तरक)
- (2) 1. मिसेस नन्दा पी० शाह,
 2. मिस्टर प्रकाश सी० शाह,
 द्वारा बन्हैयालाल व्ही० श्राफ,
 पलैट नं० 22, सेकण्ड फ्लोअर, बंडरलैण्ड,
 7 एम० जे० रोड, पुणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या ततस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भे कि की व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त निर्मित में किए का सकर्षे।

स्थब्दीकरणं :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

शाप नं० एस० 18, ग्राउंड फ्लोअर, सी० विग, क्लोव्हर सेंटर, 7, मोले दिना रोड, पुणे-1 ।

(क्षेत्र: 243 घीरस फूट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4416/83-84 जो नारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रोज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 18-8-1984

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) क श्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पुता, दिनांक 18 अगस्त 1984

निदेश सं० सो० ए० 5/37ईई/84-85/782---यतः मुझै, संतोष दत्ताः,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक है

धीर जिसकी सं० हाउस प्रापर्टी बेर्आरंग नं० 149, भवानी पेठ है तथा जो पुणे में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूत्ता में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिल्लाकाती अधिकारा के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजिल्लाकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती धनारा पकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में स्विधा की लिए;

णतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बों, मीं, उक्त शिंभियम की धारा 269-श की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिलत ज्यिकतयों, अर्थात् :--- (1) श्रीसर्वः मदिनाबांच हबुलाल बागजान, 151, भवानो पेठ, पुण-2

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० अग्रवान ग्रीर श्री जी० एम० श्रीस्वान, चोफ प्रेमोटेर्स, आन विहाफ आफ अदर को श्रोनर्स, 149, भवानो पेठ, पुणै-2।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्थान के सिए

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

हाउस प्रापर्टी बेजरिंग नं० 149, भवानी पेठ, पुणें--2 । (क्षेत्र : 1800 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजिस्ट्रीइन्त नं० 37ईई/2682/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दशा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-8-1984

प्रस्त्य बाइं. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत संरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 17 अगस्त 1984

निवेश सं० सं० ए० 5/37ईई/783/84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 49, सं० नं० 26/1, 2, 3, 4 प्रीर 27/5, 6, 7, 8, डहाणूकर कालोनी है नथा जो कोथकड, पुणे— 4 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णक्प में बर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य में कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इप्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्ववंक्यों से सकत अन्तरण किवत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के मुविधा के लिए;

अतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19--266G1/84

(1) मैं ० वैभव विल्डर्स,
 101, 102, कमला चेंम्वर्स,
 687, व्धवार पेठ, पुणे ।

(अन्तरक)

(2) श्रो प्रकाण रघुनाथ देणयांडे, स्टेट वैंग आफ इंडिया, ग्रीरगाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्थितियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों की, जी उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हाँ।

अनुसुची

प्लाट नं० 49, स० नं० 26/1, 2, 3, 4, श्रीप 27/5, 6, 7, 8, डहाणूकर कालोनं, कोथम्ड, पुणे-4 । क्षेत्र : 570 चौरस फूट)

(जैसे कि रिजस्ट्राकुन नं० 37ईई/2729/पुणै/83-84 जो ताराख जतवरा, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)

> मंतीप दत्ता सक्षम प्राधिकारः सहायक् आयक्षर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रोज, पूना

दिनांक : 17-8-1984

प्ररूप आहं ० टी० एन० एस०

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ७६९-भ (1) के अभीम स्थना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 अगम्न 1984

निदण मं० मो० ए० 5/37ईई/787/84-85--यतः मुझे, मंतोष दत्ता,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रु. से अधिक हो

25,000/ रह. सं अधिक हैं

भौर जिसकी संव फ्लैंट नंव बीठ-102, फ्लाट लैनंव 45 श्रीर 46
सव नंव 4. 5, 6, 7. विलेज नवधर है तथा जो वसई जिव ठाणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूच। में श्रीर पूर्णच्य में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक जनवरों, 1984 का पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्रियंगन प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिघत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित अमारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृविधा के तिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिल्हों भारतीय अपकार अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रां या किया जानों चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए;

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के लनुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नणिसित व्यक्तियों, अर्थान् —

- (1) मे० विण्वक्रमी बिल्डमं, प्रताप प्लेस विश्वकर्मा निवास, स्टेणन रोड. वसई (पश्चिम), जिला टाणे । (अन्तरक)
- (2) भिस्टर चँको थामस,
 4. इझावेला विल्डिंग, मेरो ह्विला बस स्टाप के पास,
 माणिकपुर, वसई रोड, जिला ठाणे ।

(अन्तरितं()

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी अयिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठीकत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंदी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ave si

पर्लंट नं० वी ~ 102 , प्लाट नं० 45 और 46, स० नं० 4, 5, 6, 7, विलेश नवघर, वसई, जिला ठाणे।

(क्षेत्र : 780 चौरस फुट)

जैसे कि रिजर्स्ट्राकृत नं० 37ईई/3157/ठाणे/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जनरेज' पुणे के दपतर में निखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-8-1984

संतोष दत्ता.

प्रस्प बाहै. टी. एन्. एस. - -- -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूचा प्चा, विनांक 22 अगस्त 1984 निर्देश से० सी० ए० 5/37ईई/785/84-85→-यतः सुझे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 45,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० एन्फाल्ड इस्टेट, बेर्बा पाइंट, पांचगर्णा है तथा जो जिला सातारा में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज, पुणे में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, दिशांक मार्च, 1984,

को पूर्वीयत सम्पृतित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वीवत संपृति का उचित बाजार मृत्य उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लद्ध प्रदिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारातीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती ग्ली वृतारा प्रकट नहीं किया गया भा था किए। अस्त जातिए भा, छिपाने में स्विधा के निएए,

चतः वव. उक्त विधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) से अधीम, निम्निधिसित व्यक्तियां, अधीस् :-- (1) मिनस कोनी एडविन फर्नाडीस, बी--12. प्लाउ शेअर, सितलादेवी टेंपल रोड, माहिम, बम्बई--400016 ।

(अन्तरक)

(2) एन्फोल्ड को० आपरेटिय सोसायटी लि० चीफ प्रमोटर्म : 1.26ी सरोजकुमार भोला, 42. शिव तीर्थ-1, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई । 2. सिमेस उमा सिंग, 9/4, नवजीवन सोसायटी, लैंसिंग्टन रोड, बम्बई-400001

(अन्तरिनी)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पृथामित व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा सकरों।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

हिस्सानं ० ३. ज्याट न ० 4497. एन्फील्ड इस्टेट, बेबी पाइंट, पांचगर्णी, जिला सातारा ।

(क्षेत्र: 2 एकर्स याने 87,120 चोरस फुट)

(जैसं कि रिजिस्ट्रेश्चित नं 37\$\$5/3984/ठाणे/83-84 जो तारीख मार्च, 1984को सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोप दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूनर

दिवांक : 22-8-1984

मोहर

प्रस्य गाइ . टा . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अगस्त 1984

निदेश मं० मी० ए० 5/37ईई/786/84~85—यतः मुझे, संतोष दत्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- के से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 31, ग्राउंड फ्लोअर, इंडस्ट्रियल इस्टेट नं० 6, नववर, वस है तथा ोजो जिला ठाणे नें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ना अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक फरवरी, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित के बालतीक रूप वे कियत बही किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्न के लिए;

क्तः अब, उक्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्निलिखित अधिनत्यमें, अधीत् :---

- (1) मे॰ बसोन इंडस्ट्रियल डेबलपमेंट कारपोरेशन, दिवाण टावर, नवधर, वसई रोड (पश्चिम), (अन्तरक)
- (2) मे० प्रकाण सेल्स एण्ड सर्विसेस, जलदर्शन, नं० 7, ग्राउंड फ्लोअर, 288, चिमबाई रोड, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई-400050 ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम निस्ति में किए जा सकीगी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रियल यूनिट सं० 31. ग्राउंड फ्लोअर, इंडस्ट्रियल इस्टेट नं० 6. नवधर, वसई रोड (पूर्व), जिला ठाणे।

(क्षेत्र : 66,05 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजम्ट्रोक्कत नं० 4464/37ईई/83-84 जो तारोख फरवरी, 1984 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 22-48-1984

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन एस ------

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85-787-यतः मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैंट नं० 8, अस्मिता अपार्टमेंटम, 167-ए/ 2,हुँपी कालोनी, कोथ कर है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची) श्रीर पूर्णकप से ब्राणित है). रिजस्ट्रेक्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरा, 1984,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वार करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचिता बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उसने बचने वे बुविधा के निष्; और/मा
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन था अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इसोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के शिए;

श्रंतः, श्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण मों, माँ. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रो सुधीर यशवन्त मांडके, प्रोप्राइटर : मे० मांडके कन्स्ट्रक्शन कं०, अलंकार भवन, 1132/2, शिवाजी नगर, पुणे~411016 ।

(अन्तरक)

(2) श्रो दिनेश दत्तास्रेय लोकापुरे. आई० एन० एस० णिवाजो, लोनावला । -(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त संपरित के अर्थन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्भाग्ध में कोई भी बाक्सेच :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी केंद्र पाम लिखित में किस् जा मकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्तः विधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधार एका हैं।

पर्लंट नं० 8, टाप फ्लोअर, अस्मिता अपार्टमें टास, 167- ए/2, हॅपी कालोनो, कोथरूड, पूणे-411029।

(भैंब : 545 चौरस फूट)

(जैमे कि रिजिस्ट्रोक्टत नं० 37ईई/32660/पुर्णे/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनाक : 18--8--1984

मांहर:

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस. ------

आयकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 अगस्त 1984

निदेश सं० सो० ए० 5/37ईई/788/84-85--यतः मुझे, संतोष दत्ता,

कायक श्रायक शिविसम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उकत विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैट वंव सीव-11, अणोक हाउसिंग सोसायटी लिव 3, नेलीर रोड, है तथा जी पुणे-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्शिक्त सफ्पित्त के उचिन दाजार मूल्य से कम के रहणमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह निश्चास करने का कारण है कि यथाप्वींयन सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष, उसके ध्रथमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रमू प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) इन्तरण सं हुई किसी अप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या.
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अयः, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मिसेस इंदिश भटनागर,
 मिस्टर एस० एस० भटनागर,
 मे० भटनागर एंटरप्राइजेस,
 1/1, कॅनॉपस अपार्टमेंट. बोट क्लब रीड,
 पुणे-411001 ।
 (अन्तरक)

(2) मिस्टर डेबिड रूपर्ट लोबी, मिस डेफन रेमेडिआज, 877/1. बुटो स्ट्रोट, पुणे~411001 । (अन्तरिती)

को यह सुख्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पर्नेट नं० सं१०-11, अशोक हाउसिंग सोसायटी लि० सिच्युएटेड एट 3, नेलोर रोड, पुणे ~411001 ।

(क्षेत्र : 1,000 चौरस फुट)

, (जैमे कि रजिस्ट्राइन्त नें० 37ईई/2758/पुणे/83~84 जो तारोख जनवरों, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज, पूना

विशंक : 22-8-1984

मोहर 🔋

प्ररूप नार्द. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 18 अगस्त 1984

निर्दोश मं० मी० ए० 5/37ईई/789/84-85--यतः मुझे, संतोष दसा,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, थई फ्लोर, बिल्डिंग नं० 1, गंगानगर सोमायटी, अलियाबाई चौक, कल्याण है तथा जो जिला पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्य से विजित है), रिजस्ट्रांकर्ती अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास क्रियों का कारण है कि यथाप्बेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वदेश से उक्त बंतरण विवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (२०) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्विथित्व में कमी ध्रुरने या उससे बचने में शीवधा के सिए; बौर/ब।
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीम, मिम्निलिसित व्यक्तियों. कर्णाक अस्त

- (1) मे० वैणाला विल्डर्स,
 पार्टनर : श्राप्तर एला सोनावणे,
 परदेणा विल्डिंग. स्टेणन रोड, कल्याण, जिला ठाणें।
 (अन्सरक)
- (2) श्राः यू० के० भिवंडकर, द्वारा यूनियन बैंक आफ इंडिया, णंकरराव चौक, कल्याण, जिला ठाणे । (अन्तरितो)

को यह सुचना आरो कारके पृशांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

बक्त कम्पर्ति के वर्जन के संस्थान्त्र मां काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्प

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्याही।

अनुसूची

पलैट नं ०12, थर्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं ०1, 'गंगानगर मोमायटी', अहिल्याबाई चौक, कल्याण, जिला ठाणे ।

(क्षेत्र : 650 चौरम फुट)

(जैसे कि रिजिस्ट्रोक्कन नं० $37 \frac{$5}{3123} |310| / 83 - 84$ जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

मंतोप दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 18-8-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर गायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 21 श्रगस्त 1984

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37जी०/11784-85-1—यतः मुझे, संतोष दत्ता,

प्रत्यक्द अधि नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **दुव्के पृष्ट्रात् वेदन् अधि नियम** कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 271ए, प्लाट नं० 40, मिरज है तथा जो निरज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, मिरज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1984,

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिश्चत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी, फिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसन व्यक्तियों, अर्थात् ः (1) श्री नानजी खिमजी शहा, स्वामिनारायण दर्णन, सेम्बैण्ड फ्लोग्नर, प्लाट नं० 10, डा० राजेन्द्रप्रसाद रोड, मुल्डंड पश्चिम, वस्बई—80 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरिभाऊ मोरेश्वर जिल्लवाले, एक्सटेंशन सी० एय० ने० 1403, मलन बंगलो, माधवनगर रोड, सांगली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मां कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकेंग।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्वा गया है।

श्चनुसूची

्रीमलन बंगलोर माधवनगर रोड, सांगली म० नं० 271 ए स्रोर सि० स० नं० 1403 ।

(क्षेत्र : 3729 वीरस फुट लैण्ड ग्रीर बिल्डिंग 227 चौरस मीटर) ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3280/84 जो तारीख फरवरी, 1984 को सबरजिस्ट्रार, मिश्ज के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 21-8-1984

साहर:

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कों भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37जी/1172/84-85—यतः मुझे, संतोष दत्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं कि ही के एसक नं 1325/42 (पार्ट), कोल्हापुर, शिवाजी उद्यम नगर, यूनिवर्सिटी रोड, है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सबराजस्ट्रार, करवीर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल का निमालिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी शावतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (२) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरकी उवारा प्रकाट नहीं निर्मा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के चिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भै अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः—— 120—266 GI/84 (1) श्री एस० वाई० खड़के, 1325/42, ई० वार्ड, शिवाजी उद्यम नगर, कोल्हापुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महिपती सिताराम पाटिल, 1915—ई वार्ड, रामाराम पुरी, कोल्हापुर ।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस नं० 1325/42 (पार्ट), कोल्हापुर, शिवाजी उद्यम नगर, यू नर्वासटी रोड, कोल्हापुर ।

(क्षेत्र : 85.19 चौरस मीटर)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 886/84 जो तारीख फरवरी, 1984 को सब-रजिस्ट्रार, करवीर के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज, पूना

दिनांक : 21-8-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्राचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 जी०/1173/84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० लैण्ड और बिल्डिंग एट सर्वे नं० 1 एफ/2 ए 1/1, सोलापुर, सिटी है तथा जो सोलापुर में स्थित है (श्रीर इससे पाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अजिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, सोलापुर में, रजिस्ट्री-करण अिंग्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाभू बेंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भेजह प्रतिद्वार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की दावत उक्त जीव-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिधा के लिए; और/बा
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकतः अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्री मंत्रनु रितलाल गांधी,
 घर नं० 113/ए,
 उत्तरा मोदी पेठ, सोलापुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रेमचन्द प्रतापमलजी सुराणा, दूस्टी ग्राफ पनीदेवी फैमिली दूस्ट, सोलापुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम सी

प्रापर्टी एट : टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 2, फायनल प्लाट नं॰ 1 एफ/ 2ए 1/1, सोलापुर ।

(क्षेत्र : 810 चौरस मीटर बिल्ट भ्राप एरिया भौर लैण्ड : 1620 चौरस मीटर)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 23/84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सब-रजिस्ट्रार, सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, पूना

दिनांक : 21-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

मध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत चर्कार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 अगस्त 1984

निर्देश सं० सो०ए० 5/37 जी/174/84-85--अतः मुझे, सतोष दत्ता

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

यौर जिसकी सं नं 148/2 सि ठी सं नं 257 ए महाबलेश्वर गौरव होटल, है तथा जो जिला सातारा में स्थित है (ग्रौर इसेसे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्तर्ता अधिकारों के कार्यालय सब रिजस्ट्रार बाई में रिजस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 स1908 का 16) के अधोन तारोख जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कहा का कारण है कि स्थापवेंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का मन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर मधिनियम, या अन-कर मधिनियम, १९57 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्विभा के निए;

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, में', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अध्यान, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री पाठडी पाटे एट/पोस्ट : महाबलेश्वर, जिला : सातारा ।

(अन्तरक)

(2) श्री डो०डी० ठक्कार 19 उत्तम भवन एम०जी० रोड, कांविवली, (पश्चिम), बंबई: 400067।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्या किसी कन्य स्थाकत द्वारा, अभोहस्ताकरी के पान किसी कर में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि--नियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, शही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया। है।

मन्स्ची

प्रापर्टी एट संबनंब 148/2, सिब्टीब्सब्नंब 257ए, नोत भंज : 'गीरव होटल', महाबलेखर, जिलाः सातारा । (क्षेत्र : 1720 चीरस मीटर्स, भ्रीर बिल्डिंग : 1800 चींब्स् मूं $_{\circ}+4097$ चौंब्स् मुंब्स् चौंब्स् चैंब्स् हैं।।

(जैसे का रिजिस्ट्रांकृत नं० 83/84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सब रिजिस्ट्रार, बाई के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष वत्ता सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 21-8-1984

प्ररूप बार्ड दी एन एस . -----

नामकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सुभान

भारत सहस्राह

कार्यास्य, सहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 अगस्त 1984

निर्देश सं० सी०ए० 5/37जी/1175/84-485/---अतः

मुम्नें, संतोष वत्ता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्रापटी आर० एस० नं० 536/1ए है तथा जो कोल्हापूर में स्थितहै (ग्रीर इसेसे उपाबब अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रीर, करबीर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कुछ दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने में नविशा के हिंसए, जोर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1925 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा की निष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में- में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ो अधीन, निम्नलिस्णित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) श्री कृष्णा परसू सालोखे ग्रौर इतर, एंट/पोस्ट: कोल्हापूर।

(अन्त

(2) द नियोजित पद्मा को-आपरेटिव होसिंग, सोसायटी, चीफ प्रमोटर : श्री सुरेश पी० कारंडे, 1980,-इ, राजारामपुरी, 9वी गली, कोल्हापूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर स्था करायों में से किसी स्थित द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अथोहस्ताअरी के पास निक्ति में किस जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्ष जिथानिसम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

अनसची

प्रापर्टी एट सर्वे नं आर०एस०नं 538/1ए, जवाहर नगर के पास, कोल्हापूर।

(क्षेप्त: 2 एकर्स, 20 आर॰ या 1,08,639 चौरस फूट) (जैसे की रिजस्ट्रीकृत सं॰ 199/84 जो तारीख जनवरी 1984 को सब रिजस्ट्रार, कारवीर के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दसा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजॅन रेंज, पूना

तारीख: 21-8-1984

पुरुष बाई दी. एन. एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (196) का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना दिनांक 21 अगस्त 1984

निवेश सं० सी०ए० 5/37जी/1176/84-85/ ---अतः मुझे, संतीय दत्ता

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट मंं 0,64 साँगली मार्किटयाई संव्या है तथा जो सांगली में स्थितहै (श्रीर इसेसे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार, मिरज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजिस्त उद्वश्य से उसत् अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आप्/या
- (य) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग को अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री प्रकाश दुंडाप्पा वडगे, 'गंगानिवास', भिवाजी नगर, जिला: सांगली।

(अन्तरक)

 (2) श्री नंदकुमार सदाणिव कौरे, एट/पोस्ट: कवठे, 1473, लक्ष्मी पुरी, कोल्हापूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त अभ्यत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , अरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ण) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगें।

स्वव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, नहीं अर्थ द्वांगा. जो जम अध्याय में दिका गमा है।

अनुसूची

प्लांट नं० 64, सांगली भार्केट यार्ड, सांगली। (क्षेत्र : लंड : 5498 चौरस फुट, बिल्डिंग : बिल्ट अप 340.14 **चौर**स मीटर)।

(जैसे की रिजस्ट्रोक्कत नं० 37 जी/549/83-84 जो तारीख फरवरी, 1984 को सब रिजस्ट्रार, मिरज के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 21-8-1984

मोहर 🛭

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अगस्त 1984

अतः मुझे, संतोष दत्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्रापर्टी एट सरवे नं०36 श्रीर हाउस नं० 3-1/ए, नौपाडा, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचं में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकार्र, के कार्यालय सब रिकस्ट्रीर, ठाणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरीं, 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम वृष्यमान अिल्जन के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उनके वृष्यमान प्रतिकल से, एंते वृष्यमान प्रतिकल का पण्यह प्रतिवात से अधिक है और बण्तरक (लन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बण्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबल उद्देश्य से खण्त प्रन्तरण जिल्लित में वास्त्रिक रूप के कालित नक्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर देने औं अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृष्यिभा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19.22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए; और/या

कतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) कें नुधीन, निम्नलिखित व्यक्तिक में, अर्थात ६—— (1) श्री यणवंत डब्ल्यू० दाबेंके श्रीर इतर, प्रांजलो सि॰एच॰एस॰, नीपाडा, जिला ठाणे।

(अन्तरक)

(2) मै॰ प्रांजला को-आंपरेटिव्ह **हौसिंग सोसायटी**, कोर्पा रोड, नौपाडा, ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

प्रापर्टी श्रंट नौपाडा तालुका, सर्व्ह नं० 36, श्रौर एष० नं० $3 \sim 1/4$, जिला ठाणे।

(क्षेत्र: 1199.625 चौरस मोटर्स)

(जैसे की रिजिस्ट्रोक्कत नं० 37%/239/84, जो तारीख फरवरो, 1984 को सब रिजिस्ट्रार, ठाणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष धत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. पना

तारीख: 3-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आभ्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 3 भगस्त 1984

निदेश सं० सी०ए० 5/37इइ/84-85/790 ।—श्रतः मुझे, संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25.000/- रज. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लैट नं० 305, ए-विंग, थर्ड फ्लोग्रर, ग्रांता ज्योत सांपिंग सेंटर, बसई रोड के पास, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत 7 निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्क यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया मया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उथत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कमी करने या स्तस्ते बचने में सुविधा के लिए; बॉर/का
- (५) एसी किसी बाय मा किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था किपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स थी स्टार बिल्डर्स,
 2, पूनम सोसायटी,
 67-ए,
 लिंकिंग रोड,
 खार (पश्चिम),
 बंबई-400 052

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेस सुमती व्ही ० पिल्ले ग्रीर मिस्टर के ० के ०, विक्रम पिल्ले, उसुला व्हिला, माणिकपूर, वसई रोड, (पश्चिम), जिला ठाते।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या दत्सम्बन्धी अविद्यास पर्व स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर एकिस्था में से किसी व्यक्ति दूनारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीता जाएग स्थावर सम्यक्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकते ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका शबा है।

अमुस्यो

पलैट नं० 305, ए-विंग, थर्ड पलोग्नर, शांता ज्योत शांपिंग सेंटर, वसई रोड पोस्ट श्रांफिस के पास, वसईरोड, (पश्चिम), जिला ठाणे।

(क्षेत्र: 631 चौरस फूट)

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 37इइ/4216/84-85 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफतर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-8-1984

माहर :

प्ररूप बाइ. ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० सी॰ए०5/37इइ/84-85 — ग्रत: मुझे, संतोष दत्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 202, प्लांट नं० 292, कोरेगांव पार्क, 371/v/1/6 है तथा जो पुणे में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908(1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख जनवरी, 1984।

कते पूर्वोक्स संमत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैसर्स व्ही ०के० लाल्को प्रायवेट लि०, 1017-18, डालमल टॉवर, नरीमन पाइंट, बंबई ।

(भ्रन्तरक

(2) मिसेस गामे रमझान, ए-3, पैरामाउंट को-श्रॉपरेटिब्ब होसिंग सोसायटी, 5थ फ्लोग्रर, कांन्व्हेंट स्ट्रीट, पुणे--411001।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पच्छोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं॰ 202, प्लांट नं॰ 292, कोरेगांव पार्क, $371/\nabla/1/6$ (क्षेत्र: 1080 चोरस फूट) ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37इइ/3651/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज़न रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-8-1984

मोडर 🛭

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६९-छ (1) के क्रधीन भक्ता

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 श्रगस्त 1984 निदेश सं० भी०ए०5/37इइ/84-85 —-श्रत: मुझे,

संतोष दत्ता बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

25,000 /∼ रह. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 205, णांता ज्योत गाँपिंग मेंटर, बसई रोड, (पिंचम) है नथा जो जिला ठाणे में स्थित है (ग्रीर इससे उणाबत पनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्वोक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिस्तत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, छिणाने के स्विधा के सिष्ट;

अतः जव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय. निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात :-- 21--266GI/84

(1) मैंसर्स छी स्टार बिल्डर्स, पूनम सोसायटी, 67~ए, लिंकिंग रोड़, खार, बंबई~52।

(भ्रन्तरक)

(2) मिमेस रझोबेगम एम० लितफ, फर्स्ट फ्लोग्नर, ग्रण्णू बिल्डिंग, मिलन सब वे, साताऋुझ (पश्चिम), बंबई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यवितयों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर लंपन्ति में हित । बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है। सवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 205, ब्रांता ज्योति पॉपिंग सेंटर, बसई रोड (पृष्टिवम), जिला ठाणे (क्षेत्र: 60.6 चौरस मोटर)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37इइ/4215/84-85 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफतर में लिखा है)।

संतोष दक्ता

सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 3—8—1984

प्ररूप आहें दी. एन, एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अक्षीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्निशिश) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० सी०ए० 5/37 इइ/84-85 -- अत: मुझे, संतोष दसा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अभित बाजार मूल्य 25,000/- रापए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 206, सैंकंड फ्लोग्नर, विठोबा श्रपार्टमेंट, प्लांट नं० 55, व्हिलेज नवघर है तथा जो जिला ठाणे में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध धनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे मे, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके शश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त जोधनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, जिपान में स्विधा के लिए;

जतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भ्रे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—- (1) मैसर्स विठोबा कन्सट्र क्यान कंपनी, वसई स्टेशन रोड, हंपील पैलेस के पास, वसई रोड (पश्चिम), जिला ठाणे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती झैनाब्धी हुसेन शेख और श्री हुसेन अब्दुल कादर शेंख, कुशीनाथ गायकवाड कम्पाउंड, कार्टर रोड, रूम नं० 12, बीरिवलीर (पश्चिम), बंबई-66।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ल) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना, जो उस स्थाप में दिवा गया हैं।

बन्सूकी

फ्लैंट नं० 206, सेकंड फलोग्नर, विठोबा श्रपार्टमेंट, प्लांट नं० 55, व्हिलेज नवधर, जिला ठाणे (क्षेत्र : 738 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37इइ/4000/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-8-1984

मोहर

शक्य बाइ . टी. एन. एस.-----

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यातम, बहायक जायकर जायकर (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० सी०ए० 5/37 ' श्रोश्रो/84-85--श्रतः मुझे, संतोष दत्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र_{ि.} से अधिक है

ग्रीर जिसकी मख्या फ्लैट नं० 105, फर्स्ट फ्लोग्रर, मुखमणी पेलेस, वसई रोड, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूर्ण में, रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पंचर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ गया गया श्रीतफल,, निम्नलिकित उद्दर्शयों से उक्त मंतरण लिकित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ३

- (क) अन्तर्ग ते हुई किसी अगय की बाक्स, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: जीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमः, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा को लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसेर्स सेठी बिल्डर्स, क्हिलेज नवधर, पोस्ट. वाई रोड, सालुका वसई, जिला ठाणे।

(ग्रन्तरक)

(2) डॉक्टर (मिसेस) मधुराणो राजीव ग्राकेरकर, द्वारा एस० जी० श्राकेरकर, 8/aî. हिमगिरी अपार्टमेंट, हतिसकर मार्ग, प्रभादवी, बंबई-400025।

(ग्रन्तरिती)

को यहसूचना भारी करको पूर्वाक्त प्रम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिशों में से किसी व्यक्ति ख्यारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमे प्रयक्त शब्दों और पदौँ का. अधिनियम के अध्याय 20-क में है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

अनुसुखी

फ्लैट नं० 105, फर्स्ट फलोग्रर, सुखमणी पैलेस, बसई रोड, तालका वसई, जिला ठाणे (क्षेत्र: 665 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37इइ/4012/ठाणे/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखो है।)

> मंस्रोप दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-8-1984

प्ररूप आहें.टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अगस्त 1984

निदेश सं० सी०ए०5/37इइ/84-85 — ग्रतः मुझे, संतत्तष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 608, गुरुकृपा श्रपारंमेंट, सर्व्यों नं० 215, हिस्सा नं० 2, छाया सोसायटो के पिछे, श्राग्रा रोड है तथा जो ठाणे में स्थित है श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विण है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रा-करण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरो, 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) लोर अंतरण मास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में स्वीवधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्चार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. स्थिपन में सूर्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स गुरुकृपा बिल्डर्स,
 6, नवीरन मंजु,
 एस० भ्राय० रोड,
 मुलुंड,
 बंबई--400 080।

(भ्रन्सरक)

(अन्सरिती)

(2) मिसेस सबोता मोहन,
 39/1338,
 थर्ड फ्लोर,
 वर्तक नगर
 ठाणे (भहाराष्ट्र),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंते ने 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा हैं।

मन्स घी

फ्लैट नं० 608 गुरुकृषा, अपार्टमेट सर्व्ये नं० 215, हिस्सा नं० 2, छाया सोसायटी के पीछे, आग्रा रोड, ठाणे। (क्षेत्र: 660 चौरस फुट)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37इइ/4467/ठाण/83-84 जो तारीख फरवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के धर्मतर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-8-1984

त्ररूप आद्र⁴.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

यायां लय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 अगस्त 1984

निवेश सं० मी०ए० 5 : 37इइ/84--85 अतः मुझे, संतोष दत्ता

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट न्०2-ए, ग्राउंड फ्लोर, बैरक नं० 1487, प्लांट नं० 81, सैक्शन 30-ए, शीट नं० 30, मधु कुंज सी०एच०एम० हैं तथा जो उल्हासनगर जिला : ठाण में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यात्त्व सहायक आयहर अधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूर्ण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908(1908 का 16) के अर्थान, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी भाग की वावत, उक्त अभिनियम को अभीन कर देने के अन्तरक औ दायित्व में कंसी करने या उससे वचने में सुविधा के निए और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यिक्तियों, सूर्णात् क्ष्म

(1) श्री जी० विणनदास बनवानी और
श्रीमती पी० विणनदास बनवानी,
फ्लैट नं० 2 ए,
मधुकुंज को-ऑपरेटिव हार्ऊसिंग सोनायटी,
ग्राउंड फ्लोर,
सैक्शन 30 ए,
उहहास नगर,
421004,

(अन्तरक)

(2) श्री पुंजाराम जीव सोनोने, द्वारा श्राह्मणकर चाल, णिवाजी रोड, शह्द फाटक, जल्हासनगर,-421 004, जिला ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 2-ए, ग्राउंड फ्लोर, बैरक नं० 1487, क्लोट नं० 81, सेक्शन 30-ए, शीट नं० 30, मधुकुंज, सी० एच्०एस०, उल्हासनगर, जिला ठाणे (क्षेत्र: 53.12 चौरस मीटर्स)।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37इइ/4886/83-84 जो तारीख फरबरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-8-1984

प्ररूप , आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर निभित्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांवा 4 अगस्त 1984

निदेण सं० सी० ए० 5/37इड/84-85----अतः मुझे, संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत् मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, सं० नं० 129, प्लॉट नं० 41, इन्द्रिकरण अपार्टमेंट्स, आयांड्यल वालोनी, काथस्ड है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से बाणित है), रिअस्ट्रीवर्ना अधिकारी कार्यालय सहायक अवस्थार आयुवत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्री कारण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों यत संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भितिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रस्तुरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन काह दोने के अन्तरक के सायस्य में कभी करने या उससे ब्यने में सुविभा के निए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः अवः जिम्हिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) (1) श्री विनायक पी० मोमलवार
 - (2) श्री अतिल वी० सोमलवार 2, उमा अपार्टमेंट्स, सं०नं० 81/1/6 महकारनगर - 2: पुणे-9।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय दिनकर माने, का, अमृक्षानंद सोसायटी, आनंदनगर, विठ्ठ लवाडी, पूणे⊶41।

(अन्तरिती)

, <mark>को यह सचना आरी क</mark>ारके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के शि**ए** कार्यवाहियां करता हु[†] ।।ः

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारांस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

फ्लैट नं० 14, (662, धीरस फुट) सर्वे नं० 129, प्लाट नं० 41 इम्दुकिरण अपार्टमेंटस, आयाध्यिल कोलोनी, कोथरुड, पुणे---29 (क्षेत्र : 760 धौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 5217/84-85 की तारीख मई, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोप दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** 4-8-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 अगस्त 1984 निवेश सं सी०ए० 5 | 37इइ | 798 | 84-85 — स्रतः मुझे, संतोष दत्ता

सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ब्लांक नं० 5, श्रम्मू श्रपार्टमेंटम्, प्लांट श्रारण्य नं० 28(पी), श्रीर 22(पी), मसोबा मैदान, चिकानगर, है तथा जो कत्याण जिला ठाणे में हैस्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र.जस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रथीन, तारीख मई, 1984

को पृत्रोंक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मृत्य से काम के स्वयमान गितकल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास् करने का कारण है कि यथान्त्रीकन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पंत्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीय एसे भन्तरक के लिए तय पावा क्या प्रतिकल, निम्नतिकत उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक क्य मे स्थित नहीं किया व्या है:---

- (क) जन्तरम से हुई किसी जाय की वावत, जक्त जिथित्यम के अभीम कर दोने के ज्नारक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों नहीं, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—ः

(1) मैजर्स अम्मू बिल्डर्स, 19, मुकुंद श्रपार्टमेंटम, राम बाग लैन नं० 2, कल्याण।

(भ्रन्तरक)

(2) मिस्टर जांन कुरियन श्रौर मिस्टर धांमस कुरियन, द्वारा एम० कुरियन, 9, हिरा निवास, मसोबा मैदान, कल्याण।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्कत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा नकारी।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त अध्यों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

रेसिडैन्शिम्रिल ब्लॉक नं० 5, "ग्रम्मू ग्रपार्टमेंटस्, प्लॉट नंब्झार०एम० नं० 28(प) ग्रीर 22(पी), मसीका मैदान, चिकानगर, कल्याण (क्षेत्र: 617 चौरस फूट)।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 8921/84-85 जो तारीख मई, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-8-1984

प्ररूप क्षाइ. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत मरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37इइ/99/84-85---भ्रतः मुझे,

संतोष दला

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर .जसकी संख्या फ्लैंट नं०2, प्लॉट नं० 65 श्रीर 66, मयूर कालीनी, कोथरूड, है तथा जो पुणे-29 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक्क श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उचत अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है "—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 (1) श्री एस०एच० तिबेवी, गायत्री बिल्डर्स,
 719, लुलसियानी चेंबर्स,
 नरीमन पोंद्द,
 बंबर्द-21

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रसिकलास के० भटेवरा, बी/32, यक्षनगरी, कोथरुड, पुणे-29

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्यक्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लीट नं० 2, प्लांट नं० 65 ग्रीर 66, मयूर कालीनी, कोथरूड, पुणे-29। (क्षेत्र: 930 चौरस फूट)।

(जैंसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 5510/84-85 जो तारीख मई, 1984 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-8-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एनं. एका.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 4 श्रगम्त 1984 निदेश सं०मी०ए० 5/37इइ800/84-85।—-श्रत: मुझे, संतोष दक्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परभात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विख्तास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्यां फ्लैंट नं० 4, सी-विल्डिंग. चिंतामण नगर, सं०नं० 128/1, हैं तथा जो ग्रौंध, पुणे-7 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रग्नीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य में कम के इस्यणन प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल मिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुंद्दं किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन भार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- एसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तल अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, चैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (।) चे कि निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 22 —266 GI]84 (1) मैंसर्स निश्विल एंटरप्राइजेंग, 14, बंबई पुणे रोड, बजाज घांटी शो रूम के पास, बाकडेंबाडी, णिवाजीनगर, पुणे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कियोर चंद अरोरा,
 ग्रार०डी०ड० (ऐंजिनीअर),
 विधी,
 पूर्ण-411015।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

् उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिध या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की जामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में दितवद्ध िक्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पव्योकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्थ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया भवा है।

अजस्मी

पर्लंट नं०4, सं० बिल्डिंग, चिंतासण नगर, सं०नं० । 128/1, श्रींध, पुणे-7 (श्रेत : 820 चीरस फूट) ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 5700/84-85 जो तारीख मई, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंत्रीय दत्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रामकर झागृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-8-1984

प्रकृष आहु⁵.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 4 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० मी०ए०5/37इइ801/84-85—श्रतः मुझे, संतोष दत्ता

बावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- कि. ते विभक्त हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैट तं० 8, 4थ फ्लोधर, के०पी० टी०1, फ्लांट तं० 2 हिस्सा तं० 8, सं०तं० 17-ए, बानवडी, है तथा जो पुणे-13 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय महायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रवीत. तारीख जन, 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उिश्वत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सविधा के दिन्छ, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान मो सिविधा के सिए;

कतः वब, उक्त अधिनियम की भाग 269-गं के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, स्थात :--- (1) मैंससं परमार कनट्रक्शन.
 321/3,
 न्यू टिबर मिंकट रोड,
 पुण-411002।

(ग्रन्तरक)

(2) मिस्टर णब्बीर श्रली महोमद बावाजी, पर्लैट नं० 1, मंश्री को श्रांपरेटिब्ह हीसिंग सीमायटी, प्लॉट नं० 21, फातिमा नगर, पूणे—13।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अधिकत्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकती।

स्वक्रीकरण:----इमर्ज प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ्रेल जो उस अध्याय में विधा स्वा हैं।

वनसंची

पलैट नं० 8, 4थ पलोग्नर, बिल्डिंग केपीटी-1, प्लोट नं०2, हिस्सा नं० 8, स०नं० 17ए, जानवडी, पुणे-13 (क्षेत्र: 790 भौरस फूट)।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 5962/84-85 जो तारीख जून, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूर्ण के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोल दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, पूना

नारीख: 4—8-1984

प्रकृष बाद् हैं। देन, एवं,-----

कानकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुभना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 4 श्रगस्त 1984

निवेश सं० मी०ए० 5/37 इ०इ०/84-85/802---यत: मुझे, संतोप दत्ता.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/-रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 511, 5वां फ्लार, के० पी० टी० 1, सं० नं० 17ए, प्लांट नं० 2, हिस्सा नं० 8, रेस कोर्स के पास, है तथा जो पुणे-13 में न्थिन हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप में यिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुफ्ते यह विष्वास करने कम कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविभा के लिए;
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा कन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिपती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाडिए था जियाने में सुविधा के निए;

अक्ष: अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनमरण मों, मों, उबल अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- मै० परमार कन्स्ट्रक्शन्स,
 321/3, न्यू टिबर मार्केट, रोड़,
 पूर्ण-21

(श्रन्तरक्षः)

 मैं० कल्याणी स्टील लिमिटेड, मुंख्या, पुणे-411 036।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वायस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस के 45 दिन की अविधि या तत्में अधी व्यवितयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तार्शास स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाचीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया पद्या है।

बन्स चौ

फ्लैंट नं० 511, 5वां फ्लोर, के० पी० टी० 1, नं० नं० 17ए०, प्लॉट नं० 2, हिस्सा नं० 8, रेस कोर्स के पास, पुणे-13 (क्षेत्र: 1949 चौरस फुट)।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 5679/84-85 जा तारीख़ मई, 1984 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में जिल्ला है।)

> सतात्र दता सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षम) श्राप्ति रेंग, पूना

भागेख: 4--8-1984

माहर 🖫

A-THERE - INCHES

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 श्रगस्त 1984 निदेश सं० सी०ए० 5/37इ०इ०/84-85/803---यतः [मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 605, के० पी० टी० 1, सिक्स्थ फ्लोर, ग्लांद नं० 2, हिस्सा नं० 8, सर्वे नं० 17ए, वानवडी है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की याबस, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चालए था, छिपाने में मृजिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनिधन की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1. मैं० परमार कन्स्ट्रक्शन्स, 321/3, न्यू टिवर मार्केट, पूर्ण।

(ग्रन्तरक)

 मिस्टर विराफ होमी माथा ग्रीर मिस्टर होमी रतलोतजी भावा,
 ताडीवाला रोड़,
 पुणे-411001

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनता सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जा उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 605. के० पी० टी० 1, सिक्स्य फ्लोर, प्लाट नं० 2, हिस्सा नं० 8, स० नं० 17ए, बानवाडी, पूणे-411913। (क्षेत्र: 1195 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 5965/84-85 जो तारीख जून, 1984 को महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतीय दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्के. टी. एनः एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज. पूना पूना, दिनांक 4 श्चगस्त 1984 निदेण सं० सी० ए० 5/37इ०इ०/84-85/804---थतः मुझे, संतोष दसा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लांक नं० 5, गणेण भवन की-ग्रापरेटिव होमिंग सोमायटी, नूरीबाबा रोड़, मखमली तालुका पंचपाखडी, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (श्रांर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्राप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उषित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत खबत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण पो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बिलास मनोहर कींगैकार, ब्लाक नंऽ 5, गणेश भवन,

नूरीबाबा रोड़, मखमली तालाब,

ठाणे ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती वसंतीबेन नंदलाल मह्ता, ज्योति दीप बिल्डिंग, फर्स्ट फ्लोर, जी० बी० रोड़, चराई,

ठाणे ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

ब्लाक नं० 5, गणेश भवन को-ग्रापरेटिंब होसिंग सोसायटी सि० टी० स० नं० 125, पंचराखड़ी, ठाणे। (क्षेत्र: 690 चौरस फुट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 6242/84-85 जो तारीख ग्रप्नैल, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना,

तारीख: 4-8-1984

मोहरू

प्रसम् आईं.टी.एन.एस. ------

बाधकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 श्रगस्त 1984 निवेश सं० सी० 0,० 5/37इ०६०/84-85/805—-यतः मुझे, संतोष दसा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट ग्रौर सर्वे नं० 15/10ए०. कोथरूड है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल से एसे हरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकासिवित व्यक्तिकें, अर्थात् :-- श्री दत्ताविय त्रियंक वागाइतकर,
 श्री रजनीनाथ दत्ताविय त्रागाइतकर,
 71/ए०/2, प्रभात रोड़,
 एरंडवणा, पुणे-411004।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० नाटेकर कान्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०, 1206-बी,/15, शिवाजीनगर, डैक्कन जिमखाना, पूर्ण-411004।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकेत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपप्य में प्रकाशन की हारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपृत्यी

प्लांट ग्रीर सर्वे नं० 15/10ण, कोथरूड, पुणे (क्षेत्र: 8611.29 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 5227/84-85 जो तारीख मई, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रशंत रोज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज. पूना

तारी**ख**: 4-8-1984

मोहर।

क्य काइ'. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज, पुना पूना, दिनांक 3 श्चर्यन 1984 निदेश सं० सी० ए० 5/37इ०इ०/84-85/806--यतः मुझे, संतोष दना,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विदयाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 7, राधा कृष्ण को-श्रापरेटिव होसिंग सोसायटी, पार्ट 1ए०, विलेज ठाकुर्ली, कल्याण है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क्स) अन्तरण संहुदं किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससंबचने में सृविधा के सिष्ट; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ६—-

श्री विनायक कुष्णराव निमकर,
 श्रीमती राधाबाई के० निमकर,
 श्री वसंत के० निमकर,
 ब्राह्मण सभा के पास,
 तिसक रोड, डोवियली,
 जिला ठाणे।

(भ्रन्तरक)

2 श्री हरि दत्तावेय जुबेकर, बी०-38, तिलक रोड़, बाह्मण सभा के पास, डोवियली, जिला ठाणे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषोकत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, राधा कृष्णा को म्नापरेटिव होसिंग सोसा-यटी, म्नान पार्ट 1ए, 1ए, 1ए, विलेज ठाकुर्ली, तालुका कल्याण, डोबीवली, जिला ठाणे।(क्षेत: 619 चौरम फ्ट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न० 5589/83-84 जो तारीख मार्च, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), फ्रर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

लारीख: 3−8−1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 ग्रगस्त 1984

निदेश मं० सी० ए० 5: 37इ०इ०/84-85/807--यतः मुझे, संतीय दत्ता,

बायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके प्रथात (उवन अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ज के बचीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वेंकेट लैण्ड बेग्नरिंग सर्वे नं० 509/ 3-4-5, सब प्लौट नं० 390/3, फायनल प्लौट नं० 390, मुंजेरी, टी० पी० स्कीम नं० 111 णंकर णेट रोड़ है तथा जो पुण-37 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृपुवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जनवरी 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उनत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मित्रभा के लिए:

अत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) में अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्गीत :- श्री रामचंद्र तुकाराम बिरमल, विरमल नगर, शंकर शेंट रोड़, पुणे-411037 ।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० राठी कुमार बेहरे, "क्त्स्ट्रक्शन हाउम' 796/189-जी, भांडारकर इन्स्टीट्यूट रोड़, पूणे-411 004।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

ब्हेकेंट लैण्ड बेग्नरिंग सर्वे नं० 509/3-4-5, सब प्लांट नं० 390/3, सब फायनल प्लॉट नं० 390, मुंजेरी टी० पी० स्कीम नं० 111, शंकर शेट रोड़, पुणे-411037।

(क्षेत्र: 45, 500 चौरम फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3643/84-85 जो तारोख जनवरी, 1984 को महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

गंतोप दना मझम प्राधिकारी महार्यक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-8-1984

माहर :

प्रकृष आइ'.टी.एन.एस . -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आधकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० मी० ए० 5/37 इ०इ०/84-85/808—यतः मुझे, संतोष दत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 259-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं लैण्ड ऐंड सब प्लाँट नं 390/4, फायनल प्लाँट नं 390/4, फायनल प्लाँट नं 390, सर्वे नं 509/3-4-5, मुजेरी टी पी० स्कीम नं 111, णंकर णेट रोड़ है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे; रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य स कम के क्रियमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्नूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चोध्य से उसत अन्तरण विविद्य से उसत अन्तरण विविद्य से उसत अन्तरण विविद्य से उसत अन्तरण विविद्य में बान्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की नाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया आता चाहिए था, क्लियाने से स्विधा के सिए;

जतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
3-—266 GI|84

 (1) श्री वसंत रामचन्द्र विरमल
 (2) श्री ग्रानिल रामचन्द्र विरमल शिरमल नगर, शंकर शेट रोड़, पुण-411037।

(भ्रन्तरक)

 मै० राठी कुमार बेहरे, "कन्स्ट्रव्णन हाउस';
 796/189-बी, भंडारकर इन्स्टीट्यूट गोइ, पुणे-411004।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस'सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में संकिसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्थकिकरण: --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ऋ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

मन्त्र

्हेकंट लैण्ड एंड सब प्लॉट नं० 390/4, फायनल प्लॉट नं० 390, स० नं० 509/3-4-5, पुजेरी, टी० भो० स्कीम, नं० 111, शंकर शेट रोड़, पुजे-371 (क्षेत्र: 62415 चौरस फुट)

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 3642/84-85 जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक भ्रायकर श्राय् $\frac{3}{4}$ त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

प्रारूप आए. टी.एन.एस. -----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 म्रगस्त 1984

निदेण सं० सो० ए० 5/37इ०इ०/84-85/808---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० विला नं० 9, श्रझालिया गार्डस, संसरी, देवलाला कैमा है तथा जो जिला नासिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुम्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल तो, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तारण में हुई किसीं जाब की बाबत, क्यत विभिन्निक के वधीन कर योगे के बन्तरक के शिक्तरण में ककी करने का लग्म वचने में सृक्षिश की सिए; विरिधा
- (क) एसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार की धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था कियाने में सामधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

 मै० हंबटंट इंडिया डेनलगर्स और बिल्डर्स, मेहेर बिल्डिंग, शिकाजी नगर, नामिक-422006।

(भ्रन्तरक)

 मिसेस पर्वेच्युग्रल कोस्टा ग्रीर मास्टर कोलिन नेल्सन कोस्टा, मिडिल ईस्ट ग्रुप, पोस्ट ग्राफिस बाक्स नं० 25583, सफत, कुबैत।

(भ्रन्तरिती)

कां बहु सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में दिए ना करोंगे।

स्पष्डिकरणः --इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

नगुज्ञी

विला नं० 19, भ्रमालिया गार्डेन्स, संसरी ६६६ देवलाली कैम्प, सं० नं० 210/सिं० भीर 210/सी०/2 जिला नासिक । (क्षेत्र: 1000 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रोकृत नं० 133/83-84 जो तारीख जनवरों, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के वंपतर में लिखा है।)

मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारोख: 27-8-1984

मोद्वर:

प्ररूप गाई. टी. एन्. एस. ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए 5/37 इह/84-85--यतः मुझे, संतोष दत्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 3, फर्स्ट फ्लोर, प्लाट नं० 15, 481/1, पर्वतो है तथा जो पुण-9 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुभूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, नारोण्य जनवरी 1984

कां पृथेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम कं इश्यमान प्रि. कल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितिया) क बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त बन्तरण लिमित में बास्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की वायत्, उच्छ विधिन्त्र के वधीन कर दोने के अन्तरक के द्यापित्व में कमी करने या उससे वचमे में सुविधा के लिए; बोर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुनिभा के लिए:

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्तित व्यक्तियों, वर्धात् ॥——

भै० शैलेश प्रमोटर्स,
 14, श्री प्रसाद सोसायटो,
 पर्वती दर्शन,
 पुण-411009।

(भ्रन्तरक)

2 श्री हरकचंद फुलचंद मुनोत, ग्रट/पोस्ट: भानशिक्षरे, तालुका नेवासा, जिला ग्रहमदनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करसा हुए।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के एउजपत्र में प्रकाशन की तारीस ग 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाथ लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कर्वो और पर्दो का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इंक, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्ची

फ्लैंट नं० 3, फर्स्ट प्लोर, 481/1, पर्वर्त(, पुणे 411009।

(क्षेत्र: 613 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 3629/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक ग्रायकर श्रायकत (निराक्षण) प्रजन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज, पुना

तारीख: 27-8-1984

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्थासय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, पूना ———

पूना, दिनांक 27 ग्रगस्त 1984 निदेश सं०सी०ए 5/37 इड०/811—84-85—यतः

मुझे, संतोष दशा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसका संव सब प्लाट नंव 13, प्लाट नंव 126, सर्वे नंव 103, सिव टोव एसव नंव 1947. वेरवड़ा है. तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूचों में स्थीर पूर्ण न्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज पुणे मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की नायत उक्त आधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जतः जज, उक्त अभिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण मों, भीं, उद्देश अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० के० पी० एंटरप्राईजेस, 19, वोणा बीना, टर्नर रोड़, बांद्रा (पिंचम), बंबई-400 050 ।

(ग्रन्सरक)

2. मै० करिया बिल्डर्स, 5-8 सी, प्रेम कुंज प्रपार्टमेंट्स, नौरोजी क्रास लेन, घाटकोपर (पश्चिम), बंबई-400087।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयूक्त शब्दी और श्रदी का, जो उन्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सब प्लाट नं० 13, पार्ट ग्राफ प्लाट नं० 126, सर्वे नं० 103, सी० टी० एस० नं० 1947, येरवडा, पुणे सिटा। (क्षेत्र: 21, 980 चौरस फुट)

(जैमे कि रिजिस्ट्रीकृत नं 4891/84-85 जो तारीख फरवरी, 1984 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 27-8-1984

प्ररूप भाइ¹. टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर माय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 27 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37इ०६०/812-84-85--यतः मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-**ड** के अ<mark>धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का</mark> भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० शाप नं० 13, ग्राउंड फ्लोर, सि० टी० एस० नं० 216, शिवाजी नगर, है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारोख जनवरी 1984

को पूर्ववित संपत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठिक संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके एश्यमान प्रतिकाल से एले रश्यमान प्रतिकाल का प्रन्देह प्रतियात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अर्तारती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इस्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हूं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-सार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 3 अधीन, निम्नलिखित स्थिक्तयों, अर्थात् :--- मैं० कुमा बेहरे राठी,
 783, भवानी पेठ,
 पुणे-411002।
 प्रन्तरक)

2. श्री बैलूर राधाकृष्ण नायक, श्रानंद श्रपार्टमेंट, प्रभात रोड़, लेन नं० 9, पुणे-411004।

(ग्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पृथीकत सम्पाल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमी प्रयुक्त शब्दों और गयो का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

बन्स्ची

णाप नं० 13, प्राउंड फ्लोर, सी० टी० एस० नं० 216, धिवाजी नगर, पुणे-411005।

(क्षेत्र: 380 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2693/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

मारीख: 27-8-1984

इस्य बाई. टी. एत्. एव . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पुना, दिनांक 27 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37इ०इ०/813---84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/ रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, प्लांट नं० 5, हैपी कालोकी, कोशब्द है तथा जो पुणे-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बाएँगरक में कभी करने या उक्से वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाब या किसी भन या कत्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बंग वा वा किया जाना चाहिए था जियाने में स्विधा के निष्

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की एगधाण (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- मैं० अशिवनी बिल्डर्स,
 1488, सदाशिव पेठ,
 पुणे-411 030।

(अन्तरक)

 श्री मिलिद माधय वैस, 1131, सदाशिय पेठ, पुणे-411030।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिज्जबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पास्टिशकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममृत्यी

पत्रैट नं० 6, प्लाट नं० 5, हैपो कालोनी, कोथरूड, पूणे-411029।

(क्षेत्र: 1104 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीइन्त नं 2777/83-84 जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में क्षिखा है।)

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

मोहर 🖫 🖰

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 21 अगस्त 1984

निदेश सं । सो । ए । 5/378 । इ । / 814 --- 84 - 85 --- यत: मुझे, संतोप दत्ता.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार 25,000/- रा. से अधिक **है**

और ज़िसकी सं० फ्लैंट नं० 101, फर्स्ट फ्लोर, प्लांट नं०29/33, राजेश अपार्टमेंट, पोस्ट आफिस के पंरछे, नवधर, वसई रोड़ है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूर्ण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीत-**फ न निम्नतिबात उद्धप्य से उक्त अंतरण लिखि**त में वास्तीयक क्रम से किशत नहीं किया गया है किया

- (क) अभारण से हुए किसी आय की गणत उक्त मिनियम के मधीन कर दोने के जन्तरक वायित्व में क्रमी करने या उससे क्लाने में मुविधा के लिए; अरेर, या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, । अन्हा भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तियाँ, अर्थात ---

 मै० विठोबा केन्स्ट्रक्शन्स कं०, वसई रोड, हैपो पैलेस के पास. वसई रोड़ (पश्चिम) जिला ठाणे।

(अन्तरक)

2. श्री हंसीदा हनीफ, द्वारा सैद अब्दूल कादर, किराणा मर्चेट. कोलीवाडा. बसीन, जिला ठाणे-401201।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम को अध्याय 20-क में ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.

जन्स्ची

फ्लैट नं० 101, फर्स्ट फ्लोर, प्लांट नं० 29/33, राजेश अपार्टमेंट, पोस्ट आफिस के पीछे, नवधर, जिला ठाणे।

(क्षेत्र: 652 चौरस फुट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3274/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता लक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक भ्रायकर भ्रायक्त अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 21-8-1984

प्रकप भाइ टी . एवं . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः,, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षकः)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं ं सी ० ए० 5/37ईई/815---84-85----श्रतः मुझे, संतोष दला,

जायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट न ० एक-1 पस्ट प्रलोगर 'प्रियंवदा' सी ० एच ० एस ० न ० 585, पो० न ० 49, गुलटेकडो है तथा जो पुण-37 में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अध्या है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबळ रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों करें, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मं, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री एस० एन० सेन.
 और श्री एम० के० उगार, हिस्त्रल, 636/3.
 विजयानगर कालांनी, पुण-411030।

(अन्तरक)

 श्री आर० श्रीधरन, द्वारा श्री बी० राधाकृष्णन्, ए०/5, उत्कर्ष अपार्टमेंट, गुलटेकडा, पूणे-411037।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी कारके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुन्।

ाबत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माणत मा किए या सकींगे।

स्पब्सीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित , हैं, वहीं कर्भ क्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुत्त्री

फ्लैट नं० एफ०-1, प्रियंबदा, सि० एच० एस० सं० 585, पी० नं० 49, गुलटेकडी, पुण-411009।

(क्षेत्र: 827 चौरस फुट)

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 3090/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में निखा है।)

> संतोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

शारीखा: 27-8-1984

मोइरः

प्ररूप मार्इ. टी. एन. एस.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 369-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 अगस्त 1984 निदेश सं० सी० ए० 5/37 इइ०/816/84-85---यतः मुझे, संतोप दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 44 और 45, मांति सेंटर प्लाट नं० 8, सेक्टर नं० 17, डी० बी० सी० वामी है तथा जो नई बंबई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसुंची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

करें पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए खन्तिरित की गई है, और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मुसिचित उच्चदेय से उच्त बन्तरण निवित्त ने गुस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई जिसी जाव की बावत उक्त अधि-निवस के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व की कसी करने या उसमें बचने भी अधिधा के लिए; श्रीपा/धा
- (स्त) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय अग्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मै० श्री शांतिनाथ एंटरप्राइसेस,
 304, तुलसियानी चैंबर्स,
 नरीमन पाइंट,
 बम्बई-4000211

(अन्तरंक)

 मै० ग्रेवाल एक्सपोर्टस प्रा० लि०, 6-ए०-6, न्यू एक्सेलिसियर बिल्डिंग, बंस्टीन रोड़, बम्बई-400001।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तवंधी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अवाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

वग्स्की

आफिस नं० 44 और 45, गांति सेंटर, प्लाट नं० 8, सेक्टर नं० 17, डा० बी० सी०, वाशी, नई बंबई। (क्षेत्र: 1250 चीरस फुट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं 7381/84-85 तारीख मई, 1984 को सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर निखा है।)

> संतोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

मोंहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 अगस्त 1984

निवेश सं० सी०ए० 5/37 इड/817/84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 302/6/बी०-1, फ्लैंट नं० 302, यर्डं फ्लोर, गोपाल नगर, भिवंडी हैं तथा जो जिला ठाणे में स्थित हैं (और इसमे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजिस्ट्री, करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उजित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेषों से उक्त अन्तरण किखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- ं(क) अन्तरण से **हुई किसी** आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/सा
- (क्र) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबन अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, विश्वास प्रवासनी कें प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वास प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः शक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- मैं० योगी कार्पिरेशन, पी० एन० बी० हाउस, सेकंड फ्लॉर, सर पी० एम० रोड़, फोर्ट, बंबई-400001।

(अन्तरक)

2. मिस्टर सदानंद महादेव दुर्गुले, 55, कपाली, एस० टी० स्टैण्ड के सामने, पावर आफिस के पास, भिवंडी-421 302, जिला ठाणे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, 6/बी-1 थर्ड फ्लोर, गोपाल नगर, बंबई आगरा रोड़, दांडेकर फैंक्टरी के पास, भिवंडी, जिला ठाणे।

(क्षेत्र: 500 चौरस फुट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4224/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन नेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31-8-1984

प्रकृप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 27 अगस्त 1984 निवेश सं० सो० ए० 5/37 ई०ई०/84-85---यतः मुझे, संतोष दसा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० व्हिला नं० 18, अझालिया गार्डन्स, व्हिलेज संसारी, देवलाली कैम्प, सं० नं० 210/सी०/1 और 210/सी० 2 है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जनरेंज, पूणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिती में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा वे लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— मैं० हैबिटन्ट इंडिया डेव्हलपर्स और बिल्डर्स, मेहेर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक-422006।

(अग्तरकः)

 मिस्टर वहीद इनायत बी० रौहानी, 101-सी बिस्डिंग, आनन्द नगर, फरगेट स्ट्रीट, बंबई-36।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत

व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के सास किस्कित को किसा का सकीये।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्हिला नं० 18, अझालिया गार्डन्स, व्हिलेज संसारी देवलाली कैंप, सं० नं० 210/सी०/1 और 210/सी०/2 जिला नासिक।

(क्षेत्र: 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं 132/83-84, जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे, के क्पतर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

मारत चरुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 अगस्त 1984

निदेश सं अभि ए० 5/37 इइ/84--85---यतः

मुझे, संतोष वत्ता,

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० व्हिला नं० 11, अझालिया गार्डन्स, व्हिलेज संसारो, देवलाली कैम्प, है तथा जो जिला नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्तिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीथ एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-कत मिम्निनिविद रुद्देश्य से सकत अन्तरण जिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधित्यानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के किए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० हांबटंट इंडिया डेवलपर्स और बिल्डर्स, मेहैर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक-422 006।

(अन्तरक)

2 मिसेस सुनीता तोलाराम मंगतानी, 9, लाल साई सोसायटी, डेवलपमेट एरिया, देवलाली कैम्प, जिला नासिका।

(अन्तरिती)

को बृह पृचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्रित के वर्धन के बिह कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त धाव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूपी

विहला नं० 11, अझालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देवलाली कैम्प, स० नं० 210/सी०/1 और 210/सी०/2, जिला नासिक।

(क्षेत्र: 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं 131/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27··8--1984

मोहर ।

प्ररूप बार्ष.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक ग्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई०ई०/84-85—यतः मुझे, संतोप दत्ताः,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मुसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं विहला नं 21, श्रझालिया गार्डन्स, व्हिलेज संसारी, देवलाली केंप है तथा जो जिला नासिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी 1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंग्ररण से हुई किसी जाम की बानत, उनक्ष अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक वे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ जधीन. निम्निसित्त व्यक्तियाँ, अभित्ः— मै० हैबिटैन्ट इंडिया डेक्हलपर्स ग्रौर बिल्डर्स, मेहेर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक-422006।

(ग्रन्तरक)

 मिस्टर माणेक एफ० डेव्हर, 808, ऐमे मंझिल, सेकंड फ्लोअर, डा० श्राम्बेडकर रोड़, दादर, बम्बई-400014।

(ग्रन्तरिनी)

को मह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्स्यो

िह्ला नं० 21, श्रद्धालिया गार्डन्स, व्हिलेज संसारी, देवलाली कैंप, सं० नं०: 210/सी०/1 ग्रीर 210/सी०/2, जिला नासिक।

(क्षेत्र: 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 137/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई॰ई॰/84-85--यतः मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं िह्ला नं 1, श्रिश्चालिया गार्डन्स, व्हिलेज संसारी, देवलाली कैंप, है तथा जो जिला नासिक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रिक्षिल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से मुधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिसत उद्देश्य से उसत अंतरण सिवित में वास्तिक रूप से किथत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की बाबस, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) एंसी किसी आय सा किसी धन भा अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय तीय कर अधिरियम ... 1970 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. शियाने से स्विभा के निए;

अतः अब, उप्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्नितिकत स्पीक्तमों, सर्वात् क्र— मै० हे बिटैन्ट इंडिया डेव्हलपर्स ग्रौर विल्डसं, मेहेर विल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक-422006।

(ग्रन्तरक)

 डा० (लेफ्टिनेन्ट कर्नल) डी० श्रार० वझे, सुजाता मैंटर्निटी श्रीर नाँसँग होम, 'प्रशांत' मैंन स्ट्रीट, देवलाली कैंप (422401), जिला नासिक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

व्हिला नं० 1, ग्रम्नालिया गार्डन्स, व्हिलेज संसारी, देवलाली \cdot कैंप, जिला नासिक, सं० नं० 210/सीं०/2।

(क्षेत्र: 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 139/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणें के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आसकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 27 अगस्त 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37 इ०इ०/84-85---यनः मुझे, संतोष दशा,

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित जाजार मृज्य 25.000/- रु.-से सिधक है

ग्रौर जिसकी सं० विला नं० 13, ग्रिझालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देवलाली कैंम्प, स० नं० 210/सी०/1 ग्रौर 210/सी०/2 है तथा जो नासिक में स्थित है (ग्रौर इससे उपायक्ष प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण एप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रथमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उद्विष्य से उक्त अन्तरण किकित के बार्स के सिक्त के सामा किकित

- (क) बन्तरण ते हुई किती बाव की वावत, अक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वभने में सुविभा के लिए; और/या
- (भी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में वृतिका के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- मै० हैं विटेंट इंडिया उनलपर्स ग्रीर बिल्डर्स, मेहेर बिल्डिंग, गिवाजी नगर, नासिक-422006।

(भ्रन्तरक)

 मिमेस राजकुमारी के० भोजवानी, सुख सिंघु सोसायटी, फ्लैट नं० 10, ब्रिल्डिंग नं० 4, कंटोंनमेंट श्रस्पताल के पास, देवलाली कैम्प, जिला नासिक।

(स्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथेंक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आश्रंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इसं सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त पब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्त्रकी

विला नं० 13, ग्रिझालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देव-लाली कैम्प, सं० नं० $210/सी \circ /1$ ग्रौर $210/सी \circ /2$ जिला नासिक।

(क्षेत्र: 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 140/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 इ०इ०/84-85--यतः मुझे, संतोष क्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जसकी सं विला नं 22, ग्रह्मालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देवलाली कैम्प, हैं तथा जो जिला नासिक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने के जलसे वचने में सुविधा के सिए: और/था
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भी, भी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के गधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :— मै० हैिवटेंट इंडिया डेवलपर्स श्रौर बिल्डर्स, मेहेर बिल्डिंग, णियाजी नगर, नासिक-422006।

(ग्रन्धरक)

 भिसेस हेमलता छन् दायलानी, सतनाम सोसायटी, ए०-2, फ्लैट नं० 8, लांम रोड़, देवलाली सैम्प, जिला नासिक।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

अनुसूची

विला नं० 22, श्रक्षालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देवलाली कैम्प, सं० नं० 210/सी०/1 ग्रौर 210/सी०/2 जिला नासिक।

(क्षेत्र: 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 141/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

प्रक्रम आहु . टी. एन्. एस. -----

स्थाकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० मी० ए० 5/37 इ०इ०/84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने द्या कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं विला नं 6, श्रझालिया गार्डन्स, संसारी, देवलाली कैम्प, है तथा जो जिला नासिक में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पृणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिखळ रूप से अथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखिला में कमी कर हो या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (ल) गिंभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (१००० का ५४) या उक्त अभिनियम या अप कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थान के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 25 -- 266GI 84

 मै० हॉलिटंट इंडिया डेबलपर्स ग्रीर बिल्डर्स, गेहेर विल्डिंग, शित्राजी नगर, नासिक।

(अन्तरक)

मिस्टर वरियलदास जानकीराम कपूर,
ए टू जेंड कार्नर,
मेन स्ट्रीट,
देवलाली कैम्प,
जिला नामिक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविद्यां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिया में कि किसी व्यक्ति हनारा;
- (क्ष) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धन्स्ची

विला नं० 6, श्रक्षालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देवसाली कैम्प, सं० नं० 210/सी०/1 श्रीर 210/सी०/2, जिला नासिक।

(क्षेत्र: 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 136/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दम्पर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक •ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

प्रस्य जाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 श्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए.० 5/37 इ०इ०/84-85---यतः मुझे, संतोष दन्ता,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० विला नं० 20, श्रम्मालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देवलाली कैम्प, सं० नं० 210/सी०/1 श्रौर 210/सी०/2 (पार्ट) है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिर्जिल्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिसी (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण तिस्ति में सास्तिषक कप को कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क्ष) एरेंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सविधा को लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीतः, जिल्लिणित अधितयों, अधीत्:— मै० हांबिटंट ७ंडिया चेयलपर्स भौर बिल्डर्स, मेहेर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक।

(अन्तरक)

श्री श्रहमद हाजी इसा,
 8-ए, दादाभाई मेन्शन,
 परेल, बम्बई-400 012।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

ं विला नं० 20, श्रक्षालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देवसाली कैम्प, सर्वे नं० 210/सी०/1 श्रीर 210/सी०/2 (पार्ट), जिला नामिक।

(क्षेत्र: 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 111/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दत्ता राक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

प्रकृप आई.टी. एन. एस. *******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 म्रगस्त 1984

सं० सी० ए० 5/37 ईई/84-85:—म्प्रतः मुझे सन्तोष दत्ता.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या विलानं 12, श्रमालिया गार्डन्स, संसारी देवलाली कैंप ए० नं 210/सी/1 ग्रौर 210/सी०/2 (पार्ट) है तथा ओ जिला नासिक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रंनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

वातः वाव, उंत्रत अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मै० हंबिहंट इण्डिया डवलपर्स श्रीर विल्डर्स, मेहेर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक-422006।

(ग्रन्तरक)

 श्वीमतीं मेह्रुविश्वसा कुरेशी, एल०/16/84, वैशाली नगर, सुपेलिया , भिलाई (मध्य प्रदेश)।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूजांक्त सम्परिस् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास सिक्ति में किए जा सर्कों।

स्पळीकर्ण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विला नं० 12, श्रक्षालिया मार्डन्स, विलेज संसारी, देवलाली कैंप, जिला नासिक सं० नं० 210/सी/1 और 210/सी/०/2 पार्ट (क्षेत्र 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 112/83-84 जो तारीख जनपरी, 1984 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूणे के सफतर में लिखा है)।

> सन्तोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना ।

तारीख: 27-8-1984

मोहर 🕄

प्ररूप गाइ . टी. एन. एस. - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 भ्रगस्त 1984

सं० सी० ए० 5/37 ईई/84-85—यतः मुझे सन्तोष दसा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं विला नं 9, ग्रमालिया गार्डन्स, विलेज कंसारी,देवलाली कैंप, सं नं नं /सी/1 ग्रीर 210/210सी2 (पार्ट) है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई. है और मूफे यह निश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः--- मैं० हंबिटंट इण्डिया डेवलपमेंट श्रौर बिल्डर्स मेहेर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक ।

(ग्रन्तरक)

 श्री अर्थुं नेरी लुईस, डी०-20, बीना अपार्टमेंट, सर एमू० बी० रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पांश्त में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

विला नं० 9, श्रक्षोल्प गार्डन्सं, विलेज संसारी, देवलाली कैंप, सं० नं० 210/सी/1 स्रीर 210/सी/2 (पार्ट), जिला नासिक (क्षेत्र 1019 चीरस फुट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकत नं० 110/83-84 जो. तारीख जनवरो, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में दफ्तर में लिखा है)।

> सन्तोप दत्ता, सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 27-8-1984

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के नधीन तुम्हा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, पुणा

पूना, दिनांक 27 श्रगस्त 1984

सं० सी० ए० 5/37**६६**/84--85---यतः मुझे सन्तोष दत्ता.

काजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षेत्र, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० विला नं० 10, श्रम्मालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देवलाली कैंप, स० न० 21/सी, 1 और 210/सी 2(पार्ट) है तथा जो जिला नासिक में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्नी लिखत उद्देश्य स उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तिबक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित के फ्तयों, अर्थात् :---

 मै० है बिटंट इण्डिया डेबलपर्स और बिल्डसं, मेहेर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक-422006।

(अन्तरकं)

 श्रीमती चौहरा महंम अली, णेझाद विल्डिंग, 14, वंझाबाडी, सेकण्ड फ्लोयर, रूंम नं० 2, माहीम, वम्बई-400016।

(अन्तरिती)

च्चे वह स्वना बारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्वन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पृत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में दबेद भी आक्षय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा,
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस है 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए या सक्तम :

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

ममुस्ची

विला नं 10, अज्ञालिङा गाईन्स, सिच्यूएटेड अंट संसारी, देवलाली कैंप, सं नं 210/सी / और 210/ सी / 2 पार्ट जिला नासिक (क्षेत्र 1018 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 113,83-84 जो सारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा है)।

> सन्तोप दत्ता, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना ।

तारीख: 27-8-1984

मोहर 🤋

प्ररूप बार्श . टी. एन . एक .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय, पूना पूना, दिनांक 27 अगस्त 1984

सं अपी । ए । 5/37/ईई/84-85/829---यतः मृह्ये, सन्तोष दत्ता,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० विला नं० 5, अझालिया गार्डन्स, संसारी, देवलाली कंप, सं० नं० 210/सी/1 और 210/सी/2 (पार्ट) है तथा जो जिला नासिक में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायदा आयक्षर अधिकार (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण नेलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिका के लिए;

मत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1), के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीस अल्ल म० हंबिटंट इण्डिया डेवलपर्स और बिल्डर्स, मेहेर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक-422006

(अन्तरक)

 मिस्टर हीरा लाल चम्पा लाल पिचा, बम्बई आग्रा रोड, अंट/पोस्ट, घोटी-422402, जिला नासिक (महाराष्ट्र स्टेट)

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 1

अनुस्ची

विला नं० 5, अझालिया गार्डन्स, विलेज संसारी, देव-लाली कंप, सं० नं० 210/सी/1 और 210/सी॰/2 (पार्ट), जिला नासिक (क्षेप्त 1018 कौरस फूट)

(जैसे कि रिअस्ट्रीकत नं० 142/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)।

. मन्तोप दत्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1984

मोहर

भारत सरकार

कार्यालयं सहायक आयकर आयक्त (निर्काण)

अर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 27 अगस्त 1984

मं० सी० ए० 5/37 ईई/830/84--85 --- यतः मुझे सन्तोष दत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 8, फोर्थ फ्लोर, विम्ति अपार्टमेंट्स, णिवाजी पथ, है तथा जो कस्याण, जिला ठाणे में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिवारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 161) के अधीन, नारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भों, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री चन्द्रकान्त लल्लूभाई पण्डया और
 (2) श्रीमती पृष्पार्थेन चन्द्रकान्त पण्डया,
 फ्लैट नं० ४,
 प्रमार, क्लिप्त अपार्टमेंट्स,
 शिवाजी पथ, कल्याण,
 जिला ठाणे ।

(अन्तरक)

 श्री जगदेव प्रसाद पूरन मल अग्रवाल, 101, दादीह सठ अग्यारी लेन, मेंडण्ड फ्लोर, बम्बई-400002।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगा।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रश्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्थी

प्लैट नं ० 8, फोर्थ फ्लोअर, तिसूर्ति अपार्टमेंट्स, शियाजी पभ, कल्याज, जिला ठाणे, (क्षेत्र 748 चौरस फुट)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 4004/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)।

> सन्तोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना।

तारीख: 27−8−1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 अगस्त, 1984

सं० सी० ए० 5/37ईई/831/84-85--यतः .मुझे, सन्तोष दत्ता,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 209 ए०, हि० नं० 2+3 (पार्ट), प्लाट नं० 7, व्हिनेज चौक, मि० स० नं० 4388, डोबिवली है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के ार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इत्यमान प्रतिफाल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अम्तरितियाँ) के भीक एेसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वोध्य से उत्कत अन्तरण सिवित में एस्तबिक रूप से कश्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को इत्यित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उदन अधिरियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री खन्दीभाई एम० प्रजापित और इतर, जिजाऊ अपार्टमेंट, भानू टार्किज के पास, कल्थाण (पश्चिम) जिला ठाणे।

(अन्तरक)

श्री गणेण कम्पनी,
 47, बझारपेठ स्ट्रीट,
 मेकण्ड पलोअर, फोर्ट,
 बम्बई-400011।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की जबिध या तत्सबंधी अयिक्तयों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

सर्वे नं 208 ए०, हि० नं 2+3 (पार्ट), प्लाट नं 7, व्हिनेज चौक, सि० स० नं 4388, होबियली, (पूर्व), जिला ठाणे, (क्षेत्र: 6780 चोरस मीटर्स)

(जैसे ि रिजिस्ट्रीकृत सं० 3167/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयुर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।

> सन्तोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, पूना ।

तारीख . 21~8-1984 मोहर प्ररूप बाह्र¹. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अवस्त 1984

निर्देश मं० सी० ए० 5/37 ईई/832/83-84 --- यतः मझे, सन्तोप दना,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या आफिए नं० 51, और 52, शांति मेंटर, प्लाट नं० 8, संकटर नं० 17, ओ० एस० सी०, वाणी हैं तथा जो नई बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दे कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1984

की पूर्णवत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक एप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिरण में कमी करने या **उन्हों क्याने में कृषिण के** लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट सहीं किया गया किया जाना चाहिए था, स्थिपन में मृविधा के लिए;

अतः अ्ब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अभीन, निम्दिनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 26—266GU84 श्री शान्तिनाथ एण्टरप्राइजेस, 304, नुलसीयानी चेंबर्स, नरीमन पाइंट, वस्बई-400021।

(अन्तरक)

2 एल्कम सर्व्हें प्रा० लि०, 6 ए०-6, न्यू एक्सलसियर विलिंडग, बस्टीन रोड, बम्बई--400001।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना आरी करके प्याँक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उसत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शिष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

आफिस बिलिंडिंग नं० 51 और 52, गांति सेंटर प्लाट 8, सेक्टर नं० 17, डी० बी० मी० बागी, नई बम्बई (क्षेत्र 1435 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं 7382/84-85 जो तारीख में, 1984 को सहरका आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूर्ण के दक्तर में सिखा है।

सन्तोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी, सह।यङ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

ना**रीख**: 4−8 ·1984

दसा,

प्रकष बार्च, टी. एन्. एस्., -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नेंज ायित्य, पूना पूना, विनांक 21 अगस्त, 1984 सं०सी० ए० 5/37 ईई/833/84~85 — यतः मुझे सन्तोष

प्रायक्तर प्रिवित्यम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की घारा 26% खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रविक है

और जिसकी संख्या प्लैंट नं० 205, सैंकण्ड पलोर, सि० टी० एस० नं० 216, शिवाजी नगर, है सथा जो पुणे 411005 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के इष्यमान् प्रितिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते थह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाबार ब्रुव्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भी या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उच्क अधिनियम, या-धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीत, निम्निणिसिन व्यक्तियों, अभितृ :--- मै० कुमार बहेरे राठा,
 783, भावार्गा पेट,
 पुणे--2।

(अन्तरक)

 श्री प्रभाक्षर कृष्णजी शिक्षण्यर, 853, बुधवार, पेट, पुणे-411002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरनम्बन्धी व्यक्ति पर पर मूचना की नामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इस्टा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लीहरूसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त पिनिया के प्रशास 2)- हमें परिभाषित हैं वहीं अर्थ होना, जो उस अध्यार में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लैट नं० 205, संकण्ड फ्लोअर, सि० टी० एस० नं. 216, णिवाजी नगर, पुणे 411005 (क्षेट 680 चौरस फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 4425/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में जिखा है।)

> सत्सेष दत्ता, सक्षम प्राचिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 21--8--1984

मोहर 🏚

प्ररूप कार्यः द्याः एम् एसः -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

FIRST BRIEF

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 श्रगस्त, 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85/834-श्रतः मुझे, संतोष वत्ता

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-च के अधीन महास प्रशिकारी की, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० धपार्टमेंट न० 21, थर्ड फ्लोर, ध्रमेय धपार्टमेंटस, डोंबिवली, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय सहायक ध्रायकर ध्रायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण ध्रधिक नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उप्ति बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्यम्पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण सं हुए जिसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वागित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सविधा के निए;

अतः अत्र, उत्तत अधिनिधम को धारा 269-ग क अनुसरण में, में उद्धा अधिनिधम की भारा 269-व की सप्भारा (1) कुं अधीन,, निम्मिलिविस, व्यक्तियाँ , अभीत के— (1) मे० भ्रभंग हाउसिंग कार्पोरेशन, वाटवे हाउस, निश्चर शिवाजी स्टेच्यू, श्रद्धानन्द रोड़, डोंबिवली (पूर्व), जिला ठाणे ।

(भन्तरक)

(2) श्री मोहन दत्तात्रेय कोकणे, गुप्ता वाडा, फस्ट फ्लोर, नेताजी सुभाष रोड़, विष्णु नगर, डोंबियली (पश्चिम), जिला ठाणे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

ब कर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रोप्ड-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यधित द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास निक्षित्र में व्यक्ति जा सकेंगा।

स्पर्ध्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भ्रपार्टमेंटस नं० 21, यर्ड फ्लोर, श्रमेय भ्रपार्टमेंटस, डोंबिवली, जिला ठाणे, सं० नं० 266ए०, हि०नं० 6-1 ए-3 बिलेज ठाकुर्ली (क्षेत्र : 568 चौरस फुट)

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 3163/83-84 जो नारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा है ।)

> मंतोष दस्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

दिनांक: 21-8-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

जायकर विश्वितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जंभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 ग्रगस्त, 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37जी/84-85/1178/27-8-84---ग्रतः मुझे, संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 82, हिस्सा नं० 1, विलेज वालीव तालुका वसई, है तथा जो जिला पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार, वसई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जनवरी 1984

के पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैस्बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुदं किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्थ आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर जांधनियन, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) 1 श्री भ्राफित जोसेफ कालंसी,
2 श्री सिविल जोसेफ कोलंसो,
ग्रंट जीवनवाडी,
मेरोज, तालुका वसई,
जिला ठाणे।

(भ्रन्तरक)

(2) मे० बसीन इंडस्ट्रियल डेबेलपमेंट कारपोरेशन, दिवान टावर, नवधर, बसई रोड़, (पश्चिम), जिला ठाणे।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लैंड एंड सर्वे नं० 82, हिस्सा नं० 1, विलेज वालीव, तालका वसई, जिला ठाणे ।

(क्षेत्र : 4071 चौरस मीटर)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1770 जो तारीख जनवरी, 1984 को सब रजिस्ट्रार, वसई के दफार में लिखा है)।

> संतोष दस्ता .सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-8-1984

मोहर 🦫

प्रकृष कार्ड <u>.</u> दौ , <u>एन , एक .=-=</u>=

जायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुणीन स्चाना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नागुक्त (निरीक्ष्ण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 भ्रगस्त, 1984

निवेण सं०सी०ए० 5/37ईई/84-85/1179/27-8-84---श्रतः सुप्ती, संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उजित आजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ह

और जिसकी सं मर्थे नं मीं टीं एस 2082 प्रीर 2083, विटा लेंगरे रोड़ है तथा जो जिला सांगली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्त्री में प्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रोकर्नी प्रधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार, खानापुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में अम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृम मेह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एक्समान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वाबत उक्त अभिनियम के अभीग कर धोने के अन्तरक के ब्रिक्टिय में कमी करने या उससे बचने में बृद्धिश के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदेश नहीं किया को या का या किया जोना-माहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) श्री बी० एम० हुब, श्रंट/पोस्ट: विटा, जिला मांगली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिद्धनाथ टेक्सटाईल कं०, पार्टनर:श्री बी० बी० जगताप, ग्रंट/पोस्ट: विटा, जिला सांगली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माश्रेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्पृक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्य किसी खन्य व्यक्ति स्वाय अधाहस्ताक्षरी के पास रितिखत में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

सीं ब्रिटी एस० नं 2082 और 2083, विदा जिला सांगली (क्षेत्र: मेन शेड 172 चौरस मीटर्स प्राफिस:27.7 चौ मीटर)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 473 जो तारीब फरवरी, 1984 को सब रजिस्ट्रार,खानापुर के बक्तर में लिखा है)

> संतीप दला संअपप्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 31-8-1984

गोहर :

प्रस्प आई. टी. एन. एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--1, श्रहमदाबाद श्रहमदात्राद, दिनाक 21 श्रगस्न, 1984 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3118--श्रतः मुझे,जी०के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. सं अधिक हाँ

स्रौर जिसकी सं श्रहमदाबाद टी पी एस 20, पलेट न्यू गिरधर पार्क में है तथा जो सैं किड फ्लोर, 25 वर्ग यार्ड जमीन जी एफ पार्किंग फ्लेट 91 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण एप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में राजस्ट्रांकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-1-1984

कां प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्वेश्य सं उपत अन्तरण कि बित में गस्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की शबत, उन्नत अभिनियम के अभीन कर दन के अन्तरक के वायित्य में कभी फारने या उससे बचने में बृविधा के बिए; बार्ड/या
- (क) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आसित्यां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आमा चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ के उपधार (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियरें, अधीर् क्ष (1) श्री केतनकुमार जशवतजाल शुक्ल एफ० 5, न्यू गिरधर पार्क, स्राँवापाडी, स्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पारुलबेन प्रवीन चन्द्र देसाई
24, शान्ति नगर सोसायटी,
उस्मानपुरा, श्रहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्रारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जनत सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कि अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृशींबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितम्ब्स किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टोक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मॅगस ची

श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 20, पलेट न्यू गिरवर पार्क में सेंकिंड फ्लोर, 25 वर्ग यार्ड जमीन श्राउन्ड फ्लोर पार्किंग के लिए श्रहमदाबाद ।

> थंताय दला सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, श्रहमदीबाद

दिनांक : 21-8--1984

'प्रसुष् काष्', टी. एन. **एस**.-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ए (१) के अधीन मृत्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 21 श्रगस्त, 1984 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3119 एक्यू०/23-1/84-85---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित भाषार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्रह्मदाबाद टी०पी० एस० 21, मानक बाग सोसायटी लिसटेड है तथा जो पैकी एफ पो० नं० 602, पैकी एस० पी० नं० 101, जमीन 400 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजल्ट्रोकर्ना श्रिकारी के कार्यालय, शहमदाबाद में रिजल्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधी तारीख 16-1-1984

को प्वांक्त सम्पर्शि के उमित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पर्ति का उमित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में वास्त्विक हुए से की का नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक को स्रोयत्व में ककी करने या उसमे बचने में सुविधा के निए; और/भा
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता, रिल्ह्रों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुरा था किया जाना चाहिए था व्यापने में मृतिधा की नगर।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मिनियित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्रोमती इसम्बद्धेत बाब्भाई सेठ और श्रो बाब्भाई अम्बानान नेठ तुलसी बाग भारोमल सोसायटी के नजदोक अलिसक्रिज, श्रहमदाबाद।

(ध्रन्तरक)

(2) श्रो जीतेन्द्रभाई परपीतमदास णाह् श्रीमतो चित्रावेन जीतेन्द्रभाई गाह् कृष्णा भवन, केनरा वैक के सामने गोल लोमडा, मनोनगर, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

करों यह स्वाना आरी करके पृक्षेक्ति संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों देश सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर ध्यस्तियों में से किसी स्विध्त द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारींक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में थिए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो प्रक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 21, मानेक बाग को० श्रो० सोसायटी लिमिटेड, पैकी एफ० पी० नं० 602 सब फ्लेट नं० 101 है, जमीन का क्षेत्रफत 400 वर्ग यार्ड है

> . जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 21-8-1984

प्रकृष आहे. टी. एन. एस.-----

असमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज 1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 श्रगस्त 1984

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 3120 एक्यू/23-1/84-85—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'लकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्धार सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रहमदाबाद माडलपुर उर्फ छाडाबाइ सीम एफ० पी० नं० 516/2 है तथा जो चैकी दूसरी मंजिल आफिस, नं० $1.2,3.2 \pm 25,26$, वर्गफीट 2150 में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिश्रनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन तारीख 19-1-1984

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएको स्व पंतित का उंचित वाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ताबिक मूप में विधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं धृद्ध िकसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीत कर बोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (१००१ के ११) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अय-कार्थ अस्तिमारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया १ सार प्राप्त काना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मितिसित ध्यक्तियों, अर्थात — (1) मेसर्म यूनिकरेइक्टर गुजरात प्रा० लि० डायरेक्टर श्री एम० जाफर, एम० यसीन शेख नटराज चेम्बर्स श्राश्रम रोड श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) महालक्ष्मी हाउसिंग फिन स्टाक प्राईवेट लिमिटेड डायरेक्टर श्री भोलाभाई वालजीभाई 3,कन्कारीया श्रपार्टमेंट श्मशान रोड, मनी नगर, श्रहमदाबांद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में शिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

श्रह्मदाबाद माडलपुर उर्फ छाडायाड एफ० पी० नं० 516/2 पैकी धाफिस सेकिंड फ्लोर, पर श्राफिस नं० 1, 2, 3, 23, 24, 25, 26, बर्गफीट 2150

जी० के० पंडया राक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहसदाबाद

दिनांक : 21--8-1984

प्ररूप आर्घ्, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, -1, श्रष्टमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 21 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 3121 एक्यू० 23-1/84-85---मतः मुझे, जी० के० पंडया

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रह्मदाबाद पालडी सीम टी० पी० एस० 6, एफ० पी० नं० 345 हैं तथा जो मधुपार्क सोसायटी पलेट क्षेत्रफल 100 वर्ग यार्ड फस्ट फ्लोर फ्लेट न० बी०-5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सांरीख 23~1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुए किसी नाय की वावत उक्त काँच-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खें सिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजित व्यक्तित्यों, कर्धात :---- (1) श्री रसिकलाल गान्तिसाल पंचरत्न सोसायटी, महालक्ष्मी पंच रास्ता, पालडी श्रहमदायाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल ताराचन्द 34 (ग्रन्डर ग्राकंड) ग्रानन्द क्लाथ मारकीट, सारंगपूर, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यगहियां करता हुं।

उक्त सम्पॉल्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रहमदाबाद पालडी सीम टी०पी०एस० ६एफ०पी०न० 345, मधुपार्क की० श्रो० हा० सोसायटी फ्लैट पहला मंजिल न० बी०-5 क्षेत्रफल 100 वर्ग यार्छ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 21-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 21 श्रगस्त 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० ग्रहसदाबाद टो०पी०एस० 22, एफ०पी० नं० 320 है तथा दिए जो छाया को० ग्रो० हा० सोसायटी ब्लाक न० जी-10, क्षेत्रफल 84 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण एप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-1-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिश में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती रेखार्बन कोिंत कुमार मेहता 8,पंचवटों, फस्ट फ्लोर प्रगति हाई स्कूल के सामने, गनेश मावले कांस रोड वम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुभद्रावेन प्रियकान्त शाह सी-6, सिद्धगिरी श्रपार्टमेंट प्रीतम नगर पालडी श्रहमवाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निस्ति में किये का सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

म्रहमदाबाद टी०पी०एस० 22, एफ० पी० नं० 320 दोप छाया को घो० हा० सोसायटी ब्लाक नं० जी∸10 क्षेत्रफल 84 वर्ग यार्ड

> जी के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 21-8-1984

प्रकष् नार्वाः, टी., एन., एस. ----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सुचना

भारत संडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाध, दिनाक 21 अपस्त 1984

निवेश सं०्पी० आर०नं० 3123/एक्यू० 23-1/ 84-85--अतः मुझे, जी०के० पंडया

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० अहमवाबाद टी० पी० एस० 3, बी०-3, एफ० पी० नं० 320, एस० पी० नं० 4 फ्लेट नं० बी०-3, पल्लपी पार्क अपार्टमेंट, म्यु० मारकीट के सामने नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के मार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मुक्ते यह सिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कृतिय वहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्ष से हुई किसी अप की बानत्, उपल अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय मा किसी धन या जन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) श्री रतनवन्द मुन्दरमल जैन 4154, रूपनगर, दिल्ली--110007 ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती सुदेश सुभाष जैन बी--3, पल्लाबी पार्क अपार्टमेंट, म्युनिसिपल भारकीट के सामने, सवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (छ) इस श्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धींकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया है।

यन्स्ची

अहमदाबाद टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 320, एस० पी० नं० 8 फ्लेट नं० 2-3, पल्लवी पार्क अपार्टमेंट, न्यु० सारकीट के सामने नवरंगपुरा, अहमदाबाद, (क्षेत्रफल 112 मीटर 122 वर्ग यार्ड)

जी० के० पं**ष्ट**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,अ**दुक्**दाबाद

दिनांक : 21-8-1984

प्ररूप आहें दी एन एस . -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत संद्रकार

कार्यालय सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर०नं० 3124/ए० सो० न्यू० 23-1/ 84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी०-11, फस्ट फ्लोर, यशपाल को० ओ० हा० सोसायटी है तथा जो नं० 2 नवरंगपुरा, अहमदाबाद क्षेत्रफल 80 वर्ग यार्ड में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-क्रिंग अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 31-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविभा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्या आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: शव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित स्थिक्तयों अर्थात् ः— (1) श्री रमेशचन्य दयाभाई
की ओर से फुल मुक्त्यार
श्री वयाभाई भिवलाल
5-रीयल उस्मानपुरा,
अहमदाबाद।

(असरक)

(2) श्री अमृतलाल चुमीलाल कोटाडिया
फे/ओ जन्द्रकाम्त अमृतलाल कोटाडिया
भावना स्टील सेंटर,
(स्टेमलेस स्टील शाप)
मांडवी पोल, नागजी भुवर पोल,
अहमवाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिर्धित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृज्जी

जपलैट नं० बी०-11, (क्षेत्रफल 80 वर्ग याई) यशपाल को० ओ० हा० सोसायटी नं० 2, नारनपुरा अहमदाबाद में में स्थित है।

> ्जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांन : 21-8-1984

प्रकृष् वार्षे : टो ., एव ., एस . ------

भाषकड मिश्रियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुश्रीन सूचना

भारत चरकार

कार्यासय, सहायक जायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-। अहमदाबाद

अञ्चमवाबाद दिनांक 21 अग्स्त, 1984 सिंदेश सं० पी० आर० नं० $3125 / \sqrt{0}$ सो०क्यू०/1/84-85—अतः मुझे, जी० के० पडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपर्तित, जिल्लका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं अहमदाबाद टो॰ पी॰ एस॰ 22, पालडी पर्लैट नं ए० 2 फस्ट फ्लोर है तथा जो क्षेत्रफल 715 वर्ग यार्ड + 18 वर्ग यार्ड गेंलरो अफीत को ॰ ओ॰ सो॰ लि॰ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) वन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत उपक जिम्मीनयम के अभीन के उपने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत जिन्मियम, या जन-कर जिन्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए मा, छिपाने में सुविधा खे सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम् की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री सुनील वाडडीलाल कपासी हरी कस्पा' 12,वनश्री सोसायटी, यालतेज टेकरा, अहमदाबाद ।

(अन्सरक)

(2) बाही कमल नयन पारेख नीस कमल नयन तपारेख के०/ओ श्री कमल नयन चमन लाल पारेख सेठ चमनलाल गिरधरदास बंगला लाल दरवाजा, अहमदाबाद-380001।

(असरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकती।

स्वब्द्धिर्ण: --- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्यों का, जो उपस जीभिनियम के अभ्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा क्ये उस, जभ्याय में दिया गया है।

अम्स्यी

फ्लेंट जो अहमवाबाद टी०पी०एस० 22, फ्लेटमं० ए-2, फस्ट फ्लोर, न्यू अंकित को० ओ० हा० सोसायटी पालडी में स्थित हैं।

> जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अक्षमदाबाद

दिनांक : 21-8-1984

प्रकप , बार्ड , टी. एन . एस . - - - -

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सद्द्रवाद

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाध, दिनांक 21 अगस्त 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3126/ ए० मी० क्यू० 23/I/

84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्मे

इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ब के जधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अप्रिक है

और जिसकी सं० बंगला नं० 32-बी० जमीन का क्षेत्रफल 400 वर्ग यार्ड है तथा जो शेखपुर ऱ्यानपुर सीम एफ० पी० नं० 221 पैकी अहमदाबाद (टी० पी० एस०-3) में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिफस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास **करने का कारण है कि यथाप्**रवीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देवय से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण से हुई किसी भाग की बाब्द, उक्ट विभिन्निय के अभीन कर दोने के ब्रुक्तरक से दायित्व में कमी करने या उपने बच्चे अं या अविधा स्री किए: थोर∕या
- (च) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा केलिए;

जतः अव उक्त अभिनियम की भारा 269-म को अमसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री कानजीभाई शंकरभाई श्रीमती लक्ष्मीबेंन कानजीभाई हिन्दू कालोनी, स्टेडियम के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश कूमार सामनदास नागपाल 6, जयसिन्ध सोसायटी, गोधी आश्रम के सामने, आश्रमरोड्, अहमदाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई 🕩

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां मं से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ल्युभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हिं।

बंगला नं० 32बी०, जमीन का क्षेत्रफल 400 वर्ग यार्ड है। हिन्दू कालोनी, शेखपूरा-खानपूर, एफ० पी० 221 टी० पीं० एस० 3 अहमदाबाद में स्थित है।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांस : 21-8-1984

प्ररूप बाहाँ टी एन एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अगस्त 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 3127/ 84-85--अन मुझे, जी० के० पंडधा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्याह"), की ^{*}धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य, ्ऽ,000/- रा. से अ**धिक ह**ै और जिसकी मं० जमीन सर्वे नं० 181 पैकी 13448 वर्ग मीटर याने 14713 वर्ग यार्ड प्लीन्य तक कंस्ट्रक्शन, गांव रआजाता सातन्द जिला अहमदाबाद में द्विपत है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप सें विणित है), रर्ज स्ट्रीकर्ता अधिकारी जिला अहमदाबाद के कार्यालय में रजिन्द्र करण अधिनियम 1908 (1908) का 16) के अबे(न कां पूर्वांगत सभ्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दश्यभान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है जीर मक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तयः पाया गया प्रतिफल निम्नीलिंगल उद्दर्श्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी साय की बावत, उक्त जिस्तियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के खिराय में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य बाहिस्काँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वृज् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्र— (1) मेसर्स रवी भारबल इन्डस्ट्रीज519, उंकन रोड़,बम्बई-4

(अन्तरक)

(2) मेससं रोयल मारबल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड 519, डंकन रोड़, बम्बई-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्चन के ज़िए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वृर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तर्रीव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस, में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

जभीन जिसका सर्वे नं० 181 पैकी 13448 वर्गमीटर पाने 14713 वर्ग यार्ड है और कन्स्ट्रक्शन प्लीन्य तक किया है जो गांव इआपा, तालुका सानंद जिला अहमदाबाद में स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक 21-8-1984 मोहर प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.------

भायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत तरुकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जेन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3128/ए० सी० क्यूं० 23~I/ 84-85--अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भावनगर शिशु विहार है तथा जो प्लाट नं 468 बी भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-1-1984

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूक्त्र, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पहिंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वरेय से उक्त मन्तरण निक्तित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की धारत, अक्ट बधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा है लिए;

कतः?, जर्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्हरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (१) को जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हल्ल- (1) श्री रमेशचन्द्र भालुभाई साहोलिया भानेकवाडी, प्लाट नं० 534, भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुलरजाफ अहमदभाई लारीवाला बिठलेक्यर रोड़, भावनगर ।

(अ₹तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्धन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद्ध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थण्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन प्लाट नं० 468 बी० शिशु विहार के नजदीक भावनगर में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं० 59/6 - 1 - 84 है

जी० कै० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-1, अहमदाबाद

विनांक 18-8-1984 मोहर प्ररूप नाइ. टी. एन. एख ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3129/अर्जन रेज--1/23--1/84-85--अत मुझे, जी०के० पंड्या

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन वडपा गांव तलाप, रजिस्ट्रेशन नं० 290—295 प्लाट नं० 2 भावतगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिजकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 27—1—1984

को पृत्रों क्ला सम्पत्ति के उचित आणार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ)। के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देष्य से उसत अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसित व्यक्तिकों, अधीत ६—— 28—266 GI/84 (1) श्री लोगेन्द्रसिंह पंद्रजीतसिंह गोयल (एच० यू० एफ०) श्री रामचेद्रसिंह चंद्रजीत सिंह गोय 'मंगल महल' गलैक्सी सिनेमा के नजदीक, भावनगर

(अन्तरक)

(2) गौरव होटला प्राईवेट नि० रिजस्ट्रेड आफिस प्लाट ने० 11. "निशांत बैंच कालोनी के नजदीत, बीर तालाब, भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 पिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वें पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्क किर्याः → इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुषुची

जमीन जो पड़वा गाम तलाब पर स्थित है तथा रिज- रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेगन नं० 290-295 प्लाट नं० 1, रिजस्ट्रेगन नं० 286/27-1-1984 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, अहमदाबाद

दिशांक 18-8-1984 मोहर : प्रस्य गाइ³. टॉ. एवं. एसं.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुप्रतः

भारत सरकार

कार्यालय, रक्तार्थक आयकार आयुक्त (हिरीकाण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17अगस्त 1984

निदेश सं० पा० आर० नं० 3130/अर्जन रेंज-1/23-1/81-85-अत: सुझे, जी० के० पंडया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्हे ससमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-इ के अधीन मक्षण प्रतिषकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिज्ञकी संव जमीन घोराजी में है तथा जो अर्थे नंव 501 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्जा अधिकारी के कार्यालय, घोराजी, जिला राजकोट में रिजस्ट्रीवरण अधिनियर 1908 (1908 ा 16) के अधीन तारीख 4-1-1984

को पूर्विकत समर्गति को लेखित बाजार मृत्य से कम को रश्यमान गिरुक्षण को लिए अल्पांतन भी गर्द ही गौर प्रकृष्ठी यह विकल्प कारने का कारण ही कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अध्यक्ष ही और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा तशसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म शास्तियों को जिन्हों भारतीय नाग कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, या धन-कार अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मितियों देशीय प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) व्यास अम्बाशंकर हरीशंकर शुक्लेश्वर मंदिर के नजवीक, बधासिया छोरा, योराजी-360410 ।

(अन्तरक)

(2) माधवनगर को० ओ० सोसायटी प्रमुख योगेशकुमार जयन्तीलाल भट्ट जमनावड रोड धोराजी, जिला राजकोट ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं 502 घोराजी में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं 1742/4-1-1984 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 17-8-1984

मोहर

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर गाय्कत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 श्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं०313/23-1/84-85-अतः मझे, जो० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम जिल्हाकी भी , उन्हें विकास अल्लाका कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाहार मत्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

ग्रौर जिसको सं० जमान सर्वे नं० 441 विद्याकृंज को० ग्रो० सोसायटी है तथा जो प्लाट नं० 12, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख 27-1-1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफलं से एसे दश्यमान प्रतिफल का पाद्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, मैं, उक्त किंधिनियम की धारा 269-व की उण्धारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियाँ . क्यांत :---

- (1) धारज बेन नियालबन्द गाह 12-ब्रः०, उषाक्षिरन अपार्टमेंट, सरदारनगर मुख्य रास्ता राजकोट ।
- (2) श्रामतः मधुबेन विजयसित् बारड श्रीमतं: इन्दुबेन रमेशकुमार बारड अन्पम सोसायटाः फलावड रोड़, राजकोट ।

(अन्तरितो)

का यह सुचना जारी करक प्रयाक्त नाम्बन्ति व अर्जन क । लग कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

नक्त सम्पात्त के अपन के सम्बन्ध में कोइ भा आक्षप .--

- (क) इस स्च्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियाँ पर स्थल की कार्नक सं ३० । दन का अवधिष्, को भी अविधि दाद में समाप्त होती हो। 🦠 भीतर एवो कत व्यवितयां में ये किसी व्यक्ति दवास
- (ख) इस स्चना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 कि के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ए हिंदपदेश किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँ गं

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हो. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्यि

जमोन जो राजकोट में स्थित है जिसका सर्वे नं० "विद्याकुज" को० ग्रो० हा० सोसायटा, बताउ नं० 12 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 532/27-1-1984 है 🖡

> नः भपंडया तक्षम प्राधिकार सहाजक जायजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 17-8-1984

प्रकार बाही, ही, एम, एस, नन-नन

मानकार मिनियम, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-न (1) से नभीन स्पना

भार ह कह जाह

कार्यासय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1984 निवेश संव पींव आरंव नंव 3132/अर्जन रेंज-[/23-1/

84-85-अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- राज्य से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फर्नैट रवीकिरन अपार्टमेंट है तथा जो राष्ट्रीयशाला के नजदीक, राजकीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकीट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-1-1984

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियत्र के बचीन कर दिने के बन्तरक के कर्मिक्ट के कबी करने वा उचने वचने के सुनिभः के निक्: नौर/ना
- (क) इसी किसी आयं या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार जिम्हीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाया जाहिये था, कियाने में स्विधा के लिए;

जलः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्सरण कें, में , अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को जधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री रमेशघन्द्र हरीलाल सेठ सुधोरचन्द्र हरीलाल सेठ 'नवरंग' पंडार रोड, बोम्बे ।/

(अन्तरक)

(2) श्री दलीपकुमार पोषटलाल माघवानी चंपक पोषटलाल माघवानी रवीकिरन अपार्टमेंट, राष्ट्रीय शाला रोड, राजकोट ।

(अन्सरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर पूर्वेक्ति उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्नीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

मन्स्पी

बीलिंग फ्लैट जो 'रवीकिरन' अपार्टमेंट राष्ट्रीयशाला के सामने स्थित हैं तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 538/ 27-1-1984 हैं!

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

दिनांक : 17-8-1984

प्ररूप जाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3133/अर्जन रेंज-1 23-1/ 84-85-अतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसको सं बिल्डिंग बोर्ड नं 5 एवं नं 273 करना परा नजवीक, चौक, किशोर्सिह जा रोड़, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख 5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबस उक्त जिम्मिनयम के अभीन कार दोने के अंतरक के दाशित्म में कभी कारने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सिक्धा के लिए;

जतः जबः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीनः निम्निसिसित व्यक्तियों, अभीतः :--- (1) श्री धनवंतराय जमनादास **चो**कसो 13ए० जंकणन प्लाट, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनसुखलास मगनलाल परमार "ए-II खोडियार कृपा" करनपरा चौक नजदीक, किशोरसिंह जी रोड़, राजकोट !

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्थन के निष् कार्यवाहियां करक करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त निधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

बिस्जिंग जो बार्ड नं० 5 एच० नं० 273 करनपरा भौक में स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ती रिजर्स्ट्रेंशन नं० 67/ 5→1--1984 है।

> जीं०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज⊸I, अहमदाबाद

दिनांक : 17-8-1984

प्रकथ आहें.दी.एन.एस.----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जे जभीन सुम्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3134/3र्जन रेंज-123-1/84-85-3तः मुझे, जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. में अधिक हैं

प्रौर जिसका सं० बिल्डिंग रामकृष्णा घेरा 6-4 है तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय. राजकोट में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20-1-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य. उसके स्थमान प्रतिफल के ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रोत्तस्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उक्त नीधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के विद्याल में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीद/का
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के किए:

जतः अथ. उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मी, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1). के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, अधीत :--- श्रो भाई जमनादास
 बाबू रामकृष्ण शेरी नं० 6-4,
 राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) चंद्रीकाबेन जयंतीलाल परमार राजपुतपुरा ग्रेरी नं० 2, जयदीप, राजकीट । नया पता— रामकृष्ण ग्रेरी नं० 6—4 कोर्नर बिल्डिंग, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पाल के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का. जा उस्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

वन्स्यर

बिस्डिंग जो रामकृष्ण भेरी मं॰ 6-4 राजकोट में स्थित है तथा राजस्ट्रोकर्ता राजस्ट्रेशन मं॰ 379/20-1-84 है।

> र्जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

दिनांफ : 17-8-1984

मोहर 🛭

प्रकमः बाइं टी एन एसः -----

लायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आप० नं० 3135-अत: मुझे जी० के**० पंड**या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट वार्ड नं० 15 तक्षणीला को० आ० सोसायटी है तथा जो मैकिन्ड फ्लोर फ्लैट नं० 223, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम 19 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र साजार मूल्य से कम के एयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वाम करने करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके एयमान प्रतिफल से, एसे एयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

बतः कवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को जनसरण में, में, जक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों- अभित् ु— (1) श्री वृजलाल गोकलभाई पटेल जवाहर रोड, मानावदर, जिला जुनागढ़।

(अन्तरम)

(2) श्रीमती रीटाकुमारी ललीतकुमार पटेल प्लैंट नं० 223, तकाणीला को०-ओ० सोसायटी 'बी०' बील्डिंग सैकिन्ड फ्लोर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सृज्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कद्भ किसी कन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

वन्तुकी

्पलैट जो राजकोट तकाशीला सोसायटी में स्थित है जिसका रिजस्ट्रेशन नं० 365/19-1-84 है। जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सक्षयक आयक्त (निरीक्षण)

सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमवाबाद

दिनांक : 17-8-84

मोहर :--

प्रक्ष्य काड⁴.टी.एन एस.-----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत ग्ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-! अहमधाबाद

अहमदाब.द, दिनोक 17 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3136-अर्जन रेंज-1/23-1/84-85-अतः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विभिन्नयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाकार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट जो वार्ड नं० 15 तक्षशीला को० ओ० सोसायटी है तथा जो "बी" बिल्डिंग सैकेंड फ्लोर फ्लैट नं० 224 राजकोट, में स्थित है और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीक्सण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1984 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के तिथा बन्तरित की गई है बार मुक्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एक इस्यमान प्रतिफल का पंसह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते हुन्दे किसी बाद की बादक, उन्हें बीधिनयम के बधीन कार बोने के बन्तरक के बादित्व में कमी कारने या उससे बचने में शुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एँसी किसी आय या किसी धम या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जावत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, अक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निकासिकिट व्यक्तियों, अभीत् :—— (1) चुनीलाल गोकलदास पटेल जवाहर रोड, मानावदर, जिला जुनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रंभाषेन नरसीभाई,
पर्लंट नं० 224, "बी" बिल्डिंग,
दूसरा पत्नोर,
तक्षणीला को० ओ० सोसायटी,
राजकोट । (अन्तरसी)

को <mark>गहसूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्प</mark>त्ति के अर्जनकेलिए एतदबुधारा कार्यवाहियां सुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जिक्त स्थावर संपित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकींगे।

स्पन्नीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उनस जीभृतिसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया बना है।

मन्त्रची

पलैट जो तक्षशीला सोसायटी, पलैट नं० 224 "बी" बिल्डिंग बार्ड नं० 15 राजकोट में स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 364/19-1-84 है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1 अहमदाबाद

दिनांक : 17--8--84

मोहर :-

प्रारूपे आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3137/अर्जन रेंज-1/23-1/ 84-85—अत:, मुझे जी० के पंडया,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 5 ग्राउन्ड फ्लोर किसेंट 'ए' बिल्डिंग है तथा जो बार्ड नं० 15 राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), 37 ईई फाइल-27-1-84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 जनवरी 1984 को

पूर्विक्तं सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यं से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्तं यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्यं, उसके दश्यामन पित्रकाल ने, एसे दश्यामन प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— 2---266GI|84 मैसर्स जे० एस० कोर्पोरेणन 18, इन्द्र नारायम रोड, शान्ताकुज (वेस्ट) बम्बई--54 ।

(अन्तरक)

(2) कोकोला धीरजलाल ठक्कर 562, तक्षणीला अपार्टमेंट राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्वध्योकरण: --- इसमें प्रमुक्त करूदों भीर पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका ग्या हैं।

यगसभी

शोप नं० 5, ग्राउन्ड फ्लोर क्रिमेन्ट "ए" बिल्डिंग वार्ड नं० 15-37-ईई-27 जनवरी 1984 को फाइल किया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽1, अहमदाबाद

दिनांक : 25 – 8 − 84

प्रकप आहां.दी.एन.एस .-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुणना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, जहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 3138अर्जन् रेंज-I/23-I/84-85—अतः, सुझे, जिं ℓ ० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उनित काजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० करनपरा णेरी नं० 37 है तथा जो बिल्डिंग राजकोट में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रोक्सरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-1-84

को प्रांधित संपत्ति के जियत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वों कत सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के कथीन कर वेने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अस. अम. अमत अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरभ मी, भी उपत अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन पन्मानिधित व्यक्तियों, अधांत्. — (1) मुक्ता बेन प्राणलाल संतोकवेर भगवानजी 12 मास्तर सोसायटी राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सात्वीक बिल्डर्स; योयास प्रहलाद प्लैट । राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियों शूरू करता हूं।

उक्त संपृष्टिक के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिंध से तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, थो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेतर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीय हैं
 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति में हितवस्थ
 किसी सम्ब व्यक्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के नाव
 निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वृश्व होगा, को उस अध्याय में विया नवा है।

वन्स्ची

मील्कत करनपरा णेरी नं० 37 राजकोट में स्थित है तथा राजस्ट्रोकर्ता राजस्ट्रेणन नं० 188/12-1-84 है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 25-8-84

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, श्रष्टमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 ग्रगस्त 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० हरीहर सोसायटी में मील्कत कलापड रोड है तथा जो प्लाट नं० 20-बी, राजकोट में स्थित हैं(ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 21 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27े के अयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा किस नहीं किया थया था किया जाना चाहिए ता, छिपाने में मुजिधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) कान्तालक्ष्मी वामनराय छाया वामनराय सी० छाया लक्ष्मी निवास, एस० पी० रोड़, बोरीवली, बम्बई ।

(भगतरक)

(2) श्री घीरजलाल ग्रनंतराय पटनी प्लाट नं० 20-बी, हरीहर सोसायटी, कलावड रोड, राजकोट।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (₹) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिनप्रदेश किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताथणों के पास लिखन मो किए का नकेण।

स्थळीकरणः ----इसमे प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभूषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममस्पर

राजकोट मील्कत हरीहर सोसायटी, प्लाट नं० 20-बी है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

विनांक : 25-8-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूथना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 श्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3140 अर्जन रेंज-ा/23-i/ 84-85---श्रतः, मुझे, जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्भ इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रा. मं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं बिल्डिंग राजकोट में टेलीग्राफ ग्राफिस के पीछे है तथा जो सी एस वार्ड नं 16/101, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13 जनवरी 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल के, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल का नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) कमलाबेन जगदीशचंद्र जगदीशचन्द्र फुलशंकर ज्योतीन्द्र जगदीशचंद्र विद्युत बेन रमेणचंद्र दिप्याबेन विजयकुमार 17, पंचनाथ फ्लैट, राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री घलीहुसैन ग्रहमदन्नली
ग्रहमदग्नली लुकमानजी,
फीदाग्रली ग्रब्दुलहुसैन
जीकाउद्दीन ग्रब्दुलहुसैन
फकीरद्दीन कादरभाई
फजल अब्बास कादरभाई
इस्माइल तहराग्रली
सफीउद्दीन तेहराग्रली
परेडाइज क्लोथ, स्टोसं, वोहरावाड,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब कुध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गमा है

नन्त्रभी

बिल्डिंग जो टेलीग्राफ आफिस के पीछे राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 230/13-1-84 है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबद

नारीख : 25-8-84

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3141—श्रतः मुझे, जी० के०पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1001, दसवें मंजले, किसेन्ट बिल्डिंग, है तथा जो राजकोट वार्ड नं० 15 में स्थित है, (स्रोर इसमे उपाबद्ध स्ननुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, 37ईई 27-1-84 को फाईल किया है रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 जनवरी 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वाम्तिक रूप म किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्विधा के लिए; और/या
- (स) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय अधिकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधितियम, का घर-घर प्रतिविधम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स जे० एस० कोपॅरिशन 48, इन्द्रनारायन रोड़, शान्ताक्रुज (वेस्ट) बम्बई--54

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वालीबेन लखाभाई गोरानीया श्री राजीव रामभाई गोरानीया धुवान नाका, दीलीपबापु वासी मारकेट के नजदीक, जाम नगर

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में विसा गमा है।

अनुसूखी

बिल्डिंग जो किसोन्ट 10 वाँ मंजला, फ्लैंट नं० 1001 पर स्थित है तथा 37ईई 27 जनवरी 1984 को फाइल किया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, श्रहमदाबाद

दिगांक : 25-8-84

मोहर ः

प्ररूप काई. टी. इन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-ा, ग्रष्टमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 25 अस्पत 1984 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3142/23-I/84-85---म्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित याजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सिटी सर्वे नं० 5357 पैकी मकान का क्षेत्रफल 86 वर्ग मीटर है तथा जो म्यू० लीमाट रोड पर, जीन्तन रोड, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पढयान में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908(1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक 24-1-84

को पूर्वोक्श संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रसिष्कल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्कल से एसे दृश्यमान प्रतिष्कल का पंत्रह प्रतिशत रो अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्कल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उसत अधिनियम के अधीन कर को के अन्तरक के बायित्य में कमी करने वा उससे अवने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्रीमती जसमंतीमेन चद्रकास्त पारीख फुकड़ा प्रेस, सुरेन्द्रनगर ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती बीलखीसबेन पारोख भाई शेख फुलसम मंजिल, जीन्तान रोड, भरतपुरा, सुरेन्द्रनगर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सिटी सर्वे नं०5357 पैको मकान का क्षेत्रफल 86 वर्ग मीटर है म्युनिसिपल लीमाट रोड पर, जीन्तान रोड, सुरेन्द्रनगर।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-िग्रहमदाबाद

तारी**ख**: 25**-8-8**4

प्रक्य बार्ड .टी. एन्. एकः प्रकारनारनारना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

नारत परवार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 श्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 3143/23-1/84-85—म्मत: मुमे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार भून्य 25,000/- राज्य संभिक है

औं जिसकी सं० ब्लास नं० 16 स्वस्तीक सोसायटी, 173. वर्ग यार्ड है, तथा जो जमीन और बीहिंडग, 105 वर्ग यार्ड, सुरेन्द्र नगर, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण क्य से विणित है) रिजिस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय पढ़यान में रिजिस्ट्रीकृरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-1-84

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफ ए के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफ ल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफ ल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफ ल निम्नलिखित उद्देष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी भाग की बाबत, उपय अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किमी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्योजनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा सिया जाना चाहिए था. खिणाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- प्रबीण चन्द्र न रस/दास णाह, डिस्ट्रिक्ट की-आपरेटिव बैंन्क, सुरेन्द्र नगर।

(अन्तरक)

 किशोर कुमार थाना चन्द, शाह 16, स्वस्तांक सोसायटी, मुरेन्द्र नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए आर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ब्लाक नं० 16, स्वस्तीक सोसायटी, जमीन का क्षेत्रफल 173 वर्ग यार्ड, और बिल्डिंग, 105 वर्ग यार्ड, सुरेन्द्रनगर।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-[. अहमदाबाद

दिनांक : 25-8-1984

प्ररूप बार्ध . टी. एन. एस. -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 25 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3144/23-I/84-85---अतः मुझे, जी०के० पंडया

हामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उप्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसको सं० बिल्डिंग क्षेत्रफल 92 वर्ग यार्ड, जमीन का क्षेत्रफल 165 वर्ग यार्ड है. तथा जो सिटी सर्वे नं० 78/79 पैकी, पढ्यान, में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुमूची में और जो पूर्ण रूप में बिणित है) रिक्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय पढ्यान में रिक्ट्रिकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 18-1-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण निलिखत में अधिक करी किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 की 922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एट-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिनियम, अन्याभाषी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (क्र) के कक्षेत्र निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : श्री पोषटलाल, मेरा भाई, पुंछबा, श्रीमती चन्द्रीक, बेन, पोषटलाल, शाही बाग, सोसायटी, सुरेन्द्र तगर।

(अन्तर्भ)

 श्रीमती ज्योति वाला भजनलाल रायल, शाहीश्राग, सोसायटी, के नजदीक, सुरेन्द्र नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के में 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्रांत
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिहिडिंग जिसका क्षेत्रफल 92 वर्ग मीटर है जमीन का क्षेत्रफल 165 वर्ग थार्ड है पढयान सिटी सर्वे नं० 76/79 पैकी।

> जी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-^I, जहनवाबाद

दिनांक: 25-8-1984

यस्त आहे. टो एट एस. -----

बारकर सीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६०-म (१) के सधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3145/23-I/84-85---अत: मझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/~ रा. से अधिक है

और जिसकी संब्ब्लाक नंब 24, संगम मोसायटी जमीन 491 वर्ग यार्ड है, तथा जो औरमनान 110 वर्ग यार्ड (और शेयर सर्टिफिकेट), स्रेन्द्र नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय पढ़यान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का पूर्वांक्य संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियिक म्प में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण संद्वाहां किसी वाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा व्ये सिए; वर्गर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. रिजन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 /1000 क्या ११) या जवन जीमीन्यम, ए म्रनकर अ**धि**नियम, 1957 (1957 को के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारः 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियो अर्थात

 श्री चतुरदास नामचन्द शाह, कीतरफ से कुल म्ख्नार: अं। किरिट कुमार, बुक्ताल गाह, क का खा औरा, सुरेन्द्रसभय ।

(अन्तरक)

2. श्री धीरजनात बाब्लाल इक्कर, 24, रांगम सं/ायटी, स्रेन्द्र तगर्।

(ग्रन्यरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप :---

- (क) इस समान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 फिल की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुधना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी स्वस्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरो क पास निस्ति में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

ब्बांक नं 24, संगम सागायटी, जमीन का क्षेत्रफल, 491 वर्ग यार्ड, और बिल्डिंग जा क्षेत्रफल 110 वर्ग । यार्ड है (और शेयर सॉटफिकेट) जो सुरेन्द्रनगर, में स्थित है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी आयदार आयुक्त (किरीक्षण) यहाय 🗇 अर्जनरेंज-1, अमहदाबाद

दिनांक : 25-8-1984

श्रमण नाष्ट्री. टी. एत. एस. ----

गांथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन समाप्ता

भारत सरकार

कार्यासय, ब्रह्मयक बायकर माध्यत (१५५१क्न)

अर्जाप रेजन, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिन्तं 🗈 25 अगस्त 1984

निदेश गें० पी० आग० नं० 3146/23-1/84-85- अतः मुझे, जी०के० पंड्या,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रवास जिस्त अभिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन शक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उर्वित बाजार मुख्य 26 606-र से अधिक है

और जिसकी सं० लीमडी सीम सर्वे नं० 383, क्षेत्रफल 4 एलड़ 30 गुंठा है तथा जो और कंस्ट्रकणन, लीमडी में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप रेविंगत है) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिभारी के कार्यालय लीमडी में रिजिस्ट्रीयरण अधिनियम. 1908 (1908 मा 16) के अधीन दिलांश जनवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित े वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्व में कमी कारने या उससे क्यने में स्विधा के लिए; बार/या
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा के लिए;

(अस्तर र)

 मसर्म एक्को फेरेमिक इन्डस्ट्रीज, भागीदार श्री किरत प्रवीत चन्द्र, बीरा, श्रीमती मीतल तुवार बोरा, श्रीमती जणवन्ती प्रवीत चन्द्र बीरा, 31, इमास स्टीट, बोम्बे, फोर्ट।

(अन्तरिती)

का यह भुषना कारी कारके प्रवेक्ति सपित के वर्षण के जिल् कार्यकारहरूक जरता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की बनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित क्विम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगें।

स्थष्टिकरण :---इसमं प्रयुक्त जब्दों और पदी का, जो उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनसंधी

लीमडी सोम पर्वे नं० 383, जमीन का क्षेत्रफल 4एकड, 30 गुंठा, और सुपर कन्स्ट्रमणन लीमडी में जिला---मुरेन्द्र नगर है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी गहायट आयम्प आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, अहमदाबाद

अत:, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अमृसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपयारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

दिनांक 25-8-1984 मोष्टर 'प्ररूप'लार्ष'. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर आम्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनां । 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आप० नं० 3147/23-J/84-85---अत: मुक्ते जी० के० पंडया

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं आरं एस० नं 1935/2 है, पैकी ब्लाक नं 1 है, तथा जो गोरि बिहार को-आप० हाउसिंग सोसायटी मुरेन्द्रनगर, में स्थित है (और इसमें उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीएली अधिजारी के सायलिय बढ़वान में रिजस्ट्री रूरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधील दिना 20-1-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान गतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गमा है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त सिधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के वाधिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकंर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कव उन्तर विभिनियमः की भारा 269-य के अनुसरण मों, मीं, उक्तर अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अभाति :—— श्री छनील दास मुखलाल तलसालीया, निल्डिंग, नं० 3, फ्लैंट नं० 17, समराव अणो ह मोझायटी, वालकेण्वर, बोम्बे।

(अन्तरक)

2. हरजीवन दास ऋपजी भाई, पटेल, ब्लाय नं 1, गीरी विहार, की-आप० हाउसिंग सोसायटी, मुरेन्द्र नगर ।

(अस्त्राप्ति)

को वह सूचना चारी करके प्यांत्रत सम्परित के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राअपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकर्म।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स जी

आर० एस० नं० 1935/2, पैकी क्लाक नं० 1, गीरी बिहार, को-आप० हाउगिंग सोसायटी, सुपेन्द्र नगर।

> जी० के० | पंडया राक्षम प्राधिकारी सहापक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 4-9-1984 मोहर:

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-थ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 23 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० 3148/23-I/84-85—— अतः मक्षे जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 21/1, जमीन दिम्बाडी में है तथा जो जूनागढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 19908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्टफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी गाम या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय गाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसी ाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नयः, उक्त नियम की धारा 269-ग के अन्सरण ने. मी, उक्त जिधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीरा, पनम्निसित व्यक्तियों, अधीरा :---- श्री बंशराम भाई, कंप्सन भाई,
 श्रीमती जोवनीबेन, करसन भाई की श्रोर से कुल मुख्तयार: श्री नरसी यशराम यवानी, तक्षणीला को० श्रापरेटिय हा० सोसायटी, टाबाबाडी, जुनागढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नरसी यणराम यवानी, चेयरमैन /सेकेटरी, तणिक्षला, को०ग्राप० हा० सोसायटी, टिम्बाबाडी, जनागढ ।

(ग्रन्तरिती)

को शह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 21/1 है, टोवाबाडी, जूनागढ़, क्षेत्र फल 7326 वर्ग यार्ड ।

> जी० के० पंजया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 23-8-1984 मोहर: प्रकल काइ". टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 23अगस्त, 1984

निदेश सं० पी० श्रार० 3149/23-1/84-85—श्रत, मृक्षे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग जो पोरबंदर बार्ड नं० 3 पर है, तथा जो सर्वे नं० 1718 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-1-1984

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्दोष्य सं उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था छिपाने में सृथिधा के लिए;

कतः सम, उक्त किभिनियम की भारा 269-ग के सन्सरण मों, मीं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हरिकेशन दास बल्लभदास फोरिना नाबेश्यरो प्लाट, पोरबंदर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री जेठानन्द, शौकतराय गोयलानी, श्री प्रतापराय शौक तराय गोपलानी प्लाजा के सामने, पोरबंदर ।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिश्रिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

जनसूची

विरुडिंग जो पोरबन्दर में स्थित है जिसका वार्ड नं० 3, सिटी सर्वे नं० 3, सिटी सर्वे नं० 1718 पोरबंदर ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज I, **मह**मदाबाद

तारीख: 23-8-1984

अरूप आई र टी. एन. युस. - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, अहमयः बाद

महमदाबाद, दिनांक 27 श्रगस्त 1984

निर्देश मं० पी० भार० 3150/23-1/84-85—-श्रतः मुझे, जी०के० पंडाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० स्रार० एस० नं० 17, प्लाट नं० 1 से 60 है, तथा जो 27429 वर्ग यार्ड स्रमरेलो में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय स्रमरेली में रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनोक 16-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और मझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत, उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जॉर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

बत्तः वभ, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (।) को अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री खीजा इस्माइल भाई छगनभाई श्रजानी की श्रीर से नामदार कोर्ट नियुक्त श्रधीकृत, श्री श्रार० एस० गोसार, बेंच क्लार्क जोरन्ट सिविल कोर्ट, (सीनियर डिवोजन). श्रमरेली ।

(अन्तरक)

श्री राम लेन्ड डेवलपमेंट कोर्पोरेशन,
 श्री मंगलदास जानकीभाई गनाता,
 गनेश सोस(यटी, ग्रमरेली।

(अन्तरितो)

क्यां यह स्थाना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्रं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वागं।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हाँ।

अभुसुधी

म्रार० एस० नं० 17 प्लाट नं० 1 से 60 27429 वर्ग यार्ड, जमीन जो भ्रमरोली स्युनिसिपल में स्थित है जिसका भ्रार० नं० 1521/16-1-84 है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रमहदाबाद

सारीख: 27-8-1984

प्रकथ मार्ड. टी एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बागक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-ा, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 श्रगस्त, 1984

निदेश सं० पी० श्रार० 3151/23-I/84-85---श्रतः मुक्षे, जी०के० पंडाया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्न्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० सर्वे नं० 407, पैकी बीन खेती की जमीन क्षेत्रफल, 5000 वर्ग मीटर, गांव अगतराय, ताल्लुका केशोद में स्थित हैं (और इससे उपावइ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केशोद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्तिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाय गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण मिकिन में वास्तिक रूप से कथित उही किया गया है ---

- (क) अंतरण सं हुड़े किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन भार दोने के अंतरक के दायित्य में कामी कारने या उसमें असून में मुक्तिकः के निए; और/या
- (स) एंसी किसी आय गा किसी धन मा अत्य आस्त्रियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर व्यक्तिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती द्वारा प्रकट महीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ही सविधा के लिए;

ं बत: बवं, उक्त बंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण सें, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (4) के अधीन, निस्तिलिखत व्यक्तियों, बर्धात:—— जीवराज नारद छत्राला, गांव प्रगतराय, (सौराष्ट्र) ।

(अन्तरक)

 मैसर्म उमीया पेपर बोर्ड इन्डस्ट्रीज, भागीदार : श्री बल्लभदास जीवराज और श्रन्य श्रगतराय, फेणीद, तालुका फेशीद ।

(भ्रन्तरिती)

की यह मुखना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, और भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपण मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मी हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मी किए जा सकींगी

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या

नम्स्ची

सर्वे नं० 407, पैक वीन खेती को जमीन, 5000 वर्ग यार्ड, जो ग्रन्नतराय, तालुका केणोद—केणोद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन, नं० 26/11-1-84 हैं।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 27-8-1984

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस.------

भारा 269-भ (1) के अभीन तुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, महायक आयक र आयकन (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज[[], अहमदाबाद

श्रष्ठमदाबाद, दिनांक 27 श्रगस्त, 1984

जायकर औधनियम, 1961 (1961 क्रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

त्रौर जिसकी सं बिल्डिंग तलाला में गर्वामेन्ट पोस्ट ग्राफिस के नजदीक दो मंजिला, बिल्डिंग, क्षेत्रफल 171 वर्ग मीटर, बिल्डिंग 115 वर्ग मीटर में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बेरावल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 27-1-1984

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आग को दाबत उक्त अभि-नियम को अभीन कर दोने को बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिये; आदि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना साहिए था, खिपाने में सुविधा से सिद्;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्सरण वों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री परसोत्तम देवचन्द्र,
 - (2) श्रीमती प्रभावेन हरीवास
 - (3) शान्ता बैन देवचन्द,
 - (4) श्रीमती जयावेस केंगवजी,
 - (5) कंचन वेन नदलाल
 - (6) करसन भाई देव चन्द
 - (7) वनोतागौरी बुजलाल
 - (8) लक्ष्मो दास देवचन्द । तलाला ।

(भ्रन्तरक)

 मैं० वेरावल पीपल को-म्राप० बैंक लिमिटेड, वेरावल ।

(ब्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्परित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच वें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पीनतयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वीक्स स्थितियों में से किसी श्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त जन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

बिल्डिंग तलाला में, गवर्नमेन्ट पोस्ट भ्राफिम के नजदोक, दो मंजिला बिल्डिंग जमीत का क्षेत्रफल 171 वर्ग मीटर, भ्रौर बिल्डिंग 115 वर्ग मीटर तथा रजिस्ट्रेशन, न० 31/27-1-84 है।

> र्गा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

दिनांक: 27-8-1984

मोहर.

प्रकृष बाही, टी. एम. एस.------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, श्रहमवाबाद

अहमवाबाद, चिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी०आर० 3153/23-/84-85--अतः मुझे जी०के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव कालुपुर वार्ड नंव 2, सिटी सर्वे नंव 4139, श्रौर 5208 पैकी फर्स्ट फ्लोर, जमीन का आधा श्रोयर, के साथ, रोलीफ रोड, अहमदाबाद में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (198 का 16) के अधीन विनांक 25-1-1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रायान श्रीतफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्क अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, अक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के जन्तरक के वामिल्य में अभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मुविधा के लिए;

 कस्तुर भाई मोतोलाल शाह श्री रतीलाल मोती लाल शाह श्री हिम्मतलाल मोतीलाल शाह, 25, शान्तो नगर सोसायटी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद-13

(अन्तरक)

 श्री इन्द्रवदन चिमनलाल ठक्कर, जवेरी वाड, बाटा शाप के सामने, रोलाफ रोड, अहमदाबाद-380001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इत्रारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में एरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अगुसुची

अहमदाबाद, सिटी रीलीफ रोड, कालुपुर, बाड न० 2, सिटी सर्वे नं० 4139 और 5228 पहले मंजला पर आफिस है और जमीन का $\frac{1}{2}$ भाग के साथ ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 3-9-1984

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 3 सितवर 1984

निदेश सं० पी० आए० 3154/23-I/84-85-अत: मुझे जी०के० पंड्या

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (विश्वे तम्प्राः इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बड़ा गया हैं), डिडे यादा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मार्ड पुर मनीतगर, टी॰ पी० एस० 4, एफ० पी० नं० 106, प्लाट नं० 108 है, तथा जो जमीत 519 वर्ग यार्ड, पैकी 1/2 वेस्ट माइड, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में रिजस्ट्री-कर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में पृत्रे व्यथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिख में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण में हुई किसी आप की बावत, जब्द अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या नसमें करा के लिए; और/या
- (थ) एरेने किसे आय या फिसी था 21 जा जारिताने को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 था 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती सुवारा प्रकट नहीं विजया गया था या किया जम्म किस् था । १०६ की विजय के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शतीय कुमार, नानुभाई ठक्कर, शोभा राम सुरती पोल, खाडिया, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2, कृष्णा अपार्टमेन्ट आनर्स एशोशिएशन की भोर से प्रमुख---श्रीमती बेन, चन्द्रकान्ता रोहिनी गोडबोले 45, माध्यम वर्ग सोसायटी, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकर्रहर्यों करता हो।

उक्त सम्पह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

मीबीपुर मनीनगर, अहमदाबाद टी०पी० एस० 4, एफ० पब० नं० 106, प्लाट नं० 108, म्युनिसिपल सर्वे नं० 139, श्रौर 139-1-3-4 जमीन 529 वर्ग यार्ड, श्रौर विल्डिंग पैकी है वरेचनी कियाबीना, वेस्ट साइड ।

> जी० कें० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

विनांक: 3-9-1984

मोहर 🕾

प्रकृष बार्ड , डी ु एन , एवं , ------

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजI, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 3सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3155/23-I/84-85—अतः सुझे जी०के० पंडया,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मीथीपुर, मनीनगर, टी० पी० एस० 4, एफ० पी० नं० 6, प्लाट नं० 108, (मीन 519 वर्ग यार्ड पैकी के पूर्व साइड, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-1-1984

को पूर्वोक्षत संपरित् को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निक्निस्तित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कि भित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तद्रण से हुई क्रिसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तर्क के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जांद्र/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, स्क्लु अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त किधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् हि—

 शतं म कुमार नानुभाई ठक्कर, शोभाराम सुरते का पोल, खाडिया, अहमदाबाद।

(अन्सरक)

 कुल्णा अपार्टमेंट, आनर्स एसोशिएशन की श्रोर से प्रमुख-श्रोमता रोहिनाबेन चन्द्र कान्त गोडबोलें,
 45, मध्यम वर्ग सोसायटी,
 मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाष्ट्रियों शुरू करता हुई।

उयत सम्पह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्सूची

मोधोपुर, सनीनगर, अहमदाबाद, टो० पी० एस० 4, एफ० पो० नं० 106, प्लाट नं० 108, म्युनिपिल सर्वे नं० 139-1-3-4-जमीन 529 वर्ग यार्ड ग्रीर बिल्डिंग पैकी 1/2 बहेमणी किये बिना गोयर पूर्व साइड।

जो॰ के॰ पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज ^I, अहमदाबाद

दिनांकः 3-9-1984

मोहर 🖫

श्रुक्ष नार्द् दी . एन . एस . -----

आयफरु अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक मायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजI, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निवेश सं० पो० आर० नं० 315 /23-I/84-85—अत:, मुझे जी०के० पंड्या

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से मधिक है

श्रीर जिसकी संव बंगला नंव 8, बी मीनाफीन सोसायटी पालडी, अहमदाबाद है तथा जो पायडी सीम सर्वे नंव 47, श्रीर 48, एफ० पीव नंव 32, सब प्लाट नंव 8 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय अहमदा बाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-1-84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण वे हुई किती आप की बाबस, उक्त विभिन्नियम के बभीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविभा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ब्त: अब, उवल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत्, निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—-

 श्रो चन्दुलाल मोतीलाल पारीख मोरी कुपाके नजदीका, धांगध्रा (सौराष्ट्र)

(अन्तरक)

2. श्री शंकरलाल केशव लाल बंगला नं० 8-बी, पीनाफीन की-आप० हाउ० सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना क्षेराजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकोंगे।

स्मव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

अनुसूची

बंगला नं० 8-श्री, थीनाफीन को-आप० हा० सोसायटी पालडो, अहमदाबाद पालडी सीम सर्वे नं० 47 श्रौर 48 एफ०पी० नं० 32, सब प्लाट नं० 8।

> जो० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , अहमदाबाद

विनांक: 3-9-1984

मोहर ः

प्रस्य बार्च. टी. इन ् एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (नि<u>त</u>्रीक्षण) भर्जन रेंज , अहमव,बाद

घहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निदेश सं ० पी ० श्रार० 3157/23-I/84-85—-श्रतः मुझे जी ० के ० पाया,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसके दरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-व् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एलीसिंग्रज, टी० पी० एस० 3 एफ० पी० नं० 623 पैकी एस० पी० नं० 14 ए, पैकी 878 वर्ग मीटर, जमीन श्रीर विल्डिंग फर्नीचर, श्रीर फिक्सचर के साथ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधन दिनांक 12-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्थयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्योधों से उसत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कर्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे अपने मी सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी बाय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

 श्रं किशोर भाई, नरेशचन्द्र शाह, 'वर्शन', गुलवाई टेकरा, म्रहमदाबाद-6

(भ्रन्तरक)

2. सराज श्रमृत एस्टेट एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लिमिटेड, रिजस्टर्ड श्राफिस: 22, यक्षेश शार्षिग सेन्टर, रन्नापार्क बस स्टैन्ड के पास, घाटलोड या, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांडे भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कद स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, श्रो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकारण: ---इसमी प्रयाकत शब्दों और वदों का, जाँ उक्स अधिनियम को अध्याय 20-क मी परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय भी दिशा गया है।

मन्द्रप्र

्एलीसिकाज, टी०पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 623, पैकी एस० पी० नं० 14 ए, पैकी 878 वर्ग मीटर जमीन श्रौर बिल्डिंग फर्नीचर, श्रौर फिक्चर के साथ श्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन नं० 455/12-1-84 ।

जी०के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, , ग्रहमदाबा _{Ar}

तारीख: 3-9-1984

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I, अहमद बाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निदेश सं० पी०भार० 3158/23-I/84-85----म्रतः मुझे जी०के० पंड्या $_{\rm H}^{\rm R}$

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी फ्लैंट नं० सी-3, वीरजू को-ग्राप हा० सोसायटी शांबावाडी, श्राजाद सोसायटी के सामने, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-1-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल मिम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय काँ वाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजुने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट मही किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) द अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—— श्रीमती काणीबेन गोरधनदास पटेल, सी-3, वीरजु, को-भ्राप० हा० सोसायटी भ्राजाद सोसायटी के सामने, भ्रांबानाडी, भ्रष्टमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 नवीन थाई कस्तूर भाई दलाल, फ्लैंट नं० सी-3, वीरजू, को-धाप० हा० सोसायटी ध्राजाद सोसायटी के सामने, ध्रांबाबाडी, ग्रहुमवाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण ?---इसमें प्रयुक्त शब्दों ब्रार पर्वों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में पश्चिमाष्ट्रत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुची

प्लैंट नं० सी-3, वीरजू, को श्राप० हा० सोसायटी श्राजाद सोसायटी के सामने, श्रांबाबाडी, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रेशन नं 1200/27-1-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनोक: 3-9-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस. -------

मायकर विधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मधीन सूचना

भारत बुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I,अहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निदेश सं० पी० श्रार० 3159/23-I/84-85---श्रतः, मुझे जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पालकी, प्लाट नं० 26-2-2 पैकी टेनामेंट नं० 1, सुर संगम सोसायटी, प्रभुदास ठक्कर कालेज पालकी, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-1-84

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— जशीबेन मोहनलाल शाह, दर्शन -का-सांचा, पुराना महाजन , वाडा, कालुपुर , ग्रहमदाबाद

(ग्रन्सरक)

 श्री माधवदास सुन्दर दास मनोहर दास सुन्दर दास
 मुर संगम सोसायटी प्रभृवास ठक्कर कालीज, पालडी, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं 1, सुर संगम सोसायटी प्रभुवास ठक्कर कालेज, पालडी, ग्रह्भदाबाद जमीन और मकान रिजस्ट्रेशन, नं० 1153/25-1-84

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज I, ग्रहमवाबाद

दिनांकः : ५-५-1984

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन गुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जीतेन्द्र चेम्बर्स, गाप नं 1 श्रौर 2, फर्स्ट फ्लोर में स्थित है तथा जो नवरंगपुरा, टी० पी० एस०, एफ० पी० नं० 104/1, पैंकी श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निस्तित वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियं करें, जिल्हें भारतीय आय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनायं जन्तरिती व्यास अन्तर नहीं किया गया था था। किया जना चाहिए था, खियाने में सुजिधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 मैंसर्स, जोतेन्द्रा कापोरेणन, भागीवार, भेरू लाल, बक्शी राम, जीतेन्द्रा चेम्बर्स, इन्कम टैक्स ग्राफिस के नजदीक श्रीश्रम रोड, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री जयप्रसाद माधन प्रसाद श्राचार्य, शाप नं० 1 श्रीर 2 फर्स्ट फ्लोर श्रीतेन्द्र चेम्बर्स इन्कम टैक्स श्रीफिस के नजदीक, नेक्रंग पूरा, अहमदाबाद ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्प्रथ में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त चन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस मध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

णाप नं० 1 मौर 2 जीतेन्द्र चेम्बर्स, शेखपुर खानपुर नवरंगपुर, एक० पी०नं० 104/1 पेंकी महमवाबाद रिजस्ट्रेशन नं० 1446/31-1-84

> जा० के० पंडया ॄँसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- . अहमदाबाद

तारीख: 31-1-84

प्रस्य आहाँ सी एन एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कर्धातयः, सहायक शायकार जागक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी॰ ग्रार० नं० 3161/एक्यू 23/I/84-85 ——ग्रत: मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० गोप नं० 4, ग्राउन्ड फ्लोर जीतेन्द्र चेम्बर्स है जो इनकम टैक्स ग्राफिस के नजदीक नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-9 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-1-84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण शिक्वत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अर्थिनियम के अथीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; और/गा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

बतः गब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात :--- 32—266GI/84

मेसर्स जीतेन्द्र कारपोरेणन
भागीदार—श्री भेरूलाल बक्षीराम
जीतेन्द्र चेम्बर्स,
इनकमटैक्स म्राफिस के नजदीक,
नवरंगपुरा,
महमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री माधव प्रसाद भूरालाल आचार्य, जीतेन्द्र चेस्वर्स, इनकमटैक्स ग्राफिस के नजदीक, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूगना पारी करके प्यामित कम्परित के अर्थन के लिए कार्यवादियां करता हो।

उल्प्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से
 45 जिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 जिन की अविध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अक्षोहम्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सर्वोगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नगृत्जी

शोप नं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, जीतेन्द्र चैम्बर्स, इनकमटैक्स ग्राफिस के नजदीक, शेखपुर खानपुर, नवरंगपुरा—टी० पी० एस० एफ० पी० नं० 104/1 पैकी ग्रहमदाबाद।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

तारीख: 3-9-1984

प्ररूप आहै. टी. एन. एस. -

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 3162 एक्यू / 23/I/84-85 — श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25 000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शोप नं० 8, 14-15, फर्स्ट फ्लोर, जीतेन्द्र चेम्बर्स है तथा जो इनकमटैक्स श्राफिस के नजदीक, नवरंग-पुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत उकत अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उसमें बचने में म्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य धार्टिन के की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का ा) या उसत धिक्तियम, या धम-कर धिकियम, या धम-कर धिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिष्ठी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिद्या के सिष्ठा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैंं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— मेसर्स जीतेन्द्र चेम्बर्स
भागीदार—भेक्लाल बक्षीराम,
जीतेन्द्र चेम्बर्स,
इनकमटैक्स प्राफिस के नजदीक,
ग्राश्रम रोड़,
प्रहमदाबाद्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पाबेन माधवप्रसाद ग्राचार्य, गोप नं० 8, 14-15, फर्स्ट फ्लोर, जीतेन्द्र चेम्बर्स, इतकमटैक्स श्राफिस के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों। पर स्वास को नामीत में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेत्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- तद्द किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अपोहरनाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टोकरण: ---इममें प्रयुक्त शब्दो और पदो बा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

शोप नं० 8, 14-15, फर्स्ट फ्लोर, जीतेन्द्र चेम्बर्स, इनकमटैक्स ग्राफिस के नजदीक, शेखपुर-खानपुर, नवरंगपुरा. टी० पी० एस० एफ० पी० नं० 104/1 पैकी, ग्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-9-1984

प्रस्य वाह_{ेरी} टी.: एन_ा एस_{.,}------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सर्कार

कार्यालय,, सहायक कायकर नागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश मं० पी० ग्रार० तं० 3163 एक्यू 23/1/84-85 — अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

ग्राँर जिसकी सं० गोप नं० 5, ग्राउन्ड फ्लोर पर, जीतेन्द्र चेम्बर्स है तथा जो इनकमटैंक्स ग्राफिस के नजदीक, ग्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31-1-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया
प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में
भारतीक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (भा) जन्तरूज से हुन्दें किसी काथ की वासर, उसके जिमित्यम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुर्वेषधा के सिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भी, मी, उबत अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा** (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों,, अर्थात ३ मेससं जीतेन्द्र कारपोरेशन, भागीदार—श्री भेरूलाल वलीराम, जीतेन्द्र चेम्बसं, इनकमटैक्स श्राफिस के नजदीक, नवरंगपुरा, श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री महेण कुमार माधवप्रसाद, जीतेन्द्र चेम्बर्स, इनकमटैन्स भ्राफिस के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्यो

शोप नं० 5, ग्राउण्ड फ्लोर पर, जीतेन्द्र चेम्बर्स, इनकम-टैक्स ग्राफिस के नजदीक, ग्राश्रम रोड़, शेखपुरा-खानपुर, नथरंगपुरा, एफ० पी० नं० 104/1, पैकी, ग्रहमवाबाद।

> जी० कॅ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारी**ख**ः 3—9—1984

प्रकृतः वाद्यः टी. एकः एकः स्टब्स

आयकर् अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्माना

भारत स्रकाह

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, श्रहसदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3164 एक्यू 23/I/84-85-ग्रतः मुझे, जी० के० पडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० राजकोट सर्वे नं० 458, सरस्वती सोसायटी है तथा जो प्लाट नं० 17 ए० में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्राधीन, तारीख 3-1-84 को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बतरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्र√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये साँवभा सो किए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् ः---

 श्रीमती उषाबेन मनहरलाल मीरानी, सरस्वती सोसायटी, कलावड रोड़, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती तारागौरी डाह्याभाई शाह, द्वारा श्रार० विनयकांत एण्ड कम्पनी मानावदर, जिला, जुनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

•को क्षष्ट सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक इस किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अभोहम्ताक्षरी के पास सिविस में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्जी

बिल्डिंग, जिसका सर्वे नं० 458, सरस्वती को० ग्रा० सोसायटी प्लाट नं० 17 ए० पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 99/3-1-84 है।

जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1984

त्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन स्वना

भारत बरकार

कारनीस्य, सहायक वायकार वायवत (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3165एक्तू० 23-I/84-85---ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की वार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जमीन जो रेसकोर्स सर्वे नं० 477 पर स्थित है तथा जो श्रेयम को० श्रा० सोसायटी राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) लोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविष् में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वायत, उक्त सिंपिन्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था. क्रियान में सुविधा के लिए;

कतः भव, सक्त विधिनियम की भारा 269-ए की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती चंदनप्रभा प्रभुदास बाबीसी,
 25, प्रह्लाद प्लाट,
 राजकोट।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती शकीनाबेन शबीरभाई पटेल 11, दीवानपुरा, राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यगाहियां करता हुं।

बनत संपत्ति के भर्वन् के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि मा हत्संबंधी व्यक्तियाँ पर कृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विश्वि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीविस व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरणः — इसमें श्रमुक्त कान्यों और पर्धों का, को उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

वनस्ची

जमीन जो रेसकोर्स सर्वे नं़ 477 श्रीयस को० श्रो० सोसायटी पर स्थित है तथा रजिस्ट्रेगन नं० 160/10-1-84 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1984

प्रक्य बाह्र टी. एन. एस.

भागकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत ब्रह्मार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3166-23-I/84-85- ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भौर जिसकी सं० बिल्डिंग जगनाथ णेरी नं० 9 है तथा जो जागनाथ मंदिर के नजदीक, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियमं, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 3-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित्त उद्देश से उस्त अन्तरण कै सिंबर से मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त वीविष्युव वे व्यक्ति कर दोने के व्यक्तरक के दादित्य वे कमी करने या उन्हों वृष्यों में सुनिका वे विष्यु अग्रिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया जाना पाहिए था, जियाने भ सुनिया के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की नपशारा (1) के अधीन, निमनलिसित व्यक्तियों, अर्थात् .— श्रं० महेन्द्र रतीलाल महता, डॉ० श्रक्तकुमार महेन्द्र मेहता, की श्रोर से कुल मुख्त्यार, श्री हरकांत पोपटलाल, कं० ग्रा० नागरिक बैंक, रैया रोड़, राजकांट।

(श्रन्तरक)

2 श्री रजनीकांत भानुशंकर रावल, जगनाथ शेरी नं० 9, जगनाथ मंदिर के नजदीक, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उनक सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासेप:--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन को अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मृष्यन की तामील से 30 दिन की अवधि यां भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृथाँक्त भ्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पान के राजपन भी प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबहुल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाश निश्चित में किए का सकुरी।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

जनसूची

विल्डिंग जी राजकोट में स्थित है जगनाथ शेरी नं० 9, तथा रिजस्ट्रेशन नं० 37/3-1-84 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, श्रष्टमदाबाद

तारीख: 4-9-1984

भाहर:

प्रकृप बाह् : टी . एस . एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-ए (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3167/23~1/84-85---ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्याम करन का कारण है कि स्थायर मेरिन जिसका उच्चित बागार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मलिकयत जनकत्यान सोसायटी में है तथा जो प्लाट नं० 61, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), ई्रिजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट (फार्म 37 जी, प्रजिस्ट्रेणन नं० 351) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1984

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्रंताम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से लिधक है और अन्तरक अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए उस पास गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में सकत अन्तरण कि निम्नल में वास्त्रिक एप में किशा गणा है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के त्रियन में कमी करने या नससे बचने में स्विधा के निर्ण और/या
- (ख) एसी किसी आय या निसी यन या क्या आसिनाएं की, जिल्हों भागताय आय-इंग प्रिशिशिय , १००० (1922 का १६) या उपन प्रिशिशिय है कर अधिनियम, १९६५ (१९५५) कि ए प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकार नहीं किया कर या पिता जाना चाहिए था, छिपान में मिरिया के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अर्याण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपपारः (१) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

श्री रतीलाल छगनलाल पटेल,
 2-वी, कोटेचा टावर,
 रामकृष्ण नगर,
 विवेकानन्द रोड़,
 राजकोट।

(ग्रन्तरक)

 रतीलाल वाब्भाई कागडाडा, शांताबेन रतीलाल कागडाड़ा, जनकल्यान सोसायटी, प्लाट नं० 6, राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

की यह मूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्बन के लिए अर्थाज्ञीत्यों करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 43 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मलिक्यत जो जनकल्यान सोसायटी में स्थित है प्लाट नं० 61. राजकोट, रजिस्ट्रेणन नं० 351।

जी० के० पंडया,
मक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1984

प्रकल काह्र . टी. एन. एस. -----

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निर्देश सं० पी० स्रार० नं० 3168-23-1/84-85--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं मस्कीयत पटेल कालोनी शेरी नं 5 में स्थित है तथा जो रोड नं 4 सी एस नं 39/जी ि 5, जाम-नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 11-1-84

को पूर्वोक्छ सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोकत सम्पर्तित का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः व्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मितिसत व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म श्री मोहनलाल कल्यानजी (स्व०)

वारसदार:—-

- (1) कुमुदबेन मोहनलाल दोशी,
- (2) हेमन्द्र मोहनलाल दोशी
- (3) दिलीप मोहनलाल दोशी,
- (4) कीरीट कुमार मोहनलाल दोशी,
- (5) जयप्रकाण एम० दोशी,
- (6) ज्ञीपुल एम० दोणी श्रौर (7) ज्योती एम० दोणी उर्फ ज्योतीबेन भरतकृमार भंडारी, 5, पटेल कालोनी,

जामनगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री कान्तीलाल मानेकलाल संघवी, पंजाब नेणनल बैंक के नजदीक, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्**च**ना आरी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मल्कीयत जो जामनगर में स्थित है पटेल कालोनी णेरी नं० 5 तथा रजिस्ट्रेणन नं० 118/11-1-84 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1984

मोहर 🖫

प्रकार आहे . ती . एन . एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (4961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3169-23-1/84-85--

स्रायकर अक्षिनियम, १२६ १ (19६) — 45 (र् ने इसमें इसके परनात 'उन्न अक्षिनियम' कहा गया ं कि विश्वास करने का कारण है कि स्वान सम्पत्ति, जिसक उचित बाजार मुल्य 25,000/- एसमें से अधिक इसीर जिसकी सं० शेखपुर-खानपुर सीम सर्वे नं० 59-3 टी० पी० एस० 19, ऐफ० पी० नं० है तथा जो 375 जमीन 642 वर्ग यार्ड, 536-77-62 वर्ग मीटर और विल्डिंग स्रहमदाबाद में स्थित है (सौर इससे उपाबद्ध में शौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 6-1-1984

तो प्वांवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और पृक्षे या विश्वाम करने का कारण है कि ज्याप्रणीवत सम्पत्ति का उचित वाजार सुन्य ताके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐने दृश्यमान प्रतिकल का पत्त्वह प्रतिश्वत से प्रविक्त है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरित (प्रकारितियों) हे ही ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ना प्रतिकल, निम्नविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ने वास्त्रिक कर से क्षित नहीं विश्वा स्था है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसले बचने से स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उनत अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं सन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चातिएथा, कियाने में मुख्या है जिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—
33—266GI/84

शी रुताचाई गलवाचार नोमरी.
श्री नेत्रजीमाई मायासाट चौधरी,
श्री रामजीमाई दलसंगभाई चौधरी,
श्री जेसिंहमाई वेलजीभाई चौधरी,
पता—स० नं० 1 ग्रौर 3,
सी-6, पुरणेश्वर फ्लैट.
गुलवाई टेकरा,
ग्रहमदावाद।
पता:—सं० 2 ग्रौर 4
महेसाना को० ग्रो० हा० सोसायटी ,
तवा वाडज,
ग्रहमदावाद।

 श्री विकास अर्राविदभाई शाह, प्रोप्राइटर—मेसर्स विकास शाह ऐन्टरप्राइजेज, सी—10, भावना एपार्टमेंट, नारायन नगर, पालडी, श्रहमदाबाद।

ं (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

इत मुनना है राजपन हैं प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रवन्ति या न्हमंबंबी व्यक्तियों पर सुचना की नासील से 30 कि की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से निहास व्यक्तियों में से निहास व्यक्ति अरहा अरहा है

च) इस सूत्रता के राजगत्र ने प्रकाशत की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

बाइरो करण : --इसमें प्रयुक्त कर्न जेर वहीं हा, जो उन्त अधि-क्षियाल के लड़्याय किया में परिमाणित है, वहीं अर्थ होना, जो उन प्रध्याप में दिना गया है।

अन्स्धी

शेखपुर-खानपुर सीम सर्वे नं० 59-3, टी० पी० एस० 19 ऐफ० पो० नं० 375 जमीन 642 वर्ग यार्ड याने 536-77-62 वर्ग मीटर ग्रौर बिल्डिंग ग्रहमदाबाद। (रजिस्ट्रेशन नं० 257/6-1-84)

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

नारीख: 4-9-1984

मोहरः

प्रक्रिकार्य हो. एस्. एस्. -------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाश्राव, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० धार० नं० 3170-23/1/84-85-- भ्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रह्मदाबाद टी० पी० एस० 24 एफ० पी० 92 पेकी 166 वर्ग मीटर है तथा जो जमीन श्रौर मकान 87 वर्ग यार्ड पी० नं० 3, श्राई डी यल कालोनी मनीनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपात्रज्ञ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-1-1984

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित लाजाए मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्नुलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्या से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावा, उका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचारे में सविधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मित्री को जिन्हों भारतीय अपन-कर अधिनियम में 1022 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, तक्ता अधिनियम की धारा २6%-० जी प्यशाप विश के अधीन विस्तितिकत व्यक्तियों, अर्थात च्या श्वी नारनभाई नाथजीभाई पीडाडीया,
 3-पाईडीयल कालोनी,
 जयहिन्द हाईस्कूल के पीछे,
 मनीनगर,
 अहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री रतीलाल दयाभाई ठक्कर,
 श्रीमती नयनावेन रतीलाल ठक्कर,
 ग्राईंडीयल कालोनी,
 जयहिन्द हाई स्कूल के पीछे,
 मनीनगर,
 ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रों कर जारित यो से किसी व्यक्तित द्वारा:
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका भवा है।

असमधी

श्रह्मदाबाद टी० पी० ऐस० नं० 24, मनीनगर, एफ० पी० नं० 92 वी० नं० 3, ग्राई डी यल कालोनी, जय हिन्द हाई स्कूल के पीछे, मनीनगर, श्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

नारीख: 4-9-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3171, 23—I/84—85——अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको मं० महुवा में जमान हं तथा जो रेवेन्यू सर्वे नं० 313/1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण- रूप से विणत है). रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, महुवा. में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 13-1-1984,

को पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल की निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से विश्वक है बीर अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए∄ बार्ट√या
- (क) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— श्रां हसन भाई इसाभाई मरोयमभाई इसाभाई विश्वकर्मा रोड, महुवा, जिला भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्रं पारेख कालीदास दामोदरदास गांधी निवास, नूसननगर --महुवा जिला---भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी कर से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

मन्स्ची

जमीन महुवा में आए० एस० न० 313/2 राजिस्ट्रेशन नं० 2280/13-1-84 ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

विनांक : 6-9-1984

शक्षक आहें . सी . एम . एम . -------

बाक्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकाष

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांच ६ सितम्बर 1984

निदेश सं० पो० आए० न० 3172/23-1/84~85—अतः मझे, जी० के० पंड्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सधीन सक्म प्राधिकारी की यह निरुवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शोष नं० 9 सर्वोदय शोषिंग सेन्टर है तथा जो सलापस रोड. रिलोफ सिनेमा के साथने अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णस्य में बिणत है). रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकार के कार्यालय. 37ईई में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, दिनांक 2-1-1984.

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुन्य स कम के दश्यभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुन्य उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वर्ध) स बार एए जन्म ने के लिए तम पाथ गर्भ प्रतिफल जिम्मलिखित उद्धार के किया गया है :---

- (क) बन्तरक संहूर शिक्सी आध की अवता अकः, अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक की सायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/गा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा बाबू शाई उर्फ उमेबभाई रहोमभाई लोजा सोसायटः, कोक्सिया, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) अवनी एण्टरप्राहमाज मनुभाई प्रेयजाभाई गोप नं० 9. सर्वीदा कोमणियल सेन्टर, सलापस रोड, रिलीफ सिनेमा के नजदीक, अहमदाबाद-। ।

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता हुं:

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की धारीशन से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में निमान्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिकार में, के अध्याय 20-ा में परिभाषित है, बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, अहमदाबाद

दिनांक : 6-9-1984

भोहर :

प्रकाष कार्ष . ही . धर . एक् .: -----

भाषभर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (तिरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांकः ६ सिनम्बर 1984

निदेश सं० पां० आर० नं० 3173/23-1/84-85—अतः मुझे, जो० के० पंडया.

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारों को मह विस्कान करन का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० अहमदाबाद सिटी खाडिया बोर्ड नं० 3 थोजा को पोल है। तथा जो हाउस सिटी सर्वे नं० 2938 क्षेत्रफल 182 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसमे उताबद्ध श्रनुनून: में श्रीर पूर्णस्प मे बणित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारा के कार्यालय, अहमसाबाद में रिजस्ट्रकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, दिनांक 16-1-84.

को पूर्विक्षत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ध है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित काजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षन निम्निक्ति उच्चरिय से उपत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप संक्षित नहीं किया गया है:----

- (क) मन्तरण संद्वार भिन्नता आम की बावस, उनस् विविध्य को मधीन कर धाने के अन्तरक क दानिस्त में कनी करने या उन्नये नजने में स्विधा वे शिष्ट; करि/या
- (क) पेसी किसी नाय या किसी भन या नम्य शस्तियाँ करे, सिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया काया किया बाना वाहिए था कियाने में सुविधा के किए;

(1) आर पन्त्रकारत ग्रावस्ताल डाक्टर
 6-जगरभाई पर्ताः
 मनानगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रा थरपारकर लोहाना महाजन ट्रस्ट रागकी निवास, मंडियी पोल, अष्टमधानाद ।

(अन्तर्भवत्)

का यह सुचनः १८९० कारके जुडाहि अध्योति के अजीत के लिए कार्यकारियाँ सुक सारता हो।

ज़ब्बन शस्परिता का राजा है के लल्कर में भवें हैं भी आक्षीय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त को स्वर्ण मान किली कारिका खबारा,
- (ब) इस सूचना के गजपत्र से अवस्थान की तारीख में 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्परित में हितबत्भ किसी जन्म काकित ब्राम अधिकस्ताक्षरी के पाथ निर्माण भी दिन का मकी में

स्पष्टीकरणः—इसमी पयुक्त काच्यो कर पदी का, जो उत्तत अधिनियमः की लध्याय ५०-४ मी परिभाषित ही, वहीं अने हार्येग का ६५ जन्माय मी दिया गया ही।

अपुस्ची

अहमदाबाद सिट:, खाडिया बोर्ड नं \sim 3, मः ० एस० नं ० 2938 हाउस क्षेत्रफल 182 वर्ग यार्ड, रिजस्ट्रेगन नं ० 583/16-1-1984 ।

जॉ० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजें~1, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के सभीन, गिम्निजिस्त व्यक्तियों, अर्थात :---

विनांक : 6-9-1984

मोहर 🚯

प्रस्प आई. टी, एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज $-\mathbf{I}$, अहमदाबाद

अहमदाश्राद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० पो० आए० नं० 3174/23-I/84-85---अत: मुझो, जो० के० पंडया.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० शेखपुर खानपुर नवरंगपुरा, अहमदाबाद टा० पो० एस०-3 है तथा जो एफ० पो० नं० 100, शोप नं० 114, ग्राउंड फ्लोर अजन्ता कोमिशियल सेण्टर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से विशत हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिसित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिष्ट; जाँदु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरकः में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रो णान्तीलाल गिरधर लाल णाह बुलाखीदास गिरधरलाल शाह बी० नं० 3, नेशवबाग सोसायटी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रो एस० के० मेहता फैमिली दूस्ट दूस्टी-राजेन्द्र जे० खरा ग्रीर अन्य 7, नवल अपार्टमेंट, महालक्ष्मी पांच रस्ता, पालडा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध को काई भी बाधाप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी स्थित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनतयों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित मं हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

अहमदाबाद शेखपुर-खानपुर नवरंगपुरा, टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 100, शीप नं० 114, ग्राउण्ड पशीर अजन्ता कोमिशियल सेण्टर इन्कम टैंक्स जार रास्ता अहमदाबाद।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमवाबाद

दिनांक : 6-9-1984

प्रसम्प साइ . टी. एन . एस . - ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६९-१ (1) के प्रधीत सुबता

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3175/23-1/84-85---ग्रतः मभ्रे, जी० के० पंडया,

बायकर मिधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ! उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ७० में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ग्रहमदाबाद सिटी ग्रोडिय सीम सर्वे नं 324 है तथा जो पैकी 215 वर्ग यार्ड, ग्राउण्ड फ्लोर पर मकान में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण कप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 31-1-1984.

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तः । प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त धन्तरण जिखित में गास्तिविक स्प में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने ने अस्तरक के दायिश्व में कमी करने या ज्यमे बचने वे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या उन्त कर प्रधिनियम, या उन्त कर प्रधिनियम, या उन्त कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 ★ प्रधालनाथं धम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में न्यां की लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभौतः: (1) भेसर्स ए० प० फारमेटीकुलस श्रो मानेकलाल मगनलाल भाह श्रोर श्रन्य गानीरथ ग्रपार्टभेंट, एलीमग्रीज, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) द ग्रहमदाबाद मर्कण्टाइल को० ग्रो० बैंक लिमिटेड, रिलीफ रोड, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारो करके पूर्वों कर सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

कबरा सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब वें 45 विन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिसीं में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टि में दिए जा सकोंगे।

स्थानिक स्थान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार पदा का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

विल्डिंग क्षेत्रफल 215 वर्ग यार्ड ग्राउण्ड फ्लोर पर ग्रहमदाबाद सिटी० तालुका, गांव ग्रोडब, मुख्य रास्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1402/ 31-1-84 ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- |म्रहमदाबाद

विनांक : 6-9-1984

योहर 🖫

इंदर बाहें हा कर तर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ए (1) के अधीन मनना

dian madia

मराजित, बहुत्वक पायकर सपुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-1. ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 सितस्त्रर, 1984

निदेश मं० वीठ शार० नं० 3176/23-I/84-85--ग्रतः मझे, जी० के० पंडया,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मके पश्वात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य १५०००/-रु. में अधिक है

ग्रौर जिसको सं० प्लाट नं० 6 कदम श्रपार्टमेंट, गुरुकुल टैम्पल के सामने हैं। तथा जो ड्राइव-इन-रोड मेमनगर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय, 37ईई, फाइल में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 12-1-1984.

में पूर्ववित संपत्ति के द्वारत व्यवस्त श्राप्त वस के द्वायमान तिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास परने का कारण हैं कि यथणवीं बन संपत्ति का उचित बाजार ल्या, उसके द्वायमान परिफल से एसि इक्ट्यान प्रतिफल के न्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ज्विति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय या गया प्रतिफल , ीमनीनिशन उद्ववस्य से उक्त अन्तरण विकास में अपना हैं:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व कों कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन था जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्चेनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीन, निम्निनिसित पांकतयों, अधीत :—

(1) कदम श्रपार्टमेंट श्रोनर्स एसोसियेशन तेकेटरी—श्री रमनीकजान पटेन, प्लाट नं० 1, कदम श्रपार्टमेंट, गुरुकुल टैम्पल के सामने, इाइन-इन-रोड, मेमनगर, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशीवाला नवनातलाल शोधन
प्लाट नं० 6, कदम श्रपार्टमेंट.
गुरुकुल टैम्पल के सामने,
ड्राइव-इन-रोड,
मेमनगर, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी त्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में कि भी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निर्मालन में विराण जा सक्ती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नन्स्ची

प्लाट नं ०. ६, कदम एपार्टमेंट, गुरुकुल टैम्पल के सामने ड्राइव-इन-रोड, मेमनगर, ग्रहमदाबाद ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहाय^क श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−ा, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 10-9-1984

प्रस्प बार्य . टी. एन. एस. ---=-== बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

मारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकतु आयुक्त (निर्रोक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2938/II/84-85---- श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 41-8, प्लाट नं० डी है तथा जो उमरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-1-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की वाबत, उथत अभिनियम के अभीत कुट दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; अडि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 34-266GI/84

(1) कोशीकाबेन दिलीपभाषे शाह, कदमपल्लो सोसायटी, नानपुरा, सूरत ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री बाकुलभा**ई म**फतलास गोपीपुरा, सूरत भीखु**भाई कान्तीलाल** पटेल संग्रामपुरा, पूरत ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के रार्जपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

मन्त्र्यर

मिलकत जो उमरा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 56 नम्बर पर दिनांक 4-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद

विनांक : 3-9-1984

प्ररूप्ः वार्षः टी. प्रवः एसः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2939/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 25, देव दोष सोसायटी है। तथा जो मजूरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20-1-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधाप् बोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से एंसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त रिधिनियम की धारा 269-घ की बण्धाय (1) बैं अभीम् ्रीनम्निकिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्रो बंसोभाई बाबू भाई नयाकुवाला, गलेमन्दी, मोटी शेरी, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ईश्वरभाई देवजी भाई पटेल 25, देव दीप सोसायटी, मजूरा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, ज़ो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

मिलकन जो उमरा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 564 नम्बर पर ता० 20-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

पी० के० पंख्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, प्रहमदाबाद

दिनांक: 3-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, आश्रम रोड, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निवेश सं० पो० आर० नं० 2940/II—अत: मुझे, जी० के० पंडया,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर ज़िसकी सं० 25-ए, शिवनगर है तथा जो सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनसूचा में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारा के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भें, भें, सकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन् होनम्नलिखित व्यक्तियों हैं, अर्थात् होन्स (1) श्रोमतो गदुबेन ठाकोरदास रामपुरा, मुख्य मार्ग, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री देवुभाई जयांताराम पटेल 65, रामकुष्ण सोसायटो, सुरत।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु—।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

वन्स्ची

अनु सूची

मिलकत जो शिवनगर को० भी० हा० सोसायटी में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 613 नम्बर पर ता० 20-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

विनांक : 3-19-1984

योहर:

प्ररूप बार्ड ., टी. एन . एस .----=

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

पारत सहकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निर्देक्तण)

अर्जन रेंज-∐, शहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984 निर्देश सं० पी० आर० सं० 2941/II-अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 535, 295 ची० फुट है सथा जी रिंग रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित है), सहायक आयकर आयुक्त रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनयम 37 ईई के अधीन 21→1→84

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है %—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिपु;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मैं ० शास्तो बिल्डर्स, अजन्ता शोपिंग सेण्टर, रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री सिन्यैटिक्स लि० मवलखी, मासकी रोड, बोक्स नं० 6 स्टब्जीन ।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षीर .-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त अपिक्तयों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ध) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त घट्टा और पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं॥

मन्स्यी

फार्म नं० 37ईई दिनांक 21-1-84 को यह कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-11,अहमदाबाद

दिनांक : 3-9-198**4**

मोहर 🛭

अस्य आई<u>. टी. ए</u>न . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1-961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निर्देश सं० पो० आर० नं० $2942/I_{1}$ -अतः मुझे, पी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकः सं० आफिस नं० 525, अजन्ता शोपिंग सेण्टर है तथा जो सूरत में स्थित है (ष्मीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वः में ष्मीर पूर्ण रूप से विणित है), सहायक आयकर आयुक्त रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, (37ईई के अधान, दिनांक

को प्वींक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयां, अधीत् :--- (1) मैं० शान्तोः बिल्डर्स अजन्ता शोपिंग सेण्टर, रिंग रोड, सूरक्ष ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल कृष्ण 151, 451 टैक्सटाईल मारकेट रिंग रोड, सूरत ।

*(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये आ सकर्ग।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश। गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37ईई यह कार्यालय में ता० 21-1-84 को पेश किया गया है।

> पो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 3-9-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भार्यः, दीः एतः, एसः, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शाद्व दुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11,अहमदाबाद

अहमदाबाच दिनांक 3 सिप्तम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2944/II—अत मुझे, पी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूम्ब 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० अ। फिस नं 441 श्रजन्ता शापिग सेन्टर है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्रों में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रांकर्ता सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रोंकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन, दिनांक 21-1-1984

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एंसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही आर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निधानियन के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कुरने या उससे बचने में सुविधा के निष्
 ु सक्ति/वा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ब्या था वा किया जाना जाहिए था, जियाने के हिन्दा के हिन्दा के हिन्दा;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं कें अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1)ं के अधीन, निम्निसिक व्यक्तिर्यों, अर्थात् ः— (1) शांती बिल्डर्स रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री स्पइपचन्द अग्रवाल पो० कुसुन्दा, (बिरार)

(अन्तरितो)

को यह स्थान वाडी कड़के प्यानित बन्यत्ति के वर्षन के सिह कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 फिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्विष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वास्त्रीक रणः — इसमें प्रयुक्त वास्त्रों और पदों का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क मां परिमाणित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

भन्स्ची

फोर्म नं० 37ईई यह कार्यालय में ता० 21-1-84 को पेश किया गया है।

> पो० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

विनांक : 3-9-1984

मोष्ठर 🖺

प्ररूप . आई. टी. एन. एसुन = =

जायकर गाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

प्राप्त सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक (निर्विक्षण)

धर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 3 सिनम्बर 1984

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 2945/II—श्रतः मुझे, पी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रहत से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 537 है तथा जो श्रजन्ता मोपिंग सेण्टर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रसुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 37ईई के श्रधीन, दिनांक 21-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की वासत, उन्नत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए। और््या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा की सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अधीत्।:—— (1) मे० शान्ती बिल्डर्स रिंग रोड, सूरता

(सन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्र कुमार सेन नासांपटी वैधशेरी सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगृसूर्वी

37ईई का फार्म यह कार्यालय में ता॰ 21-1-84 को पेश किया गया है।

> पी० के० पंडाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽II, ग्रहमदाबाद

विनांक: 3-9-1984

प्ररूप आहाँ .टी . एत . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2946/II—श्रत: मुझे, पी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं अप्राफिस नं ० 727 है तथा जो ग्रजंता शोपिंग सेन्टर रिंग रोग, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता सहायक ग्रायकर श्रायुक्त के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 37ईई के ग्रधीन, दिनांक 21-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिलाक में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबदा, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अभने में नृतिभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसीं जाय या किसीं धन जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सूर्विधा की लिए;

जतः अव, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनिय े की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित्_{य, विसर्यों, सूर्यास्ट}—— (1) मे॰ णान्ती बिल्डर्श रिंग रोड, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) में शाहम्बो फैबिक्स बोग्डावाना इन्डस्ट्रीज इस्टेट सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिरिभरीयत ही, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेमा ही।

अनुसूची

37ईई का फार्म सं० 21-1-84 को यह कार्यालय में पेश किया गया है।

> पी० के० पंडया सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिराक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 3~9-1984

प्ररूप बाहु . टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2947/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 329 है। तथा जो रिंग रोड सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रिधकारी के कार्यालय; श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37ईई के श्रिधीन दिनांक 21-1-84

को पूर्विकत सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्ही भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जवः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ण के जनसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, कर्धातः :----35—266 GI/84. (1) मै० शांती बिल्डर्स रिंग रोड, सुरत ।

(प्रन्तरक)

(2) मे० विनोद कुमार राकेश कुमार दयानन्द नगर श्रमुतसर (पंजाब)

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृषोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किक्सी अव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

नन्स्ची

37 ईई का फार्म ता॰ 21-1-84 को यह धाफिस में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया संक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

दिमांक: 3-9-1984

भोडर∄

प्रकप बाहै. टी. एक. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-,II ध्रहमदाबाद ध्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० पी० भार० नं० 2948/—II-- भतः मुझे, जी० के० पंडया,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूक्व 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं श्राफिस नं 630, है। तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमवाबाव में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 37ईई के ग्रधीन दिनांक 21-1-1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के ख्रयमान प्रत्यक्ष के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निसित में भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या; उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

वतः सव, उक्त मधिनियम की भाग 269-ग के मनुसारन मो, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्निसित स्पिक्तियों, स्पीत् :-- (1) मै॰ शास्ती बिल्डसं रिंग रोड, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयेश एव॰ वलाल पशतानर्जा वकील शाहपूर, सुरत ।

(मन्तरिती)

की वह स्वना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य स्थावित ब्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका कका ही।

भग्त्यी

37ईई का फार्म यह कार्यालय में ता॰ 21-1-84 की पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, श्रष्टमवाबाद

दिनांक : 3-9-1984

प्ररूप **मार्ड**. टी. एन., एस.-----

नायकार निधित्तिस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचया

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सिलम्बर 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2949/ध---अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० आफिस नं० 220, है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ती सहायक आयकर आयुक्त अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन दिनांक 21~1~1984

को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब पाया गया प्रति-क्रम निम्नसित उक्षेत्रय से उस्त अन्तरण विविद्य में बास्य-विक क्य से अधित नहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-दिनम् के बंधीय कड़ दोने के बन्धरक के दावित्य में कती करने या क्याचे बचने में मूमिया के किए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, मा भन कर अभिनियम, मा भन कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए आ, कियाने में सुविधा के सिए;

बत: अथ, उक्त निभिनियम की भारा 269-व के वजुबरण को, मी, उक्त निभिनियम की भारा 269-व की वच्थारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, नभारत :---

(1) मैं० शान्ती बिल्डर्स, रिंग रोड, सूरत ।

(अस्तरक)

(2) श्री महेन्द्र एच० गोटावाला 2343 खांगडणेरी, सतावतपुरा, सूरतः ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मन्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ सकांगे।

स्यच्छीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में विमा गमा है।

बनुसूची

37ईई का फार्म पर कार्यालय में ना० 21-1-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक : 3-9-1984

मोहरः

प्रकल बाही, बी. एवं. एवं. त - - ----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की याख 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत बडेकार

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 2950——अतः मुझे, पी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का अप्रत्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं ब्लाक नं 162 जो बेजलपुर में स्थित है तथा जो बेजलपुर ता नवसारी में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप में वींगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य अपस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, जधीत :--- (1) श्रीमती पार्वतीबेन जो बसनजी जीवनर्जा की विश्ववा और श्रीमती मनीबेन वसनजी वेजलपुर ता० नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री चेतनकुमार भास्थरराय देसाई वेजलपुर क्षा० नवसारी।

(अन्सरिती)

करे यह सूचना जररी करक पूर्वोक्त सपत्ति, के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्वत्ति को सर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविधि बाद मों समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिकिस में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण — इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया ही।

नन्स्ची

स्लोक नं० 277 बाली मिलकत जो गांव वेजलपुर ता० नवसारी में स्थित है और जिसका माप 2-34-0 एकड़ गूंठा है और उसका आकार 11-25 है जो स० २० नवसारी के दफ्तर में विनोक 19-1-84 को शिस्ट्री नं० 162 से शिस्टड हुई है।

> जीव केव पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनर्रेज—II, अहमदाबाद

विनांक : 5-9-1984

प्रकप बाइ .टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--11, अक्षमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश संव पीव आरवनंव 2951/II--अतः मुझे, जीव केव पंड्या,

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया क्रै), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका स्वित बाजार म्ह्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 239/3, असोक नं० 4 घर नं० 436 है तथा जो 437 और 438 जो बीजलपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्णक्ष्य में बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-1-84, को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की गरवत, उन्न अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/बा
- (व) एसी किसी बाग या किसी धन या जन्म जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुदारा रकः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री नानुभाई जीवन पटेल घर मोहलला नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवसुखलाल नानुभाई और बाबूभाई हरिकशनदास नवसारी ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वान की तामील के 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दिकिरण:--इसमं प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्थी

मलकत जो नवसारी में स्थित है और जो दस्ताबेज संव 111 के द्वारा सब-रिजस्ट्रार नवसारी के वफ्तर में रिजस्टर्ड हुई है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II/अहमदाबाद

दिनांक : 5-9-1984

प्रकृपः बाह्य ही. एन्. एच . .----

लायकर अभिगियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सिदेश सं० संा० आर० नं० 2952/∏---अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं 193 ए है तथा जो बोजलपुर, नवसारी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विदयास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पल्क प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेत्रय से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है क्ष्र—

- (क) बंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिमियम के जभीन कर दोने के अप्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; जीर/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन ए श्रम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 274 के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सिंखा के सिंख;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसिक स्थितवाँ, अर्थात् ।——

(1) श्री ठाकोरभाई, खुशालभाई पटेस बारोता बाजार नवसारी श्री भगुभाई पूंजाभाई आभानगर नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री यमुना को० ओ० हा० सो० कादम्सरी स्टेशन रोड, नवसारी।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा श्थाहरताक्षरी के पार्श्व लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्योकरण:---क्समाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रमसंभी

मिलक्स जो स० नं० 193ए पर वेजलपुर में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 47, नम्बर पर ता० ६~1--84 को रजिस्टर्ड की गई है

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II/ अहमदाबाद

दिनांक : 5-9-1984

भोहार:

प्रकृष मार्बं, टी. एस. एस्. -----

सायकर स्रीधिनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 शितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर.० नं० 2953/2——अतः मुझे, जी० के० पंडया

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य से अधिक है

और जिसकी संव 193 ए है तथा जो बेजलपुर, नवसारी में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या में बाजित है), रिजस्ट्रोकर्ता अग्निज्ञारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रोकरण अधितियम, 1908 (1908 को 16) अधीन, तारीख 6 जनवरी, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य स काम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल वे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-त्रियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मो कमी करने या उससे अचले मो सुविधा के लिए प्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम . 1022 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विशेष प्रति (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में विशेष के लिए:

अतः तथा, तकतः विभिन्यमं की धारा 269-मं की अनुसरम की की नक्त विभिन्यमं की धारा 269-भं की उपभारा (१) की प्रधीतः निक्तिसिंस व्यक्तियों, वर्षात् :---

- (1) 1. ठाकोर भाई खुशाल भाई पटेल, भवसारी।
 - श्री मनुभाई पूंजाभाई पटेल, नथसारी।

(अन्तरकः)

(2) श्री कृष्णा को० आपरेटिय सोसाइटी, यादम्सरी सेन्टर, नवशारी।

(अस्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके प्योंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त ज्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक् ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा मुकांगे।

स्पष्ठीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

मिलिक्यित जो बेजलपुर तवसारी में स्थित है जिसका सं० नं० 193 ए हैं। सब--रिजस्ट्रार, नवसारी में 48 नं० पर तारीख 6 जनवरी, 1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी पहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नारीख: 5-9-1984

प्रक्य शाइं.टी. एन . एस . ------

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेण सं० पी० आर० नं० 2954/II—अतः मुझे, पी०के० पश्चंया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट महावीर अपार्टमेंट्स, 803 है तथा जो अम्बा लाइन्स, सूरल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड हैं और मुभ्ने यह निश्चाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत जिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुजिधा के लिए; जीर/बा
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकार अधिनियम, या अनकार अधिनियम, या अनकार अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

जत. अब., उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की, अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के पथीन, निम्नलिस्ति ध्यक्तियों, अर्थातु :---- (1) श्रीमती शार्रा यहत धुदालाल शाह, 803. मराधर जपार्टमेंट्स, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री कीर्ति भाई धरम लाल कोठारी, 812, महाबीर अपार्टमेट्स, सुरते।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पंतों का, जो उबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उपम अध्यय में दिया गया है।

मन्स्ची

मिलक्षियत जो अथवा नेट महाबीर सूरत में स्थित है। सब— रजिस्ट्रार, सूरत में 305 नं०पर ता० 17 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नारी**ख** : 5-9-19**8**4

म्रोहर:

प्रकल्प बाही. टी. पुत्र एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269-व (1) के मुधीन सूचना**

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जैन रेंज-ाा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2955/ --- अतः मुझे, जी० के० पंडया

आग्रकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिधिनियम' कहा गया है), रूनि धारा 269-ल के लधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 996-35 गूंठा, एकोल है तथा जो 995/1 1 एकड़ 20 गूंठा में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीक्तिं अधिकारी के कार्यालय सलील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफतः निम्नतिचित उद्बेश्यों से उच्च अन्तरण जिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (कां) अत्सरण से हुए किसी जाव की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/वा
- (w) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य शारितयों कर जिम्ह भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था, किपाने में सुविधा के निए;

असः असः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभाग (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अथाति ६—— 36—266GI/84

1. श्री भांनाभाई हतनभाई.
मारत्राकुपा, कलोल।
 2. श्री रमुलभाई अनुभाई,
मोसाइटी, पंच 'हारडी,

(अन्सरक)

(1) जनता को० सो० रा० सोसायटी पंच हारडी बाजार, कलोल।

(अन्सरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त स्माति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्या

मिलकथत जो सबरिजस्ट्रार, कलोल में 3जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड की गई है। स०नं० 996, 995/1 है।

> जी० के० पंड्या यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नारीखा: 5-9-1984

माहर 🤢

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2956/II—अतः मुझे, जी० के० पौड्या

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/—क ले अधिक है

और जिसकी सं० 1995/1 1995/2 है तथा जो महाशणा सीमा में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीजनी अधिरारी के लायालय, महशणा में रिजस्ट्रीजरण अधिनियम 1908 (1908 ला 16) के अधीन तारीख 23-1-1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उधित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उरुके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में तास्त्रिक रूप से किथित नहीं विश्या गया है :--

- (क) अनुतरण से हुई किसी आग की शवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोते के शन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनाम पकर नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिथा के लिए;

मतः अम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) ची० मोहमदभाई नाथुभाई चौहान और अन्य महशेणा ।

(अन्तरक)

(2) मधुरभाई पंजाजी फीमली ट्रस्ट ट्रस्टटी श्री मधुर भाई पंजाजी ठाकोरे महशेणा ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---(क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख

45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त

व्यक्तियां मं भे किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीराभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

बिकी दस्तखत तारीख 23-1-1984 की सं० नं० 1995/1,2 पर सब रिजस्ट्रार, कार्यालय में रिजस्टर्ड क्या गया है ।

जी० के० पाँडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 5-9-1984

मोहरः

श्रक्ष मार्च, टी, एत्, एस्, जन्मनननन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2957/II—अतः मुझे जी० के० पंडिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्वित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

बौर जिसकी सं० 614, कालोल हैं तथा जो दालील सीमा में स्थित है (और इसमें उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-1984

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नालिश्वत उद्देश्या से उच्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कस्तरभ जे इवि किता थात का ताल उत्ता श्रीपिष्यम के सभीन मर योग के कस्तरक के यायस्य में कभी फरने या उत्तरी दलने में स्विभा से सिए; और/भा
- ख) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अग्रहर अधिनियम, या अग्रहर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में कृषिना के सिष्ट,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीन, किक्निकिंगः स्पिक्तियों, अर्थात् :--- (1) छगनजी धीरजी आता जी छगनजी ठाकुर ठाकोरवास, कलोल।

(अन्तरक)

(2) सीतारामनगर को० औ० सोसायटी श्री चतुरभाई शनाभाई पटेल, क्लोल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृष्ठा वस संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारसा हों।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिधा, यो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध विस्ती अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताकारी के पास शिंगित में निरा जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनु**स्**ची

मिलिकियत का बिकी दस्तखत 614 सीता राम नगर पर तारीख 3-1-1984 को कलोल, सब-रिजस्ट्रार में रिजस्टर्ड की गई है जिसका कुल क्षेत्रफल 1एकड 22 गज है।

> जी० के० पांख्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

दिनांक: 5--9-1984

प्रक्ष बाइं दी प्रनाप्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2958/II--अत' मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० 798, गगोतरी है तथा जो 5148 भौ० फुट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-1-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अपरण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी अाय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तिमों, अधीत हैं-- (1) छोटाभाई साराभाई पटेल आलिन्द्रा, त**ह**े मातर।

(अन्तरक)

क) मोहनीबहन नगीनभाई पटेल बड़ीदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां घूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (कं) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्स्ची

विकी वस्तखत का रिजस्टर्ड किया गया है जिसका कुल क्षेत्रफल 5148 मी फुट है और सं० नं० 798 है।

> जी० के० पंडया पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 5-9-1984

भोहर:

श्रुक्षप् नाष्ट्रं दो ्यन् यस् वानानानानानाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भाउत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2959/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

ायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है"), की धारा .69-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का रूप है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,000/- रु. से अधिक है"

गीर जिमकी सं 111, 112, 116, 117 है तथा जो निजामपुरा बढ़ीदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बढ़ीदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 ा 16) के अधीन तारीख 6-1-1984

पृष्ठोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, प्रकं दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह त्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती न्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य वामा ग्या तफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उच्छ अन्तरण लिखित बास्तरिक इस से क्षित नहीं दिस्सा वस है है——

- (क) मृत्तरण सं हुई किसी आब काँ बावता, उक्क अपितियम के अभीत कर बने के जन्तरक के बाबित्व में कुमी करने या उन्नसे बुबने में सुविधा के लिए; बीट/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार् प्रकट नहीं किया ग्या था या किया आना आहिए था, स्थिनों में सुनिया ही जिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) स्थीन, निम्नलिखित अधिकसमीं अर्थात् धन्न (1) बालूभाई डुंगरदास पटल सुनेबा, ता० पैटलाद।

(अन्तरका)

(2) जगदीस भाई डुंगरदास पटेल, बी-5, महाशना नगर सोसायटी निजामपुर, बडीदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संजंबी स्पित्समें पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पृतिस्थों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 483 नंबर पर रिजस्टर्ड किया गया है जिसका सं० नं० 111, 112, 116 और 117 है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिलांक : 5--9--1984

मोहर 🖫

प्रस्य गार्थः दीः एनः एसः --

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर, 84

निदेश सं० पी॰ आर० नं० 2960/II—अतः मुझे, जी॰ के॰ पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ले का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उण्यत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 277 प्लाट नं० 10 है तथा जो पूरोहीत अपार्टमेंट में स्थित है (और इसमें उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कि अधितारी के कार्यालय, बढ़ौदा में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-1-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख् से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उमत अन्तरण निष्ति के बास्तिक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन क<u>र</u> दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी कुटने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार (१) के अधीन, निम्नतिविद्य स्पृक्तियों, अभीत् :- (1) चनुरलक्ष्मी रतनलाल मट्टन भाटपाडी, बसो, ता० पेटलाद ।

(अन्सरक)

(2) मैं० अंसिका मिरुस, कांकरिया, अहमदीबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

ण्लाट जो पुरोहित अपार्टमेंट बी-12 में स्थित है जिसका सं० नं० 277 है सब-रजिस्ट्रार, बडौदा में रजिस्टर्ड किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाव

दिनांक 5-9-1984 माहर । प्रकप आह. टी. एन, एस. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2966/11—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्ताट नं ० 195 सेक्शन नं ० 2 है तथा जो महर्शेणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, महर्शेणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-1-1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पहुंह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शियल्ड में क्यी अरने वा उससे बचने में सूमिशा के तिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः मबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, निम्नकिक्किट म्म[क्तयाँ, अर्थात् मान्य (1) श्री मगनलाल अन्सला पटेल, महन्नेणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुभाई रामजीभाई पटेल, गंजस बजार, महक्षेणा ।

(अन्तरक)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ श्रोगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अग्सूनी

मिलकत जिसका कुल क्षेत्रफल 168 चौ० मी० है और नाप नं० 2817 है जो गंजबाजार, महषेणा में स्थित है। सब--रिजस्ट्रार, महषेणा में 147 नं० पर ता० 17-1-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

विनांक : 5-9-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहाँ ही एन एस ु -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 5 सितम्बर, 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2962/11—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हुरे), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1990/61-93-42 चौ० मी० है तथा जो महणेणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, महणेणा में रिजस्ट्रीक्ररण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 (1) श्री नोहनभाष्टी णिवरामकात पटेन, पालीज, ता० महमोणा

(अन्तरक)

(2) श्री भुदरदास जायनाराम पटेल, हींगलाज राजपुरा,, महशेणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकरें।

वन्स्ची

सकान का रिजस्ट्रेशन महशेणा में 161 नं० पर ता० 21-1-1984 को किया गया है। कुल क्षेत्रफल 93-42 चौ मी० है जो महशेणा सीमा में सं० नं० 1990/61 पर स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 5-9-1984

मोहर 🤔

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मितम्बर, 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 2963/11--अतः, मुझे, जी० के० पंडधा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' यहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० महणेणा सीमा 1990/160 है तथा जो महणेणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय. महणेणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिय है और अंतरफ (अंतरफों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, पिटा कर्का कर कंकिन कर 1992 (1992 कर 11) या त्वा अधिक्रियम. या पर्य-ता किया गर्या (1957 कर 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गरिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 37-266 GI/84

(1) श्री ईंश्वरभाई सामुभाई पटेल, जोटाणा, ता० महमेणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वारकानाथ दाग नाथाभाई पांचीर, ता० महशेणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलरत (दुरान न-1) जो महणेणा में स्थित है जिसका पर्वे नं० 1990/160 है।

जी० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 5--9-1984 मोहर :

प्रक्रम बार्ड. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्थना

भारत सहकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-II/अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निवेण सं० पी० आर० नं० 2964/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 498, 499 है तथा जो क्लोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कलोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, विनांक 3-1-84

को पूर्वोक्स सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दरशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पितकल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादिस्त में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए बौद/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धनः अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ धनकर अधिनियम, आ धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुवश्य मो, में, उक्त अधिनियम की धररा 269-व की उपधारा (1) के वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् हे— (1) श्रोमती सिवता बहुन रगछोडलाल पटेल मोटो कोमरी वाडो, कडी-कलोल ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृतलाल नाथालाल पटेल कलील ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वधिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थायत्त्रयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा प्रशाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे ।

स्थव्हीकरण --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 84 चौ० मी० है और स० नं० 497 और 498 है। कलोल में उसका रजिस्टर्ड हो गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजना, अ**हमदा**बाद

विभांक : 5-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० $2965/I^{L}$ —अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 252/213 है तथा जो कलोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक 17-1-1984,

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (ब्रम्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिविद्य उद्देश्य से उच्च प्रन्दरण लिखित में वास्त-विक क्ष स स्वित नहीं किया गया है!——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धान की बावत वक्त छिन-विवस के संजीत कर देने के अन्तरफ के वास्तिक में कमी करन या वससे नजने में सुविधा के विद्या और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री माणेकलाल नामकन्द दास, सुमन पार्क, कलोल ।

(अन्तरक)

(2) श्री केशवलाल नानचन्ददास कल्याणपुरा, कलोल ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पुर्वाचित सम्पतित् को वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वास्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसम अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

नन्त्रची

यह मिलकत सब-रिजस्ट्रार, क्लोल में स्थित है: कुल क्षेत्रफल 35 गूंठा है और स० नं० 252/213।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

दिमांक : 5-9-1984

म्योहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत लरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-॥, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश संबंजीव आरव नंव 2966/॥---अतः मुझे, जीव केव पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें इसके पश्चास 'जब्स विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-छ। से अधिक है

और जिसकी सं 0 10, मुनलाईट अपार्टमेंट हैं तथा जो फतेगंज, बड़ौदा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुचर्चा में और पूर्णध्य में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-1-1984,

को पृषेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के द्यमान प्रतिपन्न के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिपन्न से, एसे द्यमान प्रतिपन्न के पन्प्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपन्न निम्निसित उद्योध से उक्त अंतरण विस्तित में वास्तिक रूप से काभव नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उस्तो असने में सुनिधा के लिए: और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उसत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, जनत अभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों. विधात:---- (1) श्रं गोपाल रमणलाल सेनि। आतन्द भवन, वसो जिला० अखेडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रा नाथालाल खमचन्द शाह रूपचन्द शाह मुनलाईट अपार्टमेंट, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षरिक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धतिकरण : — इसमे प्रयूवत भव्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मिलकक्ष जो संब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 4172 तम्बर पर लाउ 3-1-84 को रजिस्टर्ड की गई। यह मिलकत, 10, मुन-लाईट अपार्टमेंट फतेगंज, बड़ौदा में स्थित है।

> जी० के० पंडया पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-ना अहमदाबाद

विनांक: 6-9~1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहाँ, टी. एत्. एस्.,------

भारा 269-म् (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आर० नं० 2967/।।---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 218 और 219 है। तथा जो खालीपुर, बड़ौदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुचची में और पूर्ण रूप मे विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-1-1984,

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं अाय की अवस उक्स विभिन्नियम के अधीन कुट दोने के अन्तरक औ नास्मित्य में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के निए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा से किया;

नतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लिमित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री भरतकुमार अनुभाई ठाकोर छावर्णः ता० बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरेन्द्रकुमार, रणछोड़भाई पटेल 4, भिक्तनगर, रेसकोर्स, बड़ौदा ।

(अन्त(रतो)

का यह स्वन। आरो करकं पूर्वोक्ष्य संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यित्तवर्धे '/र स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सी 45 विन के भीतर डाक्त स्थावर संगीतक मा द्वित्रबद्ध किसी अन्य वर्गावत युक्तरा अभाहरणक्षणी के पास लिखित मी किए बा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उत्म अध्याय में दिया गया है।

BREW

मिलकत का विकीदसाखत सब-रिजस्ट्रार, बड़ीदा में 27 नम्बर पर ना० 3-1-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-॥ अहमदाबाद

दिनांक : 6~9-1984

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार जायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 6 सिसम्बर 1984 निदेश मं० जी० आर० नं० 2968/॥---अतः मुझै, जी० के० पंड्या,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० ब्लाक नं० 44 और 5/केलनपुर है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुचर्चा में और पूर्णक्य से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-1-84,

कां पूर्वाक्त संपत्ति कं उ जित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्ती (अंतारितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कन, निम्निसिस उद्घेष्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे जवने में सुविधा के निष्; बाँद्र/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बक् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यवितयों, अर्थात् :--- (1) श्री भाईलालभाई मोहमलाल पटेल केलनपूर, बड़ीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमणभाई नानालाल भाई सवाजीगंज, बडौदा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवाचित सम्परित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हिसबबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मन्सूची

्रृ क्षि यह मिलकत सब-रजिस्ट्रार केलनपुर में 118 नम्बर पर ृता० 6-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है जिसका कुल क्षेत्रफल 2.38 एकड़ है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-॥ **अहमदाबा**द

दिनांक : 6-9-1984

महिर :

प्ररूप काइ". टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमवावाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० जो०आर० सं० 2969/II ---अतः मुझे, जी०के० पडंया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विक्वाम करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसको सं० 906 सापाडे, बडौदा है। नथा जो बडौदा में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणित है) रजीस्ट्रीकर्ता अधिकार: कि कार्यालय, बड़ौदा में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निविद्य में अस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से इन्द्रं किसी बाध की बाबत, उक्त बाधिनयम से सधीन के दोने के अन्तरक के बाधित्य में कभी करने वा अससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित (1) श्री हिनाई डाट्याभाई देसाई, अनुल सोसायटी बडीदा।

(अन्तरक)

(2) श्री जपन्तीभाई भाई देसाई पाघोडाया रोड़ बडौदा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित को वर्जन को सम्बन्ध मां कोहां भी आक्षेप 👉 🗸

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों। के भीतर पूर्वेक्टि बाट में से फिमी क्यांवित द्वारा.
- (था) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकींगे।

स्यव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत स्विभिन्यम के अध्याय 20-क में गीरभाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो जस कृष्याय में दिया गया हैं।

जनसंची

पंचाण दस्तखत सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 8921 नंबर पर ता० 4~1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है जिसकी सं० नं० 906 ग्रौर कुल क्षेत्रफल 2100 चौ० फुट है। जो सापोट सहसोल जिला बड़ौदा में स्थित है।

> जी०की० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II अहमबाबाद

तारीख: 6-9-1984

मोहरः

प्ररूप आहाँ ती एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी०आर० नं० 2970/11 ---अतः मुझे जी ० के ० पंडया

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमे** इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मत्या 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 434/2 है। तथा जो रनोली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित 🖟है); रजीस्ट्रकर्ता अधिकारः के कार्यालय बडौदा में रजीस्ट्री-करण अधिनियम । 908 (1908) का 16) के अधीन 6 जनवरी 1984।

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृतय से कम के दश्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्तानत संपरित का उचित आजार महस्य, असको इदयसान प्रतिकार अपार्थ क्रयमान प्रतिकल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निभ्ने जिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में जस्तीयक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आम की आजत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्य में कमी ऋरते या उत्तरों सभाने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा कॅ लिए)

अतः अदः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यांक्सियों, अर्थात् ह्र---

(1) रदेदास हाराभाई पटेस रनोल⊦ तहसःल–जिला–वडादा ।

(2) श्रा विट्टलदास परसोत्तमदास पटेल रेसकोस बङौदा ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सब रजिस्ट्रार बडौदा में 117 नम्बर पर ता० 6-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है जिसका सं० नं० 434/2 है।

> जा०के० पंडया समक्ष प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2/अहमदाबाद ।

तारोख: 6-9-1984

भोहर:

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० मी०आर०नं० 2971/11 — अतः मृझे जी०के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 383, 385 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपावह अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालक बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 जनवरी 1984।

को प्लेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए नन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, ऐसे रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण सं हुए किसी आप की बाबत उक्त जिथ-निवस के अभीन फर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसमें अभने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें एएस्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या विक्षा अभा जाहिए था लिए से स्रिया के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों अर्थात :--- 38—266GI/84

(1) श्री मुक्तूलभाई नटवरसाल दवे रामभाई मेन्टान सयगंजर्जा वडौदा।

(अन्तरक

(2) श्री विनोदचंद्र ग्रेच० सारोप कादली, जिला बडीदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिआधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यो

मिलकत जो सब रिजम्ट्रार बडौदा में 179 नंम्बर नारीख 9-1-84 में प्रजिस्टर्ड के गई है।

जिल्कि० पंडया भमक्ष प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11. अहमदाबाद ।

तारी**ख** : 6-9-1984

मोहर 🤄

प्रकृष् भाष्ट्री, टी., एन्., एस्. ००००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अधिकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी०आर०सं० 2972/11 —-अतः मुझे जी०के० पंडया

बायकर ब्रिंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसको सं० नानपुरा—906 चौ० फूट है। तथा जो सोटीन राइस, सूरत में स्थित है (ग्रोर इससे उपबद्ध अनुसूच। में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णिन है); रजीस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्याक्षय, सूरत में रजीस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908(1908) का 16) के अधान 21 जनवरी 1984।

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइं किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बाँड/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृदिस्थ के सिए प्र

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित स्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्राः रवेरपुरा ग्रेन० कोटवाल, 'सटोन टाडस', नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रा प्रेमाभाई जेठाभाई मोलंकी, नानपुरा, मुरत ।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भग्यित के अर्जन के लिए कार्यविहर्म करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्स अविस्तरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त श्रीधनियम् के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

अन्स्की

37-ईई का फोर्म ता० 21-1-84 को निम्नयुक्त कार्यालय में पेण किया गया है।

> जो०के० पंडया समक्ष प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त निराक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीखाः 6-9-1984

मोहर

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी०आर०नं० 2973/II ——अतः मुझे, जी०के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्क 55,000 '- सार से विधिक हैं

यांर जिसकः सं० प्लाट नं० 221, रोड नं० 6, है तथा जो डयना, सूरत में स्थित है (प्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है); रजोस्ट्रोक्षर्ता सहायक आयकर श्रायुक्त के कार्यालय, अहमदाबाद में रजास्ट्रीकरण अधिनयमः 37—ईई का 16 के अधान 21 जनवरी 1984 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्ध है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्तर हिप्त को अरि अन्तरका अतिफल के अरि अन्तरका अरि अन्तरका किए तथ पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन या जन्य कास्थियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

शतः अव, उत्त अधिनियमं की बारा 269-त की वन्सरण में में उक्त अधिनियमं की धारा 769-व की अधारा (१) .धीन, निम्निरिधिक व्यक्तिस्त क्षीत्रं ≱ (1) मैसर्स वसु येन्यु,→सम्सई ।

(अन्सरक)

(2) न्यू स्रोल-दन प्रोसेस, प्लांट न० 221, रोड नं० 6, उर्दना सूरत।

(श्रनरिती)

की यह स्थान बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्होकरणः—-इसमं प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

37ईई का फोर्म निम्नयुक्त कार्यालय में ता० 21-1-84 को पैश किया गया है।

जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारी**ख** : 6--9--1984

मोहर 🖫

प्रकृत नार्वे हो । एक प्रकृतनाम्य

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-14, ग्रहमदाबाद;
ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984
निदेश सं० जी०ग्रार०नं० 2974/¹I — ग्रतः मुझे,
जी०के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकातः 'उक्त अधिनियम' अहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रज्यये हे अधिक है

भौर जिसकी सं० ब्लोक नं० 79, सं०नं० 86, 88 से 9289) है। तथा जो पोखारा, तहसील प्यारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है); रिजीस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्यारा में रजीस्ट्री-करण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के एवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविषित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुमुभाई के श्री कपासामी स्रोफ, प्यारा, तहसील-प्यारा, जिला--सुरत ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रभाई नाथुभाई कतारगारा सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उन्कन स्थावर संपत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पध्दीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मिलकत जो पोखारा में स्थित है। सबर्गजस्ट्रार, प्यारा में 231 नम्बर पर तारीख 19-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी०के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद

नारीख : 6-9-1984

मोहर

प्रकृष आहे . टी . एन . एस

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अभीन तुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेण सं० जी०ग्रार०नं० 2975/11 — ग्रतः मुझे, जी०के० पंडया;

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुर. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव वार्ड नंव 10, नोंध नंव 433-ए हैं तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25 जनवरी 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उप्तत बाजार मृत्य उसके दृश्यमान अनिफल से, ऐसे दृश्यमान अनिफल का पन्तन प्रतिशत से मिविक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस चन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित से बास्तिक रूप से कवित नहीं किए गया है :~~

- (का) अध्वरण गड़ई किसी आध को बाबत, उपन आधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसी बचने में मुक्तिमा के लिए। भीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया काना वाहिए दा, खिपाने में स्निया के लिए;

(1) श्री महेश वरजीवाहदास,
 जी-11,
 देना परिपार,
 सूरत।

(श्रन्तरक)

(2) श्री डी० चंदुलाल छगनलाल. संग्रामपुरा, मूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस् सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत र्राधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुत्त्वी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रोजस्ट्रार ,सूरत में 684 नम्बर पर तारीख 25-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी०कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 6-9-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आध". टी., एस., एस., -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984 निदेश सं० जी०ग्रार०नं० 2976/11—श्रत: मुझे, जी०के० पंड्या,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० ब्लौक नं० 9, पर्लैट नं० 3 है तथा जो डयना, सूरज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10 जनवरी 1984

कां पृषंचित सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में अस्तिकल रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए आ छिपाने में ्रिजा के लिए;

जतः जब, जकत अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में जकत अधिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाण् क्षा श्री लक्ष्मीचंद भगाजी, कान्तीलाल डा० माह, रिंग रोंड, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्री रमीला ग्रमृतलाल, मार्कप्यु रोड, उदेना, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख त' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिति में हिसबद्ध फ़िसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकरीकरण : -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

मिलकत जो उदेना में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 181 नंम्बर पर तारीख 10-1-84 को रजिस्टर्ड, की गई है।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—I^I, श्रहमदाबाद

तारीख: 6-9-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहूँ. टी. ध्न. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के अधीन सचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984 निदेश सं० जी०ग्रार०नं० 2977/ , ---ग्रत: मुझे, जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 2, शंगरावाडी है तथा जो बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रजिस्ट्रीकरण हैं ग्रधिनियम; 1908(1908 का 16) के ग्रधीन 13 जनवरी 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया आ गा किया जाना पाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री भोलीपर ग्राल्फेड देसाई ग्रौर ग्रन्य बलसाड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश नारमदास पाटडीवाला ग्रांर ग्रन्य जपाररनगर सोसायटी, बलसाड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्नाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय विया गया हैं।

मिलकत जो बलसाड में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन बलसाड, सब रजिस्ट्रार कार्यालय में 201 नंम्बर पर तारीख़ 13-1-84 को किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षमः शासिकारी, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीख : 6—9—1984

प्ररूप भार टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11 ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी०ग्रार०नं० 2978एक्यू० 23-II/83~84— श्रतः मझे, जी०के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 902 है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 'का 16) के श्रधीन 28 जनवरी 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के ध्रमान प्रितिपत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, एसे द्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक मूल में किश्व नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी वागस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उन्ता की नियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिनी इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

.मस: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांस् क्ष्म--- (1) मैं ० श्रीराम श्रोपार्टमेन्ट, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार के० देसाई, 902, राजेश्वरी फ्लैट, नानपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमी प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय मो दिया गया हाँ!

अनुसूची

फोर्म नं० 37—ईई जो नारीख 28—1—84 को दरी कार्यातत्र में पेण किया गया है।

> जी०के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयेषार आयेष्क (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज—I, ग्रहमदावाद

तारी**ख** : 6—9—84

मोहर 🛚

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-11, ग्रहमदावाद

भ्रहमदाबाद, दिनाँक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार०न० 2979/H/84-85-- ग्रतः मुझे, जी०के० पंडया;

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शोप नं० 2, 1192 सूरत है तथा जो टेक्सटाईल मारकीट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है); रजीस्ट्रीकर्ता सहायक श्रायकर श्रायकत श्रितकत श्रायकत श्यकत श्रायकत श्रायकत श्रायकत श्रायकत श्रायकत श्रायकत श्रायकत श्राय

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक क्य में की थत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपकत आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के टायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; अपर था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उकत अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वै सिए:

बतः अभ, अभत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
39—266 GT84

(1) श्री जिनेन्द्र कुमार होमतलाल णाह, वस्बर्ड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो. केलोसन सिल्क गाल्स, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारों से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी हर । --इसी बाहुत शब्दी पार पदी का, जा स्वतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही धर्ष होगा, गो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्थी

फोर्म नं० 37-ईई जो तारीख 21-1-84 सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में पेण किया गया है।

> जी० के० पंडाया सक्षम प्राधिकारो सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रजेंन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

मारो**ख** : 6-9-1984

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अधीन सुमना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 16 ग्रगम्त 1984

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3107 है। तथा जो टैक्सटाईल मारकेट, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रजीस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनयम; 1908(1908) का 16) के श्रिधीन 30 जनवरी 1984

को पूर्णेक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य संक्रम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिब्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक स्प से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे अचने में सीवधा के लिए; और /या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित निक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रो वासुदेव स्दरलाल छवरोग्रा,
 215,
 मींधा मारकेट,
 पंचकुथा,
 श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री लाजबंति रामचद्र, कीणन कुमार रामचन्द्र, हरिनगर, मूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पृथंकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें करा व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अगस्यी

मिलकत जो टेक्सटाईल मारकेट, सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 764 नम्बर पर तारोख 30-1-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 16-8-1984

प्ररूप शहरी, टी. एन, एस. - - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 16 ग्रगम्त 1984 निदेश सं०पी०ग्रार०नं० 2909/II/84-85-ग्रतः मुझे, जी० के० पंडाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मृब्द 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 2104 है। तथा जो मूरन टेक्सटाईन, मारकेट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजीस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, सूरत में रजीस्ट्रीकरण श्रीधनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 25 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापकाँवत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निमिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिचित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण संहूर्ण किसी नाम की बाबसा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/मा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाडिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (1) श्री प्रवान चन्द्र छगनलाल पटेस,
 - (2) हरषदभाई छगनभाई पटेल, कैलाशनगर मोतायटी,

सूरत ।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री मदन गोपाल लाल चन्द्र श्रोझा,
 - (2) ययामसंदर लाल चन्द्र णर्मा,
 - (3) दीनदयाल लाल चन्द्रा श्रीझा,
 - (4) बसंत गोपाल भदनलाल स्रोझा, संग्रामपुरा,

सूरत ।

(ब्रन्गरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जा सकारी।

स्थंक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मिलकत जो सुरत मं स्थित है, सब रजिस्ट्रार, सूरत में 680 नंबर पर तारीखा 25-1-84 की रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज—II, म्रहमदाबाद

तारीख : 16-8-1984

प्ररूप आई. टी क्कप्रन. एसं.-----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रह्मदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाव 16 ६ भरत 1984

निदेश सं०पी० म्रार न 2910/II/84-85--म्रतः मुझे, जी० के पंडाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 75,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1056 है। तथा जो लक्ष्मी भुवन, आठवा, लाइन्स सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रंकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजीस्ट्रीकरण ग्राधिनियम; 1908(1908 का 16) के ग्राधीन 20 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-करं अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए।

कत: मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के. बन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) ससर्स स्थाट होम भौरगेनाईजेरस, हिस्सा मगनलाल एन पटेल. 63, नर्मद नगर सोसायटी, अठया लाईन्स. स्रत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भीखामोभाई प्रागजीभाग्री पटेल, पोस्ट श्रोफिस मोना, तहसील बारजेली, जिला सुरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो श्राठवा लाईन्स, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 566 नम्बर पर तारीख 20-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी ं के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 16-8-1984

प्रकृषं भार्दी, टी. एन. एसं.,-----

नायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~II, स्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 16 ब्रगस्त 1984

निदेण सं०जी०ग्रार नं० 2911/ /84~85—म्प्रतः मुझे, जी० के पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० नं० 4-4, बोर्ड नं० 13 है। तथा जो भ्राठका लाईन्स, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम; 1908(1908 का 16) के श्रधीन 18 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइं िकसी आय की बाबत उकत आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी अन **या अन्य आस्तियाँ** को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना **याहिए था**, छिपाने में सूर्विधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

न. एस. ----- (1) खूँगमते प्रकिणविन्द्र मोदी, विजय बिहार, का 43) की ग्राठवा लाईन्स, जना ग्राप्टवन पार्क, सूरत ।

(धन्सरक)

(2) ग्रमीत कुलीन मेहता, भ्रे०3 वैभव ग्रपार्टमेन्ट, ग्राठवा लाईन्स, मूरत ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हू ।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्स न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्थाना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मिलक्त जो श्राठव। लाईन्स, सूरत में स्थित हैं। सब रिजिस्ट्रार, सूरत में 4503 नम्बर पर तारीख 18-1-84 की रिजिस्टर्ड की गई हैं।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकंर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

मारीख : 16-8-1984

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन[े] रेंज,—II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 अगस्त 1984

निवेण भंजपीवआरवनंव 2912-II/84-85—अत मुझे, जाव केव पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचितं बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 1395 बार्ड नं० 1दूसरी मंजिल है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); राजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के बार्यालय. सूरत में रजीस्ट्रीकारण अधिक्यम; 1908 (1908 वर्ष 16) के अधीन 12 जनकरी 1984

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व बें कमी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के अधिन

कराः गयः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भैः भैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कान्तीलाल एव० गाह, टैकारा फलिआ, सगडीया।

(अन्तरक)

(2) श्री शेखर रमेशचन्त्र मेहता 11,ए, भूलाभाई देंसाई रोड, वालकेश्वर वस्वई।

(अन्तरती)

को वह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियों क्र्रा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्परिस में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और दों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मिलकत गर्त वार्ड नं० 1, नोर्थ नं० 1390, सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 231 नंबर पर ता० 12-1-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयु**क्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II_Iअहम**ा**बाद

वारीख : 16-8-1984

मक्य बाह् . टी . एन . एस . ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आए० नं० 2913/ ---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- छ. में अधिक है

और जिसकी संव नार्थ नंव 1137, वार्ड नंव 10 है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीजर्ता अधिकारी के लार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-84

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल का निम्नितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल किस निम्नितियां पटा रण से उत्तर अन्तरण किसित में अन्तरिक क्या से किसत महीं किया गया है क्या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों का, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जिल्हों में सिवधा के लिए;

कतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, भाँ, स्वक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सधीन, निय्नतिस्थित व्यक्तिस्याँ, अधीत् र---- श्रीमती बल्पना सरन बहन, अशोक कुमार मेहता, मोपारीबाला सदन, अभ्बाजा रोड़, सूरत।

(अन्तर्क्)

 श्रीमती जयश्रीबहन गरतचंद्रा दीक्षित, मुनसफनी गेरी, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

बन्स्या

मिलकत जो वार्डनं० 10, नार्थनं० 1137, सूरत में स्थित है जिसदा कुल क्षेत्रिकल 825 चौ० फुट है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 121 नंबर पर तारीख 7-1-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-ार, अहमदाबाद

नारीख: 16−8-1984

प्ररूप जाइ². टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजः II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांश 16 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2914/II---अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

कौर जिसकी सं 3272-ए.०/3272-की० है तथा जो काजी मदान, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-1-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अध्यक्ष है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वृत्ते के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सिविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री मूलजीभाई नाथाभाई पटेल, स्टलिंग अपार्टमेंट, काजी मैवान, सूरत ।

(अन्तरक)

2. श्री मुरेणभाई अंबालाल णाह, 408, स्मिता अंपार्टमेंट, काजी मैदान, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्मित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ेहैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

मिलकिथन जो गोषीपुरा, सूरत में, स्टर्लींग अपार्टमेंट में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 74 नंबर पर तारीख 6~1~84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज 1- , अ**हमदाबाद**

तारीख: 16--8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-रा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० $2915/\Pi$ —-अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका उच्चित बादार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० क्रमांश नं० 1034, है तथा जो गणेश सिसोदरा, ता० लक्सारी में स्थत है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीलर्त्ता अधिकारी के दायलिय, नक्साी में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख 20-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से विधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसते बचने में अविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुदिधा के जिला

कतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :——
40---266GI|84

श्री लल्लूभाई प्रेमाभाई पटेल
 श्री अर्रिवदभाई लल्लूभाई पटेल
 श्री दिनेशभाई लल्लूभाई पटेल
 श्रीमती काशीनवे लल्लूभाई पटेल
 पोस्ट---गणेश सिसोदरा,
 गा० विसारी।

(अस्तर्क)

- 2. (1) श्री नायुभाई कानजीभाई पटेल
 - (2) श्री रामजीभाई नाथाभाई पटेल
 - (3) श्री प्रदीपभाई पटेल गणेश सिसोदरा, ता० नवसारी।

(ग्रस्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्वकाशिकरणः --- इसमें प्रमुख्य सन्दों और पृष्टों का, को उपका विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस बध्याय में दिवा गया हैं।

नन्स्ची

मिलकियत जो गणेश सिसोवरा में स्थित है। सब रिष्ट्रार नवसारी में 196 नंबर पर तारीख 20-1-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I[, अहमदाबाद

तारीख: 10~8-1984

परूप आइ. टी, एन. एस.-----

आयकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2916/11—अतः मुझे, जी० के० पंडाया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-छ से अधिक हैं

और जिसकी सं बलाक नं 303, है तथा जो उन, ता निक्सारी में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निक्सारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-84

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, ग्रिमिसिश्वत उद्विषय से उस्त अन्तरण जिस्ति में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

 श्री वल्लभभाई भीखाभाई पटेल, उम, ता० नवसारी; जिला वलसाड।

(अन्तरक)

2. श्री भवानजी अरसीभाई जुकडीया, बल्लभनगर सोसायटी, आशापुरी, नवसारी।

(अन्सरिती)

को यह सृष्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी साक्ष्य :---

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकी।

स्थव्हीकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में जरिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अवस्थी

मिलकियत जो गांव उन में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, नवसारी में 210 नंबर पर तारीख 21-1-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंक्रया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

तारीख: 10-8-1984

प्रक्ष भाई.टी.एन.एस. ------

आयंकर वर्षितिचन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के **अभी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्तं (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2917/II——अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11/5, ब्लाक नं० 101 है तथा जो यतीन अपार्टमेंट, नवमारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकृरण अधिनयम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन, नारीख 27-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित भागर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे रहममान प्रतिकृत का अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाग गया प्रतिकृत, निम्नितिखत उद्देष्य से उकत अन्तरण निम्नितिखत से वीम वाम्तिकृत कर से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक वी बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (न) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1900 के 14) जा अबन अधिनियम, पा तनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृविधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- 1. मैं श्री जेम्स पार्टनर्स.
 - (1) श्री रिश्तकाल चंद्रशास गाँवी
 - (2) श्री जितेन्द्र भोगीलाल मेहता, 64, आगावाग, नवसारी।

(अन्**तर**∓)

- 2. (1) श्री कमल जयेन्द्र कुमार मेहता,
 - (2) श्रीमती तरुणावेन नानू भाई मेहता, 101, यतीन अपार्टमेंट, नवसारी।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्यालार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिनक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उपन अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिमाधिस है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

मिलकियत जो यतीन अपार्टमेंट, नवसारी में स्थित है जिसका फ्लैंट नं० 101 और कुल क्षेत्रफल 880 चौ० फुट है। सब रिजस्ट्रार, नवसारी में 253 नवर पर नारीख 27-1-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया स**क्षम** प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारी**ख**: 10--8--1984

मोहरः

प्रारुप आई. टी. एन. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2918/II--अतः मुझे, जी० के०**पंड**या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 69/1 है तथा जो नन्देवाल ता० भरुच में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख 3-1-84

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खे सिए;

अतः अवः, उक्त जिपिनियमं कौ भारा 269-ग के अनुसरक् ओं, में, अक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिरि श्री वली उमरजी० ईसप,
 श्री सलीम बली पटेल,
 करमाङ,
 ता० भरुष।

(अन्तरक)

श्री जबीर मोहम्मद हफेजी,
 श्री ईस्माइल पटेल,
 करमाड,
 ता०भड्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोबत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरः करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीन जो नंदेवाल में स्थित है जिसका स० नं० 69/1 और 3 एकर, 23 गूंठा का कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार, भरुष में 20 नंबर पर तारीख 3-1-84 को रजिस्टई की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-8-1984

प्रकार कार्यः स्त्रीः एतः, एमः,-------

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थान भारत तरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 84 निर्देश सं०पी० आर० नं० 2919/II---अतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या आर० एम०/345, है तथा जो अन्नामा ता० वालसाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय, वलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांका 18-1-84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उमित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उमित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रति-फल निम्निलिसित उस्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तियक कम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाम की बाबल उक्त श्रीध-निवृत के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में तृतिभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय पा किसी भन वा बन्य शास्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर श्रीभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीभिनयम, या धन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) 1. सुमंतराय भानाभाई देसाई
उमेश सुमंतराय
2. समीर सुमंतराय देसाई
3. शीभनावेष सुमंतराय देसाई
अन्नामा, ता० बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ बेस्टनंइन्डिया मेरनेटस प्रा० लि॰ ए०12, ला राम शोपिंग सेन्टर एस० वो० रोड़, ग्रंधेरी, बम्बई ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उसत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बहुश किसी अगर कादित द्वारा अप्रत्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

जमीन जो अन्नामा गांव में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र-फल 29947 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड में 228 नंबर पर ता० 18-1-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II अहमदाबाद

दिनांक :- 17-8-84

मोहर :--

त्ररूप मार्द्र : टी. एन . एस . -

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेण नं० पी० आर० नं० 2920/II अतः मुझे, जी० के पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 322/1 पैकी जमीन जो है तथा जो असामा, ता० बालसाड में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय में बालसाड में रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 24 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह जिड़दास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपील फा उषिता बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एमें इश्यमान प्रतिफल का पत्झर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाब की बाक्ध, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविका के जिए बीट्/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तिबों को, जिन्हों भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर जिस्सीलिक व्यक्तियों, अर्थात (1) मै० मुलेर और फालिप्स इन्डोया लि० श्री चन्द्रकांत ठाकोरदास पारेख बाससाड

(अन्सरक)

(2) सीड मेक लेबोरेटरीज (इन्डाया) प्रा० डायरेक्टर श्री जितेन्द्र बालुभाई देसाई बालसाड,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण — हममें प्रयुक्त शब्दों और पतो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मग्त्र्याः

जमीन जो अन्नासा में स्थित है सब रजिस्ट्रार बालसाड में 429 नंम्बर पर दिनांक 24 जनवरी 1984 की रजिस्टर्ड की गहै है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज-11 अहमदांबंदि

दिनोकः :-- 17--8--84 -मोहरः :-- अक्ष बाद्र'. टी. एम. एक्.-----

नायकर अधिनिसभ, 1961 (1961 क्स 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचन.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज— अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18अगस्त 1984

निदेश नं० पं:० आर० नं० 2921/H—अतः सुप्ते, जी० के० पंडया

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधीनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित याजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव कार्यालय नंव 532 (295 वर्ग फुट), है। तथा जो अजंसा मापींग सेन्टर सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीप पूर्ण रूप से विणत है), सहायक आयक्तर आयुक्त अधिकार। 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवर। 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य हे काम के रहयमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कल निम्नितियांत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; शरि/बा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-का अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वा पर्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किराया भा या किया जाना पाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए:

जतः शवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन, जिस्नीलिखिङ व्यक्तियां, अर्थात् ः— (1) मै शान्तः बिरुर्डस रिंग रोडः, सूरत ।

(अन्तरक्)

(2) मै० श्रो सिन्धेटीमस लि० पोस्टबाम्स नं० 6 उज्जीन (एम० पा०)

(अन्तरित्रे)

भा यह स्थाना चार्डी करके प्यानित सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

जनत सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येय:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्वींच नाद में समान्त होती हो, के मीतर प्रजेतिक स्पन्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारर:
- (क) इंड कृषना के राजपण के प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितनवृष किसी अन्य क्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिलाहरू में किला का सकेंग ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37 ईई इस कार्यालय में जनवरी 84 में यह पेण किया है।

> जी० के० पंडया सञम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

विनांक:- 18-8-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचाना

भारत सरकार

कार्वालय. तहायक आयकार आयुक्त (गिरीकण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 18 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2922/II—अतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-स के अधीन सक्ष्म पाधिकारी को यह त्रिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य

स्रोर जिसकी मं० कार्यालय नं० 533-295 चो० फुट है तथा जो अघेता शोपींग मेन्टर मूरत में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ़े पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, अगर हज्यमान प्रतिफल से एमें रूप्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तकत अधिनियम, या धन धन श्रीपित्रियण, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिए;

जतः जब, जक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण मं:, मैं , जक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थास् :----

(1) शान्ती बिल्डर्स । रिंग रोड़, मुस्त ।

(अन्तरक)

(2) मैं० श्री सीतथेटीक्स लि० माक्सी रोड़, उज्जन (एम० पी०),

(अन्नरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उभत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन कि अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इदारा.
- (ख) एंभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में क्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरि।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हों!

मनुसूची

कार्म न० 37 ईई इस कार्यालय में जनवरी 84 में पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--। अहमदाबाद

दिनांक :- 18-8-84

मोहर :--

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

गायकर ग्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की शारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भाउत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -- 2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2923/II--अतः मुझे, जी० के० पंड्या ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठीकत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी मं० कार्यालय नं० 534, हैं तथा जो रिगरोड, मूरत में स्थित हैं और इसमे उपावत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आयकर आयकत 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 84

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का करण है कि अथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य क्राफ इश्यमान प्रतिकाल से, एसे इश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अगिरितियां) के बीच एसे अन्तरण है लिए तर पासा गया प्रतिकाल, निम्मितिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में अम्मितिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसीं जाव की बाबत, उक्त में कमी करने था उससे बचने में स्विधा के जिए; जिमित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व और/या
- (क्ष) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य कास्तिवों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 192∠ (1020 का 11) के उंतन अधिनियम मा धन- धर प्रशिविधम 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्ध अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निक्तः

जन जह, सकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्ते अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्तिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---41--266GI[84 (1) मै० कांसि बिल्डर्म रिंग रोड़ सूरत ।

(अन्तरक)

(1) मैं० श्री मीन्थैटीक्स लिए नौलखी माक्सी रोड़, उन्जैस, (एम० पी०),

(जन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्तिः के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में असाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिहत में सिंग वा सकेंगे।

ह्मच्दीकरणः——इसमं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं

मन्स्ची

फार्म नं० 37 ईई, जो जनवरी 84 में यह कायलिय में पेश किया है।

> जीव केव पंड्या मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

विनांक : 18~8~84

सोहर ः

प्रक्रम आर्ड, टी. एम. एस. ...------

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क्ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आए० नं० 2924/II—अन: मुझे जी० के० पंडमा

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपण्डि, जिसका ज़िब्त राजार जल्म 25,000 ∕- रा. से अधिक है:

और जिसकी संव कार्यालय नं 221, 265 चौव फीट है सथा जो अन्जन्य गोपींग सेन्टर, सूरक में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय में अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम आयकर आयुक्त 37ईई के अधीन जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के ब्लाह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और बनरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ब्रिया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य अरितयों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वित्य की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैं० शान्ती दिल्डर्स अजन्य शोपीय सेन्टर, रिंग रोड़, सूरता।

(अन्तरक)

(2) श्री मुनील आर्मारदार 44, संगम सोभायटी मुर्भ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए अ गर्क गे।

स्पस्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

फार्म नं० 37 ईई, पर कार्यालय में जनवरी 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडथा सक्षम प्राधिकारी यहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेश रेंज-11, अहमदाबाद

विनांकः : 18--१--१

्रा<u>स्त्र ६ व्याप्त</u>्र <u>१ व्याप्त</u>्र १ व्याप्त्र <u>१ व्याप्त</u> १ व्याप्त्र १ व्याप्त्र १ व्याप्त्र १ व्याप्त्र १ व्याप्त

जाबफर अभिनियम 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2925/II---अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक हैं

और जिसकी संव ऑफिस नंव 336 295 वर्गफुट है। तथा जो अजन्ता शापींग सेन्टर. रिंगरोड, सूरत में स्थित है (और इसने उपवाद अनुमूच) में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदावाद में रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम ग्रायकर अधिकत 37ईई के अवीन जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकाम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सल्य, उसकार कारण के किया के क्षार अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरक से हुर्द किसी आय की वाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी कर्त या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग की जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (₁) ो अधीग, निस्तितिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मैं० शान्ती बिल्डर्स रिंग रोड, सुरत

(अन्तरक)

(2) श्रं अणोक भा**ई** मगन लाल मोदी 55, क्रिशन(कुंज सोसायटी, आथवा लाइन्स, सुरत ।

(अन्तरितीं)

को यह सूर्चना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्थन के संबंध में कोई भी अक्षंप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फार्म नं० 37 ईई जनवरी 84 में निम्नायुक्त कार्या-लय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंज्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

दिनांक : 18-8-84

प्रकृप कार्ष . दी , एव , एक , -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1984 निवेश नं० पी०. आर० नं० 2926/II---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि. सं अधिक हैं

और जिसकी संक्रकार्यालय नंक 740, अजन्ता भोषींग संन्दर है तथा जो रिगरोड़ सूरत में स्थित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम आयरूर आयुक्त निरीक्षण 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम के अबीन 5 जनवरी 84

का एशेंक्ल सम्पत्ति के लिखत बाजार मूल्य में कम के स्त्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार जूल्य, उसके स्वमान प्रतिफल से एसे स्त्यमान प्रतिफल का बज्यह प्रतिकृत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तम पाना क्या प्रति-क्स निम्नीशिक्त उद्योग्य से अवत बंतरण कि चित में यास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अध्यास वं हुई किनी अप का बाबत कनत करि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए की द्र/वा
- (व) क्षेत्री किसी बान का किसी भन वा कर्क वास्तिकों को, किन्हुं नारसीय बावकर वीभीनयन, 1922 (1922 का 11) या उन्तर व्यक्षितियन, वा भन-कर वीभीनयन, वा भन-कर वीभीनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोदनार्थ व्यक्षितियन, वा भाव प्रवासिक वा प्रवसिक वा प्रवासिक वा प्रवासिक वा प्रवासिक वा प्रवासिक वा प्रवासिक

अत अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व ल्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— (1) मै॰ शास्ती बिल्डर्स रिंग रोड सुरत

(अन्तरक)

(2) श्री अशोककुमार जलन सूरत टेक्सटाईल्स मार्किट, दूसरी मंत्रील, रिंगरोड, सूरत

(अन्तिरिती)

को यह स्थना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित ध्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत श्रीधिनाःम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^क, बही अर्थ होंगा को जम अध्याय औं विद्यात गमा है।

मन्स्ची

फार्म नं० 37 ईई जनवरी 5, 84 को निम्नयुक्त कार्या-लय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडय। सक्षम प्राधिकारी हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

विनोक :- 18-8-84 मोहर प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाफ 18 अगस्त 1984

निदेश सं० पे ℓ ० आए० नं० 2927/H—अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्धात् 'उदल अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 520 है तथा जो अजन्ता गापिंग सेंटर रिंग रोड सूरत में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्थ मे विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सहायप आयक्त के कार्यालय अहमदावाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम सहायक आयक्त अध्यक्त,

37 ईई के कार्यालय के अधीन तारीख 5-1-1984
को पूर्वीक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिदात से जीवक हो और अतरक (अंतरका) आप अतिपती
(अंतरितियी) के बीच एक अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकम, निक्नतिक्तित उद्देश्य से अका अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुव् किसी आयु की बाब्त, उक्त बिभिनियम के अभीन कर घेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1६) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकाद नहीं किया भया था या किस। आना चाहिए आ कियाने में संदिश्या के निए।

मतः वय, उसत मिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण मं, सें, अवस अभिनियम की भारा 269-चं की उपभारा (1) के अभीन, निज्निवितिक व्यक्तियों, कर्यात्ः— (1) मैं शास्ति बिल्डेंस रिंग रोड़, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्रा राविन्द्र कुमार जैन 50 काटन स्ट्रोट कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यसाहिमां करता हो।

अवतः अम्पन्ति के गर्जन के एक्बन्ध में कोई भी आक्षोप ::--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांक्त ब्याराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य स्थावत स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाड़ किसी अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयः है।

पगसर्ची

फार्म मं० 37ईई जो 5⊶1⊶1984 को निम्नयुक्त में पेश किया गया है

> जी० के० पंडया सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

विनांक: 18-8-1984

प्रकृत भारति हो. श्रुष् पुर्व व्यवस्थान

आयकार आधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

धारम क्रकार

कार्याक्य, तहार्क भारकर कार्यक (निराद्धण)

अर्जन रेंज-्री। हेण्डलूम हाउस अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1984

निवेश सं० पा आर नं० 2928/11—-अतः मुझे, जीत के० पंडया

कायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विभिनियस' कहा गया हैं) की भाष 269-स के वभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित विस्ता उचित बाबार यूच्य 25,000/- का से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी संव अ।फिस नंव 243 है तथा जो अजन्ता सोपिंग सेंटर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता

अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में राजिस्ट्रीकरण अधिनियमम 1908 (1908 का 16) के अबीन तार्राख 5~1-1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रांतफल सं, एने दृश्यमान श्रांतफल का पन्त्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीत-कस निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्य-विक स्थ से कृषित नहीं किया प्रा हैं

- (क) बन्धरण वे हुई कियाँ बाय की बायत प्रवस्त विध-सिवन के बधीन कर दोने के बन्सरक के दासित्व में ख़बी करने वा बख्ये बुधने में बृष्धिमा के सिवं; जोड़/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया. था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अश्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ का उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं० शास्ति बिल्डर्स रिंग रोड़ सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील जागीरदार (एघ यु एफ) 44 संगम, सोसायटी आइपा लाईन्स सुरत ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हैं।

बक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सभवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीस सं 45 दिन को भीडर उकत स्थायर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाप निमित्त में किए का सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फोर्म र्न० 37ईई जो 5-1-1984 को निम्नायुक्त कार्यालय में पेश किया गया है

> जी के पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 18-8-1984

प्रक्रमः वार्षः टी. एतः एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर नाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--11, हैण्डलूम हाऊस, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्न 1984

निदेश सं० पी आर नं० 2929/H—-अतः मृत्रों, जी के पंड्या.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य' 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० आफिस नं० 521 है तथा जो अजन्ता गार्षिण सेंटर सूरत में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत भारीख 5-1-1984

भी भूथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्ता से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे जनते में सुनिधा के लिए; नौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृजिआ के निष्

जतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपवास () के अनीन, निम्नोलिश्वित व्यक्तिसमों, अशित :- (1) मैं० ग्रान्ति बिल्डर्म रिगरोड़, सुरस ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीं। विरेन्द्र कुमार जैन 50 काटन स्ट्रं।ट कलकत्ना।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि अविधि, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबद्ध फिसी कन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किये जा सकोंसे।

स्यव्दोकरण : — इशमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

बन्त्ची

फोर्म नं० 37ईई जो 5-1-1984 को निम्नआयुक्त के कार्यालय में पेण किया गया है।

> जी के पंडय सक्षम प्राधिकारत सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

दिनांफ : 18-8--1984

प्ररूप भार्तः ही. एन. एस. -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, हैण्डल्म ह। ऊस, अहमदाबाध

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1984

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,010/-रु. स अधिक है

म्रोर जिसकी सं० आफिम नं० 332 है तथा जो रिंग रोड़ सूरत में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यास्य, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अयोग तारीख 21--1--1984

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास वाने का कारण है कि यथापूर्णेक्त गम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दश्यमान एतिफल से, एमे इश्यमान एतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्स अधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिक्षा के लिए;

(1) मैं । शान्ति विल्डमें ,रिंग रोड,सुरत ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० एलोपेटर इलेक्ट्रिकल श्रौर मे० रिव कार्पोरेशन, जोवनदीप, नानकपुरा, मुरुत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से . 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा अभोहस्ताक्षरी के णम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्र्याः

37ईई का फार्म जो 19→1→1984 को निम्नग्रायुक्त कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अथित :---

दिनांकः : 18~8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

क्षायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालय. यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, हेन्डलूम हाउस, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2931/ ^{I}I —भ्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

भागवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 694, पैकी प्लाट नं० 28 है तथा जो सेक्टर नं० 21, गांधीनगर 330 घौरसघाट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-1-1984

को पूर्णेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर येने के अन्तरक के वासित्त में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिए व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री खंडपरसु छतरसिंह बारोट, बडौदा हाल वास्तुनिर्माण सोसायटी, सेक्टर न० 21, गांधीनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनवर्रासह शीर्वासहजी गोहिल मार्फत डी० एस० भाडीजा, सेक्टर, नं० 20, 13, 14 गोधीनगर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाञ्च लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ कोगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ!

वन्स्यी

सब रिजस्ट्रार, गांधीनगर में पेचाण-खप्त किया गया है जिसका प्लाट नं 24 श्रीर मुख्य प्लाट नं 694 है जो वस्तुनिर्माण सोसायटी, सेक्टर नं 11, गांधीनगगर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 330 चौ भी है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

विनांक : 14-8-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

णायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीम स्वना

गाइस सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद दिनांक 24 श्रगस्त, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2932/II—ग्रतः [भुझे, णी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य, 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० षुकान नं० 869 है तथा जो सेक्टर नं० 21, गांधीनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 31-1-1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफास को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एमे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण से लिय तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरम निम्नलिखित अंद्वेद्य से उक्त अन्तरम निम्नलिखन अन्तरम निम्नलिखन अन्तरम निम्नलिखन अन्तरम निम्नलिखन अन्तरम निम्नलिखन अन्तरम निम्नलिखन स्वाप्त निम्नलिखन अन्तरम निम्नलिखन स्वाप्त स्वाप्त

- (क) श्रारण संहुर्य किसी श्राय की शहरा, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के श्रीदृश्य में कभी करने या उससे वजने में स्विधा के शिहु; बहु-शा
- (क) ऐसी किसीं आयं या किसीं धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुनारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में गुजिया के सिए;

अतः अयं, उवत विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उका अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसिस म्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गिरधरलाल भःइचन्द्र मिस्त्री शुक्ल-खडकी, धनासुधर की पोल, कालूपुर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोमचन्द कचरालाल शाह 543, महावीर सोसायटी, सेक्टर नं० 21, गांधीनगर ।

(ग्रन्तरिती)

की थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से ^5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भे. अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति हुवागा.
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए वा सकोंगे।

स्प्रतीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, उही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सब रजिस्ट्रार, गांधीनग रमें मिलकत का बस्तखत किया गया है पर मिलकत जो सेक्टर नं० 21, शाप नं० 869 पर स्थित है जिसका कुल क्षेंत्रफल 72 ची० मी० है ग्रीर जमीन कुल क्षेत्र 135 ची० मी० है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 24-8-1984

मोहर 🛭

प्रकप बाह् . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-2, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाव, विनांक 24 ग्रगस्त, 1984

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 2933/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टेनामेंटस नं० 15बी, प्लाट एरिया 250 चौ० मी० है तथा जो सर्किल 99 चौ० पार बावला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, घोलका में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 30-1-1984

ां। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकल का पद्ध प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में कास्त्रिक स्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; औद्व/या
- (क्ष) एसी किसी जाय ना किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः बद्ध उक्त अधिनियम की धारा 269-य के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् र— (1) श्री रमनलाल त्रिकमलाल छत्रपति, मंत्री श्री कान्तीलाल पुरषोतमदास ग्रीर नरोतमदास गंजलाल ठक्कर, 35-ए० पी० एन० टी० सोसायटी, वेजलपुर, बावला, ता० घोलका ।

(अन्तरक)

(2) भोठ चन्त्रकांन्त वनमालीदास नं० 2, कल्पना सोसायटी, रामवाग, मनीनगर, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.।

अनुसूची

सब रिजस्ट्रार, धोलका में मलकत का तस्तखत किया गया है जिसका टेनामेंट नं० 15बी० है जिसका कुल क्षेत्रफल 250 चौ० मी० है । रिजस्टर्ड न० 108 जो तारीख 30-1-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 24-8-1984

मोहूर 🛭

प्ररूप आई' टी एन प्रस्

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद दिनांक 17 ग्रगस्त, 1984

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2934/II—म्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है, कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 146, धकलाशी पाटी है तथा जो 22, रोहिणी सोसायटी, कालेज रोड़ नडीयाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-1-1498

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृकेंक्त संपरित का उपित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्योदय से उपल अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- रैंक) अन्तरण से हुइ किसीं आय की वाबस, उपकत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्य में कमी करने या उससे अचने में भृतिशा के सिए; और/सा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री हरषादभाई भाईलाल भाई पटेल 22, रोहिणी सोसायटी, कालेज रोड़, नडीयाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) वीरवालावेन रमनलाल देसाई 22, रोहिणी सोसायटी, कालेज रोड़, नडीयाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

मनुसुची

म्कान नं० 22, जिसका कुल क्षेत्रफल 90 चौ० मी० है जो रोहिणी सोसायटी में स्थित है जिसका सं० नं० 146 है। सब रजिस्ट्रार नडीयाद में 624 नं० पर तारीख 17-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के०पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

जितः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक : 17-8-1984

मोहर ः

प्रकृष बाइं टी. एन. एस्..-----

जाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शाक्षण) प्रजीन रेज-2, श्रष्टमदाबाद श्रष्टमदाबाद दिनांक 17 श्रगस्त, 1984

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2935/II—म्प्रत: मुझे, जी० के० पंष्टया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है:

श्रीर जिसकी सं० नं० 953,वानसोल है तथा जो श्रानंद में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रानंद में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताराख 3-1-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण हो लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्ति उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वाबत, सक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के 130: अंद/या
- (च) ऐसी किसी आयु या किसी धन या बन्य आहित्यों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा की निए;

(1) श्रो पठान भोखनक्षा ईज्जतक्षां, वानसोल, ता० ग्रानंद, जिला खेडा ।

(ग्रन्सरक)

(2) पटेल दशरथलाल ग्रम्बालाल वनसोल, ता० ग्रानंद, जिला खेडा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाओब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितु है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3 ए० 3 गज है जो शाप वनसोल, ता० श्रानंद में स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2. ग्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्स अयिक्तां, अधीन् कार्

दिनांक : 17-8-1984

प्रक्ष बाह्र , दी, एन, एस, ----------

भायकर भिर्मितयम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्भाष)

भ्रजेन रेज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनोक 17 भ्रगस्त, 1984 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2936/II--अतः मुझे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

भौर जित्तकी सं० 2192/2 नडीयाद है तथा जो नडीयाद जिला खेडा में स्थित है (धौर इससे ज्याबद अनुसूची में भौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नडीयाद में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख 13-1-1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात में अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किती जान की नानत, उपस् अभिनियम के जभीन कर योगे के जन्तरक के सायत्व में कनी करने वा उच्चे वचने में सुविधा के नियः और/मा
- (ब) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शान्तिभाई हीराभाई पटेल ग्रीर शारवासरन हीरालाल पटेल नूरे ईलाही सोसायटी, नडीयाद।

(भन्तरक)

(2) श्री नासरन मीकरीमभाई व्होरा नूरे ईलाही सोसायटी, नडीयाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करने पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन् के हिन्धु कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्र---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाराः भशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पर्ध्यक्रिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

वनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 2192/2 है जो हीरजी पाटी नडीयाद में स्थित है । सब रजिस्ट्रार, नडीयाद में 598 नं० पर स्थित तारीखा 13~1-1984 को , रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, ध्रहमदाबाद

विनांक: 17-8-1984

प्ररूप मार्ड .टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद दिनांक 17 भगस्त, 1984

निदेश सं० पी० ध्रार० नं० 2937/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- फु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2-ए०, मकान नं० 3 है तथा जो देना बैंक परिवार सोसायटी श्रानंद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीष्ठकारों के कार्यालय श्रानंद में रिजट्रीकरण श्रीष्ठिनयम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 17-1-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिएह और√या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ज्ञतः ज्ञान, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री कान्तीभाई सोमाभाई पटेल आईसे फैक्टरी के पास शंकर भवन, आनंद ।

(अन्तरक)

(2) श्री डीं० जीं० पारीख इन्टरनेशनल आटोमोबाईल्स 294ई, क्रोस कट रोड़, कोयम्बदुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकर्गे।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया । या है।

नन्स्ची

पंचाण दस्तखत सब रजिस्ट्रार, आनंद में किया गया है जिसका कुल क्षेत्रफल 110 चौ० मी० है और बांधकाम का क्षेत्रफल 92 चौ० मी० है जो देनाबैंक सोस'यटो में स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, अहमदाबाद

दिनांक : 17-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीत स्चता

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर बाय्क्त (निर्धिक्क) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमधाबाद दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2940/11—अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन केलनपुर है तथा जो ता० जिला बड़ीदा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिनस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय, में बड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण आधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एोसे उद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण तं हुई किसी आम की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिमी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कैं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) कें अभीन, निम्मलिखिट व्यक्तियों अर्थात् 2(1) श्री मसरू भाई भगवानभाई राबरी केलनपुर, जिला बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) तेजस कार्पोरेशन, केलनपुरा, हरिपुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए का सकी।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया ही।

अमुस्ची

पंचाण दस्तखत सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में किया गया है और जमीन केलनपुर, जिला बडौदा में स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 10-9-1984

भक्ष वार्ष_{ः।} टी., एक., एस.,------

आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

म्र हमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 2931/II—ग्रतः मुझे, जी०के० पंडया

कायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद जिस्त मिशिनयम कहा गया ही), की वारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० फ्लेट भावर्भ धपार्टमेंट है तथा जो रामपुरा बड़ौदा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूओ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वाबत, उक्त अधिनिक्स के अधीन कुट दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; जॉद/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के सिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात — 43—266 GI 84

(1) श्री मुसाभाई रसूलभाई कालापीट, ता० रोसोट जिला भदच ।

(श्रन्तरक)

(2) भोजानी फैंमिली ट्रस्ट ट्रस्टी:—श्री छोटुभाई ए भोजानी रावपुरा, बहौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जकत 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लेट जो ग्रादर्श ग्रपार्टमेंट, रावपुरा, ब<mark>डौदा</mark> में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन सब-रजिस्ट्रार, बडौदा में हो चुका है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, श्रहमदाबाद

दिनांक :10-9-1984

प्रकृष कार्ड . टी. एन . एस.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1984;

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 2982—ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 171 से 182 है तथा जो प्रतापगंज नाका बड़ौदा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रभिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिकित उद्वेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) कुं अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) जहांगीरशा करीमरोज धनोप प्रतापगंज बड़ौदा, बीं०-4, उमा अपार्टमेंट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मती शांतासरन रामचन्ददास ठक्कर छणी, सड़ौदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

मकान जो प्रतापगंज नाका में स्थित है जिसका सं० नं० 171 से 182 है श्रीर सब रजिस्ट्रार, बडीदा में रजिस्ट्रेशन हो गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 10-9-1984

मोहर 🖫

प्रक्य नार्च , द्वी. एन , एस.,------

नायकर विभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्थाना

· भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, आजम रोड, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० पी० म्रार० नं० 2983/I^I—-म्रतः मुझे, जी० के० पंडया

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव 1/2, संव में व 125/बीव, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत उक्त बाँध-वियम के अभीव कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कपूने या उन्से वचने में सुविधा के लिए; बीद/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के आए;

अति: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, विकलिसित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री सवितासरन रमणलाल शाह शास्त्रीपोल, सुलतानपुरा, बड़ीदा।

(ग्रन्तरक)

(2) हाजी बसीरखा हाजी महताबखा पठाण 5, म्युनिसिपल, क्वाटर गेख फरीद मुहल्ला पाणीगेट, बडौदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो सिटी विभाग, बैंक रोड़, बड़ौदा में स्थित है जिसका सं० नं० 21-6/284 है । सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में रजिस्टर्ड किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, श्रहमदाबाद

विनांक: 10-9-1984

भूक्त वाद्, दी .पुन् .च्छ , क्लाक्का

मायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के अधीन सूचना

शारत रहकाड

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, धाश्रम रोड ग्रहमवाबाव ग्रहमवाबाव, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० भ्रार० नं० 2984/II—म्रत: मुझे, जी० के० पंडया

गायकर गिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त गिंपियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के गंधीन संभ्रम अधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रह. से गिंधक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी 4/11, उर्मी श्रपार्टमेंट है तथा जो फतेह बहौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित महीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिष्यम के अधीन कट दोने के बन्तरक के दायिस्य में कमी कटने या उससे ब्यन में सुविधा के सिंपु; और्/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विषा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :---

(1) श्री बायसी डी० भगवागर शमा रोड़, बडौदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जहांगीर, एफ० चीनोय बी० 4/11 उर्मी ध्रपार्टमेंन्ट अड़ौदा ।

(भ्रन्तरिती)

यह सूचना चारी करके पूर्वों कर सम्पृतित् के अर्थन में किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सकत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शुक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हीं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लेट जो उर्मी भ्रपार्टमेंट, बड़ौदा में स्थित है सब रजि-स्ट्रार, बड़ौदा में 388 नं० पर तारीख 18-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 10-9-1984

प्रकम् वार्यः धीत् एनत् एस्. ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मामुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, आश्रम रोड, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2985/2—म्प्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर मिश्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 468 चौ० मी० है तथा जो रूम नं० 774 भौर 788 गोतरी, बढ़ौदा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भिधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17 जनवरी, 1984

को पृषांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:—

- (क) नन्तरूप वे हुई फिली नाथ की कान्तर, उन्तर्थ वर्षिपियन में नयीन कर योगे के अन्तरक के वादिएत में करी करने ना कार्य नुमृते में सुनिया के बिए; और/वा
- (स) एसी किसी भाय वा किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा चे दिए;

धतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जन्त्र्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् अ— (1) श्री नाराण प्रसाद पी० शुक्ल, नन्दन थन सोसाइटी, बड़ौदा ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री नाराण दत्त पी० मथुरा प्रसाद श्रीर ग्रन्य । नन्दन वन सोसाइटी, ग्रंडीदा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी है है 45 विन की जनिम या तत्सम्बन्धी का अतामें पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकोंगे।

स्यव्यक्तिस्य :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित इं वहीं वर्ष क्षेपा को उस अध्याद में दिका पदा हैं।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में नं० 2396 पर जमीन ता० 17 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड की गई है जिसका फ्लाट नं० 1 है श्रौर सं० नं० 774 श्रीर 874 है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ध्रहमदाबाद

तारीख : 10-9-1984

मोहर ह

प्रकृत बाह् हैं हो .. पून .. एस . अ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के व्योग युन्ता

ब्राइट ब्रुट्सर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, आश्रम रोड, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2986/2---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं०प्लॉट तरंग सोसाईटी है तथा जो सायाजी गंज, बड़ौदा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 16 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं व्ययमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तथ पामा ग्या प्रतिफल, निम्निसित उद्योक से उक्त बन्तरण निम्नित वे बास्तिक कम से कथित नहीं किया ग्या है 2----

- (क) अन्तरण संष्ट्रकं िकसी आय की बाबता, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के बिए; बाँड/वा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी भने या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हां भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

ब्तः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसर्क में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधित :—— (1) श्रीमती ईलाबन चन्द्र कांत भट्ट, हरीश चन्द्र कांत भट्ट । 58, उर्मी सोसाइटी, ग्रालकापुरी, बड़ोदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० हसमुख भाई छगन लाल गाह, 86, दुधेण्यर सोसाइटी, ग्राजवा रोड, बड़ौदा ।

(मन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृथाँक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

व्यव्योकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो जब अध्याय में दिया गया हैं।

समस्यों

फ्लैट जो तरंग सोसाइटी, सायाजी गंज, बड़ौदा में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 338 है जो सारीख 16 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड हो गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 10-9-1984

प्रकृष् वाद्ः हाँ . एव . एस . -------

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, आश्रम रोड, ग्रहमदाबाव ग्रहमदाबाव, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निवेश सै॰ पी॰ भ्रार० नं॰ 2987/2---- प्रतः सुझै, जी॰ के॰ पंडया

बायकर अधिनियम, 1'961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जसकी सं० 81/1 557 को० मी० है तथा जो अड़ौदा में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 12 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्तिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) जुवीन मीहीर मांडवीवाला, 15, राम भाई मेन्सन, बड़ौदा ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री राजशी किरण, 546-ए, फर्टीलाइजर नगर, बड़ौदा ।

(म्रन्सरिती)

कार्यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में नं० 240 पर तारीख 12 जनवरी, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है जिसका फ्लैट नं० 557 ग्रीर सं० 81/1 है ग्रीर कुल क्षेत्रफल 134 20 चौ० मी० है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 10-9-1984

प्ररूप , जाइं , टी , एन , एस , - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश स० पी० ग्रार० नं० 2988/2----ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० के-1291, सूरत है तथा जो टेक्सटाइल मार्किट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निधिवित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मैं शाह कानाजी रामजी, 8, श्री निकेतन सोसाइटी, सुमुल डेरी रोड, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हेमलता महेन्द्र सिंह संघवी, सुमुल डेरी रोड, सुरत ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद्र पर्दों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

नगुज्ञी

मिलिकियत जो सूरत टेक्सटाइल मार्किट में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 921 नं० पर तारीख 19 जनवरी, 1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 10-9-1984

मोहर 🖫

प्रख्य बाह[्] टी . **एन**्एस .,-----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

धारत सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, आश्रम रोड, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निहण सं० पी० धार्०नं० 2989/2—- ध्रतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1471, श्रम्बर कालोनी है तथा जो उधाना, सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 7 जनवरी, 1984

को बुर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी गाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दें। के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ∡चने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी ं धन या बन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उतन अधिनियम, वर्ष कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :——
44—266GI/84

(1) श्री मोहम्मद कासम केख, भ्रम्बर कालोनी, उधाना ।

(ग्रन्सरक)

- (2) मोहम्मद सदीक सुलेमान दीनदार,
 - जनरल पावर श्राफ श्रटानी होल्डर : श्री इस्माईल अहमद मुल्ला । पारसीबाद रैनडर ।
 - 2. श्री यूसुफ ईस्माईल वैद्य, सूरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पटकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20-क में दिया

अनुस्ची

मिलकियत जो उधाना में स्थित है। सब राजस्ट्रार, सूरत में 128 नं० पर तारीख 7 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-9-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन्. इस------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2990/11—अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2/3543 है तथा जो कैम्बे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैम्बे में रिजस्ट्री— करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 9→1−1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रीविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुरिक्रधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे**० कपाडिया बदर्स प्रा० लि०** डायरे कटरर्स मनीषा, ग्रान्ट रोड, अम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेशचन्त्र एम० मकवाणा श्रौर अन्य कैंम्बे ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविधि, जो भी सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब रिजस्ट्रार, कैंम्बे में 118 नं० पर तारीख 9-1-1984 को रिजस्टर्ड की गई है। जिसका क्षेत्रफल 5203 चौ० फुट है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 10-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.्टी.एन._एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आंर० नं० 2991/II--अतः मुझें, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० कैम्बे में तथा जो 2/3543 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैम्बें में रजि— स्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निभ्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मे० कपाडिया ब्रदर्स प्रा० लि० ग्रान्ट रोड, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मगनभाई कल्याणभाई 2. वाहय भाई धुलाभाई कैम्बे ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन जो सब रजिस्ट्रार, खंभात में 119 नं० पर तारीख 10-1-1984 को रजिस्टर्ड की गई है जिसका क्षेत्रफल 1198 चौ० मी० है जो खंभात में स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

विनांक : 10-9-1984

मोहर ः

प्ररूप आईं टीं एन एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्राश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2992/II——अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 87, कृष्णा को० श्री० हा० सी० विभाग नं० 1 है तथा जी खंभात कसबा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खंभात में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रो भीखाभाई शानाभाई गांव शक्रपुर; खंभात ।

(अन्तरक)

(2) चेयरमैन श्री दक्सेस ठाकुरलाल शकरपुर रोड, खंभात ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार, खंभात में 166 ग्रीर 167 नं० पर तारीख 19-1-1984 को पर मिलकत को रजिस्टर्ड की गई है। जिसका क्षेत्रफल कुल 7828 चौ० मो० है। यह निलकत कुष्ना को० ग्रो० सोसायटी में स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 10-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, आश्रम रोड अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांघ 10 सितम्बर, 1984 देश सं० पी० आर० नं० 2993/II—अत: म

निदेश सं० पी० आर० नं० 2993/11—अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० जमीन खोराज में सर्वे नं० 81 है तथा जो जिला गांघोनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-1-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल सं, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अस: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रहलावभाई माधाभाई पटेल ग्रीर अन्य, गांव खोराज, जिलांा गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री रतीलाल जगजीवनवास गांव खोराज, जिला गांधीनगर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन खोराज में क्षेत्रफल 4 एकड़ 19 गुँठा राजिस्ट्रीकर्ता बिक्षीखत के अनुसंधान में ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाव

दिनांक : 10-9-1984

प्रकल् नाष्ट्रीत दक्षित धनात धनात------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

अहमदाबाद विनांक 10 सितम्बर 1984

निवेश सं० पो० आर० नं० 2994/—II-अतः मुझे, जी०के० पंडया.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं० बिल्डिंग खुली जमीन के साथ है तथा जो रावपुरा बड़ीदा में स्थित है (प्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रांर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1984

ग्रें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुर्फे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क्स, जिम्मिस्बित स्वादित से उच्त बन्तरण विवित में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्त्रण वे हुए किसी नाग की रागत उच्छ गणि-नियम में नृषीन कर योगे में मुख्यूक के सामित्य में कभी करने ना वंद्री मुख्ये में सुविचा के सिने; जीर गा/
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन- कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ नन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया चाना चाहिए था, कियाने में नृविधा के लिए;

मतः सम, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ∷—— (1) हेमंतकुमारश्री रेवनदास पटेल
 85, उर्मी को० ग्रो० सोसायटी लि० जेतलपुर, बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) वडोदरा खडायता भवन मंडल ट्रस्ट 90 जगदोशवन्द्र के० मेहता केणव स्मृति, अहमदाबाधी ,पील, कदवा शेरी, बडौदा ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कायचाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-विधा किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्को और प्रवोका, जो अक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वजा हैं।

अनुसूची

रिजस्ट्रोकर्ता बिकीखत खुला जमीन बिल्डिंग का जो रावपुरा बरोज में स्थित है जिसका कन्सट्टेंक्शम एरिया 266 वर्ग यार्ड है तथा रिजस्ट्रेंशन नं० 453 है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

विनांको : 10:-9-1984

मोहर 🕄

प्रकल बाह्य हो । एस । एस । *******

नामकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थमन्, सहायक नामकर नामृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, पटमा

पटमा, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निर्देश सं० III-962/अर्जन/84-85—अतः मुझें, पी० के० दुबे,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5, होस्डिंग नं० 5, सर्किट हाऊस एरिया, अमग्रेवपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिस्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख 31 जनवरी, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कुम के ध्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह बिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निविचत उद्देश्य से उच्च अन्तरण निविच्त में
नास्तिकक कम से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त वीधवियम के वधीन कर येजे के जन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बीड/मा
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ह्यार प्राप्त सही जिल्हा पर्वाच या किया जाना का जिल्हा था किया जाना का जिल्हा था किया जाना की जिल्हा की किए:

नतः व्या, उक्त विभिनियमः, की भारा 269-व के अनुसरण माँ, माँ. उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभार (1) के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्रीमती कौशस्या भगत
 - 2. श्री अरूणा भगत और
 - श्री प्रादम भगत,
 निवासी 14, उदय पार्क,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री चन्द्रिका प्रसाद, ग्राम हटिया, पोस्ट घोसवरी, थाना ब**ख** त्यारपुर, जिला पटना ।
 - मिस निर्मता सिंह, ग्राम ग्रदौरी, जिला सीतामळी !
 - मिस नतासा सिन्हा, ग्राम भतौलिया, पोस्ट वेल, जिला सीतामढी ।
 - मिस निवता सिन्हा,
 पनबुई हाऊस,
 बोरिंग रोड, पटना ।

(भन्तरिती)

को यह सृथना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में पकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा न्थोहस्ताकरी के वाब् सिचित में किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुई होगा को उस अध्याय में दिश्य गना है।

अनुसूची

264 एकड़ जमीन दो मंजिला मकान के साथ 5, सिंकट हाऊस एरिया जमशेदपुर में स्थित है तथा जो निसका सं० 145 दिनांक 31 जनवरी, 1984 में पूर्ण विसका रूपेण विणित है जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार ग्राफ एसीरेंसेज, विस्ली में हुग्रा है।

पी० के० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 10-9-1984

मोहरः

संघ लोक सेवा आयोग नोटिस

भु-विज्ञानी परीक्षा, 1985

नहीं विल्ली, विनांक 6 अक्टूबर, 1984

सं. एफ 4/2/84-प $^{-1}$ (ख)--भारत के राजपत्र दिनांक 6 अक्ट्रबर, 1984 में इस्पात और खान मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनसार नीचे पैरा ^{II} में उल्लिखित पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, बम्बइँ, एजेल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, कटक, दिल्ली, दिसप्र चण्डगितः, कोचीन, जयपूर, हिंदराबाद, इम्फाल, इंटानगर, जम्मू, कोहिमा, लखनक, मद्रास, नागपुर, पणजी, (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, जिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, त्रियोन्द्रम, उदयपर और विकाखापटनम में 19 मार्च, 1985 से एक प्रतियागिता परीक्षा ली जाएगी ।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुंक्त केन्द्रों तथा तारीकां में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थ लों) की जानकारी दे दी जाएगी (अनुबंध 1 परा 11 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन पदों के वर्गों के लिए भर्ती की जानी है वे तथा विभिन्न पदों के लिए रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी जाती हैं:--

वर्ग । : (भारतीय भू-विज्ञान सर्वोक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय के पक्ष)

(i) भूविज्ञानी (कनिष्ठ) भूप 'क' 25 (इनमें भ्र० जा० के उम्मीदशारों के लिए 8 और भ्र० ज० जा० के उम्मीदशारों के लिए 4 भ्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(ii) सहायक मू-विकामी भूप 'खां 15 (इनमें घ० जा० के उम्मीवनारों के लिए 5 और घ० ज० जा० के उम्मीदनारों के लिए 2 भारिकत रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

वर्गे II: (केन्द्रीय भूजल बोर्ड, सिचाई मंत्रालय के पव)

(i) कनिष्ठ जल-भूविशानी पूप 'क' 144 (इनमें घ० जा० के उम्मीद-वारों के जिमे 26 मौर घ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 13 मारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(ii) सहायक जल-मूविज्ञानी ग्रुप 'ख' भारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
78 (इनमें भ० जा० के उम्मीद-यारों के लिए 12 और अ० ज० जा० के उम्मीदनारों के लिए 6 भारकित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रारम्भ में नियुक्तियां अस्थायी आधार पर की आएंगी। स्थायी रिक्तियां उपलब्ध होने पर उम्मीदवार अपने - कमान्सार स्थायी रूप से नियुक्ति के पात्र होंगे ।

 उम्मीववार उपयुक्त पर 2 में उल्लिखित सभी या किसी एक पद पर नियुक्ति के लिए परीक्षा में प्रवेश होते आयोजन कर सकता है। उसे केवल उसी पद/उन्हीं पदों के लिए उम्मी-वार माना जाएगा जिसको/जिनको लिए वह आवेदन करेगा। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यता किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदियार एक से अधिक वर्ग के पदों के उम्मीद-वार की हैं सियत से प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे भी एक ही आवदनपत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शूल्क भी उसे केवल एक बार दोना होगा, उस प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवदन कर रहा है।

विशोध ध्यान:—उम्मीदवार को आवेदन पत्र में यह स्पष्ट रूप से लिखना होगा कि वह किन सेवाओं /पदों के लिए विश्वार किए जाने का इच्छुक हैं। उसे यह भी सलाह दी जाती हैं कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाह उतनी वरीयताओं का उल्लेख कर तािक योग्यता कम में उसके रोक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं गर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदिवारों द्वारा निर्विष्ट उन सेवाओं /पदों के वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब एसा अनुरोध "रोजगार समाचार" में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्वर संघ लोक सेवा आयोग में प्राप्त हो जाए।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा में संबद्ध पूर्ण विवरण रु. 2/-(दो रुपए) देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे. ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। रु. 2/- (वो रुपए) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएंगी।

टिप्पणी: — उम्मीववारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भू- विज्ञानी परीक्षा 1985 के लिए निधारित मुम्नित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भू-विज्ञानी परीक्षा, 1985 के लिए निधारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-प्रपत्रों पर विचार नहीं किया आएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सिद्ध गंघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 3 दिसम्बर, 1984 (3दिसम्बर, 1984) से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजरेम, मिणपुर, नागालैंड त्रिपुरा, सिक्किम, जस्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकोबार व्वीप समूह या लक्षद्वीप और विविधों में रहने वाले उम्मीदिवारों के या जिनके आवेदन उपयुक्ति में से किसी एक क्षेत्र से डाक व्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 17 दिसम्बर, 1984 तक या उमसे पहले आक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउनंटर पर जाकर जमा करा दिया जाए। निधारित

क्षारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विश्वार नहीं किया आएगा ।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालेंड, त्रिपूरा, सिक्छिम, जम्मू और करमीर राज्य के लद्दाख, प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल और स्पीति जिले चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल अण्डमा और रिकाबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदनारों से आयोग यि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 3 दिसम्बर 1984 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालेड, त्रिपूरा सिक्छिम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल और स्फीति जिले चम्बा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकाबार द्वीपसम्ह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (1) जो उमीदवार एसे क्षेत्र के हैं जहां के रहने वाले आवंदन की प्रस्तुती होतू अतिरिक्त समय के हक-दार हैं उन्हों आवंदन-५१ के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेचालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का नद्दाल प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता हैं कि उन्हों अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (2) उम्मीदवारों को सलाह वी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं सं लो से आ के काउंटर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ज डाक द्वारा भेजे। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को विए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उसरदायी नहीं होगा।
- 6. परीक्षा में प्रवंत चाहभे वाले उम्मीववारों को भरे हुए आवंदन-पत्र के साथ आयोग को रु. 48.00 (रु. जड़तालीस केंबल) अनुस्चित जातियों और अनुस्चित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु. 12.00 (रु. धारह केंबल)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक संवा आयोग को नर्झ दिल्ली के प्रधान डाक घर पर दोय रोखांकित भारतीय पोस्टल आडर या सचिव, संघ सेवा आयोग को भारतीय स्टोट बैंक की मुख्य शाखा,नई दिल्ली पर दोय भारतीय स्टोट बैंक की किसी भी शाखा में जारी किए गए रोखांकित बैंक डापट के ख्य में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित श्ल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजबूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में इस अन्रोध के साथ जमा करना होगा कि वह "051 लोक सेना आयोग परीक्षा श्लक" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और उन्हें आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अमेक्षाएं पूरी नहीं होंगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लाग नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शल्क से छट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित श्ल्क से छट दो सकता है जब वह इस बात में संत्ष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भूतपर्व एवीं पाकिस्तान (अब बंगला दोश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्मा में वास्तविक रूप में प्रत्यादित मूलत: भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 45—266GI/84

1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावित मूलत: भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समभाता के अन्तर्गत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है या तत्कालान परिचम पाकिस्तान में वास्तिक विस्थापित व्यक्ति है तथा उसने पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च 1973 के बीच की अविध के दौरान भारत प्रयूजन किया था और निर्धारित गूनक दोने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शूल्क का भगतान कर विया है किन्तू उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु. 30.00 (तीस रुपये केवल) (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में 8.00 (आठ रुपये केवल)] की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्त् यदि नियम 7 के नीचे टिप्पणी की शतों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर विया जाता है कि वह अहं क परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयुक्त टिप्पणी के उपवेशों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकीगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होंगा।

उपयुक्ति तथा नीचं पैरा 9 के उपयन्थों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए इत्कि की वापसी के किसी बावं पर न तो विचार किया जाएगा और न ही गुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सफोगा.।

- 9. यदि कोई उम्मीदिवार 1984 में भ-विज्ञानी परिक्षा भी बैठा है और अब यह इस परिक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परिक्षा परिणाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतिक्षा किए विना अपना आवेदन-पत्र निर्धारित नारीस तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। यदि 1984 के परिक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति होत उनकी अनुशंसा हो जाती है, तो 1985 के लिए उनकी उम्मीदिवारी उनके अनुशंध पर रद्द कर वी जाएगी और उन्हें परिक्षा शूक्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदिवारी रद्द करने तथा शूक्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध 1984 की परिक्षा के फाइनल परिणाम के ''राजगार समाधार'' में प्रकाशन की तारीस से 30 दिन के भीतर आयोग के कार्यालय में अवह्म पहुंच जाए।
- 10. आवेदन-पत्र प्रस्तृत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परि-स्थिति में विचार नहीं किया जाएगा ।
- 11. जैसा कि नियमावली के परिकाट में में निर्दिष्ट हैं सभी विषयों के प्रश्नपत्र ''वस्तपरक'' होंगे। नम्ने के प्रश्न सित वस्त परक परीक्षण से सम्बद्ध विवरण के लए कृपया ''उम्मीदवार स्थना विवरणिका'' का अनुबंध दोस लिया जाए

एम. बाल कृष्णन, उप-सम्बन संघ लोक सेवा आयोग

अन्बंध 🛚 🕹

उम्मीदवारों को अनव श

1. उम्मीतवागें को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमादली को ध्यान से पढ़कर यह देखे लें कि वे परीक्षा में वैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निधिरित शतों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीववार को नोटिस के पैरा 1 में बिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छाक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उकत परीक्षा होता अपने आवेदन में निर्मिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औषित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवस्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 19 फरवरी 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आश्रेदन-प्राप्त तथा पावर्ती कार्ड अपने हाथ से स्याही या बाल प्वाइट पैन से भरने चाहिए। अधूरा या गनत भरा हुआ आबेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। बाहें माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में अन्म की तारील देवनागरी अंकों से दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिध्चित कर ले कि वे आवेदन-प्रपत्र में प्रविष्टि करते समय इसको भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुगाठ्य हों यदि में प्रविष्टियां अपाठ्य या भूमक है तो उनके निर्वचन में होने वाली भूमित या सन्वेष्ठ के लिए उम्मीदवार जिम्मदार होंगे।

उम्मीदिवार यह भी ध्यान रखें िक आयोग आवेदन-पत्र में प्रिविष्टियों में परिवर्षन करने से संबद्ध िकसी भी पत्र व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र मही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी राकरी में हों या सरकारी अधिगिक उपक्रमां में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियक्त हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दोर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भेले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हीसियत से या आकस्मिक या वानिक दर कर्मचारी से इतर कार्य प्रभारित कर्मचारयों की हीसियत से काम कर रहे हाँ या जो सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत हाँ उन्हें गह परिवचन (अंडरटे-किंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया हाँ कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया हाँ।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमित रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

- 3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिसित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिएं:—
 - (1) निर्धारित शुक्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुक्क माफी होत वाबे के

- समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए नोटिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।
- (2) आयु के प्रमाण-पत्र की अन्प्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
- (3) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमीाणत/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (4) उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें मी.) के फांटो की वी एक जैसी प्रतिया भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका दोनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए।
- (5) विधिवत् भरा हुआ उपस्थित पत्रक (आवेदन प्रपत्र के साथ संलग्न)।
- (6) लगभग 11.5 सें मी. ×27.5 सें. मी. आकार केंबिनाटिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पतालिका हो।
- (7) जहां लाग् हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने का वाले के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि (दोस्थिए, नीचे पैरा 4)।
- (8) जहां लागू हो उहां आयू में छूट के बाबे में समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्षिपि (बेलिए, नीचे पैरा 5)।
- टिप्पणी (1):---उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उप-र्य्क्स मद (2), (3), (7) और (8) में उल्लि**ब**त प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी दवारा अनुप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण होतृ साक्षात्कार के लिए अहाँता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः अगस्त, 1985 में घोषित किए जाएंगे, उन्हें अपने मृल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीववार उस समय अपेकित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं कर गे उनकी उम्मीदवारी रदंद कर दी जाएंगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।
- टिप्पणी (2):—आवेदन-पत्रों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर उम्मीदवारों को हस्ताक्षर करने होंगे और तारीख भी दोनी होंगी।

उपयुक्त मध (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मध (7) और (8) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं:—

(1) (क) निर्धारित सुल्क के लिए रेखांकित इण्डियन पोस्टल आर्डर:—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनि-वार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर ''सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रभान डाफावर पर देये'' लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकबर पर वोय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटो-फटो पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने बाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट महर होनी चाहिए।

उम्मीदनारों को यह अवश्य नांट कर लेना चाहिए कि जो पांस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सिचन, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकधर पर देथ हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(क) निर्धारित शुक्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:—— बैंक ड्राफ्ट भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सिखब, संघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवस् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में दोय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

टिप्पणी:— उम्मीदवारों को अपने आवेवन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए । पांस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पांस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) अग्यू का प्रमाण-पत्र:—-आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक लंशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक लेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिक लंशन के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समूचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदनार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उसीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिप प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म क्ंडली-शपथपत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य एसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदिशों के इस भाग में आए हुए ''मैर्टिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र'' वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त धैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मितित हो।

कभी-कभी मैदिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारील नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदनारों को मैदिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैंड-मास्टर/प्रिंसिपल सं लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैदिक लेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वासिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारील या वास्तविक आयु लिसी होनी माहिए। उम्मीदनाएं को चेतावनी दी जाती है कि यवि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुबेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1:-- जिस उम्मीववार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पूष्ठ की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप भेजनी चाहिए।

हिप्पणी 2:— उस्मीवबार यह ध्यान रखें कि आयोग उस्मीव-बार की जन्म की उसी तारील को स्वीकार करोग जो कि आवेबन-पत्र प्रस्तृत करने की तारील को मीट्रक संश्न / उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3:—- उम्मीदबार यह भी नोट कर लें कि उनके ब्वारा
किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जम्म की धारीख
एक बार घोषित कर बेने और आयोग व्वारा उसे
जपने अभिलेख में वर्ण कर लेने के बाब, उसमें
बाव में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की
अनुमति नहीं वी जाएगी।

(3) विक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र : उम्मीदवार को एक एसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया 'प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारो (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रवान की हो । यदि एसे प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ने भेजी जाए तो उम्मीववार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने वाबे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी:—-यदि कोई उम्मीदवार एसी परीक्षा में बैठ खुका हो जिसे उसीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहाँक परीक्षा में बैठना खाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि एसे उम्मीदवार अन्य करों पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया आएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने किया आएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमित अनंतिम मानी आएगी और यदि व अहाँक परीक्षा में उसीर्ण होने का प्रभाण जल्बी से जल्बी और हासत में 31 जुलाई, 1985 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमित रदद की जा सकती है।

(4) फोटों की बो प्रतियां के उम्मीदियार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ×7 से. मी.) के फोटों की एक ज़ैसी प्रतियां भेजनी जाहिए। इनमें से एक प्रति

आवेदन-प्रपन्न पर चिपका दोनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति **पत्रक में निधरित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए।** फोटो की प्रत्येक प्रति के उत्पर उम्मीसकार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए ।

विक्रोब भ्यानः⊶-उम्मीदवारांको चेतावनी वी जाती है कि यदि आवंदन पत्र के साथ उत्पर पैरा 3(2), 3(3) और 3(4) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा और इस अस्वीकृत के विरुक्तभ कोई अपील नहीं सुनी जाएगी ।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसुचित जाति या अनुस्चित जनजाति का होने का वावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उपमण्डल अधिकारी या नीचे लिखित एसे अन्य अधिकारी जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाणपत्र जारी करने के लिए नामित किया हो, नीचे (क) पर दिए गए फार्म में प्रमाण पत्र लेकर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता वानों की मृत्यु हो गयी हो तो यह प्रमाणपत्र उस जिले के किसी अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदबार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर, पर रहता है। जो उम्मीदवार किसी अनु-सृचित जाति या अनुसृचित जनजाति का होने का दावा करता है तथा जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से अन्य किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रवृजन कर चुका है उसे अपने दावे के समर्थन में नीचे (स) पर दिए गए प्रपत्र में प्रमाणपत्र की अनुप्रमाणितः 🖊 प्रभाणित प्रति प्रस्तुत करनी है।

(क) भारत सरकार के अधीन पर्वा पर नियुक्ति के लिये आवेबन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जातियाँ के उम्मीववारों व्वारा प्रस्तृत किया जाने वाले प्रमाण-पत्र काफार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* . . . र्गाव/कस्बा* जिला/मंडल* कें/की* निवासी राज्य क्षेत्र . जाति∕जन जातिः* के/की है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई हैं:--

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आशोधन) आदोश, 1956; बम्बर्ड पुनर्गठन अधिनियम, 1960; पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1960; हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970; उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधि-नियम, 1971; और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा संशोशिक्ष संविधान (अनुसूचित जातियां), आदेश, 1950* संविधान (अनुसूचिस जन जातियां) आदेश, 1950*, संवि-धान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदशे, 1951* संविधान (अनुस्चित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदशे, 1951, संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*।

अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां (संशोधन) अभिनियम 1976, द्वारा संशोधित।

[भाग !!!--खण्ड ₁ संविधान (अंडमान और निकाबार द्वीप-समूह) अनुसूचित जन-जातियां आवेश, 1959*। संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातिया आदेश, 1962^* । संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसुचित जन जातियां आदेश, 1962* संविधान (पांडिकोरी) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1964" संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रवेश) आवेश, संपिधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूजित जातियां आदेश, 1968*1 संविधान (गोवा, दमन और दियुं) अनुसूचित अन जातियां आविश, 1968*। संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदशे, 1970 ।। संविधान (सिक्किम) अनुसृचित जाति आवेश, 1978 संविधान (सिविकाम) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1978 2 श्री/श्रीमती/कृमारी . और या* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा* . जिला/मंडल* . राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र. में रहते/रहती* है। ^{*}*पवनाम (कार्यालय की मोहर सहित) स्थान . राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र ^{*}जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट द[ी]। टिप्पणी:--जहां प्रयुक्त आमतौर से रहते/रहती है वाक्यांश का अर्थ बही होगा जो ''रिप्रोजेंट शन ऑफ दि पीपूल एक्ट, 1950'' की धारा 20 में है। (स) अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के एसे उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का प्रपत्र जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से किसी अन्य राज्य∕संघ राज्य क्षेत्र में प्रवृजन कर चुका है। प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कमारी* सुपुत्र/सुपुत्री* श्री .. जो गांव/कस्बा* . जिला ∕ मंडल . . राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* . के/की* निवासी हैं . . अनुसूचित जाति/जन-जाति को/की है जो निम्नलिखित के अंतर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति* के रूप में ही मान्यता प्राप्त है। संविधान (अनुसृचित जातियां) आवेश, 1950* संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950* (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, संविधान

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां सूची (आशोधन)

आद श, 1956 बम्बर्स पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब

पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम

1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पूर्नेगठन), अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदशे (संशोधन) अधिनियम, 1967, द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचिस जातियां आवेश, 1966

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन-जातियां आदेश 1959*

संविधान (बाबरा और नागर हवेली) अन्सूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित खातियां, आयोश, 1964* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आयोश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन और वियु) अपनुसूचित जातियां आवेश, आवेश 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुस्चित जनजातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागाल क) अनुसूचित जनजातियां, आदेश, 1970* संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जासियां आदेश, 1978*

संविधान (सिविकम) अनुसृचित जन जातियां आदेश, 1978*

हस्वाक्षर .

* ***पद**नाम

(कार्यालय की मृहर सहित)

स्थान राज्य /संघ राज्य क्षेत्र तारीख . . .

^{*}जो शब्द लागू न हों उन्हें काट धे।

** जातियां/जन जातियां प्रमाण-पत्र चारा करने के लिए सक्षम अधिकारी

> (1) जिला मौजिस्ट्रेट/अिंकिरिक्त जिला मौजिस्ट्रेट/ कलैक्टर/डिप्टी क्रिमिक्नर/एडिशनल जिप्टी क्रिमिक-नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मौजिस्ट्रेट/सिटी मौजिस्ट्रेट/सब-डिविजनल मौजिस-ट्रेट/ताल्लुक मौजिस्ट्रेट/एकजीक्य्टिब मौजिस्ट्रेट/ एक्स्ट्रा असिट्रेट कमीक्नर/प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मौजिस्ट्रेट से कम शोहदों का नहीं।

- (2) चीफ प्रेसिड सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिड सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिड सी मैजिस्ट्रेट।
- (3) र तेम्यु अफ़सर जिसका आहर तहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब-डिवीजन अफसर जहां उम्मीद-बार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (5) एडिमिनिस्ट्रेटर/एडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलप-मेंट अफसर, लक्षद्वीप।
- 5. (1) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण और केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में नियोजित वैयक्तियों को अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान से निम्निलिखित रूप में प्राप्त मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए:——

उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तृत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कूमारी*... भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण/केन्द्रीय भू-जल बांड में विनाक ... के स्थायी/अस्थायी पद पर कार्यरत है।''

हस्ताक्षर

पदनाम

मंत्रालय/कार्यालय

कार्यालय की मोहर

^{*}जो लागू न हों उसे काट दैं।

- (2) नियम 6 (ग) (2) या 6 (ग) (3) के अन्तर्गत निर्भारित आयू-सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नेटिस के पराग्राफ (7) के अभीन चूल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला दश) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखिल प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र की अनुपत्र की अनुप्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध के दौरान प्रवृजन कर भारत आया है:——
 - (1) वण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्स्रों अधवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों से करैम्प कर्माडोन्ट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने-अपने जिलों में शरणाथीं पूनवांस के प्रभारी अतिरिक्त जिला मीजिस्ट्रेट।
 - (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
 - (5) शरणार्थी पुनर्वास का उप-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/ निविशक (पूनर्वास), कलकत्ता।
- (3) नियम 6 (ग) (4) अथवा 6 (ग) (5) के अंतर्गत निर्धा-रित आयु में छूट का दावा करने वासे और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन गुल्क से छूट का दावा करने वासे श्रीलंका से गह्यावितत या प्रत्यावितित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति

को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 अक्तूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाव भारत आया है या अने वाला है।

- (4) नियम 6 (ग) (8) या 6 (ग) (9) के अन्तर्गत निर्धारित आय सीमा में छट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावितित म्लतः भारतीय व्यक्ति का भारतीय राजद तावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्त्त करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक हैं जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रभाण-पत्र की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है और 1 जुन, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।
- (5) नियम 6 (गं) (6) या 6 (ग) (7) के अन्तर्गत आयु मो छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानियां (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवृजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इधियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैंजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी भाहिए कि वह वास्तव में उपर्यक्त देशों से प्रवृजन कर आया ह³।
- (6) नियम 6 (ग) (10) अथवा 6 (ग) (11) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले एसे उम्मीदवार की, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिद्याक, पून: स्थापना रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्ग करते हुए शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कोर्रवाई के बौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:--

प्रभाणितं किया जाता ही कि यूनिट केर्नैक नं. श्री रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विद्योगी दोश के शत्र के साथ संघर्ष में जिशांति ग्रस्त अक्षेत्र में फाँजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्यरूप निर्मक्त

> हस्ताक्षर पदनाम

[#] जो शब्द लागून हों उसे कृपया काट दै।

(7) नियम 6 (ग) 12 या 6 (ग) 13 के अन्तर्गत निर्धा-रित आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी हैं, उसके जिला मैंजिस्ट्रोट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रसिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्या-र्वातत व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

- (8) जो भृतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों / अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 6 (ग) (14) या 6 (ग) (15) की शर्तों के अभीन आय सीमाओं में छट का दाना करते हो, उन्हें सम्बद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिसित निर्धारित प्रपत्र में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित.∕ अनुप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए।
 - (क) कार्यम्कत/संवा निवृत्ति कार्मिकों पर लाग्

प्रमाणित किया जाता है कि सं. रॅंक नाम सेना/नौसेना/वाय सेना भें सेवा की है और वे निम्नलिसित में सं एक शर्त पूरी करते हैं :--

- (क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या कार्यमक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्यमुक्त हुए हैं।
- (स) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण को कार्यम्कत हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम

मोहर

स्थान : तारीख:

(स) सेवारत कार्मिकों पर लाग्

प्रमाणित किया जाता है कि सं रॅंक - नाम - सेवा कर रहे हैं।

2. उन्हें से कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल तक समाप्त होने की सम्भावना है।

> सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मोहर

स्थान : तारीस :

प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित ह^ :---

> (क) कमीकन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीकन प्राप्त अधिकारियों ⁄ अल्पकालिक सेवा कमी**श**न प्राप्त अधिकारियों सहितं) के मामले में

सेना--मिलीटरी सेकेटरी की शाला, सेना मुल्यालय, नर्षे विल्ली।

नौसेना—कामिक निदेशालय, नौसेना मृख्यालयः नर्षं विल्ली।

वायू सेना—कार्मिक निद्येशालय (अधिकारी) बायू सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।

(स) नौ सेना सथा वाय् सेना के जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अन्य रौकों तथा समकक्ष अधिकारियों के मामले में :---

सेना—विभिन्न रोजिसेन्टल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा नौसेना—वी ए सी. एस. बस्बर्ड।

काग्रुसेना⊶—वाय्सेना रिकार्ड (एन. ई. आर डब्ल्य्.) नई दिल्ली।

- (9) नियम 6 (ग) (16) या 6 (ग) (17) के अन्तर्गत आय् में छूट और/या नोटिस के पैरा ? के अन्तर्गत शूल्क में छूट का दावा करने वाले तस्कालीन पश्चिम पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक अधिकारी से प्राप्त प्रमाणपत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति यह दर्शाने के लिए प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह तस्कालीन पश्चिम पाकि-स्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अविधि के दौरान प्रकृतन कर भारत आया था:—
 - (1) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्रों या राहत जिथियों के कौम्प कमांडोन्ट।
 - (2) उस इलाक्टे का जिला मौजिस्ट्रेट जहां का बह फिल-हाल निवासी है।
 - (3) अपने अपने जिलों में शरणार्थी प्नविस के प्रभारी जितिरक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) अपने प्रभार में सब डिवीजन के अन्दर सब डिवी-जनस अफसर।
 - (5) धरणार्थी प्नवस्ति के उपाय्कत।
- 6. जो उम्मीदबार उत्पर पैरा 5 (2), 5 (3), 5 (4) तथा 5 (9) में से किसी भी वर्ग से सम्बद्ध है तथा नोटिस के पैरा 6 के अनुमार जुल्क में छूट का दावा करता है उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपित्रत अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित गुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आध्य का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अनुप्रमाणिश/प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत करनी होगी।
- 7 जिस व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तू उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) या सिंचाई मंत्रालय जैसी भी स्थिति हो द्वारा आवश्यक प्रति। प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।
- 8. उम्मीदवारों को खँतावनी दी आती है कि वे आवंदन-पर भरते समय कोई खूठा त्यौरा न दे अथवा किसी महत्वपूर्ण सचना को न छिपाएँ।

उम्मीवनार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वार। प्रस्तृत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रतिः की किसी प्रविष्ट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक कर न उसमें कोई परिवर्तन कर और न कोई केर बदल कर । यदि एसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशृद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टिकरण प्रस्तृत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र दरे से प्रस्तुत किये आने पर दरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया आएगा कि आवेदन-पत्र ही अम्क तारीस को भेजा गया था। आवेदन पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

आवंदन पत्र की पावती

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त पत्यंक आवैदन-पत्र जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मिलित हैं की पावती वी जाती हैं तथा आवेदन-पत्र की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संस्था आरी का दी जाती हैं। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निधारित अंतिम तारीख से एक मास के अंदर पावती नहीं मिलती हैं तो उसे तत्काल आयंग से पावती होत, सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीरवार को आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दी गई है अपने अप्त यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पर्ण है और बाबीग क्यारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परिका के प्रत्येक उम्मीववार को अपने आबेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीय वे दी जाएगी। किन्त् यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परिका के बुक्त होने की तारील से एक महीने पहले तक उम्मीदना को अपने आबेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संक लोक सेवा आधीग से कोई सुबना न मिले तो परिणाम की आनकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। अपद उम्मीदनार ने ऐसा न किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे में वंचित हो जाएगा।
- 12. संघ लोक सेवा आयोग ने ''संघ लोक सेवा आयोग की अस्तुपरक परीक्षाओं हते, उम्मीदिवार विवरणिका'' शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका छापी हैं। वह विवरणिका सं. सो. से. छा. की परीक्षाओं या चयमों के भावी उम्मीदिवारों को सहायता दोने के उद्देश्य से तैयार की गयी हैं। यह पस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दोहली-110054 के पास विकी के लिए सूलभ हैं और इसे उनसे सीधे मेल आर्डर ख्वारा या नकव भगतान पर प्राप्त किया जा सकता हैं। कैवल नकद भगतान पर इन्हें (1) किताब महल, रिवाली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, ''सी'' ब्लाक बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (11) उद्योग भवन, नर्घ विल्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन शासा का विकी काउन्टर और (111) गवर्नमेन्ट आफ इण्डिया बुक डिपा, 8-के. एस. राय रोड, कलकत्ता-। से भी लिया जा सकता हैं। यह मेन्अल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफरिसल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध हैं।
- 13. आवेदन पत्रों से संबद्ध पत्र व्यवहार—आवेदन प्रपत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलप्र हाउस, बाहजहां रोड, नर्ष दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यारा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—
 - (1) परोक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
 - (3) उम्मीदवार की आवेषन पंजीकरण सं./राल नम्बर अथवा जन्म की तारील, यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/राल नम्बर मूचित नहीं किया गया है।
 - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
 - (5) आवेदन पत्र में विया गया डाक का पसा।

भ्यान व (1)— जिन पत्रों आदि में उपयुक्त ध्यौरा नहीं होगा, सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

भ्यान दं (2)—यदि परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदशार में पत्र /प्रेषण प्राप्त होता है तथा इसमें उसका परा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्र-वाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था करनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्ते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्यक्त परा 13 में उल्लिखित ब्यार के साथ, यथाधीन दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग एमें परिवर्तन पर ध्यान दोने का प्रा-प्रा प्रयस्न करता है किन्त वह इस विधय में कोई जिम्मोबारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अन्बन्ध ।।

उम्मीवनारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तूपरक परीक्षण :

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्त्परक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आप को उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रका (जिसको आगे प्रदर्शक कहा जाएगा) के लिए कहाँ सुकाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्यंत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रदर्शक के लिए आपको एक उत्तर चून क्षेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बार में कुछ जानकारी दोना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

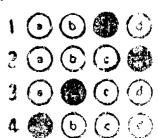
(क) परीकाण का स्वरूप :

प्रकृत पत्र ''परिक्षण पुस्तिका'' के रूप में होंगे। इस प्रस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 अवि के कम से प्रकृति होंगे। हर प्रकृतिया के नीचे (a, b, c, चिन्ह के साथ सुकाए गए प्रत्युत्तर तिचे होंगे। अभिका काम एक सही या यवि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगे तो उनमें से सबौताम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने के प्रकृतिका देखे लों। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रकृतांश के तिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रत्युत्तर चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर वने की विधि:

परीक्षा भवन में आपको एक अलग उत्तर पत्रक दिया आएगा, जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दी जाएगी। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं आंचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रशनांकों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खण्डों में छापी गर्द हैं। प्रत्येक प्रश्नोद के सामने चिन्ह वाले बृताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पृस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांक को पढ़ लोने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युक्तर सही या सर्वोक्तम है आपको उस प्रत्युक्तर के अक्षर वाले कृत को पेंसिल से पूरी तरह काला बनाकर अंकित कर दोना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गर्या है। उत्तर पत्रक के वृक्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:---

- प्रधानांकों के उत्तरों के लिए क्लेंबल अच्छी किस्म की एच. बी. पेन्सिल (पेन्सिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रबोग करें।
- गलत निशान की बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर ते सही उत्तर पर निशान लगा दै। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड जाए या वह जराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम :

- अल्बको परीक्षा आरक्ष्म करने के लिए निथारित तसन ते बीत जिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण शुरू होने के 30 जिनट के बाद किसी की बरीक्षण में प्रबंध नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा गुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पृस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सींप दे। अपको परीक्षण पृस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले बाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।
- 5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विव-रण भरना होगा तथा उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भी कुटबब्ध करना होगा। इनके बारो में अनुदेश अपके प्रयेश प्रमाण पत्र को साथ भेज दिए जाएंगे।
- 6. परिक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अन्दोश आपको सामभानी से पढ़ने हों। इन अन्दोशों का सामधानी से पालन न करने से आपको नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध हैं, तो उस प्रकांश के प्रत्यूत्तर को लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अन्वोशों का पालन करों। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कही तो उनके अनुदोशों का तत्काल पालन करों।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच. वी. पेंस्लि, एक रखड़, एक पीन्सल शार्षनर और नीली या काली स्याही बाली कलम भी लानी होगी। अपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर काुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई साली कागज या कागज का ट्रालंड या पैमाना था आरोबन उपकरण नहीं लाने ही क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना राल नंबर, और परीक्षण की तारील लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने लिये पत्रक के माथ पर्यवंशक को वापस कर हैं।

(फ) विद्योष अनु<u>ब</u>द्धाः

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरक्षिक आपको उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा तोने के बाद निरिक्षिक आपको परीक्षण प्रितका देंगे। परीक्षण प्रितका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर प्रितका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। अपनी प्रश्न प्रितका खोलने से उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिखिए। आपको परीक्षण प्रितका नव तक खोलने की अनुमित नहीं है जब तक पर्यवेक्षक एंगा करने के लिए न कहें।

(च) का्छ उपयोगी सुझाव ः

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेका श्रूष्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथाक्षम्भव दक्षता से उपयोग करें। सन्तृतन के सुम्थ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापेग्वाही ने हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यंत कठिन मालम पड़ें उस पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार

सभी प्रकांकों के अंक समाग होंगे। उन सभी के उत्तर दै। आपके दुशरा अंकित सभी प्रत्यत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटी जाएंगे।

(छ) परोक्षण का समापनः

जैसे ही पर्यवंक्षक आपको लिखना बंद करने को कहाँ, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहाँ जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्ताएं ले आएं और आएको हाल लोखने की अनुमति दें। जापको परीक्षण-पुरितका और उत्तर-पशक तथा कख्छे कार्य का कागज परीक्षण-पुरितका और उत्तर-पशक तथा कख्छे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बादर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नम्बे के प्रश्नांश (प्रश्न)

(मोट--*पही/सर्थोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्विष्ट क्रप्ता है)

1. सामान्य अध्ययम

बहुत ऊँचाई पर पर्वेद्यारोहियों के नाक नथा जान से निम्मनिक्रित में से किस कारण से रक्त साथ दोता है?

- (a) रक्त कः दाव नायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- *(h) प्रकासादाल यापुमण्डल के शास से अधिक होता है।
- (c) रक्त बारिकाओं की अध्यक्ती कर समयी णियाओं पर दाव
- ार्ग का दाय यायमण्डल के दान के अनुरूप घटता-बढ़ता है। 46—266GI[84

2. English

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) -xacily known
- (b) only those registered
- (c) vory large
- *(d) largest so far

3. (কুৰি)

अरहर में, फूलों का भड़ना निस्नलिखित में से किस एक उणाय से कम कियाजा सकता है?

- *(a) वृद्धि नियंक्तक द्वारा छिड़काव
- (b) दूर-दूर पौक्षे लगाना
- (c) सही ऋतु में पौधे लगामा
- (d) थोड़े-बोड़े फासले पर भीधे लगाना।

(रसायन विज्ञान)

H3VO4 का एनहाद्राध्य निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂O₅

5. (अर्थेशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी गोषण निम्नलिबित में से किस स्थिति में होता है?

- *(a) सीमान्त राजस्य तस्याद से मजदुर्ग कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमास्त राजस्त्र उत्पादन घोमी बरासर हो।
- (c) मजदूरो सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- (d.) मजपूरी सीमान्स भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

6. (बैद्युत ईजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को अपेक्षिक पराविधुतांक 3 के एरावेधुत से सम्पूरित किया गया है। यदि C मृक्त अन्तराल में संबरण केन दर्शाता है हो लाइन में संबरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (भू-विज्ञान) ु

बैसल्ट में प्लेजिअ(मलेत क्या होता है?

- (a) आलिगोक्सेज
- *(b) सैबोडोराध्ट
- (c) एरुबा**इट**
- (d) एनाथाइट

я. (गणित) :

$$rac{d^2y}{dx}$$
 तेप्र
मूल बिस्यु ने गुजरने याला और $rac{dx}{dx} = C$

समीकरण को संगम रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्विष्ट है ?

- (a) y=ax+b
- (b) y = ax
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- *(d) y==ae^{x--}a

८ (भौड्रिकी)

एक बादगै ऊष्मा ईजन 400° K, और 300° K, तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इराकी अमना निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
 - (c) 4/(3+4)
 - (d) 3/(3+4)

10. (संख्यिकी)

यदि द्विपदं विजर का माध्य 5 है तो इसका ब्रसरण निम्नलिखित में सं क्या होगा।

- $(a) 4^2$
- *(b) 3
 - (c) ∞
 - (d) --- 5

11. (चूगोल)

वर्मा के दक्षिणी माग की अध्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में क्या है?

- (a) यहां पर वानिज माधनों का विश्रुल भंबार है। !
- *(Б) बर्माकी अधिकांश नवियों का बेल्टाई माग है।
 - (c) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
 - (d) वेश के अधिकांश लेल क्षेत्र इसी भाग में है।

12. भारतीय इतिहास

बाह्मणबाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सस्य नहीं है?

- (a) बौद्धधर्म के उत्भर्ष काल में भी बाह्यणबाद के अनुयायियों की संख्या अप्नुत अधिक थी।
- (b) द्वाह्मणबाद बहुन अधिक कर्मकांड और आडम्बर से पूर्ण धर्मथा।
- *(c) बाह्यणभाव के अभ्युवय के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्त्वकम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशासों को प्रकट करने केलिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (वर्शन)

मिम्नलिखित में से निरीयवरवाधी वर्णम समूह कौन-सा है?

- (a) बौद्ध, स्याय, खावांक, मीमांना
- (b) स्याय, विशेषिक, जैन, और वीद्धा, वार्वाक
- (c) अदौत, वैश्वात, सांख्य, चार्वाक, योग
- *(d) बीज, सांख्य, भीमांसा, शावकि

14. (राजनीति विज्ञान)

'बृत्तिगत प्रतितिकान' का अर्थनिम्नलिकात में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- (b) किसी समूह या फिसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिभिक्षियों का चुनाब।
- (d) श्रमिक संघों क्षारा अप्रत्यक प्रतिनिधिस्य।

15 (मनौविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निस्निलिखित में किस को निर्वेशित करती है?

- (a) लक्ष्य सम्बन्धी आवश्यकता में वृद्धि
- *(b) भावारमक अवस्था में न्यूनता
 - (c) व्यावहारिक अधिगम
 - (d) पणपातपूर्ण अधिगम

16. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कीन सी है?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्य प्राप्त हुआ है।
 - (b) पूजाङ्त कम हुई है।
 - (c) वंचित वर्गी के लोगों को मुख्वामित्व का लाभ मिला है।
 - (d) जन साधारण में शिका का प्रसार हुआ है।

टिष्पणी: - उम्भीर्पबारों को यह व्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूनों के प्रक्रांण (प्रक्रन) केवल उवाहरण के लिए विश्व गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाइयनपा के अनुसार हो।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th August 1984

No. A. 32018/1/83-Admn. J1.—In continuation of this office notification of even number dated the 16th June, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri J. K. Khauna, a permanent Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Manager (EDP) (Group 'A'; Rs. 1500—60—1800) in the office of Union Public Service Commission on ad hoc basis for the further period from 18-8-1984 to 31-10-1984 or until further orders whichever is earlier.

- 2. The said appointment of Shri J. K. Khanna as Manager (EDP) is consequent upon the approval of the Union Public Service Commission.
- 3. The appointment of Shri Khanna as Manager (EDP) is purely on ad hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Manager (EDP).

M. P. JAIN
Under Secy. (Adma.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 5th August 1984

No. A. 32014/1/84-Admam. III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as flection Officer on ad-hoc basis for the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier.

S. Name (S/Shri) No.		Period of promotion
1. Bhagwati Charan		. 2-8-84 to 15-9-84
2. S. K. Bansal .	-	. 1 - 8-84 to 31-8-84
3. S. L. Kumar .		. 1-8-84 to 26-8-84
4. Philip John		. Do.
5. A. S. Jat		. Do.
6. C. L. Bhat		. Do.
Bhagirathi Kumar		. I-8-84 to 18-8-84
8. Smt. N. Moera		. 1-8-84 to 16-8-84
9. K. L. Sud . ,		. Do.
10. Km. Bharati Narasimha		. 27-7-84 to 16-8-84
11. S. D. Mall		. 2-8-84 to 16-8-84 (FN)
12. Dev Dutt (SC)		28-7-84 to 11-9-84
13. Tara Singh (SC)	-	. Do.

2. In this office notification of even number dated 2nd July, 1984, the name at S. No. 3 may be read as 'Km. BHARAT' NARASIMHA'.

The 4th September 1984

No. A. 33012|1|84-Admn. III.—The Services of S|Shri D. Sivarajan and K. M. Ibrahim Yusuf, Section Officers of the Central Secretariat Service Cadre of Union Public Service Commission, are placed temporarily at the disposal of the Government of Kerala with effect from 10-9-1984 (AN) and 8-10-1984 (AN) respectively for executive training of 13½ months duration in Quilon and Palghat Districts, Kerala respectively. They will accordingly be relieved of their duties in this office w.e.f. 10-9-1984 (AN) and 8-10-1984 (AN) respectively.

A. J. BAJAJ

Dy. Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 27th August 1984

No. A. 32013|1|80-Admn. II.—In continuation of this office notifications No. A. 32013|1|80-Admn. II(i) and No.

32013]1[80-Admn. II(ii) dated 14-6-1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Programmers in the Office of Union Public Service Commission to the posts of Senior Programmer in the Commission's office on ud hoc basis for the further period mentioned against them or until further orders whichever is earlier:—

- 1. Shri M. L. Rustogi---18-8-1984 to 31-10-1984
- 2. Shri 1, P. Aggarwal--1-9-1984 to 31-10-1984.
- 2. The above said periods of ad hoc appointments are subject to the approval of the Union Public Service Commission.
- 3. These appointments as Senior Programmers are purely on ad hoc basis and will not confer upon the officers any title for regular appointment or seniority in the post of Senior Programmer.

No. A. 32013|1|83-Admn. II.—In continuation of this office Notification of even number dated 18th July 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Pradeep Mehta, a permanent Engineer in the office of Union Public Service Commission as Senior Engineer (Group 'A') in the Commission's office on ad hoc basis for a further period from 1-8-1984 to 31-10-1984 or until further orders whichever is earlier.

- 2. The said appointment of Shri Pradeep Mehta as Senior Engineer is consequent upon the approval of the Union Public Service Commission.
- 3. This appointment is purely on ad hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment, seniority, etc. in the post.

M. P. JAIN Under Secy, (Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 10th September 1984

No. 8M PRS 214.—The services of Shri S. R. Jam, Asstr. Technical Examiner (Elect), (an Asstt. Engineer of the Central P.W.D.) are placed at the disposal of the D.G. (Works), CPWD with effect from the afternoon of 10th September, 1984.

K. L. MALHOTRA Under Secy. For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 13th September 1984

No. 3|35|76-Adm. II.—Shri K. I.. Dhingra, Assistant is appointed as Administrative Officer in the Bureau of Police Research & Development, New Delhi on ad hoc basis, with effect from the forenoon of 31st July, 1984, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-1000-EB-40-1200|- until further orders.

S. K. MALLIK Director General

DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th September 1984

No. D-2 69-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Jain, Senior Public Prosecutor, Central Burcau

of Investigation as Deputy Legal Adviser in CB1 w.e.f., the forencon of 1st September, 1984.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E), CBI

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110003, the 11th September 1984

No. O. II-1764|82-Fst1.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Bhabani Prosad Hazarik as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 4th August, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, which ever is earlier.

No. O. II-1890/83-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. G. S. Rauthan, GDO Grade-II (Dy. SP/Coy. Commander) in the CRPF with effect from the forenoon of the 11th June, 1984.

The 15th September 1984

No. O. 11-1774|83-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Surender Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 31st August, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 17th September 1984

No. O. II-1810|83-Est*.—The President is pleased to relieve Dr. F. K. Panigrahi, GDO, Grade-II of GC, CRPF, Rampur with effect from the afternoon of 10th August, 1984, on expiry of one month's notice under rule 5(1) of CCS(TS) Rules, 1965.

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt.)

DIRECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th September 1984

No. E-16013(1)|5|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri K. D Nayar, IPS (UT: 67) on promotion as Deputy Inspector General in the CISF in the pay scale of Rs. 2000—2250|- with effect from the forenoon of 31st August 1984. His period of deputation to CISF has also been extended upto 31st December, 1986.

Sd. - ILLFGIBLE Director General|CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 12th September 1984

No. 10|17|84-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Sachdeva, a Section Officer of CSS Cadre, as Assistant Director in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, on *od hoc* basis w.c.f. the 18th August, 1984 for a period not exceeding one year.

His headquarters will be at New Delhi,

V. S. VERMA Registrar General, India

COMMITTEE ON CHANGE IN FINANCIAL YEAR

New Dolhi, the 14th September 1984

No. CCFY-2(7)-A|84.—Consequent on his transfer from the Food Corporation of India, New Delhi, Shri N. M.

Majmudar, IAS (UP: 17) has been appointed as Joint Secretary in the Commute, and Change In Financial Year in the scale of 58, 2500—2750]—with offect from the foremoon of 4th September, 1984 and until further orders.

The 17th Sentember 1984

No. CCFY-2(6)-A[84--Consequent on his transfer from the Economic Administration Reforms Commission. New Delhi, Shri S. N. Tiwari, an officer of the Border Security Force, and Administrative Officer in that Commission on deputation basis, has been appointed as Deputy Director in the Committee On Change In Financial Year with effection the afternoon of 31st August, 1984 and until further orders.

J. P. MISRA Administrative-cum-Accounts Officer

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) GUJARAT

Ahmedabad-380 001, the 11th September 1984

No. Est. (A) GO 3 39 1462. The Accountant General (Audit), Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Asstt. Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit) Gujarat, at Ahmedabad Rajkot with effect from the dates shown against each until further orders.

S|Shri

- I. A. N. Talati-19-7-84 (FN) Ahmedabad.
- 2. H. D Mehta-2-8-84 (FN) Rajkot.

The above is provisional and subject to the outcome in the Special Civil Application No 388 of 1984 in Honomable High Court of Gujarat,

St. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I KARNATAL.

Bangalore, the 20th August 1984

No. Admn. I|Audit|I|A 2|84-85|379.—The Accountant General (Audit) I, is pleased to promote the following FIVE (5) Assistant Audit Officers as Audit Officers in purely temporary capacity, until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking over charge.

S|Shn

- 1, R. Nagaraja Sharma
- 2. B. N. Madhava Rao
- 3. Noor Ahmed Pasha
- 4. G. M. Shaikh
- 5. R. Thyagaraj.

SMT. U. SANKAR Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT OFFICAL (AUDIT) I, MAHARASHTRA.

Bombay-400 020, the 2nd June 1984

No. Admn I/Audit/Genl./AAO/2(1)/1--The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officerr, who have been allocated to the new Audit Office under the scheme of reorganisation of the

orders · · · Sl. Name of	mect from 1-5-196	4 Forencon, until further		
			58. Shri S. J. Swamy	A. G. (Audit) I, Mah.
Sl. Name of		•		Bombay.
St. Name of		Office to which posted	59. Shri M. G. Sohoni .	Do.
TAT .	the Onicer	Office to which posted	60. Shri M. M. Dhama nkar	. Do.
No.			61. Shri R. Saathana Krishaan	. Do.
1	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3	62. Shri D. A. Phata k	. Do.
1. Shri K. L.	Manis	A. G. (Audit) I, Mah.,	63. Shri S. D. Jaywant .	. Do.
1. Shri K. L.	Mank it	Bombay.	64. Shri M. V. Deshpande .	. Do.
2. Shri R. B.	Chambul	Do.	65. Shri V. R. Rajwaday	, Do.
	Nargundkar .	Do.	66. Shri N. G. Choubal	. Do.
4. Shri N. D.	_	. Do.	67. Shri P. S. Karvo	. <u>D</u> o.
5. Shri A. S.		. Do.	68. Shri P. N. Kulkarn i	, <u>D</u> o.
6. Shri P, G		. Do.	69. Shri K. R. Sheudye	. <u>D</u> o.
7. Shri M G		Do.	70. Kum. D. P. Bhayanî .	. Do.
8, Shri Y. K		Do.	71. Shri K. D. Patne	Do.
9. Shri S. B.		. Do.	72. Shri R. N. Mulbagal .	. Dir. of Audit, S&CD,
10, Shri M. D		. Do.		Bombay.
11. Shri R. K.		. Do.	73. Shrì S. V. Durve	. Do.
12. Shri V. S.	•	. Do.	74. Shri Shrikrishna G. Joshi	. Do.
13. Shri R. A		. Do.	75. Shri R. Vembu	Do.
14. Shri M. K		. Do.	76. Shri S. Sankaranarayanan	. Do.
15. Shri M.S.		Do.	77. Shri M. T. Pathak	. Do.
16. Shri K N		Do.	78. Shri K. V. Oak	. Do.
17, Shri G. R		Do.	79. Shri O. P. Srivastava .	Do.
	Albuquerque .	. Do.	80. Shri P. D. Menon	. Do.
19. Shri S. V.		. Do.	81. Shri M. P. Hariharputhran	. D o'.
20. Shri D. R	•	Do.	82. Shri R. K. Maladkar	. Dir. of Audit, Central,
21. Shri S. G.		, Do.		Bombay.
22 Shri S. U.	_	, Do.	83. Shri R. Vaidyanathan	. , Do.
23. Kum, S. C		- Do.	84. Shri B. R. Datar	. Do.
	oaketakrishnan	. Do.	85. Shri S. D. Patange	. Do.
25. Shri N. A		. Do.	86. Shri S. V. Fogde	. Do.
26. Shri V. G.		. Do.	87, Smt. L. Sunderambal .	. Do.
27. Shri D. B.	•	. Do.	88. Smt. C. Anandavalli .	. Do.
28. Shri M. C		. Do.	89, Shri V.Sankaranarayanan	. Do.
29. Shri P. V		. Q c.	90. Shri T. N. Venkatraman	. Do.
30. Shri K. D		. Do.	91. Shri M. Y. Keni	. Do.
31. Shri D. D	_	. Do.	92. Shri G. Ratnam	. Do.
32, Shri M. V		. Do.	93. Shri V. S. Nawatho	. Do.
33. Shti D. N		. Do	94. Shri V. G. Surve	. Do.
34. Shri K. H		Do.	95, Shri R. P. Patil	, Do.
35. Shri P. N		. Do.	96. Shri M.S. Ambekar .	. Do.
36. Shri G. N		. Do.	97.Shri D. M.Khanolkar	. Do.
37. Shri V. P		. Do.	98, Shri M. J. Kande	. Do.
	Ramachandran .	, Do.	99, Shri V. Srinivasan	. Do.
39. Kum. S.		Do.	100. Shri M. V. Warrier	. D o.
40. Shri S. D		. Do.	101, Shri S. V. Rampure	Do.
41, Shri P. V	. Gopalakrishnan	. Do,	102. Shri P. K. Patil	Do.
42. Shri S. V		, D ₀ .	103. Shri M. B. Viswastao .	, Do.
43. Shri P. P.		Do.	104. Shri N. D. Jawali	. Do.
44, Shri M.	•	Do.	105, Shri M. S. Menghrajani	. Do.
45. Shri M.	S. Murkar .	, Ďo.		. Do.
	Gee Verghese	. Do.	107. Shri M. V. Atro 108. Shri P. M. Karandikar	Do.
47. Shri B. S	S. Bane .	. Do		. Do.
48. Shri K. F	Radhakrishnan	Do.	109, Shri V. P. Kulchandra	, Do.
49. Shri V. F		. Do.	110. Shri R. S. Hogde	. Do.
50. Shri C. 1		. Do.	112, Shri C. M. Krishnan	Do.
51, Shri P. I		. Do.	113. Shri J. N. Maratho	. Do.
52. Shri Sur			114. Shri N. Joy Kutty	. Do.
		, Do,	115, Shri G. K. Nene	. Do.
53. Shri M.	P. Gopalakrishnan	. Do.	116, Shri S. S. Sankeshwar	, Do.
54, Shri Jok	han	Do.		, Do.
55. Smt. C.	C. Naik	Do.	117. Shri M. S. Sannabhadti .	. Do.
56. Shri S. J		Do.	118. Shri G. Narayanan ,	. <u>D</u> o.
57. Snit. Ba		·	119. Shri D. G. Patil	. Do.
57. Silit. Ba	oy tomic	. Do.	120. Shri George Koshy .	. Do.

1 2	3	1 2	3
121, Shri T. Bhaskaran	Dir. of Audit, Cerntal,	185. Shri V. N. Joshi	. A. G. (Audit) II, Mah . Nagpur.
•	Bombay.	186. Shri M. G. Pangde	. Do.
122, Smt. Elizabeth Cherian .	. Do.	187. Shri N. V. Godbole	. Do.
123. Shri J. P. Bhakshi .	. Do.	188. Shri Syed Mansoor Ali .	Do.
124. Shri J. A. Khan	, Do.	189. Shri S. D. Bhide	. Do.
125. Shri C. H. Shihani	, Do.	190. Shrl S. P. Joshi	, Do.
126. Shri V. M. Kirkindo	. Do.	191. Shri V. M. Kale	, Do.
127. Shri Soman Zacharias	. Do.	192. Shri M. A. Pendke .	. Do.
128. Smt. Florie lyer	. Do.	193. Shri M. D. Bhalorao .	. Do.
129. Shri P. G. Nair	Do.	194. Shri C. N. Deo	. Do.
130. Shri B. R. Doshpando	Do.	195. Shri T. P. Umap	. Do.
132. Shri G. G. Thakur	Do. Do	196. Shri K. Vijayanarasimhan	. Do.
133. Shri N. H. Pandurangi	. Do.	197. Shri S. D. Ambaskar .	Do.
134, Shri C. E. Srinivasan	Do.	198. Shri V. B. Jachak	. <u>D</u> o.
135. Shri S. S. Wadko	Do.	199. Shri B. W. Lohitkar	. D o.
136. Shri B. S. Deshpande	Do.	200. Shri C. G. Vaidyanathan	. Do.
137. Shri R. Sundaresan	Do.	201. Shri D. M. Joshi	. Do.
138, Shri V. D. Mavinkurve	Do.	202. Shri S. K. Banerjoo .	. Do. . Do.
139. Shri N. S. Jamadar	Do.	203, Shri M. N. Gadkari .	. Do.
I40. Shri M. B. Pathare	Do.	204. Shri D. K. Apte 205. Smt. P. P. Chandekar	. Do
141, Shri B. D. Palav	Do.	206. Shri D. B. Chafle	. Do.
142. Smt. A. B. Roy	Do.	207. Shri V. M. Diwakar	. Do.
143. Shri K. C. Paluskar	Do.	208. Shri A. R. Moghe	. Do.
144. Shri R. G. Donde	Do.	209. Shri R. K. Parkhi	. Do.
145. Shri V. T. Kabnoor	Do.	210. Shri D. B. Deshmukh	. Do.
146. Shri S. S. Patil	Do.	211. Shri S. V. Sule	. Do.
147. Shri S. K. Raulgaonkar	Do.	212. Shri N. B. Thakur	, Do.
148, Smt. S. Bhaskaran	Do.	213, Shri P. B. Watak .	Do.
149, Smt. F. J. Karulkar	Do,	214. Shri P. S. Aparajit	. Do.
150. Shri P. D. Thakur	Do,	215, Shri C. L. Narayan Rao	. Do.
151, Kum. Z. H. Gunja	Do.	216. Shri K. P. Doodasan	. Do.
152. Shri N. R. Vyas	Do.	217, Shri C. Arvindakshan .	. D o.
153. Smt. C. Remadevi	Do.	218. Shri S. V. Kulkarni	. Do.
154. Shri S. R. Nair ,	Do.	219. Shri C. M. Peshwe	, Do.
155. Shri M. K. Ramachandran .	Do.	220. Shri V. K. Bhonsalo .	. Do.
56. Shri N. K. Theckedath	Do.	221. Shri G. S. Bakre	. Do.
157. Shri A. Viswanathan	Do.	222. Shri B. R. Kale	. Do.
158, Shri D. A. Banavali	Do. Do,	223. Shri P. K. Marpattiwat	. Do.
4.CO OT 1.84.OT 1	Do.	224. Shri A. U. Karpate .	. Do.
160. Snri Y.Samuel	Do.	225. Shri D. K. Diwanji	, Do.
162. Shri L. S. Krishnan	Do.	226. Shri W. N. Naik	. <u>D</u> o.
163. Shri J. P. Jagadish Ratnam .	Do.	227. Shri W. G. Gundalwar	. Do.
164. Shri K.G. Vijayadharan	Do.	228. Shri D. R. Shilledar	. Do.
165. Shri K. V. Khati	Do.	229, Shri S. L. Badgayya	. Do.
166. Shri V. M. Aswani	Do.	230. Shri S. A. Pitale	, Do.
167. Shri S. K. Anjarlekar	Do.	231. Shri S. Ramachandra Iyor	, Do.
168. Smt. Ramani C. Iyer	Do.	232. Shri D. Y. Hinganikar	, Do.
169. Shri K. T. Somasundaram .	Do.	233. Shri H. K. Sawangikar	, Do,
170. Smt. R. J. Ahluwalia	Do.	234. Shri B. Y. Bujone .	, Do. , Do.
171. Shri N. S. Jagzape	Do.	235. Shri B. Y. Upadhye .	, 150. . Do.
172. Smt. K. Vijayalakshmi	Do.	236. Shrì S. P. Deoras	. Do.
173. Shri R. A. Bhide	A. G. (Audit) II, Mah.	237. Shri M. R. Shah	. Do.
	Nagpur	238. Shri S. G. Doshpando . 239. Shri V. N. Janakiraman	Do.
174. Shri S. D. Kulkarni	Do.	240. Shri P. S. Tagalpalliwar .	, Do.
175. Shri S. M. Hatwalne	Do.	240. Shri P. S. Taganpaniwai . 241. Shri K. N. Mohane	. Do.
176. Shri L. C. Shah	Do.	241. Shri K. N. Mohale 242. Shri S. N. Joshi (II)	Do.
177. Shri K. G. Joshi	Do.	242. Shri S. N. Joshi (11)	. D o.
78. Shri M.P. Daware	Do.	244. Shri D. Y. Patki	. Do.
79. Shri R. Subramanian	Do.	245. Shri A. J. Dawande	Do.
80. Shrl R. K. Shrivastava	Do.		Do.
181. Shri R. P. Deoras	Do.	246. Shri R. B. Mange	
182. Shri B. N. Bywar	Do.	247. Shri L. D. Dautkhani	Do.
183. Shri G. M. Matode	Do.	248. Shri D. B. Jugade	, Do.
184. Shri P. S. Ogale	\mathbf{Do} .	249. Shri S. M. Shrowty .	, Do,

251. Shri A. W. Gokhale 252. Shri G. P. Mahakhode 253. Shri B. M. Dahikar 254. Shri D. K. Kale 255. Shri K. L. Telang 256. Shri M. D. Mishra 257. Shri R. L. Badkas 258. Shri C. G. Athavale 259. Shri V. S. Moharikar 260. Shri Y. W. Pathak 261. Shri K. T. Sangitrao 262. Shri M. B. Lunge 263. Shri K. H. Pendke 264. Shri M. A. Anjum 265. Shri C. D. Toal 266. Shri R. L. Nerkar 267. Shri R. K. Alkari 268. Shri N. Balasubramanian 269. Shri V. K. Wamorkar 270. Shri C. S. Manekar 271. Shri C. S. Manekar 272. Shri D. V. Naik 273. Shri A. K. Chandankhede 274. Shri A. K. Chandankhede 275. Shri A. K. Chandankhede 276. Shri A. K. Chandankhede 277. Shri A. K. Chandankhede 278. Shri A. K. Chandankhede 279. Shri D. V. Naik 270. Shri A. K. Chandankhede 270. Shri A. K. Chandankhede 271. Shri C. S. Manekar 272. Shri D. V. Naik 273. Shri A. K. Chandankhede 274. Shri A. K. Chandankhede 275. Shri A. K. Chandankhede 276. Shri A. K. Chandankhede 277. Shri A. K. Chandankhede 278. Shri A. K. Chandankhede 278. Shri A. K. Chandankhede 279. Shri D. V. Naik 270. Shri A. K. Chandankhede 270. Shri A. K. Chandankhede 270. Shri A. K. Chandankhede 271. Shri A. K. Chandankhede 272. Shri D. V. Naik 273. Shri A. K. Chandankhede 274. Shri D. V. Naik 275. Shri A. K. Chandankhede 276. Shri A. K. Chandankhede	Name of the Officer Date of Office to which apptt. as posted A.A.O. Shri S. A. Kabad . 5-3-84 A. G. (Audit) I. FN Mah. Bombay. Shri S. V. Kulkarni . 19-3-84 Dir. of Audit (C) FN Bombay. Smt. P. P. N. Rao . 6-3-84 Do. FN Shri M. J. More . 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun . 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) II, FN Mah. Nagpur.
251. Shri A. W. Gokhale Do. No. 252. Shri G. P. Mahakhode Do. 253. Shri B. M. Dahikar Do. 254. Shri D. K. Kale Do. 255. Shri K. L. Telang Do. 256. Shri M. D. Mishra Do. 257. Shri R. L. Badkas Do. 258. Shri C. G. Athavale Do. 259. Shri V. S. Moharikar Do. 260. Shri Y. W. Pathak Do. 261. Shri K. T. Sangitrao Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri V. K. Wamorkar Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 273. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 9. \$	apptt. as posted A.A.O. Shri S. A. Kabad . 5-3-84 A. G. (Audit) I. FN Mah. Bombay. Shri S. V. Kulkarni . 19-3-84 Dir. of Audit (C) FN Bombay. Smt. P. P. N. Rao . 6-3-84 Do. FN Shri M. J. More . 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun . 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) II,
251. Shri A. W. Gokhale 252. Shri G. P. Mahakhode 253. Shri B. M. Dahikar 254. Shri D. K. Kale 255. Shri K. L. Telang 256. Shri M. D. Mishra 257. Shri R. L. Badkas 258. Shri C. G. Athavale 259. Shri V. S. Moharikar 260. Shri Y. W. Pathak 261. Shri K. T. Sangitrao 262. Shri M. B. Lunge 263. Shri K. H. Pendke 264. Shri M. A. Anjum 265. Shri C. D. Toal 266. Shri R. L. Nerkar 267. Shri R. K. Alkari 268. Shri N. Balasubramanian 269. Shri V. K. Wamorkar 270. Shri C. S. Manekar 271. Shri C. S. Manekar 272. Shri D. V. Naik 273. Shri A. K. Chandankhede 274. Shri A. K. Chandankhede 275. Shri A. K. Chandankhede 276. Shri A. K. Chandankhede 277. Shri A. K. Chandankhede 278. Shri A. K. Chandankhede 279. Shri D. V. Naik 270. Shri A. K. Chandankhede 270. Shri A. K. Chandankhede 271. Shri C. S. Manekar 272. Shri D. V. Naik 273. Shri A. K. Chandankhede 274. Shri A. K. Chandankhede 275. Shri A. K. Chandankhede 276. Shri A. K. Chandankhede 277. Shri A. K. Chandankhede 278. Shri A. K. Chandankhede 278. Shri A. K. Chandankhede 279. Shri D. V. Naik 270. Shri A. K. Chandankhede 270. Shri A. K. Chandankhede 270. Shri A. K. Chandankhede 271. Shri A. K. Chandankhede 272. Shri D. V. Naik 273. Shri A. K. Chandankhede 274. Shri D. V. Naik 275. Shri A. K. Chandankhede 276. Shri A. K. Chandankhede	арріі. as posted A.A.O. Shri S. A. Kabad . 5-3-84 A. G. (Audit) I. FN Mah. Bombay. Shri S. V. Kulkarni . 19-3-84 Dir. of Audit (С) FN Bombay. Smt. P. P. N. Rao . 6-3-84 Do. FN Shri M. J. More . 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun . 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) П,
252. Shri G. P. Mahakhode Do. 253. Shri B. M. Dahikar Do. 254. Shri D. K. Kale Do. 255. Shri K. L. Telang Do. 256. Shri M. D. Mishra Do. 257. Shri R. L. Badkas Do. 258. Shri C. G. Athavale Do. 259. Shri V. S. Moharikar Do. 260. Shri Y. W. Pathak Do. 261. Shri K. T. Sangitrao Do. 262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri D. V. Naik Do. 275. Shri D. V. Naik Do. 276. Shri A. K. Chandankhede Do. 277. Shri A. K. Chandankhede Do. 278. Shri D. V. Naik Do. 279. Shri A. K. Chandankhede Do.	A.A.O. Shri S. A. Kabad . 5-3-84 A. G. (Audit) I. FN Mah. Bombay. Shri S. V. Kulkarni . 19-3-84 Dir. of Audit (C) FN Bombay. Smt. P. P. N. Rao . 6-3-84 Do. FN Shri M. J. More . 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun . 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) II,
254. Shri D. K. Kale Do. 255. Shri K. L. Telang Do. 256. Shri M. D. Mishra Do. 257. Shri R. L. Badkas Do. 258. Shri C. G. Athavale Do. 259. Shri V. S. Moharikar Do. 260. Shri Y. W. Pathak Do. 261. Shri K. T. Sangitrao Do. 262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri D. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 275. Shri D. V. Naik Do. 276. Shri A. K. Chandankhede Do. 277. Shri A. K. Chandankhede Do. 278. Shri D. V. Naik Do. 279. Shri D. V. Naik Do. 279. Shri A. K. Chandankhede Do.	FN Mah. Bombay. Shri S. V. Kulkarni 19-3-84 Dir. of Audit (C) FN Bombay. Smt. P. P. N. Rao 6-3-84 Do. FN Shri M. J. More 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar 31-3-84 A. G. (Audit) II,
255. Shri K. L. Telang 256. Shri M. D. Mishra 257. Shri R. L. Badkas 258. Shri C. G. Athavale 259. Shri V. S. Moharikar 260. Shri Y. W. Pathak 261. Shri K. T. Sangitrao 262. Shri M. B. Lunge 263. Shri K. H. Pendke 264. Shri M. A. Anjum 265. Shri C. D. Toal 266. Shri R. L. Nerkar 267. Shri R. K. Alkari 268. Shri N. Balasubramanian 269. Shri B. J. Watwardhan 270. Shri C. S. Manekar 271. Shri C. S. Manekar 272. Shri D. V. Naik 273. Shri A. K. Chandankhede 274. Shri A. K. Chandankhede 275. Shri A. K. Chandankhede 276. Shri D. V. Naik 277. Shri A. K. Chandankhede 277. Shri A. K. Chandankhede 278. Shri A. K. Chandankhede 279. Shri D. V. Naik 279. Shri A. K. Chandankhede 270. Shri A. K. Chandankhede 270. Shri A. K. Chandankhede 271. Shri D. V. Naik 272. Shri D. V. Naik 273. Shri A. K. Chandankhede 274. Shri D. V. Naik 275. Shri A. K. Chandankhede 276. Shri A. K. Chandankhede	FN Mah. Bombay. Shri S. V. Kulkarni
256. Shri M. D. Mishra Do. 257. Shri R. L. Badkas Do. 258. Shri C. G. Athavale Do. 259. Shri V. S. Moharikar Do. 260. Shri Y. W. Pathak Do. 261. Shri K. T. Sangitrao Do. 262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do.	Shri S. V. Kulkarni
257. Shri R. L. Badkas Do. 258. Shri C. G. Athavale Do. 259. Shri V. S. Moharikar Do. 260. Shri Y. W. Pathak Do. 261. Shri K. T. Sangitrao Do. 262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri V. K. Wamorkar Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do. 275. Shri A. K. Chandankhede Do. 276. Shri A. K. Chandankhede Do. 277. Shri A. K. Chandankhede Do. 278. Shri A. K. Chandankhede Do. 279. Shri A. K. Chandankhede Do. 279. Shri A. K. Chandankhede Do.	FN Bombay. Smt. P. P. N. Rao 6-3-84 Do. FN Shri M. J. More 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar 31-3-84 A. G. (Audit) II,
258. Shri C. G. Athavale Do. 259. Shri V. S. Moharikar Do. 260. Shri Y. W. Pathak Do. 261. Shri K. T. Sangitrao Do. 262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do.	Smt. P. P. N. Rao 6-3-84 Do. FN Shri M. J. More 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) П,
259. Shri V. S. Moharikar Do. 260. Shri Y. W. Pathak Do. 261. Shri K. T. Sangitrao Do. 262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do.	FN Shri M. J. More 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) II,
260. Shri Y. W. Pathak Do. 261. Shri K. T. Sangitrao Do. 262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do.	Shri M. J. More 19-3-84 Do. FN Shri R. D. Nirgun 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) Π,
261. Shri K. T. Sangitrao Do. 262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do.	FN Shri R. D. Nirgun 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) Π,
262. Shri M. B. Lunge Do. 263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do.	FN Shri R. D. Nirgun 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) Π,
263. Shri K. H. Pendke Do. 264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do.	Shri R. D. Nirgun 5-3-84 Do. FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) Π,
264. Shri M. A. Anjum Do. 265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 29. Shri Do. 29. Shri D. V. Naik Do. 29. Shri D. V. Naik Do. 29. Shri D. V. Naik Do.	FN Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) II,
265. Shri C. D. Toal Do. 266. Shri R. L. Nerkar Do. 267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri D. V. Naik Do. 275. Shri A. K. Chandankhede Do.	Shri M. W. Paunikar . 31-3-84 A. G. (Audit) II,
267. Shri R. K. Alkari Do. 268. Shri N. Balasubramanian Do. 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 274. Shri A. K. Chandankhede Do.	
268. Shri N. Balasubramanian Do. 7. 5 269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. 271. Shri C. S. Manekar Do. 8. 5 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 9. 5	FN Mah. Nagpur.
269. Shri B. J. Watwardhan . Do. 270. Shri V. K. Wamorkar . Do. 271. Shri C. S. Manekar . Do. 272. Shri D. V. Naik . Do. 273. Shri A. K. Chandankhede . Do. 9. Strict A. K. Chandankhede . Do.	
269. Shri B. J. Watwardhan Do. 270. Shri V. K. Wamorkar Do. 271. Shri C. S. Manekar Do. 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 9. Strict A. K. Chandankhede Do.	Shri A. K. Mudliar 5-3-84 Do.
271. Shri C. S. Manekar Do. 8. 5 272. Shri D. V. Naik Do. 273. Shri A. K. Chandankhede Do. 9. 5	FN
272. Shri D. V. Naik	Shrl V. S. Naik 3-3-84 Do.
273, Shri A. K. Chandankhede Do. 9. 9	Shri V. S. Naik 3-3-84 Do. FN
274 Shri B R Pande Do	Shri B. G. Joglekar 5-3-84 Do.
274. Shri B. R. Pande Do.	FN
275, Shri H. A. Bhishma Do.	
276. Shri N. N. Bhatwadekar . Do.	N
	No. Admn. I/A/Audit/Genl/AAO/2(1)/3—The Accountant neral (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to grant
Gen.	following Section Officers on deputation/foreign service,
	have been allocated to the new Audit Office under the
Coh.	eme of reorganisation of the Audit & Accounts Offices,
280. Sili I . C. Anjankat , . Do. Prof.	forma Promotion as Asstt. Audit Officers, with effect
	n 1-3-84 Forenoon, until further orders.
282. Shri M. B. Kothekar Do. Sl.	Name of the Officer Office in which working.
283. Shri C [*] K. Joshi Do. No.	
284. Shrl Y. D. Joshi	
285. Shri D. W. Ghonge Do. 1. S	Shri R. C. Jakhmola Comptroller & Auditor
286. Shri S. N. Goregaonkar . Do.	General of India, New Delhi.
2. S	Shri K. Janardanana Do.
3. F	P. H. Parameshwaran . Maharashtra Water Supply
	& Sewerage Board, Bombay.
	Shri B. R. Zope Do.
250. Shirt B. 7. 1 tuzete	Shri A, A. Vaze Do. Smt. S. V. Kalbag Director of Commercial
291. Smt. S. R. Nair Do.	Audit, Bombay.
292. Shri D. S. Rangnekar Do. 7 S	Shri R. Z. Padole, Do.
7. 0	Shri V. H. Saraf Indian Council for Agri-
294. Shri K. L. Karmudi Do.	culture Research, Vittal,
**************************************	South Kanara,
206 Chui C V Danaska	
296, Shri S. V. Ranzekar Do.	
297. Shri D. R. Bodas	A. K. SITARAMN
298. Shri K. P. Godhwani Do,	W. W. SHARWIM
299. Shri P. W. Gabale Do.	Sr. Dy. Accountant General/ Admn. 1.

No. Admn. I/Audit/Genl./AAO/2(1)/2—The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers, who have been allocated to the new Audit Office under the scheme of reorganisation of the Audit & Accounts Offices, to officiate as Assistant Audit Officers

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) $KERAL\Lambda$

Trivandrum, the 11th September 1984

No. A.G. Audit|Entt. & Cash|1|10-3|84-85.—The following Officers of the Office of the Accountant General (Audit)

Kerala, Trivandrum retired from Government service on superannuation on the dates noted against each.

- (1) Shri K. Subramonia Iyer (No. 1) Audit Officer—31-8-1984 (AN).
- Shri G. Krishna Kurup, Audit Officer—31-8-1984 (AN).

V. LAKSHMINARAYANAN Accountant General

OFFICE OF THE DY. DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) KAPURTHALA

Kapurthala, the 12th September 1984

No. Admn. A. II Discip J. Villiam 1989.—Shri James William S o Shri Inayot Masih while working as Jr. Accountant in this office wilfully overstayed leave from 1-3-83 in an unauthorised manner and was found guilty of not carrying out the orders issued to him from time to time. After following the necessary disciplinary proceedings under the Departmental Rules as contained in the C.C.S. (C.C.A.) Rules, 1965, Shri James William was thus removed from Salvice w.e.f. 18-7-1984 (AN) and the order of his removal from service was sent to him at his last available address in the office. As the official has not acknowledged the receipt of the above order of his removal, it is hereby notified that Shri James William, Jr. Accountant S o Sh. Inayat Masih stands removed from service w.e.f. 18-7-1984 (AN).

R. L. JOSHI Dy. Director of Accounts (Postal)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 11th September 1984

No. AN [1] 172] 1 [III.—The President is pleased to appoint Shri V. Radhakrishnan an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Administrative Grade (Level-II) (Scale Rs. 2250—125]2—2500) of that Service with effect from the forenoon of 22nd August, 1984 until further orders.

A. K. GHOSH Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700079, the 3rd September 1984

No. 03/94/A/M—On attaining the age of Superannuation i. e. 58 years, the following Assistant Medical Officers retired with effect from the date shown against each :—

Sl. Name & Designation No.	Factory	Date
 Dr. S. K. Choudhury, A.M.O. Dr. (Smt.) Jharna Basu, A.M.O. 	Gun & Shell Fy. Cossipore Gun & Shell Fy. Cossipore	31-3-84 (AN) 30-6-84 (AN)

R. K. CHELLAM Addl. DGOF/Member/Personnel

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 10th September 1984

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1|2|84-Admn(G)|6839.—The President is pleased to appoint Shri P. Venkatesan. Controller of Imports & Exports as Dy. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi for a further period of Four months from 1st July, 1984 to 31st October, 1984.

The 13th September 1984

No. 6[1319]79-Admn(G)[6860.-On attaining the age of superannuation, Shri S. V. Parab, officiating Controller of Imports and Exports in the office of Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay has been retired from Government service with effect from the afternoon of the 31-5-1984.

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 21st August 1984

No. A-38012 184-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri Srinath Prasad, Assistant Director Grade-I (Designs) in the Weavers Service Centre, Varanasi, under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, (Department of Textiles), Ministry of Commerce, to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1984 on attaining the age of superannuation

The 1st September 1984

No A-12025(i) | 1 | 83-Admn. III.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 16th August, 1984 and until further orders Shri B. P. Anjanappa, as Director (Institute) in the Indian Institute of Handloom Technology, Gauhati.

V. K. AGNIHOTRI
Additional Development Commissioner
for Handlooms

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 13th September 1984

No. Jute(A)|147|65.—The Jute Commissioner hereby appoints. Shri D. K. Dutta. Assistant Director (Jute Technology) in this office in the scale of Rs. 650—1200|- as Assistant Director (Jute Manufactures) a Group "A" Gazetted post in the scale of Rs. 709—40—900—EB—40—1100—50—1300|- in an officiating capacity in this office with effect from 20th July, 1984 (FN) until further orders.

No. Jute(A)|147|65.—The Jut: Commissioner hereby appoints. Shri K. K. Das. Inspector (Technical) Grade-I in this office in the scale of Rs. 550—9001—a: Assistant Director (Jute Technology)—a Group "B" Grantfed nost in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—IE —35—880—40—1000—EB—40—12001—in an officiative canacity in this office with effect from 20th July, 1984 (EN) until further orders.

D. K. GOSWAMI

Executive Officer

for Jufe Commissioner

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BURFAU OF MINES

Nagpur, the 10th September 1984

No. A. 19011(325)|83-Estt. A.—Dr. M. P. Chacharkar has relinquished the charge of the post of Senior Chemist in Indian Bureau of Mines, on the afternoon of 31st July, 1984, sequal to his selection as 'Scientist 'D' in Defence Laboratory, Defence Research and Development Organisation, Jodhpur.

The 12th September 1984

No. A. 19012(203) 84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. D. Bhim Raju Permanent Senior Technical Assistant (Mining) has been promoted to the post of Assistant Mining Engineer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 30th August, 1984.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO (CIVIL CONSTRUCTION WING

New Delhi, the 10 August. 1984

No. A-35018/4/83-CW-I. 2120—The Director General. All India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following officers of C.P.W.D./DAVP as Asstt. Architect, Civil Construction Wing, All India Radio, on deputation basis n the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates and for a period indicated against each or till the post is filled on regular basis whichever is ealier:—

Sl. Name No.	Date of Joining	Period of deputation
1. Shri S. K. Bhatnagar	1-3-84 (F.N.)	3 years
Shri Prem Chand .	3-4-84 (F.N.)	3 years
3. Shri-P. S. Negi	16-6-84 (A.N.)	3 years
4. Shrl D. J. Desai .	12-6-84 (F.N.)	2 years

2. The Pay & allowances of the officers will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E 111/60, dated 4-5-61 as amended from time to time.

S. K. MOHINDRA, E. O. to Chief Engineer (Civil) for Director General.

New Delhi, the 12th September 1984

No. 4|12|84-SII|3.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Kum. B. Amba, Hindi Assistant Grade II, Office of the Divisional Railway Manager, South Eastern Railway, Bilaspur as Hindi Officer on deputation in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on ad hoc basis with effect from the 13th August, 1984 until further orders.

2. Kum. Amba assumed the charge of the post at All India Radio, Cuttack on the same date.

MOHAN FRANCIS
Deputy Director Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FII MS DIVISION

Bombay-26, the 10th September 1984

No. 9|48|49-Est. I.—Smt. S. V. Peswani, Superintendent in the Films Division, Bombay has been appointed to officiate as Asstt. Administrative Officer on ad-hoc basis on a pay of Rs. 920|- p.m. in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 1st September, 1984 vice Shri R. P. Parmar, Asstt, Administrative Officer granted leave with effect from 1-9-84 to 31-10-84.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Director of Administration

THE THE PARTY OF T

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th August 1984

No. A. 11019|2|84-M(F&S).—The President is pleased to appoint Shri Braj Kishore Prasad in a substantive capacity to the post of Deputy Director (Administration) at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the 30-11-1983.

The 1st September 1984

No. A. 12025|2|83-M(F&S).—The President is pleased to appoint Dr. S. Ramaswamy, in the post of Lecturer in Pharmacology at Jawaharlal Institute of Post graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the forencon of 3rd August, 1984 in a temporary capacity.

P. N. THAKUR Deputy Director Administration (C&B)

New Delhi, the 5th September 1984

No. A. 19018|12|83-CGHS. I.—The Director Generl of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kum.) Shashi Go-hale to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme Meerut on temporary basis with effect from the 16th July, 1984 (A.N.).

The 6th September 1984

No. A. 19018|12|83-CGHS. II.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Hakim Zakiuddin to the post of Unani Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28th August, 1984, until further orders.

Deputy Director Admn. (CGHS.I)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 4th August 1984

No. A. 19012|54|84-Esti.—The undersigned is pleased to appoint, on purely temporary basis Shri Rajendra Singh in the Group 'B' post of Assistant Engineer (Mechanical) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 at the National Sugar Institute, Kanpur from the foremon of 17th July, 1984 until further orders.

The 12th September 1984

No. A.19012|55|84-Estt.5466.—The undersigned is pleased to appointment on temporary basis, Shri Pushpendra Kumar Jain in the Group (B' post of Junior Scientific Officer (Physical Chemistry) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 at the National Sugar Institute, Kanpur from the forenoon of 29th August, 1984.

RAM KUMAR Director

SOUTHERN REGION FARM MACHINERY TRAINING & TESTING INSTITUTE

Garladinac-515731, the 18th August 1984

No. 2-3[84-PF.—Shri K. R. Murthy Senior Instructor (Adhoc) of Central Farm Machinery Training & Testing Institute, Budui, is appointed as adhoc Senior Instructor at SRFMT&T1 Garladinne, Anantapur (A.P.) w.e.f. 1-7-84 F.N. to 31-12-84 or till further orders.

M. R. DEWAN Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 3rd Septembor 1984

No. PA|79(5)|83-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Namdeo Bhiwaji Dhule, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of August 27, 1984 until further orders

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 13th September 1984

Ref. No. DPS|41|2|83-Adm.|975.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Mathai, a permanent Storekeeper to officate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 5-3-1984 (FN) to 5-4-1984 (AN) in the same Directorate vice Shri K. Chandrasekharan, Assistant Stores Officer promoted a Stores Officer (ad-hoc).

P. GOPALAN! Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 039, the 7th June 1984

ORDER

No. Ref. HWPs|IRS|5(187)|83|2316(A).—WHEREAS it was alleged that "Shri S. B. Patel, Scientific Assistant, 'C, Heavy Water Plant (Baroda) has displayed lack of devotion to duty and has acted in a manner quite unbecoming of a Government servant in contravention of sub-rule 1(ii) and

1(iii) of Rule 3 of the CCS (Conduct) Rules, 1964. Inasmuch as he has remained absent from duty unauthorisedly w.c.f. 8-7-1983."

AND WHEREAS the said Shri Patel was informed of the charge vide memorandum No. HWPs|TRS|427 dated 22-11-1983;

AND WHEREAS an inquiry was held against the said Shri Patel in accordance with the provisions of Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 at Baroda on 3-3-1984 and 30-3-1984;

AND WHEREAS the inquiring authority in his report dated 2-5-1984 has held that the charge against the said Shri Patel has been proved;

AND WHEREAS the undersigned after careful consideration of the evidence on record and the report submitted by the inquiring authority, agrees with the findings of the inquiring authority and holds that the charge against the said Shri Patel has been proved.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred vide DAE's order No. 22(1)|68|Adm. It dated 7-7-1979 hereby orders that the said Shri Patel be dismissed from service with immediate effect.

To

Shri S. B. Patel, Near Navlekhas Haveli, Bujwada, Baroda-1, Gujarat.

along with a copy inquiry report.

N. SRINIVASAN
Chief Executive

Bombay-400 039, the 7th June 1984

ORDER

No. Ref: HWPs|5(186)|83|2316(B).—WHEREAS it was alleged that "Shri Y. R. Patel, Scientific Officer|Engineer, Gr. SB. Heavy Water Plant (Baroda) has displayed lack of devotion to duty and has acted in a manner highly unbecoming of a Government servant in contravention of sub-rule 1(ii) & 1(iii) of Rule 3 of the CCS (Conduct) Rules, 1964, inasmuch as he has remained absent from duty unauthorisedly w.e.f. 12-7-1983";

AND WHEREAS the said Shrl Patel was informed of the charge vide memorandum No. HWPs IRS 428 dated 22-11-1983;

AND WHEREAS an inquiry was held against the sald Shri Patel in accordance with the provisions of Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 at Baroda on 2-3-1984 and 29-3-1984.

AND WHEREAS the inquiring authority in his report dated 30-4-1984 has held that the charge against the said Shri Patel has been proved;

AND WHEREAS the undersigned after careful consideration of the evidence on record and the report submitted by the inquiring authority, agrees with the findings of the inquiring authority and holds that the charge against the said Shri Patel has been proved.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred vide DAE's order No. 22(1)[68]Adm. II

dated 7-7-1979 hereby orders that the said Shri Patel be dismissed from service with immediate effect.

N. SRINIVASAN Chief Executive

To
Shri Y. R. Patel,
B-59, Shivam Society,
Beside HWP(B) Colony,
Chhani Jakat Naka,
Nizampura, Baroda-2.
Shri Y. R. Patel,
Near Pranami Temple,
Lakhwada, Nadiad, P.O.,
Dist. Kaira (Kheda),
Gujarat State.

along with a copy of inquiry report.

Bombay-400 039, the 22nd August 1984

No. Ref. HWPs|05045|GB|4536.—Chief Executive, Heavy Water Projects, hereby appoints Shri C. K. Krishnan, a permanent Assistant Security Officer of the Rajasthan Atomic Power Station and officiating Security Officer, Heavy Water Plant (Baroda), as Security Officer in Heavy Water Plant (Baroda) in a substantive capacity w.c.f. 16-3-1984.

R. L. BATRA Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st September 1984

No. A. 32013|16|82-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. S. Budal, Deputy Director of Aerodromes, Madras as Regional Controller of Aerodromes, Madras with effect from 6th August, 1984 and until further orders.

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 29th August 1984

No. A. 12025/1/83-EC (Vol. II) (i)—The President is pleased to appoint the following officials as Technical Officers in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the dates indicated against each and until further orders and to post them at the following stations:—

S. No.	Name				Date of taking ove charge	Station of posting
1	2			•	3	4
1. 5	bri P. K	Bandopa	adhya	<u></u> -		ACS, Calcutia
2, 8	ihri Arjuı	n Singh		٠.	28-5-23	CATC, Allahabad.
_3. S	hri C. R	Sudhir			31-5-83	ACS, Madras

1 2	3	4
4. Shri K, Ganesan		ACS, Calcutta
5. Shri Santanu Ghosh .		ACS, Calcutta
 Shri A. K. Chattopadhyay Shri M. L. Chakraborty 		ACS, Calcutta ACS, Calcutta
". Dilli W. D. Chakiauoliy ,	31-3-04	Aco, carcana

No. A. 12025/1/83-EC (Vol. II) (ii)—The President is pleased to appoint the following officials as Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the dates indicated against each and until further orders and to post them at the following stations:—

Sl. No.	Name		Date of taking over charge	Station of posting
	bri P.N.S. Kushwaharl P. K. Jha	 i .		ACS, Lucknow ACS, Madras

The 6th September 1984

No. A. 32013/7/83-E1.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Gupta, Scientific Officer to the post of Senior Scientific Officer on an adhoc basis for a period from 6-9-84 (FN) to 11-12-84 (AN) or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 5th September 1984

No. 14|1984.—Shri I. T. Upadhyay, Administrative Officer of Central Excise & Customs, (Group-B') Vadodara Din, I. has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-8-1984.

N. B. SONAVANE
Collector
Central Excise and Customs, Vadodara

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 066, the 6th September 1984

No. 22|4|83-Adm. I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri G. S. Das, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th July, 1984, until further orders.

B. M. LALL Under Secretary

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 11th September 1984

No. 30|29|83-ECI.—The President is pleased to appoint the following Assistant Engineers (Civil) in the Central Public Works Department to officiate on ad-hoc basis, until further orders, as Executive Engineers (Civil) in the Department with effect from the dates shown against their names:—

SIShri

- 1. S. P. Garg-30-7-84 (AN)
- 2. S. K. Gupta-27-7-84

- 3. Karan Singh (SC)---30-7-84
- 4. B. R. C. Rao (SC)-13-7-84

NANAK SINGH Dy. Director of Admn.

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-43, the 13th September 1984

No. P/G/14/300E—The following Officiating Group 'B' Officers of the personnel Department of this Railway are Confirmed as Group B' Officers in that Department with effect from the date noted against each :--

S. Name and Designa	tion	Date (Confirmatio		
1. Shri P. J. Rao .		D.P.O./WAT	12-9-79	
Shri V. S. Sharma		S.P.O. (P&T)/GRC	01-3-82	
3. Shri C. G. Saha		D.P.O./CKP	01-3-82	
4. Shri K. B. Biswas		S.P.O./IR/GRC	01-3-82	
5. Shri S. Gangayya		D.P.O./KUR	01-3-82	
6. Shri T. K. Mandal		A.P.O.(L/R)GRC	01-3-82	

M. K. KHOSLA General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and Mss. Happy Valley Hatcheries Private Limited

Srinagar, the 4th September 1984

No. PC|550|2021.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1°56, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Happy Valley Hatcheries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies. J&K

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, MADHYA PRADESH

In the matter of the Companies Act, 1956 and

Mis. Haryani Investments Private Limited, Indore

Gwalior-474009, the 12th September 1984

No. 1544|PS|CP|3094.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Haryani Investments Private Limited, Indore, has this day been struck-off the Regsiter and the said company is dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and

In the matter of Manjaly Kurles and Agencies Pvt Ltd.

Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 2721 I iq | 560(5) | 9497 | 84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies

Act, 1956 that the name of Manjely Kuries and Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Trichur Fertiliser Distributors Pvt. Ltd.

Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 2244 Liq 560(3) 9499 84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expity of three months from the date hereof the name of Trichur Fertiliser Distributors Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Royal Granites Pvt. Ltd.

Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 2756 Liq 560(5) 950184.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Royal Granites Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Modern Electronics Gadgets Engineering Company Pvt. Ltd.

Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 2712 Liq 560(5) 9503 84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Modern Electronics Gadgets Engineerig Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Millons Real Estate Pvt. Ltd.

Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 3076|Liq|560(5)|9505|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Millions Real Estates Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Kairall Chit Funds Pvt. Ltd.
Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 621/1 iq/560(5)/9507/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kairali Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and

in the matter of Brothers Chit Funds Pvt. Ltd.

Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 2288|Liq|560(5)|9509|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Brothers Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies 4ct, 1956 and in the matter of Navajeevan Printing and Publishing Company Pvt, Ltk

Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 2942 | Liq | 560(5) | 9511 | 84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Navajeevan Printing and Publishing Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Indian Trust Fund Pvt. Ytd.

Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 483|Liq|560(3)|9513|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Indian Trust Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and

in the matter of Parar Canning Industries Pct. Ltd. Cochin-682 011, the 14th September 1984

No. 2030|Liq|560(5)|9515|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Parur Canning Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 30th March 1984

Ref. No. G.I.R. No. P-114 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Arazi Khasra No. 370 situated at Mauza-Khurram Nagar,

Tehsil & District Lucknow (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amina Khatoon,

(Transferor)

(2) Parvatiya Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow through Secretary, Shrl P. S. Bhandari.

(Transferce)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bhumindhari Khasra No. 370, measuring 5 Bigha 8 Biswansi, situated at Mauza-Khurram Nagar, Pargana. Tehsil and District Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 11511, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 17-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-3-1984.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 5th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. P-120|Acq.—Whereas, I. A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of House No. C-21/4 situated at Maldahiya, Habibpura.

(and more fully described in the schedule anunexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the officer at Varanasi on 20-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 1908 (10 of 1908) apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Usha Rani Alias Smt. Usha Ravisen, 2. Smt. Debika Rani Alias Smt. Debika Raman.

3. Smt Sarita Ranj Alias Smt. Sarita Agarwal. (Transferor)

(2) 1, Smt. Pushpa Devi Agarwal, 2. Smt. Savitri Devi Agarwal,

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of house No. C-21/4, situated at Maldahiya, Habibpura, Varanasi, including land measuring 5723 sq. ft. registered on 20-3-1984 by the Registering Authority at Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-9-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Usha Rani Alias Smt. Usha Ravisen.

1. Smt. Usna Raul Alias Smt. Debika Raman,
2. Smt. Debika Rani Alias Smt. Debika Raman,
3. Smt. Sarita Rani Alias Smt. Sarita Aggarwal (Transferor)

(2) 1. Smt. Usha Pahuja 2. Shri Satish Kumar

may be made in writing to the undersigned :-

Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 5th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. U-35 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of House No. C-21|4 situated at Maldahiya, Habibpura.

Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Varanasi on 20-3-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of house No. C-21/4, situated at Maldahiva, Habibpura, Varannsi, including land measuring 5791 sq. ft. registered on 20-3-1984 by the Registering Authority at Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 5-9-1984. Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SECTION TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 26th July 1984

Ref. No. IAC|Acq|13|13|84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land S. No. 50/1-A MPL. No. 56 CTS. No. 18816 sheet No. 261 Itkheda. Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Aurangabad on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1857 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
48—266 GI|84

11) Mis. Kishendes Goverdhandes Gangapurwala Rio Panduba Aurangabad. Through partner Shri Goverdhandes Sio Laximandes Gangapurwale Rio Panduba, Aurangabad. (Titansferors)

(2) Shri Manakchand Slo Nawal Gandhi Rlo Kasati Bazar, Aurangabad & other 14 persons. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

aball have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 50/1A MPL No. 56. CTS No. 18816 sheet No. 261 Itkhcda, Aurangabad 65568 sq. ft. (6091 sq. m.).

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 26-7-1981, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 19th June 1984

Ref. No. IAC; Acq | 9|13|84-85.—Whereas. I, M. C. JOSHI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and hearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No.
Agricultural land of Shegaon prag. Nandgaon peth Tah.
District Amravati field No. 57|1 out of 4 A G 3 2 Acres of land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Babarao Govindrao Nawale R|o Saraswati Nagar, Amravati.

(Transferor)

(2) M|s Sudershan Traders Mang Partner Smt. Jethibai Shrikishan Changani R|o Bachharaj Plot. Amravati. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Mouza Shegaon prag. Nandgaonpeth. Tah. & District Amravati field S. No. 57/1 out of 4A G3, 2 acres of land.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 19-6-1984

FORM ITNS----

ITNS——— (1) Shri Abdulbhai Mosharoli & 9 others. Inside Nagpuri Gate, Amaraoti. (Transteror)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR,
SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 26th June 1984

Ref. No. IAC|Acq|12|13|84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

10 Plots S. No. 33 Mousa Navsari Tq. Dist. Amoraoti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amoraoti on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian-Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Nuyojit Abhiyanta Sah, G. N. Sautha Chief Promotor Shri A. C. Wakhede, Radha Nagar, Amoraoti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Plots on S. No. 33 Mousa Navsari, Tq. Distt. Amaraoti,

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 26-6-1984

Shri Dulichand R. Jaiswal, Ambadevi Market, Amoraoti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Nirmaladevi Satyanarayan Zanver. 2. Smt. Shaetadevi Sureshkumar Zanver, Amoraoti. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 25th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.|10|13|84-85,--Whereas, I, M. C. JOSHI, Ref. No. IAC/Acq. 10113[84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 2000 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing Plot No. 301 Sheet No. 81-B House in Sabanpura, Amaraoti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amount on 31-1-1984 No. 346 for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House in Sabanpura, Amoraoti on Plot No. 301, Sheet N

M. C. JOS Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range, Nag

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date : 25-7-1984 Seal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1967 (43-05 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THEOMETAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th July 1984

Ref. No. 1AC|Acq|17|14|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 3/5 Sheet No. 37, situated at Peshwe Plot, near Garden Road, Vavatmal

(and more fully described in the schedule annexxed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vavatmal on 24-1-1984 and 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the war sucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the same st, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the si Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vayodmal Alias Vidyasagar, Anant Singh Badija Rlo Palaswali Camp, District Yavatmal,

(Transferor)

1, Shri Suresh Yadeorao Yerawar,
 Shri Deepak Yadeorao Yerawar R|o Civil Lines,
 Yavatmal,

 Shri Yadeorao Narayanrao Gadewar,
 Shri Sudlekar Uddhaorao Gadewar Rio Bajeria Nagar Yayatmal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3|5 Sheet No. 37 situated at Peshwe Plot near Garden Road, Yavatmal Total Area: 32500 Sq. ft.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 27-7-1984

(1) Shri Sikandarkhan Abdul Razak, Khan-Krauli Chowk, Parbhani.

(Transferor)

(2) MIs Mahesh Traders Partner Shri Rameshwar D. Agrawal, Purbhani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 26th July 1984

Ref. No. IAC|Acq|14|13|84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Agri. Land S. No. 138 within municipal limit Parbhani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering (at Prabhai on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land S. No. 138 within Municiple Limit, Parbhani.

M. C. JOSHI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagour

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-7-1984. Seal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcuttu, the 17th August 1984

Ref. No. AC-70|Acq.R-II|Cal|84-85,--Whereas, I, S. K. BANERJFE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15 situated at Burdwan Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Competent Authority on 17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Gaghunath Prasad Kanoria & 3 others of 15, Burdwan Road, Celcutta. (Transferor)
- (2) M|s N. B. l. Industrial Finance Co. Ltd. of 8, Lyons Range, Calcutta-700 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

34.03 Cottahs land with Building situated at 15, Burdwan Road (Marked. Lot-A), Calcutta, P.S. Alipore. Registered before the Competent Authority vide Sl. No. 22 dated 17-1-1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. 54. Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 17-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref. No. AC-71 Acq.R-II Cal 84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 15 situated at Burdwan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the soid Act, on respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri Raghunath Prasad Kanoria & 3 others of 15, Burdwan Road, Calcutta.
- (Transferor) (2) Ms. Khoobsurat Ltd. of 5, Old Court House Etreet. Calcutta-700 001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10.37 cottabs land with building situated at 15. Burdwan Road (Marked as Lot-B), Calcutta, P.S. Alipore, Registered before the Competent Authority vide Sl. No. 23, dated 13-1-84.

> S, K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54. Rufi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the equisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 17-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd September 1984

Ref. No. AC-24|ACQ.R-IV|CAL|84-85.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

situated at Alampur, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Howrah on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—49—266 GI|84

(1) Shri Raghu Nath Das Somani, Shri Nirmal Kumar Somani, Shri Madhu Sudan Somani, Shri Anil Kumar Somani, All resident of P-16 C.I.T. Road, Calcutta. (Transferor)

(2) M|s. Vinay Forgings Limited—18, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1,5th undivided share of 6.6 Bighas with boundery wall, Alampur, P.S. Sankrail, District Howrah, vide Deed No. 66 of 1984.

SANKAR K. BANERIFF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafl Ahmed Kidwai Re Calcutta-16

Date: 3-9-1984.

ical:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Calcutta, the 3rd September 1984

Ref. No. AC-25₁ACQ.R-1V|CAL|84-85.---Whereas, J. SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. situated at Alampur, Dist. Howrah

situated at Alampur, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at D. R. Howrah on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri Raghu Nath Das Somani, Snri Nirmal Kumar Somani,
 Shri Madhu Sudan Somani,
 Shri Anil Kumar Somani,
 All resident of P-16 C.I.T. Road, Calcutta.

(Transferor)
(2) M/s. Vinay Forgings Limited—18, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|5th undivided share of 6.6 bighas with boundery wall Alampur, P.S. Sankrail, District Howrah, vide Deed No. 67 of 1984.

SANKAR K. BANERLEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 34, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 3-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd September 1984

Ref. No. AC-26|ACQ.R.-IV|CAL|84-85.--Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

Ening the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. situated at Alampur, Dist. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in the office of the Registering Office D. R. Howrah on 6-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

 S|Shri Raghu Nath Das Somani Nirmal Kumar Somani Madhusudhan Somani Anil Kumar Somani, All Resident of P-16, CIT Road, Calcutte.

(Transferor)

(2) M|s. Vinay Forgings limited, 18, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1|5th undivided share of 6.6 bighas of land with boundary wall, r.o. Alampur, P.S. Sankrail, Dist. Howrah Vide Deed No.: 68 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incme-tax
Acquisition Range-IV. Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd September 1984

AC-27|ACQ.R.-IV|CAL|84-85.-Whereas, I, No. SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. situated at Alampur, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Howrah on 6-1-1984.

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S|Shri Raghu Nath Das Somani Nirmal Kumar Somani Madhusudhan Somani Anil Kumar Somani, P-16, CIT Road Calcutta All resident of

(Transferor)

(2) M|s. Vinay Forgings limited, 18, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land: 1|5th undivided share of 6.6 bighas of land with boundery wall, Alampur. R.S. Sankrail, Dist. Howrah Vide Deed No. : 68 of 1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incme-tax Acquisition Range-IV Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-9-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd September 1984

Ref. No. AC-28[ACQ.R.-IV|CAL[84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

situated at Alampur, Dist. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

D. R. Howrah on 6-1-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 SShri Raghu Nath Das Somani Nirmal Kumar Somani Madhusudhan Somani Anil Kumar Somani, P-16, CIT Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) M|s. Vinay Forgings limited, 18, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1|5th undivided share of 6.6 bighas of land with boundery wall, address: Alampur, P.S. Sankrail, Dist. Howrah. Vide Deed No.: 70 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incme-tax
Acquisition Range-IV. Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 48|JAN84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. T.S.No. 36, Ward No. 12, D.No. 12, situated at Ward 15, Kailasam House

of transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhipuram. (Doc. No. 164|84) on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri N. Parameswaran and others, 5112, Ramalinga Nagar Colony, Coimbators. 12.

(Transferor)

(2) Sri PA. AL. Annamalai,
s|o. Sri Alagappa Chettiar,
D. No. 10, Chettiar,
D. No. 16, Raghupathy Layout,
S,R,P, Nagar, Coimbatore. 11

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building:—Property as specified in schedule to document No. 164|84. Gandhipuram.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-9-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 206|Jan,84|R.II.— MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Palludam Taluk, Thattipalayam village,

situated at Thiruppur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tiruppur, Doc. No. 246|84.

January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Soundappachettiar, s|o. Soundappachettiar, Thulasirae Veedhi, Thiruppur.

(Transferor)

 Smt. R. Chellammal, wlo. Sri Ramasamy, Bethichettypuram, Thiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Thottipalapam Village Palladam Taluk, Thiruppur.

Doc. No. 246|84|Mylapore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-9-84 Seal :

(1) Jethubai Govindji, Power Agent, M|s. K. V. Cotton & Ginning & Pressing Co. P.Ltd., Tirupur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Karthik Complex Mahim Colony, Villipalayam Road, Tirupur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 211 Jan. 84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/c and bearing

No. Vacant land and building in Palladam Village, Tiruppur Town, Thottipalayam Village.

situated at Tiruppur, R.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

and the agreement is registered under Section 269AB of the Tiruppur Doc. No. 122|84.

on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ward No. 15, D. No. 7, Vacant land and building: Thottipalayam Village, Palladam Taluk, Tiruppur. Doc. No. 122 84. Tiruppur.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-9-84 Seal :

FORM ITNS----

(1) Smt. Rani Aparajithanachair, No. 17, Mothilal St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. S. Rajendran, s.o. Subbiah, Chettiar, Ottangadu, Pattukottai. Tanjore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 177 Jan. 84 R. II .- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Sertion 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
(2) Sri. M. S. Rajendran,
Land and building at Pudukottai Village situated at Pudu-

kattai, District.

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc. No. 86[84 in January, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHF*

Land and building at Pudukkottai Taluk, Pudukottai district Survey No. 127-1. Doc. No. 86[84]Saidapet.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-50-266 GI|84

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 145|Jan.84|R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUFI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-tand bearing No.

Adyar Village, Saidapet Taluk situated at Chinglepet district, S. No. 63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adyar (Doc. No. 194|84) in Jan. 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. B. Lakshnachi and Shii T. V. Balu, No. 32, E-Risten, Mount Road, Teynampet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri P. Selludin, No. 9, Hebur Road, Palaivaram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Saidapet Taluk Chingleput district Village Adyar District Adyar S. No. 63.
Doc. No. 194[84]Adyar.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-9-84

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 6th September 1984

MADRAS-600 006

Ref. No. 106 Jan. 84 R.II. - Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable action of the said Act') in the said Act'. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

and bearing
No. 1, Ramakrishna St., or No. 25 situated at Mambalum
Road, T. Nagar, Madras-17.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Sub dist. T. Nagar Doc. No. E.S. No. 7958 New T.S. No.
4698 in Jan., 1984.

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Ramakrishna Mission Belur Math (Howrah), West Beugal-711 202,

(Transferor)

(2) M|s. Appu Motels Ltd., 10, Sriman Srinivasan Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabiproperty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with superstructure and sheds and compound wall at No. 25, Mambalam Road, T. Nagar, T. S. No. 7958|3. T. Nagar Sub dist.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range_II, Madras-600 006

Date: 6-9-84

Scal .

FORM No. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 5|Jan,84|R,II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 2nd ward, Kumbakonam Town T.S.R. BIG STREET, Kumkakonam situated at Tanjoro district.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 21|84) in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1: of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri R. Scinivasan, Sri R. Rajagopalan and others, T. S. R. BIG ST., (By power agent) V. Gopalan, No. 135, Kumbakonam.

(Transferor)

(2) Sri K. M. S. K. Balasubramaniam Chr., slo. K. M. S. Kasinathan Chettiar, 30|31, Kumbeswaraswamy Koil North St., Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perio dof 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 2nd ward, Kumbakonam Town, T. S. R. Big St., Kumbakonam.

Doc. No. 21|84|Kumbakonam.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 96[Jan.84]R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.

Ward No. 5, T. S. No. 2430, 2429 Block ABCDEFGH situated at Pudukattai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. No. 204/84 in January, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri R. Rajagopala Kondaman and another, Contenment, Trichy Town, Trichy district.

(Transferor)

 Sri A. Meyyappan, s|o, Sri Adaikalavan chettiar, Lakshmipuram, Virayachilai Vattam, Thirumayam Taluk, Pudukottai Distt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at ward No. 5, T. S. No 2430, in 2429 Block BLOCK ABCDEFGH, Pudukkottai Town. Doc. No. 204|84|Pudukkottai.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 92|Jan.84|R.II.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

The state of the s

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 107, Nehru St., Karaikal Town situated at Karaiklal. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karaikal Doc. 36|84 in January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the coject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely and

 Sri Mariya Natchathiram Thelor, and others,
 Nocda Rajappa Iyer Veedhi, Pondichery.

(Transferor)

 Smt. Manimegalai, wlo. S. Kannian, 72, Market St., Karaikal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 107, Nehru St., Karaikal Town. Doc. No. 36[84]Karaikal.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-9-84

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. Mo. 55|Jan.84|R.II.—Whereas. I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 63, Thottipalayam Village, situated at Tiruppur district. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Tiruppur Doc. No. 261|84 in January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

(1) Smt. Palaniammal
w.o. R. N. Murugesan,
Lakshmi Nagar Main Road,
Tiruppur.

(Transferor)

(2) Sri P. Chenniappan,
P. Ramasamy,
P. Murugesan,
sol. Palaniappa Udayar,
Lakshmi Nagar,
Main Road,
Tiruppur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Door No. 64 T. S. No. 129[4]2 and Door No. 63 T. S. No. 129[4]2 Thottipalayam, Tiruppur. Doc. No. 261[84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 7 Jan.84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property begins a fair market value accepting Re 25 0001 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Property as specified in schedule situated at to Document

No. 48|84.

(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kumbakonam on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Ameena Bivi and others, 57, Periakadaitheru, Koothunallur.

(Transferor)

(2) Sri P. Chandrasekaran, slo. Packiriapillai, 191, Gandhitown Salai, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE 'SCHEDULE

Land and building Property as specified in schedule to doc. No. 48 84, Kumbakonam.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following pr wons, namely :-

Date : 6-9-64

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. F. No. 88|Jan.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Compe ent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Pachanjankur.pam village, (No. 45A) (Block No. 3) Cuddalore Taluk, South Arcot district situated at South Arcot district

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore Doc. No. 64|84 on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ard/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the suid Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) The Scientific Fertiliser Co. P. Ltd., "Sudarsanam" Ponnurangam Road, by its Director T. V. V. Pathy.

(Transferor)

(2) Smt. R. Santhanalakshmi, wlo. R. Ramanathan, Kunnavinatham P.O., Pondicherry State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 45A Block No. 3, Land at: Pachanjankuppan village, Taluk of Cuddalore, South Arcot district. Doc. No. 64|84|Cuddalore.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following activities, namely,—

51-266 GI]84

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECIING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1984

Ref. No. 194]Jan.84]R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Anthority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 160, R. K. Mutt Road, Raja Annamalaipuram situated at Madras.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore Doc. No. 35/84. in January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Messrs. S. Doraiammal, G. Damayanthai Ammal, Smt, Anjugam, Sri Raja Shanmugam, No. 37, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

M|s. R. Subramanian,
 Gnanambal,
 No. 1, Neelakanta Mehta St.,
 Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a notice of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectly persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Objectal Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building No. 160, R. K. Mutt Road, Raja Annamalaipuram, Madras Dec. No. 35 84, Mylapore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tav
Acquisition Runge-II, Madras-600 006

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 6th September 1984

Ref. No. 192|Jan.|84|R.H.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the and Mct.) have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding 8s. 25,000]- and bearing No.

 Pattermal St., Somu Mudaliar Colony, ituated at Madras. 28.

and more fully described in the schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 f 1908) in the office of the Registering Officer at tylapore, Dec. No. 47/84

on January 1981

or an apparent consideration and which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the possideration for such transfer as agreed to between the earties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Madras Sanskrit College & S. S. V. Patasala by Trustee K. Chandrasekhara Iyer, No. 84, Royapettah High Road, Mylapore, Madras. 4.

(Transferor)

(2) M|s. K. R. Viswanathan and Meenakshi Viswanathan, No. 16, III Trst Cross St., Madras. 28 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and builling at No. 16, Pattammal St., Somu Mudaliai Cotony, Madres. 28. Doc. No. 47/84. Mylapore

MRS, M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Inctome-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely:—

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 6th September 1984

ket. No. 188 Jan. 84 R.H.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Vacant land No. 62, Mowbrays Road,

situated at Alwarpet, Madras. 18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 67/84

on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :-

(1) Sr. P. M. Krishnemurthy, No. 12, Mowbrays Road, Alwarpet Madras. 18.

(Transferor)

(2) Srimathi G. Subbulakshmi, No. 94, Abhiramapuram, 4th St., Abhiramapuram, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land situated in No. 62, Mowbrays Road, Alwarpet, Madras, 18. Doc. No. 67[84.] Mylapore.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Inctome-Tax, Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 6-9-84

FORM ITNS----

(1) Mrs. Yasodha Menon, woo, Mr. K. P. R. Menon, No. 82, Velachery Road, Madras, 600 032. (Transferor)

(2) Mr. N. K. Balachandrau, 113, Chamiers Road, Madras, 35.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 6th September 1984

Rer. No. 179 Jan. 84 R.II. -- Wherens, I,

Mcs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1901) (heremaited referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Vehichery Village R. S. No. 78, P. S. No. 8, Block No. 15, situated at Velachery

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 45/84)

on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Velachery Villago, R. S. No. 78, T. S. No. 8, Block No. 15. Doc. No. 45[84]Saidapet

MRS, M. SAMUEL Inspecting Assistant Commission of Inctome-Tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-9-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 6th September 1984

Ref. No. 184|Jan. 84|R.H.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

20, Triplicane High Road, Madras-5

situated at Madras. 5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Triplicane (DOC. No. 40|84)

on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mnaely :--

(1) Fuziar Rahman, Power Agent, 6|17, East St., Rajbgiri. Tanjore Dist.

(Transferor)

(2) Sri John Mohd. clo. Fazlur Rahman, Power Agent, 6|17, East St., Rajagiri, Tanjore Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building: -20, Triplicanc High Road, Madras. Triplicane Doc. No. 40 84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecial Assistant Commission of Inctome-Tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-9-84

- - - -

. __ ..- .. ----FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 005.

Madras-600006, the 6th September 1984

Ref. No. 183 Jan. 84 R.H.—Whereas, J. Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5, Wallajah Rotal, Chepauk, Madra:

situated at Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane, Doc. No. 55[84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

(1) Mrs. Mithibai Sukhramdas Mahteni. wite of Sakhram T. jandes Mahtani, 6th Floor, IV ANIIOL. 39, 139, Foreshore Road, Rombay.1.

(Transferor)

(2) Smt. M. Umayal, w.o. M. Meyyappan, Minor M. Meyyappan son of M. Meyyappan, Minor M. Lakshmanan son of M. Meyapan, No. 10, 3rd Closs St., CiT Colony, Mylapore, Madras,4,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 5, Wallajah Roud, Chepauk, Madras, G. S. No. 1108 New Survey No. 3049 Doc. No. 55|84 Triplicane.

> MRS, M. SAMUEL Inspecting Assistant Commission of Inctome-Tax, Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date: 6-9-84 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 186; an 34 R.H.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-bearing No.

Pro v v as specified in schedule to Doc. No. 37|84 situated at Madras

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Triplicane (Doc. No. 37/84) on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-take Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said that, to the following persons, namely:—

 Sri Allahbakash, No. 5, Thayer Sahib St., Mount Road, Madras 2.

(Transferce)

(2) Sri L. K. S. Gani, No. 176, Big Bazaar St., Coimbatore. 1 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building—Property as specified in Schedule to Doc. No. 37/84. Triplicane/Doc. No. 37/84

MRS. M. SAMUEL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Auquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-9.84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 86|R.H|lan.84.--Wherens, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Property specified in schedule to Doc. No. 110/84,

situated at Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Palladam (Doc. No. 110/84)

in January 1984 as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. Raghavanpillai, slo. K. Paramerwaran Pilloi, Devalliprasandhi St., Kollam.

(Transferor)

(2) Sri K. Muthusamy and others, clo. Sri P. Raghavanpillai, Devalliprasandhi St., Kollam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: -- property as specified in schedule to Doc. No. 110|84 Palladam.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

52-266 GI|84

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 80|Jan.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. 2, Vijayapuram, Vallipuram, situated at Thiruvarur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvarur, Doc. No. 173.84.

on January 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Kalyenasundaram, Karthikeyan, and others,

41, Post Office St., Madias.

(Transferor)

(2) Sri K. M. Mohd. Mohideen, slo. K. M. Mohd. Ali. 27, Jalia St., Kuthunallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 2, Vijayapuram, Vallipuram, Village, THiruvarur Taluk, Doc. No. 173|84. Thiruvarur.

MRS. M. SAMUFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 16th Soptember 1984.

Ref. No. 233[Jan.84]R.H.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Lad ad building at Thottipalayam Village, Sabapathipuram Road, Municipal Ward 14, situated at Tiruppur Town, Mahavir Colony. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer et Tiruppur. Doc. No. 139/84

in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) M|s, K. V. Cotton Ginning and Pressing Co. P. Ltd., No. 21, Mittal Chambers, 228, Nariman Road, Bombay, 400 021. By Power Agent Lethu Bhai, Govindji, (a Director) Residing at Pethichettipuram 1st St., Turupur. Coimbatore Dist.

(Transferor)

(2) Shice Swetamber Jain Mandir, Tirupur by Trustees (1) Dharmentdea Kumar and others. Tirupur Town,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sair Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Sabapathipuram Road, Mahavir Colony, Tirupur Town, Tirupur, Doc. No. 139/84, Tirupur,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-9-84

(1) Smt. R. Sulochana, wo. Rangasamy, Chr., 20, Thillalmaistry St., Pondichery.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. A. Rayan, so. Abraham,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 41|Jan.84|R.IJ.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Ward I, T. S. 2034, Nagapattinam Town, situated at Netaji Road, Nagapattinam Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

at Nagapattinam. Doc. No. 111[84

in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the exid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Land and building at Ward I, T. S. 2034 Netaji Road, Nagapattinam Town, Doc. No. 111/84.]Nagapattinam.

THE SCHEDULK

MRS, M. SAMUEI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras 600 006

Date: 6-9-84

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 205|Jan.83|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

resing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

18th ward, Bethichettypuram

situated at 1st St., Thottipalayam village, Thiruppur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

the Registering officer at Tiruppur, Doc. No. 245/84 in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Soundappa Chettiar, Dulasi Rao, St., Thiruppur.

(Transferce)

(2) Sri B. Ramasamy, Bethichetti puram, Enst St., Thiruppur.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 18th ward, Bethichettipuram, 1st St., Thottipalayam. Tiruppur. Doc No. 245/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 147 Jan. 84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 10, III Main Road, Gandhinagar,

situated at Adyar, Madras-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Adayar Doc. No. 174|84 in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. L. Rajalakshmi, Chitra Murugan, Selvi. L. Rama, L. Rajakumar Brindavan Bank St., Alwaye Kara Alwaye Village and Taluk, Ernakulam District, Kerala State.

(Transferor

(2) Mls. Kalpana Wedding Saree House registered Partnership firm rep: by its Managing Partner Sri M. Nagendran, Main Road, Quilon, Kerala State.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building door No. 10, 1II Main Road, Gandhinagar, Adyar, Madras-20. Doc. No. 174|84 Adyar,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 241 Jan.84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing.

New No. 8 (Old No. 7) Wallace Garden, 1st Street, situated at Madras-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 39 84 in Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. P. D. Leela Reddy, Wo. Late Dr. P. D. Reddy, No. 9, Wallace Garden 1st St., Madras-6.

(Transferor)

 Madiha-Zahiya Trust (Three Trustees)
 S. S. M. Ahmed Hussain,
 Ayishath Jailani,
 K. S. M. Ahmed Hussin,
 Office at No. 47, Model, School Road, Rutland Gate Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein has are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at New No. 8 (Old No. 7) Wallace Garden 1st St., Madras-600 006. Doc. No. 3984 Thousand Lights.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 6-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 242|Jan.84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 17 in S. No. 214|2 part Docment No. 43|84 situated at Thiruvanmiyur Village, Sub-registration Dist. of Saidapet and Regn. Dist. of Chingleput.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri B. B. Rajagopal,
 Weriur Salai Road,
 Thillainagar,
 Tiruchirapalli.

(Transferor)

(2) Sri B. A. Kothandaraman, 133, Royapettah High Road, Madrass4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land and building site plot No. 17, us per plan attached to sale deed in S. No. 214/2 part Thiruvanmiyur Village, Sub-Registration Dist. of Saidapet and Rega. Dist. of Chengalpattu, measuring 5 grounds and 588 sq. ft. Doc. No. 43/84/Madras Central.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Prespecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 6-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras, the 6th September 1984

244 Jan. 84 R.H. Whereas, I. Ref. No. Ref. No. 244/Jan.84/R.H.- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rajaji II St., West Lake Area, Rajaji II St., West Lake Area, situated at Nungambakkam, Madras-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousand lights (Doc. No. 30/84) in January 1984 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in thes aid instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issueme arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afotesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secvtion 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri N. C. Thirumalachatya, No. 2, Tank, Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Fransferor)

(2) Mrs. C. Chellammal,
Wo. Sri S. M. Subramanian,
2. S. Meenakshi Sundaram,
3. S. Swaminathan, Sons of S. M. Subramaniam, No. 8, Rajaji, 2nd St., West Lake Area, Nungambakkam, Madray-34.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in Rajaji II Street, West Lake Area Nungambakkam, Madras-34. (Document No. 30/84/Thousandlights).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras

Date: 6-9-1984

Seal :

53-266 GI 84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 005.

Madras, the 6th September 1984

Ref. No. 243 Jan. 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Pdoperty as per schedule to (Doc. No. 33 84) situated at (and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred.

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central in January 1984

Madras Central in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957). Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. K. J. Edward Kirupakaran, 65, Injantry Road, Civil Station, Bangalore-1. (General Power of attorney of Mr. Dhas Jeyasingh)

(Transferor)

(2) Mr. K. Jayakumar, Sri Kanda Vilas, Rishivandiyam, South Arcot District.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazetice.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: As specified in schedule to document No. 33 84. Madras Central.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madrag

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANE-IIII NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|1-84|277.--Whereas, L. G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 631 9

situated at Bhikaji Cama Place, New Dehli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the IT Act 1961) in the office

of the Registering Officer at IAC Acq.III. N. D. in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tranfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Dayawanti, rlo III-A-10, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha V. Jambholkar Wlo Mr. V. K. Jambholkar, Rlo B-1|4. Type 1V, M. S. Flats, Peshwa Road, New Delhi-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 631, Building No. 9 Bhiffaji Cama Place New Delhi Sixth Floor, Mfl. 355 Cff. it.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-III, Delhi

Date: 5-9-1984

 Ms. Bhanot Properties & Industries Ltd., 182-183, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mls. Engineering Construction Corpn. Ltd., 32, Shivaji Marg, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|1-84|314|93.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. A-328 (3rd Floor)

situated at Bhikaji Cama Place Building No. 5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 208 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer in Jan. 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-320, on the HIrd Floor of Bhikaji Cama Place Building No. 5 (under construction), Approx. covered area-295 Sq. Ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37#E,1-84|330.---Whereas, 1, G S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 market bearing No. 304|6,

situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the IT Act 1961 in the office of the Registering Officer in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kanwaljit Singh Sethi, 10-Raj Niwas Marge, Delhi.

(Transferor)

M|s. Nirwan Commercial Company Ltd.
 Friends Colony (West)
 New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Building No. 6, Bhikaji Cama Place New Delhi, Mg. 551 St. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Harvinder Singh Sethi. 10-Raj Niwas Marg, Delhi, Clo. Mr. N. S. Sethi, O. P. Box 4692, Safar, Kuwait. (Transferor)

(2) The Indequip Leasing & Finance Limited, 3, Friends Colony (West), New Delhi. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-HI, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4114-A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EF|1-84|329,--- Whereas, 1, G. S. GOPALA,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No. 302/6, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred,

has been transferred, under the I. R. Act 1961 in the office of the Registering officer at IAC Acq. III, in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent equisideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Building No. 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Mg. 859 Sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shir Heinen C. Vissanii, S.o Shri Chandrahas K. Vissonii, 9, Wallace Street, Fort Bumbay-1.

(Transferor)

(2) M/s. Camlin Pvt. 14d. (A.M. Division), Marol Bazar, Bombay-39.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-83|328.--Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Space No. 3, Plot No. A-1 & 2, sitated at Ranjit Nagar,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq. III, in January. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the martles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 3, First floor, 'Satya Mansion' Plot A-1 & 2, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi Mg. 484 Sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Aiquisition Range-III. Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-9-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTFL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

, New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|327.--Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000|- and bearing
No. E-5, situated at 1-Rajindera Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq. III, in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. Nelia Deep Constructions, I-Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2 Miss A)chana Sachdev & Miss Alka Sachdev, 2]8, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Air conditioned space No. E-5, on ground floor, in the biulding under construction at 1-Rajindra Place, New Delhi. Mg. 160 Sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) National Chemical Industries Limited, 26, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Super Rubber Enterprises, 71/3, Mile Stone, G. T. Road, Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|326.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), hev reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

25 situated at Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq. III, in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 25, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 4740.40 Sq. Yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

54-266 GI 84

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.-3|37EE|1-84|325.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

405, situated at Cama Place, New Dlehi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC|Acq, III, in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, its respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gopal Das Bahl, Savitri Devi Bahl, Shri Krishan Dev Bhal & Devinder Nath Bahl, H-3, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

(2) Master Sachin Kumar (Minor), H-50, Kalka Ji, New Delhi

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi, measures 381 sq. ft.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date: 6-9-1984

.....

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|324.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

106 to 109 at 3, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq.-III, in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.-1.

(Transferor)

(2) M|s. Madras Refineries Ltd., Regd. Office: Refinery House|K-79, Hauz Khas Enclave, Manali, Madras-600 068, New Delhi-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 to 109 at 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi. 171 7 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Delhi New Delhi.

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Doon Apartments (P) Ltd., M-70 Main Market, Greater Kuilash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Wings Wear (P) Ltd., 1|4, West Patel Nagar. New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq, 3|37EE|1-84|323.—Whereas, I.

G. S. GOPALA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

107 at A-3&4 Ranjit Nagar, New Debai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq.-III, in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 107, At A-3&4 Ranjit Nagar, New Delhi Measuring 597 sq. ft (Unedr construction).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-9-1984

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|322.-Whereas, I, G. S. COPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. 601 situated at Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred, under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq.-III, in January, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Skipper Construction Co. P. Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

- (2) Mls. Shyam Construction Co., 2481 9, Beadon Pura Karol Bagh, New Delhi-5.
- (3) Rex Chambers Premises Co-op. Society Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, at Jhandewalan Tower, Karol Bagh, New Delhi, area of flat 305 sq. ft,

> G. S. GOPALA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Rauge-III. Delhi New Delhi.

Date: 6-9-1984

(1) Sh. R. S. Sandhu, So K. S. Sandhu, Rlo K-38A, Kailash Colony, New Delhi-48.

Sh. C. P. Gupta, So L. Sh. G. C. Gupta, Ro R-42, Greater Kailash-I, New Delhi.
 Sh. R. K. Gupta, So Sh. R. B. L. Gupta,

Rlo E-160 G, Kailash-1, New Delhi.

Sh. L. C. Gupta, So L. Sh. O. P. Gupta, Rlo C-67C. Gr. Kailash, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|318.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Plot No. 4, CHBS Ltd. situated at Gagan Vihar, Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer at IAC|Acq.-III. in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential plot No. 4 measuring 380 sq. yds. in Civil Aviation Employees C.H.B. Society Ltd., Gagan Vihar, Delhi-92.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delbi New Delbi.

Date: 6-9-1984

(1) Mrs, Indera Bhandari, 65|4, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shiv Jawala Beneficiary Trust, 23|29 Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|313.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 627/9, situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq. 111, in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 627/9 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Mg. 335 Sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi.

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|312.-Whereas, I,

G. S. GOPALA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. 3, Vin. Haderpur, Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

at IAC Acq.-II in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ms. Grand Bakers & Confectioners, 2284, Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi. Through its Prop. Shri Sardari Lal, So Shri Lakhmi

(Transferor)

(1) 1. Shri Subash Chander Malhotra,

 Shri Ram Nath Malhotra,
 Shri Bhupinder Kumar Malhotra, sons of Sh. Ganga Ram,

4. Shri Sudhir Kumar, So Sh. Amar Nath Malhotra, 5. Shri Jagan Nath Malhotra, Slo Sh. Ganga Ram, All residents of 23 Hathi Khana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block E, Measuring 600.5 sq. yds. situated in the lavout plan of SMA Cooperative Industrial Estate Ltd., G. T. Karnal Road, area of Village Haiderpur, Delhi State. The property was transferred by the DDA on the basis of perpetual sublease deed vide document No. 862, in Addl. Book No. 1, Vol. 3560 on pages 168 to 176 and registered on 14-3-1978.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 6-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mrs. Uma Nayyar.
 Flat No. 23, Alipu.a Estate, 8|6|1, Alipura Road, Calcutta-27
- (2) Sh. Sanyukt Nirmata (Prop.) (Co-op), 89, Jor Bagh, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELIII

New Dalhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|311... Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 308 At 9. Bhikaji Cann Place, situated at New Delhi has been transferred, under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC|Acq.-III in January, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propert; and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay this under the some Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 388 at 9 Bhiknii Cama Place. New Delhi, Admeasuring 460 sft.

THE SCHEDULE

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55—266 GI 84

Date: 6-9-1984

 M/s. Bhatia Sahgal Construction Corporation, 48-A, Joi Bagh, New Delhi-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Açq. 3|37EE|1-84|309.—Whoreas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop No. 19, 22, Rajindra Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at IAC Acq.-III in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Mr. Narinder Ahuja, Rlo 289, MIG Flats, Prasad Nagar, New Delhi.
 Mrs. Indu Kumar, Rlo Riviera, 45, Mall Road Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, Upper ground floor, in Palma Tower No. II, 22, Rajindra Place, New Delhi. a multi storeys building.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Date : 6-9-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 414-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|37EE|1-84|307.--Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 4146, situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at IAC Acq.-III in January, 1984

at IAC|Aca-III in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115. Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Satish Kumar Sirpal. Sheela Devi, Poonaw Sirpal. All Rlo B-2 205 Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 414. at 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 524 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Nelhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-9-1984

- (1) Sh. Shishir Aggarwal & Mrs. Usha Rani Aggarwal, Minto Park, Yemuna Bagh Road, Allahabad. (Transferor)
- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Kavita Kapoot. Rlo N-7, Rajori Garden, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTFL, 414-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC/Acq. 3/37FE|1-84|302.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Flat No. 507 at 6 Bhikaji Cama Place, situated at New Delbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has ben transferred under the

Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at IAC Acq.-III in January, 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the spid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in thet Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 507, at 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi Mg. 303 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 6-9-1984

(1) Som Datt Builders (P) Itd. 56, Community Centre, Last of Kailash New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pravece Thapar, r|o D-1-26 Satya Marg, Chankya Puri New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-HI AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|1-84|301.—Whereas, I G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 250001- and hearing

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000]—and bearing
No. A-303 situated at 5. Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq. III, in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used berein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-303. on third Floor, in Building No. 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area—295 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi[New Delbi.

Date: 6-9-1984

- (1) Sh. K. L. Thapar, D-1-26 Satya Marg, Chankya Puri, New Delhi, (Transsferor)
- (2) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd. 56 Community Centre East of Kallash, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

23290

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Hyderabad, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|37EE|1-84|298.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|and bearing No.

A-303/5, situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the I.T. Act 1961 in the office

of the Registering
Officer at IAC Acq.III on Jan., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-303, on third Floor, in Building No. 5. Bhikair Came Place, New Delhi Mg. Approx, 295 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111 Delhi New Delhi.

Now, therefore in purance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-9-1984

(1) Shri Kulbir Singh R o F-80, Naraina Residential Scheme, Naraina, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sat Pal R|o 3|52 Roop Nagar, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. 1AC|Acq.3|SR-II|1-84|1414.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing and bearing

No. F-80. situated at Residential Naraina, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq.III on Jan., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair fifteen per cent of such apparent consideration and that the believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-80, Residential Scheme, Naraina, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Rew. No. IAC|Acq.3|37FE|1-84|1459.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No .205|52, situated at Vill. Madipur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Olfice of the registering Officer at

New Delhi on Jan., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Satva Chib Wo Sh. Raj Kumar Chio 1. Smt. Savitri Wadhawan Wo Anand Kumar Wadhawan and
 - 3. Smt. Kamlesh Ghai alias Kamlesh Devi Ghai Wo Sh. Rani Parkash Ghai, All Rio A-125,

New Friends Colony, New Delhi.

(Transftror)

- (2) 1. Sh. Sikander I al Kumar So Sh. Mela Ram Kumar.
 - 2. Sh. Mela Ram Kumar Slo Sh. Ladha Ram Kumar and
 - Smt. Sheela Rani Wlo Sh. Sikander Lal Kumar, All Rlo 20|52, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Portion of Property No. 20|52, Mg. 873,75 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi, out of total land mg. 1242.5 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Date: 4-9-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A ASAF ALI ROAD, NEW. DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|SR-IV|1-84|1012.--Whereas, I. 3. S. GOPALA,

seing the Competent Authority under Section 269B of 'he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Old No. 11 25, New No. 212, situated at Vill. Shondli, West Azad Nagar, Delhi.

and more fully described in the schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer

it New Delhi on Jan. 1984

thich is less than the fair market value of the aforesald pro-If, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideraion therefor by more than fifteen per cent of such apparent asideration and that the consideration for such transfer as igreed to between the parties has not been truly stated in the id instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-6-266GI[84

(1) Shri Ram Lubhaya Slo Sh. Gian Chand, Rlo H. No. 212, West Azad Yzho, Delhi.

(2) Sh. Jiwan Dass Slo Sh. Satram Dass, Rlo H. No. 3, Gali No. 2, Gurcharanpura, Rohtak (2) Sh. Tilak Raj and (3) Sh. Gulshan Kumar Sli Sh. Jiwan Dass rlo 11|172, West Azad Nagar, Delhi-51.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 11|125, (old) & New No. 212, Plot No. 38, (Part) Area 342.5 sq. yds. out of Khasra No. 697|151 situated in the area Vill. Ghoundli near Krishan Nagar, In the abadi of West Azad agar, Delhi-51.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Date: 4-9-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh. Sant Ram, Son of Late Kesar Dass, Resident of H. No. 6|2|2, Loni Road, Shahdara, Delhi-32.

(Transftror) (2) Sh. Tara Chand Slo Sh. Jai Ram Dass rlo H. No. 261 Teliwara, Shahdara, Delhi-32.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|SR|1-84|1009.—Whereas, J,

being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. II|499, Vill. Chandrawali Shahdara, situated at Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bearing a built up property No. II|499, area measuring 37½ sq. yds. out of Khasra No. 642, situated at Vill. Chandrawali alias Shahdara, in the abadi of Teliwara Shahdara, Delhi-32.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi New Delhi.

Date: 4-9-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF A11 ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|SR|IV|1.84|1018.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. II | 499, Vill. Chandrawali Delhi-32

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dehli in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sant Ram Slo late Sh. Kesar Dass, rlo 6|2|2 Loni Road, Shahdara, Delhi-32. (Transferor)
 - (2) Sh. Jai Ram Dass Soo late Sh. Ram Dass roo 261 Teliwara, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if tany, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bearing built up property No. II|499 (Part) out of Khasra Nt., 6422, area measuring 37½ sq. yds. situated at Village Chandrawali, alias Shahdara, in the abadi of Teliwara Shahdara, Delhi-32.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi.

Date: 4-9-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. 3|SR.1V|1-84|1048.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,009 and bearing

No. G-37, Plot No .G-37, Vill. Khureji Khas, situated at Radhey Puri, Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason at believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sad Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ramesh Chand
 Shri Kishan Chand
 Shri Padam Chand
 Shri Hoshiar Singh
 H. No. 55, Gopal Park,
 Shahdara, Delhi-51,

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur W|o Shri Swaran Singh R|o H. No. 728|18 Prem Gali, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Builtup Property Bearing No. G-37, Built on southern portion of plot No. G-37, area measuring 188 sq. yds. out of Khasra No. 2|26 at village Khureji Khas in the abadi of Radbey puri, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 4-9-1984

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|SR-II|1-84|1339.--Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 22-Thimmiah Marg, (22-Maude Road)

situated at Delhi Cantt.
(and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registerating Officer has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Commander M. R. A. Rao, IN Retd. and Smt, Indu A. Rao 22-Thimmiah Marg, Delhi Cantt. New Delhi-118818.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Dumra, Smt. Manju Dumra and Master Amit Dumra, 19-Rajdoot Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of fais notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22-Thimmiah Marg, (22-Maude Road), Delhi Cantt. Main Bldg-3 Bedrooms, 3 Bathrooms, Drawing Dining Room, Kitchen and two Stories, Outhouse Consisting of 2 Bedrooms, 2 Bathrooms, Drawing-Dining, Kitchen and 6 Servants Quarters, Built on Leaschold 2619.46 sq. mtrs. land (Known as No. 22-Thimmiah Marg, Delhi Cantt.)

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|SR-III|1-84|461.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. A-4, Measuring 782 sq. yds. situated at Sarvodaya Enclave. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ritendra Mozumdar So Late S. N. Mozumdar Ro A-4, Sarvodaya enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. K. Chatterji So Late A. B. Chatterji Mys. Vramari Chatterji Wo Shri A. K. Chatterji Master Vishwajeet Chatterji, Miss Shakuntla Chatterji Minor son and daughter of A. K. Chatterji, through guardian A. K. Charterji, R. O. G-18, N.D.S.E.II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-4, measuring 182 sq. yds. Sarvodaya Enclave, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|SR-III|1-84|471.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 5823|16, Block No. 4, situated at Plot No. 95, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Kumar Khullar, Slo Late Shri Khushi Ram Khullar, Rlo 6|56, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinay Kumar Marwah, S|o Shri Ram Parkash Marwah, R|o 5823|16, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any of the aforesaid persons within a period able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Bearing House No. 5823|16. Block No. 4, Plot No. 95, Basti Rehgar, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 77 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Dolhi

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. JAC|Acq.3|SR-JII|1-84|433.--Whereas, J. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 471|260-261, Gali No. 14-15, Joshi Road situated at Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Lik Sevak Chit & Finance (India) Pvtt Ltd. 1553 Gurdwara Road, Kotla Mubarakpur, New Delhi, through its Managing Director Shri Bharbhagwan Dass Batra.

(Transferor)

(2) Shri Hari Om So Shri Chunni Lal Khurana (2|3rd) share and Smt. Nirmal Wo Hari Om (1|3rd), R|o 419, Gali No. 14, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. XVI|468 (New) Measuring 198½ sq. yds. Plot|Khasra No. 471|260-261, gali No. 14-15, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 4-9-1984

cal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5584.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
57—266GI|84

 Shri Avtar Singh so Bhagwan Singh, 164/2, Bhargo Camp, Jalandhar Mukhtiar-Khas Manjit Singh so Mela Singh, 4-Model Town, Jalandhar Mukhtiar-am Subash Chander Bhatia, WF-137, Ali-Mohalla, Jalandhar.

(Transferor)

 Shri Gurmail Singh so Sh. Amar Singh, V. & P.O. Chabewal Tehsil Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 215 situated in Gurteg Bahadur Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6174 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5585.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sanjeev Kumar Gupta s|o Sh. Krishan Kumar r o 69 Banda Bahadur Nagar, Jalanchar Mukhtiar Khas of Sh. Jodh Raj Gupta s|o Vidya Parkash, EA-175, Kazi Mohalla, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmeet Kaur woo Gian Singh, ro Village Lalian Kalan, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 721 situated in Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5837 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-9-84 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5586.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor :ction 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shri Kanwaljit Singh s.o Amarjit Singh, r|o V. Saidapur Distt, Kapurthala (through Mukhtiar Ajit Singh).

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur do Bachint Singh V. & P.O. Chak Bandal, Distt, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (2) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in Village Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6193 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th September 1984

Rcf. No. A.P. No. 5587.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kanwaljit Singh So Amarjit Singh, r.o V. Saidpur Distt. Kapurthala (through Mukhtiar Ajit Singh).

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh s|o Waryam Singh, r|o V. Malian Khurd tehsil Nakodar, Distt, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in Village Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6207 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-84

in the state of t

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMESTAL,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5588.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the ludian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kuljit Singh, Kanwaljit Singh Selo Shri Sant Singh, rlo 75 Garden Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Singh Schgal s|o Shri Prem Singh and Shri Sanjay s|o Shri Bhim Sain, r|o Ladowali Road, Ialandhar.

(Transferee)

(3) As S. No 2 above-

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 6900 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6001 of January, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5589.-Whereas, L. J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore his market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore his market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kuljit Singh so Shri Sant Singh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar Khanna slo Shri Barma Nand Khanna, rlo Rasta Mohalla, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 14 Mls. 172 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6002 of January, 1984 of the Registering Authority, Jallandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5590.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the important of the competence of the competence

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. as per Scheduled situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more sald exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Haripal Singh slo Shri Ujjagar Singh, rlo V. Kingra Teh. Jalandhar, (Cold Store Wale).

(Transferor)

(2) Smt. Paramiit Kaur wlo Shri Nirmal Singh and Smt. Kulwinder Kaur wo Shri Dev Singh, ro V. Dhinsa Distt. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 4500 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5904 of January, 1984 of the Registering Authority Jalandhar Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-9-1984

LORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5591.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Scheduled annuxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Haripal Singh s|o Shri Ujjagar Singh, r|o V. Kingra Teh. Jalandhar, (Cold Store Wale).

(Transferor)

(2) Smt. Nasib Kaur wlo Shri Gurcharan Singh Randhawa, rlo Bachhi Dass Colony, Jalandhar and Smt. Harbhajan Kaur wlo Shri Amrik Singh, rlo V. Sharin, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 4500 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5905 of January, 1984 of the registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 6-9-84

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5592.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. as per Schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

Imarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitation the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---58-266GI|84

(1) Shri Joginder Pal s o Shri Pritu Ram Mukhtiar Khas Shri Karnail Singh slo Shri Mota Singh. WA-341, Chowk Sudan, Jalandhar Mukhtinr-am Shri Bhupinder Singh s o Shri Gurbachan Singh, rlo Garden Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mota Singh s|o Shri Sadhu Singh, r|o House No. WA-341, Chowk Sudan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the understand knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property land 8 Mb. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6159 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhur.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. N 5593.—Whereas, I, J. J. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding sRs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described) in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Rajinder Singh s o Shri Sukhdev Singh, r o V. Kingra, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Verma s o Shri Amar Nath, r o 469-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 9 Mls. 33 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6098 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5594.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair march value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagat Singh, s|o Shri Hari Singh, r|o Kingra teh. Jalandhar through Mukhtiar Shri Ram Avtar s|o Shri Bhagwan Dass.

(Transferor)

 Shri Ashwani Sehgal s|o Shri Krishan Kumar Sehgal, r|o 7|21, Jaswant Nagar, P.O. Garha Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 12 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6146 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 6-9-84

through Mukhtia

s o Shri Hari Singh, r o Kingra teh. Jalandhar through Mukhtiar Shri Ram Avtar

(Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh sio Shri Gardial Singh sio Shri Kashmir Singh, rio 15 Defence Colony, Jalandhar

(1) Shri Jagat Singh

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE/UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5595.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, owing the Competent Authority under Section 269B of the Jicome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing. No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred in the office of the registering officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of persons, namely:

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K1 situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5842 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 6-9-84 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5596.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the registering officer at

Jalandhar on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Jagat Singh s o Shri Hari Singh, r o Kingra teh. Jalandhar through Mukhtiar Ram Avtar

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Mandla s]o Shri Sohan Singh, го V. Samrai, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the said (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6262 of January, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5597.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sohan Singh so Shri Bhulla Singh, ro V. Kingra teh. Jalandhar through Mukhtiar Ram Avtar.

(Transferor)

(2) Shri Anil Sehgal, Shri Ashwani Sehgal ss|o Shri Krishan Kumar, r|o Jaswant Nag ar, Garha, Tehsil Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6260 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dafe : 6-9-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5598.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect to any faceme arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sohan Singh
 Shri Bhulla Singh,
 V. Kingra teh. Jalandhar
 through Mukhtiar Om Perjit Singh.

(Transferor)

(2) Shri, Sohan Singh s|o Shri Pal Singh, r|o V. & P.O. Balauki Kalan, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5890 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 6-9-84

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5599.—Whereas, J, L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(1) Shri Sohan Singh so Shri Bhulla Singh, rlo V. Kingra teh, Jalandhar through Mukhtiaram Anil Chopra,

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh s o Shri Kashmira Singh, to 15 Defence Colony, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5841 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the wid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5600.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--59-266G184

(1) Smt. Pritam Kaur wlo Shri Darshan Singh, rlo Village Litran teh. Nakodar Distt. Jalandhar Mukhtiar-am Darshan Singh so Shri Sunder Singh.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s'o Shri Dilbagh Singh and Shri Jagdeep Singh slo Shri Harbana Singh. . & P.O. Rampur Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 755 situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6071 of January, 1984 of the Registering Authority. Jalandhar.

> J. I., GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5601.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ecction (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Pritam Kaur wlo Shri Darshan Singh, rlo Village Litran teh. Nakodar Distt. Jalandhar Mukhtiar-am Darshan Singh slo Shri Sunder Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur wlo Shri Harbans Singh Shri Amar Paul Singh slo Shri Harbans Singh, го V. & P.O. Rampur Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 755 situated in Mota Singh Nagar Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6176 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-84

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5502.--Whereas, J,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair to b-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion or the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sunil Aggarwal s o Shri Lakhpat Rai, r o 12 Ganga Road, Jalandhar Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Subash Aggarwal and Shri Jugal Aggarwal sslo Shri Hans Raj Aggarwal, r o 1-New Jawahar Nagar, Ialandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1|3 of 1 K-14 Mls. 18 Sq. ft. situated at New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6357 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5603.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Nandanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh s|o Shri Bachint Singh, r|o V. Nandanpur teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mikha Singh s|o Shri Kartar Singh, Shri Kishan Singh s|o Shri Jiwan Singh and Shri Harbhajan Singh s|o Shri Inder Singh, r|o V. Nandan Pur teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. 15 Mls. situated in V. Nandan Pur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6084 of January. 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-84

(1) Dhaniben Becharbhai & Ors. Sarangpur Tal : Ankleshwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Paras Industrial Estate P. Ltd., lay Prakash Nagar Вотьяу-63.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2995 Acq.23-II[84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Block No. 236 and Others

at Sarangpur Tal: Ankleshwar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ankleshwar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in paspect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Sarangpur. The document is regd-at S. R. Ankleshwar vide No. 75 to 93 January, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-9-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5605.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhupinder Singh So Jagjit Singh Ro V. Jandu Singha. Tch, Jalandhar,

(Transferor) (2) S|Shri Mohinder Singh, Harbax Singh, Balbir Singh, Jaspal Singh, Jasbir Singh Ssjo Shri Darshan Singh Rlo V. Mudh Teh, Nakodar Distt. Jalandbar and Shri Surrinder Pal Singh Rlo Moh. Karar Khan,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

Jalandhar.

(Preson in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 13 Mls. situated in V. Khurla and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6270 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ialandhar

Date: 10-8-1984

Sea):

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5606.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l-and bearing No.

As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regiestring Officer at Jalandhar on January, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the 'ransfer' and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of 3ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pritpal Singh S|o Major Kirpal Singh Mukhtiar-am of Maharaja Sukhjit Singh of Kapurthala.

(Transferor)

(2) Smt. Rita Rani, Wo Shri Parmod Kumar and Shri Ashok Kumar So Shri Ram Lal Ro WM-5, Basti Guzan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Preson in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi area I Kl. situated near Hans Raj Stadium, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6079 of January, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5551.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Kaushalya Devi Wlo Shri Duni Chand Rlo Bathinda.

(Transferor)

(2) Smt. Gurdial Kaur Wo Shri Lal Singh Ro 745-R. Partap Nagar, Bathinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4307 of January 1984 of the Registering Authority of Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-8-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5552.—Whereas, I, J. L. GJRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bathinda on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afo wild property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with, the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—60-2661/84

1) Shri Major Singh
Slo Shri Lal Singh
Slo Shri Lal Singh
Sh-i Satish Kuman
Slo Shri Sant Ram
Mukh raream of Jora Singh, Jagir Singh, Sher Singh,
Curdiel Singh Sslo Inder Singh
Clo Luxmi Emporium, Bhatinda;
Labb Singh, Bikker Singh, Miranjan Singh
Selo Chatin Kaur Wdlo Nand Singh,
Kolhe Amarpura,
Bathinda.

(2) Smt. Manjit Kaur Wlo Shri Major Singh Clo Standard Furnishers, Amrik Singh Road, Near Malwa Workshop, Bathinda.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Preson in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4323 of January 1984 of the Registering Authority, Bhathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Augmistion Range, Jalandhar

Date : 10-8-1001 Seat t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. 5553.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bathinda on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under app-section (1) of Section 269D of the said Act, to the said purposes of the said Act, to the

(1) Shri Major Singh Sjo Lul Singh; Shri Satish Kumar Sjo Hant Singh, Mukhtiar-am of Jora Singh, Jagir Singh, Sher Singh, Gurdial Singh Ssjo Inder Singh Clo Luxmi Emporium, Bathanda; Shri Labh Singh, Bikkar Singh, Niranjan Singh Ssjo Chatin Kaur Wdjo Nand ingh, Kolke Amarpura, Bhatinda

Vised Furner (Transferor)

(2) Smt. Biba Wo Vinod Kumar, ... Nabha,

(7 cansferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Preson in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4324 of January, 1984 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandbar

Date: 10-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref No. A.P. No. 5554.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. As per Schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda on January 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

(1) Shri Major Singh So Lal Singh; Shri Satish Kumar So Hant Ram Mukhtiare-am of Jora Singh, Jagir Singh, Sher Singh, Gurdial Singh Sso Inder Singh, Clo Luzmi Emporium, Bathinda; Shri Labh Singh, Bikkar Singh, Niranjan Singh Selo Chatin Kaur Wdlo Nand Singh, Kolhe Amarpura, Bhatinda.

(2) Shri Ajay Kumar S|o Shri Megh Raj, Tohana.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above.

(Per son in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4325 of January, 1984 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-8-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5555.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bathinda on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Major Singh Slo Lal Singh;
Shri Satish Kumar Slo Hant Ram
Mukhtiare-am of Jora Singh, Jagir Singh, Sher
Singh, Gurdial Singh Sslo Inder Singh,
Lo Luymi Emporium, Bathinda;
Shri Laba Singh, Bikkar Singh, Niranjan Singh
Sslo Chatin Kaur Wdlo Nand Singh,
Kolke Amarpura,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Avinash S_io Pawan Kumar Clo S, R. Bathinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Per son in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4326 of Jaunary, 1984 of the Registering Authority, Ehntinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-8-1984

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5556.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bathinda on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value or the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Majer Singh Slo Lal Singh; Shri Satish Kumar Slo Hant Ram Mukhtiare-am of Jera Singh, Jagir Singh, Sher Singh, Gurdial Singh Sslo Inder Singh, Clo Luxmi Emporium, Bathinda; Shri Labh Singh, Bikkar Singh, Niranjan Singh Sslo Chatin Kaur Wdlo Nand Singh, Kolke Amarpura, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Lalita Goel Wlo Shri Satish Kumar Clo S. R. Bathinda.

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4341 of January, 1984 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-8-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref No. A.P. No. 5557.-Whereas, I.

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wind/or
 - noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Major Singh Slo Lal Singh; Shri Gatish Kumar So Lai Singh; Shri Gatish Kumar So Hant Ram Mukhtiare-am of Jora Singh, Jagir Singh, Sher Singh, Gurdial Singh Sslo Inder Singh, Clo Luxmi Emporium, Bathinda; Saci Labh Singh, Bikkar Singh, Niranjan Singh Sslo Chatin Kaur Wdlo Nand Singh, Kolko Amarpura, Rhatinda. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh Slo Hukam Singh, Villago Mehta, Teh. & Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Regisered Sale Deed No. 4340 of January, 1984 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:--

Date: 10-8-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5558.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income as any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name:

(1) Shi Major Singh Sio Lal Singh;
Shri Seriah Kuwar Sio Hant Ram
Mukhare-am of Jose Singh, Jagir Singh, Sher
Singh, Gurdhal Singh Ss,o Inder Singh,
Clo Lumi Emporium, Bathinda;
Shri Laba Singh, Pikkar Singh, Niranjan Singh
Salo Chesin Kaur Welo Nand Singh,
Kolke Anartura,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash So Labhu Ram, Co S. R. Bathinda.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fromerty and percent as mentioned in the Registered Sale Deed No. 43 to 1 June 20, 1034 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5579.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

As per Schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the concealment of any income or any
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Sukhdev Singh Slo Shri Puran Singh, Near Dehra Tap, Yeh. & Distt. Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh S|o Shri Tarlochan Singh, C|o Sethi Medical Store, Sirki Bazar, Bathinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale Deed No. 4167 of January, 1984 of the Registering Authority Bathinda.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandbar

Date: 10-8-1984

NUTTICE DINDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

JAI ANDHAR

falandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5580.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering officer at Bathinda on January, 1984

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability so the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

61--266GT[84

(1) Shri Sukhdev Singh Slo Shri Puran Singh. Near Dehra Tap, Teh. & Distt. Rathinda.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur Wlo Shri Tarlochan Singh, Clo Sethi Medical Store, Sirki Bazar, Bathinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid person's within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as said Act given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale Deed No. 4168 of January, 1984 of the Registering Authority Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Islandhar

Date: 10-8-1984

Scul .

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5581.-Whereas, I, J. I., GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sukhdev Singh Slo Puran Singh, Near Dehra Tap, Teh. & Distt. Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Devinder Singh Slo Shri Tarlochan Singh, Clo Sethi Medical Store, Sirki Bazar. Bathinda.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale Deed No. 4169 of January, 1984 of the Registering Authority Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ialandhar

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5582.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000], and bearing No.

As per Schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Partap Singh So Ram Singh Village Mehma Swai. Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh Shri Baljinder Singh Sslo Gurjant Singh, Village Mehma, Teh. & Distt. Bathinda.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4322 of January of 1984 of the Registering Authority Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|773|21-8-84.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No.
No. Land & Building at Bhamburda, Bombay Pune Rd.,
Shivaji nagar Survey No. 15A, Hissa No. 2 (Prt) CTS. No.
14D

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range Pune on Jan, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namey:—

- (1) M[s. Nathani Steel Pvt. Ltd., Near Vidyavihar Railway Station (West) Bombay-400086
- (2) M/s. Thermax Private Limited, Chinchwad, Pune.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land (formerly of Inami Tenure) situated at Bhamburda in Haveli sub-district, Bombay Pune Road, Shivaji nagar, admeasuring about one Acre and two gunthas according to the last conveyance but one acre three gunthas seven annas and nine pies, according to present records of the Mamlatdar, (4397.92 sq. meters) bearing survey No. 15—A, Hissa No 2 (Part) and in the city survey records the property has been assigned C.T.S. No. 14D of the Bombay Road together with the structure standing thereon).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3219[83-84 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date + 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|772.---Whereas, I, SANTOSH DATTTA,

being the competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open plot No 20 survey No. 93-B, Navrajasthan Co-op-

Housing society at Bhamburda,

situated at Pune-411016.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

at IAC., ACQN, Range, Pune on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execute the apparent consideration hierefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. B. Palande, A|2, Lokmanyanagar, Mahim. Bombay-400016.

(2) Mrs. S. B. Bondre, At & Post, Murum, Tal. Phalian, Dist. Satara,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 20 survey No. 93-B Naviajasihan Co-operative Housing society, Bhamburda, Pune-411016 (Area-2745 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3140 83-84 in the month of Feb. 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authorit. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 16-8-1984

Scal :

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|771--Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat Nos. 110 & 111, R.S. Nos. 11 & 13, Plot Nos. 9,10,

situated at Navghar, Tal. Vasai Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269° of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- M|s. Vishwakarma Builders, Mistry Nagar, Vishwakarma Niwas, Station Road, Vasat (West) Dist. Thane
 (Transferor)
- (2) Mrs. Sarita Tyagi & Mr. M. D. Tyagi, Clo. P. C. Tyagi, Gupta Block, Bhavan's collage, Bhavan Campus, Munsi Nagar, Andheri (West) Bombay

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

limmovable property bearing Flat Nos. 110 and 111 Plot No. 9,10,11,12 S. No. 11 & 13 of Village-Navghar, Vasai.

(Area-760 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 370 83-84 in the month of Feb. 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-8-1984

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|770---Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Flat No. B-5, Hermes Heights Co-op. Housing society Ltd.,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Rumesh Builders (India) 618, Sachapir Street, Pune-411001.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena S. Sakhrani, 798|3, Bhavani peth, Harmony Building, Pune-411002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-5, Hermes Heights Co-op, Housing Society Ltd., 1949, Convent Street, Pune-411 001. (Area-1385 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3298|83-84 in the month of Feb. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 26-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGIA PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37FE|84-85|769,-Whereas, I. SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 'Mohit Apartments' Plot No. 135, Lullanagar,

situated at Pune-I

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC. Acqn Range, Pune on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Mrs. Hari Gellaram Ansari, 146(822) Sind Co-op. Housing society, AUNDH, PUNE-411 007.

(Transferor)

(2) Mr. Kashavkiren Ganpat Apte, 759[23, Deccan Gymbhana, Pune-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 'Mohit Apartments, Plot No. 135, Lullani Poona-1

(area 1160 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2781|83-84 in the month of Jar. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Jyoti Builders, 319|19, Haresh Chamer Samuel street, Vadbadi, BOMBAY-3.

(Transferor)

(1) Smt. H. Kusuma Shenoy, Clo. Syndicate Bank, Dombivali, Dist. Thane.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-4, the 16th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|768.--Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 205, 2nd floor, Swamini Jyot, CTS No. 391, Vishnu Nagar Dombivli (West)

situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of he Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly extend in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, Swamini Jyot, C.T.S. No. 391, Vishnu Nagar, Dombivali (West) DIST. THANE. (Area-580 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3061[83-84 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---62-266GI|84

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Mandke Construction Co. 1132|2, Alankar Bhavan, Shivaji Nagar, Pune-411 016.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Udayan Amdekar and Mrs. Sunanda Ajit Amdekar, 'B' Bldg., 7th floor, Ocean Golden society, Twin Lane, Prabhadevi, BOMBAY-25

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-4, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|767|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat $\ddot{\text{No}}$. 12, Middle Floor, Asmita Apartments, S No. 167-A|2, Happy colony.

situated at Kothrud, Punc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Middle Floor, Asmita Apartments, S. No. 167-A|2, Kothrud, Happy colony, Pune-29 (Area-1069 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 2659 in the month of the Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

Pune-4, the 16th August 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37EE|766|83-84.-Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
No. Flat No. 323, 3rd floor, Kirti Apartments, Plot No. 22
F.P. Plot No. 260 of TPS. Sangamwadi
situated at Narangi Baug, Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ariting from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Sakina Ayub Bahrainwalla and Shri Ayub Mohamadbhai Bahrainwalla 23|7. Bund Garden Road, Pune-411 001

(Transferor)

(2) Shri Safakat F. Bhagat and Smt. Fakira S. Bhagat, Flat No. 5 Building No. 5, Five star Co-operative Housing Society Ltd., Bund Garden Road, PUNE-411 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 323, 3rd floor, Kirti Apartments, F.P. No. 260/2, and 260|3, Sangamwadi, Narangi Baug, Pune. (Area-885 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I,A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3059|83-84 in the month of Feb. 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 16-8-1984

(1) Smt. J. B. Patil, 253, Sangli Wadi,

Sangli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. U. P. Ravankar and two others, C.T.S. No. 253|2, Sangli.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, PUNE

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Pune14, the 16th August 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

Ref. No. IAC-ACQ|CA-5|37G|1169|84-85.--Whereas, 1, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the

in that Chapter.

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. C.T.S. No. 253|2, Hari Niwas, Sangli situated at Sangli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Miraj-I on Jan. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

(a) facilitating the reduction on evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957); Building at C.T.S. No. 253/2, Hari niwas, Sangali, Exten-

sion area, Sangli.
(Area-1073 sq. gt.)

Property as described in the sale deed registered in the Office of the sub-Registrar Miraj-I, Miraj undre Document No. 457 in he month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th August 1984

Ref. No IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|1168.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

and bearing
No. Land at Gat No. 453, Karoshi village, Near Ichalkaranji
situated at Ichalkaranji, Kolhapur
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
S.H.I. chalkaranji, on Feb, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforestid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Annappa O. Upadhya, Karochi, Ichalkaranji, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Arun Mahadev Ghorpade, Chairman of Shri Dattakripa Sahakari Gr'ha Nir-man Sanstha Ltd., Karochi village, Ichalkaranji. Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gat No. 453 at Karochi, village, Near Ichalkaranji Dist. Kolhapur, (Area-2 Acres)

Property as described in the sale deed registered in the Office of the sub-Registrar, Ichalkaranji under Document No. 939 in the month of February, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc-4, he 17th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-51|769|37EE|84-85.—Whereas, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. Unit No. 10 ground floor Dewan and Shah Complex situated at Vasai, Dist. Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ing persons, namely :-

(1) M|s. Bassein Industria Development Corporation, Diwan Tower, Navghar, Basssein Road, Dist. Thane...

(Transferor)

(2) M/s Industrial Domestic Machineries and Components Savershet Wadi, Mercies, Sandor, Varsi, Dist. Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Unit No. 1P on ground floor, Dewan & Shah Complex No. 2, S. No. 74 Vasai Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 3202|83-84 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. **PUNE**

Pune-4, the 17th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|84-85|775.—Whereas, I.

SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat at 618|11, 1st floor, Erandawana, situated at Pune-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as aforesaid property as a foresaid property. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s. B. K. Errectors, 61 B|11, Erandawana, Pune-411 004.

(Transferor)

(2) Mr. Mallappa Nagappa Mali and Mr Abbay Bala-saheb Mali Near Dak Bungalow, Pune, Bangalore Road, Post Nipani Tal. Chikodi, Dist. Belgaum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 61 B|11, 1st floor, Erandawana, Pune-4. (Area-1181 sq. ft.)

(Propery as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2704 83-84 in the month of Jan. 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 17-8-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN. 60|61, ERANDAVANA, POONA-4. Poona, the 17th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|84-85[776.---Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

with the object of :-

and|or

Rs. 25,000]- and bearing
Flat No. 17, 4th floor, Govind Apt. city survey Nos. 7936
to 7940, Tikka Nos. 27 & 34, village G. B. Patherli situated at
Dombivali, Kalyan Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC. Acqn. Range. Pune on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie e that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice was subsection (1) of Section 249D of the said & x, to the folk wing persons, namely :-

- (1) M/s. Shah & Mody Builders, Co Paresh Estate Agency, 4 Pakar Building, Sation Road, Opp. Canara Bank, Dombivali (East) Pin.-421 201. (Transferor)
- (2) Smt. Dipti Diwakar Kamat. 6, Sukhada Co-operative Society, 2nd floor, Nath Pai Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4h floor, Govind Apartments, city survey Nos. 7936 to 8940, Tikka Nos. 27 & 34, village G. B. Pather N. C. Kelkar Road, Dombivali (East) Tal. Kalyan, Dist. Thane. (Area—620 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6021|83-84 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 17-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN. 60|61, ERANDAVANA, POONA-4.

Poona, the 17th August 1984.

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|84-85|777.-Whereas, I. SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to . the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Flat No. 219, 2nd floor, B-Wing, Clover Centre, 7, Moledina Road, situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely:---

(1) Ms Vijay Enterprises, 515, Rewa Chambers, New Marine Lines, Bombay-400 020.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Dilip Narayandas Parmar, 2. Mrs. Mrudula Dilip Parmar, 774, Raviwar Peth, Novel Bldg., Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 219, IInd floor, B-Wing, Clover Centre, 7, Moledina Road, Pune-1.

(Arca-572 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 278 83 in the month of Jan. 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 17-8-1984

(1) M|s. Bassein Industrial Development Corporation, Dewan Tower, Navghar, Bassein Road, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Ms. Laxsons Engineering & Ele. Pvt. Ltd., Laxsons House, Plot AA2 Walbat Road, Gorcgaon (E), Bombay-400 063.

(Transferee,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN 60/61, ERANDAVANA, POONA-4.

Poona, the 17th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|778.--Whereas, I. SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Unit No. 63, 1st floor, Dewan & Shah Industrial Estate, No. 5 Vasai (E) Dist. Thane, S. No. 37 situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ϵ 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 da from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 63, first floor, Dewan & Shah Industrial Est No. 5, at Vasai (East) Dist. Thanc. S. No. 37. (Area—755 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registe in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune un document No. 3201 83-84 in the month of Jan. 1984).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for for 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANTOSH DAT Competent Autho Inspecting Assistant Commissioner of Income

Acquisition Range, Po

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-8-1984

Scal:

(1) M|s. Nutan Enterprises, 1379, Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Waman Paranjpe, 383-A Shanwar Peth, Pune-30.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60|61, ERANDAVANA, POONA-4.

Poona, the 18th August 1984

Ref. No. AC ACQ|CA-5|37EE|84-85|779.—Whereas, I, ANTOSH DATTA pantosh Datta peing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property having a fair market value exceeding ls. 25,000|- and bearing Flat at C.T.S. No. 418, Narayan Peth, situated at Pune [and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

inder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering officer at AC. Acqn. Range, Punc on Jan. 1984

Acqn. Range, Pune on Jan. 1984
or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at C.T.S. No. 418, Narayan Peth, Pune-411 030. (Area-644 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under decument No. 2626 83-84 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE PRAPTIKAR SADAN, 60|61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 18th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA|5|37EE|84-85|780.—Whereas, I SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

C.T.S. No. 418, Narayan Peth, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Nutan Enterprises, 1379, Bhavani Peth, Pune-2

(Transferor)

(2) Smt. Yamuna Waman Paranjape, 383-A Shanwar Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at C.T.S. No. 418, Narayan Peth, Pune-411 030. (Area—541 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2627 83-84 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poonal

Date: 18-8-1984

(1) M|s. Vijay Enterprises, 515, Rewa Chambers, New Marine Lines, Bombay-400 020,

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mrs. Nanda P. Shah,
 Mr. Prakash C. Shah,
 Clo Kanayalal V. Shroff,
 Flat No. 22, 2nd floor,
 Wonderland—7, M. G. Road, Punc.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN 60 61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 18th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|781.-Whereas, I SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. S-18, ground floor, C-Wing, Clover Centre, 7,
Moledina Road, Pune-1 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid by the apparent consideration therefore by more than the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. S-18, Ground floor, C-Wing, Clover Centre, 7-Moledina Road, Pune-1.

(Area-243 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4416 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60|61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 18th August 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE[84-85]782.—Whereas, I SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property beginn a feet and the immovable property beginning a feet and the immovable property beginning the competence of the immovable property beginning the immovable property beginning the competence of the immovable property beginning the immovable property beginning the competence of the immovable property beginning the immovable prope able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. 149, Bhavani Peth, situated at

Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984

an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Smt. Madinabi Habulal Bagwan, 151, Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri R. M. Agarwal and Shri G. M. Osal— Chief Promotors—on behalf of other co-owners— 149, Bhavani Peth, Punc-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 149, Bhavani Peth, Pune-2. (Area-1800 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2682[83-84 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 18-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 17th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|783.—Whereas, I G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 49, S. No. 26|1, 2, 3, 4 & 27|5, 6, 7, 8 Sahanukar colony situated at Kothrud, Pune-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) M|s. Vaibhav Builders, 101, 102, Kamla Chambers, 687, Budhwar Peth, Pune.

(Transferor)

 Shri Prakash Raghunath Deshpande, State Bank of India, Aurangabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49, S. No. 26|1, 2, 3, 4 & 27|5, 6, 7, 8 Dahanukar Colony, Kothud, Pune-4.

(Area -- 570 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2729 83-84 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 17-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60|61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 18th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|784.—Whereas, I SANTOSH DATTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. B-102, Plot No. 45 & 46 S. No. 4, 5, 6, 7 village-Navghar situated at Vasai Dist. Thanc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Vishwakarma Builders, Pratap Palace, Vishwakarma Niwas, Station Road, Vasi (West) Dist. Thane.

(Transferor)

Mr. Chacko Thomas,
 Izable Building, Near Marry Villa Bus stop,
 Manickpur, Vasai Road, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: B-102, Plot No. 45 & 46, S. Nos. 4, 5, 6, 7 Village Navghar, Vasai, Dist. Thane.
(Area—780 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3157 83-84 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 18-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) G7 THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE PRAPTIKAR SADAN, 60[61] ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 22nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|785.---Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000]- and bearing No.

Eusield Estate, Baby point, Panchgani situated at Dist. Satara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—64—266 G1|84

 Mrs. Connie Edwin Fernandez, B-12, Plough share, Sitladevi Temple Road, Mahim, Bombay-400 016.

(Transferor)

Enfield Co-operative Society Ltd., Chief promoters—
 Shri Saroj Kumar Bhola,
 Shiv Tirth, I, Bhulabhai Desai Road, Bombay.

 Mrs. Uma Singh, 9|4, Navjivan Society, Lamigton Road, Bombay-400 001

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hissa 2-Plot No. 497. Enfield Estate, Baby point, Panchgani, Dist. Satara.

(Area-2 acres i.c. 87120 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3984|83-84 in the month of Mar. 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 22-8-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE PRAPTIKAR SADAN, 60|61, FRANDAVANE, POONA-4

Poona, the 22nd August 1984

Ref. No. IAC. ACQ|CA-5|37FE|84-85|786.—Whereas, I, SANTOSH DATTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. Industrial Unit No. 31, Ground floor Industrial Estate No. 6. Navghar, Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Bassein Industrial Development Corpn. Dewan Tower, Navghar, Vasai Road (W), Dist. Thane.

(Transferor)

288-Chimbai Road, Bandra (W),
(2) Mls. Prakash Sales and Services,
Jaldarshan, No. 7, Ground Floor,
Bombay-400 050.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 31 Ground floor, Industrial Estate No. 6, Navghar, Vasai Road (East) Dist. Thanc.

(Area-66.05 sq. meters)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4464|37EE in the month of Feb. 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-8-1984

_ ===--

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sudhir Yashwant Mandke, Prop. of-Mis. Mandke Construction Co., Alankar Bhavan, 1132 | Shivajinagar, Pune-411 016.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Dattaraya Lokapure, I.N.S. Shivaji, Lonavala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE PRAPTIKAR SADAN, 60|61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 22nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-37EE|84-85|787.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 8, Asmita Apartment, 167-A|2, Happy colony,

Kothrud situated at Pune

(and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Top floor, Asmita Apartment, 167-A/2, Happy colony, Kothrud, Pune-411 029. (Area—545 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2660 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 22-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 22nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|788.—Whereas, i, SANTOSH DAITA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No.C-11, Ashoka Housing society Ltd., 3 Naylor

Road situated at Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pure cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:--

(1) Mrs. Indra Bhatnagar, Mr. S. S. Bhatnagar, Mis. Bhatnagar Enterprises, 1/1, Canopus Apartment, Boat Club Road, Pune-411 001.

(Transferor)

(2) Mr. David Rupert Lobo, and Miss Daphne Remedios, 877 1, Bootee street, Poona-411 001,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C-11, Ashoka Housing Society Ltd., situated at 3 Naylor Road, Poona-411 001. (Area-1000 sq. ft.)

(Property as descried in the agreement to sale registered in office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2758 in the month of Jan. 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADAN, 60<u>1</u>61, FRANDAVANE, POONA-4

Poona, the 18th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|789.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000—and bearing No.

Flat No. 12, 3rd floor Bldg. No. 1, Ganganagar Society Ahilyabai Chowk, Kalyan situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of IAC (Acq.) Range, Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the acduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Vaishali Builders, and Partner-Shri N. L. Sonavane, Pardeshi Bldg., Station Road, Kalyan, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri U. K. Bhivandkar, Clo. Union Bank of India, Shankarrao Chowk, Kalyan, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Building No. 1, 'Ganganagar Society' Ahilyabai Chowk, Kalyan, Dist. Thanc. (Area-650 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sae registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3123 in the month of January, 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 18-8-1984

(1) Shri Nanaji Khimaj Shaha, Swaminarayan Darshan, 2nd Floor, Plot No. 10, Dr. Rajendraprasad Road, Mulund West, Bombay-80 (Transferor)

(2) Shr Haribhau Moreshwar Japtiwale, Extension C.S. No. 1403 Milan Bungalow, Madhavanagar Rd., Sangli,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Bombay, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|1171.--Whereas, J.

SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Survey No. 271A, Plot No. 40 Miraj situated at Miraj (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Miraj in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Milan Bungalow', Madhav Nagar Rd., Sangli, S. No. 271A and C.S. No. 1403.

(Area-372.9 sq. ft, land and Building 227 sq. mt.)

(Froperty as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Miraj under document No. 3280 84 in the month of February, 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 21-8-84

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sai dAct, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Y. Khadake, 1325|42, E-Ward, Shivaji Udyam Nagar, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Mahiati Sitaram Patil, 1915-E-Ward, Rajarampuri, (1th Lane, Kolhapur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1172.--Whereas, 1, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. C.).S. No. 1325 42 (Part) Kolhapur, Shivaji Udyam Nagar, University Rd., situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Kurvir in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

House No. 1325|42 (Part) Kolhapur Shivaji Udyam Nagar, University Road, Kolhapur (Area-85.19 sq. meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir, in the month of February, 1984 under document No. 886).

Date: 24-8-1084

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shantanu Ratilal Gandhi, Ghar No. 113 A Uttaramodi Peth, Solarpur.

(Transferor)

(2) Shri Premchand Pratapmalaji Surana, trustee of Panidevi Family Trust,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1173.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land & Building at Survey No. 1F|2A1|1, Solapur city situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registration Officer at S. R. Solapur in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 2, final Plot No. 1F|2A1|1, Solapur. (Arca-810 sq. meters built-up area & land-1620 sq. mt.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Solapur under document No. 23 in the month of January, 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 21-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

Pune, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1174.—Whereas, I. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 148/2, CTS No. 257A, Mahableshwar, Gaurav Hotel, situated at Dist. Satara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Wai in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattires has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
65—266 GI]84

(1) Shri P. D. Parte, at & Post Mahabaleshwar, Dist. Satara.

(Transferor)

(2) Shri D. D. Thakkar,19, Uttam Bhavan,M. G. Road, Kandivali (West)Bombay-400 067

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 148/2, C.T.S. No. 257A, known as 'Gaurav Hotel' Mahableshwar, Dist. Satara.

(Area-1720 sq. meters-land & Bldg. 1800 sq. ft. 4097+1249 sq ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Wai under document No. 83 in the month of January. 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1175.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings

Rs. 25,000 and bearing No. Property at R. S. No. 536[1A,

situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Karvir in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesmic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of t ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishnaparsa Saloka and others, at & Post Kolhapur,

(Transferor)

(2) The Niyojit Padma Co-op. Housing Society, Chief Promotor, Shri Suresh P. Karande, 1980-E, Rajurampuri, Oth Lane, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Survey No. R.S. No. 538/1A, Near Jawahar Nagar, Kolhapur,

(Arca- 2Λ -2OR or 1,08,639 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kary under the document No. 199,84 in the month of January, 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Peona

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1176.—Whereas, I. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Piot No. 64, Sangli Market Yard situated at Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Miraj in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) trailinating the concentment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prakash Dundappa Dadge, 'Ganganivas' Shivajinagar, Dist. Sangli.

(Transieror)

(2) Shri Nandkumar Şadashiv Kore, at & post-Kavathe, 1473, Laxmi Puri, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A.t., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64, Sangli Market Yard, Sangli. (Area-land-5498 sq. ft. Bldg, Built-up-340.14 sq. mt)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Miraj under document No. 235 84 in the month of February, 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 21-8-1084

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1177,—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. Property at Survey No. 36 & H. No. 3-1|4, Naupada, situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Thane in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Yashwant W. Daheke and others, Pranjali C.H.S., Naupada, Thane.

(Transferor)

 M|s. Paranjali Co-operative Housing Society, Kopri Road, Naupada, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Naupada Taluka, Survey No. 36, & H. No. 3-1|4 Dist. Thane.

(Area-1199.625 sq. meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Thane under document No. 239 84 in the month of February, 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 3-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. **PUNE**

Pune, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|790,—Whereas, I SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. flat No. 305, A-Wing, 3rd floer. Shanta Iyot shopping centre, near Vasai Road, situated at Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

- M[s. Three Star Builders,
 Poonam Society,
 A, Livking Road, Khar (W)
 Bombay-400 052
- (2) Mrs. Sumati V. Pillai and Mr. K. K. Vikraman Pillai Ursule Villa Manickpur, Vasai Road (W) Dist. Thane.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, reliable are residued to the persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hut No. 305- A-Wing, third floor, Shanta Jyot shopping centre near Vasai Road Post Office, Vasai Road (W) Dist. Thanc.

(Area-631 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4216 83-84 in the month of January 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 3-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|791.—Whereus, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat No. 202, Plot No. 292, Koregaon Park, 371[A]

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. V. K. Lalco Pvt. Ltd., 1017-18, Dalamal Tower Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Shamsy Ramzan A-3, Paramount Co-op. Housing Society, 5th floor, convent street, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Plot No. 292, Koregaon Park, 371]A]1[6 (Area-1080 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3651|83-84 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Poona

Date: 6-8-1984

(1) M|s. Three Star Builders, Poonam Society, 67-A Linking Road, Khar,

Bombay-52

(Transferor)

(2) Mrs. Razi Begum M. Latif, 1st floor, Annu Building, Milan sub-way, Santacruz (W) Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37EE|84-85|792.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000], and bearing No. Flat No. 205. Shanta Jyot shopping centre, Vasai, Road (West)

situated at Dist, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Shanta Jyot Shopping Centre, Vasai Road, (W) Dist. Thane.

(Area-60.6 sq. meters)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4215 in the month of January 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 3-8-1984

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd August 1984

Ref. No. IAC. ACO|CA-5|37EE|84-85|793.---Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 206, 2nd floor, Vithoba Apartment, Plot No. 55 village Navghar, situated at Dist. Thane

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ot I.A.C. Acqn. Range, Pune, in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo.esaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) M/s. Vithoba construction Co., Vasai Station Road, near Happy Palace Vasai Road (West) Dist. Dhane.

(Transferor)

(2) Shri Zainabbi Husain Shaikh and Shri Husain Abdul Kader Shaikh, Kashinath Gaikwad Comp. Carter Road No. 3, Room No. 12, Borivali (East) Bombay-66.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor, Vithoba Apartment, Plet No. 55, village Navghar, Dist. Thane (Area-738 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4000 83-84 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Pate: 23-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|794.—Whereas, I. SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat No. 105, 1st floor, Sukhamani Palace, Varni Road, situated at Dist. Thane
(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-66-266GI 84

(1) M|s. Sethi Bullders, village Navghar, P.O. Vasai Road, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Madhurani and Rajeev Akerkar. Clo, S. G. Akerkar, 3|B Himgiri Apartment, Hatiskar Marg, Prabhodini, Bombay-400 025

(Transferce)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, first floor, Sukhamani Palace, Vasai Road, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area-665 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4012[83-84 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range. Poona

Date: 23-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, PUNE

SIONER OF INCOME-TAX

Pune the 4th August, 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|795.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 608, Gurukrupa Apartment, Surev No. 215 Hissa No. 2, Behind Chhaya Society, Agra Road, situated at Thane and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (8) in the office of the Registering Officer at f.A.C. Acqn. Range, Pune, in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; mail/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Sevetion 269D of the said Act of the following persons, namely:-

(1) Ms. Gurukrupa Builders, 6, Navin Manju, S.I. Road, Mulund, Bombay-400 080

(Trav-

(2) Sabitha Mohan, 39|1338, 3rd floor, Vartak Nagar, Thane (Maharashtra)

(Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 608, Gurukrupa Apaitment, survey No. Hissa No. 2. Behind Chhaya Society, Agra Road, Thane.
(Area-660 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4467|83-84 in the month of Feb. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range,

Date: 4-8-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 23th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|796,—Whereas, 1, SANTOSH GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rsc 25,000/and bearing

results and bearing
Flat No. 2-A, ground floor, Barrack No. 1487 plot No. 81
Section 30-A, Sheet No. 30, Madhu Kuni CHS
situated at Ulhasnagar. Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at IAC. Acqn. Range, Pune in February, 1984
for an upparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri G. Vishandas Vanwani and Smt. P. Vishandas Vanwani, Flat No. 2-A, Madhukuni Co-operative Housing Ground floor, section 30A, Ulhasnagar-421 004. Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Punjaram G. Sonone, Clo. Brahmankar Chawal, Shivaji Road, Shahad Phatak Ulhasnagar-421 004. Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2-A ground floor, Barrack No. 1487 Plot No. 81, section 30-A Sheet No. 30, Madhukunj, CHS, Ulhasnagar, Dist. Thane,

(Area-53.12 sq. meters)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 4886 in the month of February, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Datc : 23-8-1984

SenI:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|797.--Whereas, J.

Ref. No. IAC ACQICA-5/3/EE/84-85/797.—Whereas, J. SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000;—and bearing No. Flat No. 14, S. No. 129, Plot No. 41, Indukiran Apts., Ideal Colony, Kothrud.

Colony, Kothrud.

situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-

(1) 1. Shri Vinayak P. Somalwar, 2. Shri Anil V. Somalwar 3. Uma Apts.

S. No. 88 1 | 1 | Shahakarnagar-2, Pune-9.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Dinkar Mane, Amrutanand Society, Anandnagar, Vitthalwadi. Pune-41.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, (662, sq. ft.) Survey No. 129, Plot No. 41, Indukiran Apts. Ideal colony, Kothrud, Punc-29. (Area-760 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 5217 84-85 in the month of May, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 4-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 24th August 1984

Ref. No. IAC $ACQ|C\Lambda-5|37EE|84-85|798$.—Whereas, I. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,0001- and bearing No. Block No. 5, Ammu Apartments, Plot R. S. No. 2B (2) and

22 (P) Masoba Maidan, Chikanghur, situated at Kalyan, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqu. Range, Pune in May, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

aid instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Ammu Builders, 19, Mukund Apartments, Rambaug Lane, No. 2, Kalyan.

(Transferor)

(2) Mr. John Kurian and Mr. Thomas Kurian, Clo. M. Kurian, 9, Hira Nivas Masoba Maidan, Kalyan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Block No. 5, 'Ammu Apartments' Plot R. S. No. 2B(P) and 22(P), Masoba Maidan, Chikanghar, Kalyan, Dist. Thane.

(Area-617 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune under document No. 8921 in the month of July, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ CA-5|37EE|84-85|799.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of th Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. Flat No. 2, Flot No. 65 and 66, Mayoor colony, Kothrud, situated at Punc-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Punc on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. H. Trivedi, Gayatri Builders, 719, Tulsiani chambers, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal K. Bhatewara, B|32, Yakshanagari, Kothrud, Pune-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Plot No. 65 and 66 Mayoor colony, Kothrud, Pune-29.

(Area-930 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5510|84-85 in the month of May, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. Nikhil Enterprises. 14, Bombay Pune Road, Near Bajaj Auto Show Room, Wakade Wadi, Shivaji Nagar, Pune.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|800.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 4, C-Building, Chintaman Nagar, S. No. 12811,

situated at Aundh, Pune-7,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer

at IAC. Acq. Range, Pune on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (2) Shri kishore Chand Arora, R.D.E. (Engineers) Dighi, Punc-411 015.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, C-Bldg., Chintaman Nagar, S. No. 12811. Aundh, Pune-7.

(Area-820 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5700 in the month of May, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|801.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 8, 4th floor, KPT-1, Plot No. 2, Hissa No. 8 S. No. 17-A, Wanowarie

situated at Pune-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Parmar Constructions, 321|3, New Timber Market Rd., Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Mr. Shabbir Ali Mohammed Bawaji Flat No. 1, Manshree Co-operative Housing Society, Plot M. 21, Fatima Nagar, Pune-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 4th floor, Bldg., KPT-1, Plot No. 2, Hissa No. 8 S. No. 17-A Wanowarie, Punc-13. (Area-790 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 5962 in the month of June, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice rand, sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be ollowing persons, namely:—

Date: 4-8-1984

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC. ACO|CA-5|37EE|84-85|802.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 511, 5th floor, KPT-1, S. No. 17-A Plot No. 2, Hissa No. 8 Near Race Courre, situated at Pune-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A t. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at IAC. Acqu. Range, Pune in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly estated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—67—266 GI[84]

(1) M/s. Parmar Constructions, 324/3. New Timber Market Rd., Pune-411 002.

(Transferor)

(2) M|s. Kalyani Steels Ltd., Mundawa, Pune-411 036.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 511 5th floor, KPT-1, S. No. 17A, Plot No. 2, Hissa No. 8 Near Race Course, Pune-13.

(Area-1040 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5679 84-85 in the month of May, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-8-1984

(1) M/s. Parmar Constructions, 321|3. New Timber Market, Punc.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Viraj Homi Bhadha and Mr. Homi Ratlonji Bhadha, Tadiwala Road. Pune-411 001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|803.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
Flat No. 605, K.P.T. 1, 6th Floor, Plot No. 2, Hissa No. 8
S. No. 17 A, Wanawarie,
situated at Pune
ford more fully described in the Scheduled appeared hereto)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on June, 1984 for an apparent consideration which is less for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trained.

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein BA are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, K.P.T. 1, 6th floor, Plot No. 2, Hissa No. 8, S. No. 17A Wanawarie, Pune-411 013.

(Area-1195 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5965 in the month of June, 1984),

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IACACO|CA-5|37EE|84-85|804.---Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Block No. 5, Ganesh Bhavan Co-op. Housing society, Nooribaba Road Makhamali Taluka, Panchpakhadi situated ai Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on April, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vilas Manohar Kanekar, Block No. 5, Ganesh Bhavan, Nooribaba Road, Makhamali Talao, Thane.

(Transferor)

 Smt. Vasantiben Nandlal Mehta, Jyoti Deep Bldg., 1st floor,
 G. B. Road, Charai, Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 5, Ganeth Bhavan Co-operative Housing Society, CTS No. 125 Penchadhadi, Thenc.

(Area-620 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6242[84-85 in the month of April, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dattatraya Trimbak Bagaitkar, Shri Rajaninath Dattatraya Bagaitkar 71|A|2, Prabhat Rd., Erandawana, Fune-411 004.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-35|805.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Plot at survey No. 15|10A, Kothrud,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Other at IAC. Acqn. Range, Pune in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M|s. Natekar constructions Pvt. Ltd., 1206-B|15 Shivajinagar, Deccan Gymkhana, Punc-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at 15|10A, Kothrud, Pune.

(Area-8611.20 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the f.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5227/84-85 in the month of May, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|806.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 7, Radha Krishna Co-operative Housing society Part-1A, village Thakurli, Kalyan situated at Dist, Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Mar. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinayak Krishnarao Nimkar, Smt. Radhabai K. Nimkar, Shri Vasant K. Nimkar, Near Brahaman Sabha, Tilak Road, Dombiyali.
Digt. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Hari Dattatraya Juvekar, B-38, Tilak Road, Near Brahaman Sabha, Dombiyali (East) Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said As shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Area-610 sq. ft. Radha Krishna Co-operative Housing society on Part 1A, 1A, 1A village Thakurli, Taluka Kalyan, Dombivali. Dist. Thanc.

(Area-610 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5589 83-84 in the month of March, 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 3-8-1984

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

PUNE

Pune, the 27th August 1984

Ref. No. IAC. ACQ.|CA-5|37EE|807|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000|- and bearing No.

Vacant Land bearing Survey No. 509 3-4-5, Sub-plot No. 390 3 final plot No. 390 Munjeri, T. P. scheme, No. III, situated at Pune-37

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramchandra Tukaram Birmal, Birmal Nagar, Shankarseth Road, Pune-411 037.

(Transferor)

(2) M/s. Rathi Kumar Beharay, 'Construction House' 796/189-B, Bhandarkar Institute Road, Pune-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Vacant land bearing survey No. 509[3-4-5, sub-plot No. 309]3 of Sub final plot No. 390 Munjeri, T.P. scheme, No. III, Shankarshet Road, Punc-411 037.

(Area-45,500 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3643|84-85 in the month of Jun. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 27th August 1984

Ref. No. IAC. ACQ.|CA-5|37EE|808|84-85.--Whereas, I,

Ref. No. IAC. ACC. CA-3/3/EE/000/04-03-wineras, x, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land at Sub-plot No. 390|4 final plot No. 390|4, final Plot No. 390, survey No. 509|3-4-5, Muneri, T. P. scheme No. III Shankarseth Rd.

situated at Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefore heretogeness. said exceeds the apparent consideration therefor by пюте than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Vasant Ramchandra Birmal, 2. Shri Anil Ramchandra Birmal, Birmal Nagar, Shankarseth Rd.. Pune-411 037.

(Transferor)

(2) M|s. Rathi Kumar Beharay, Construction House 796 189-B. Bhandarkar Institute Road, Pune-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at sub-plot No. 390|4, Final plot No. 390 S. No. 509|3-4-5 Munjeri, T. P. Scheme No. III Shankarsheth Rd., Pune-37.

(Area 62415 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3642 in the month of Jan. 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Habitat India Developers and Builders, Meher Building, Shivaji Nagar, Nasik-422 006.

(Transferor)

(2) Mrs. Perpetual Cost and Master Colin Nelson Costa, Middle East Group - P. O. Box. No. 25583 Safat, Kuwait,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th August 1984

Ref. No. IAC. ACQ|CA-5|37EE|809|84-85.—Whereas. I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and hearing No.

Villa No. 19, Azalea Gardens, Sansari Devlali camp. situated at Dist. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exacted the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 19 Azale gardens, Sansari Village, Devlali camp S. No. 210 C|1 & 210 C|2.

(Area-1000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 133 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 27-8-1984

(1) M/s. Shailesh Promotors, 14, Shri Prassd society, Parvati Daichau, Punc-411 009.

(Transferor)

(2) Shit Harakchand Fulchand Munot, At & Post Bhanashivare. Tal. Newasa, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX-ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th August 1984

Ref. No. IAC. ACQ.]CA-5]37EE]810[84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 3, 1st flor situated at Pune-9. Plot No. 15, 481 1, Parvati,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 c16 of 1908) in the office of the Registration Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore hymposessis and apparent consideration and appar said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor Plot No. 15, 481/1, Parvatl, Pune-411 009.

(Area-613 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3629183-84 in the month of January, 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 27 8-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-68 --266 GH84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC. ACQ.|CA-5|37EE|811|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 13, Plot No. 126, survey No. 103 C.T.S. No. 1947 Yearwadu situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC. Acqn. Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market, value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of anch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

M|s. K. P. Enterprises,
 Veena Beena, Turner Road,
 Bandra (W) Bombay-400 050.

(Transferor)

(2) M|s. Karia Builders, 5-BC Premkanku Apartments, Navroji Cross Lane, Ghatkopar (West), Bombay-400 087.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, Part of Plot No. 126 out of survey No. 103 bearing C.T.S. No. 1947, Yearwada, Pune city (Area—21,980 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4891 in the month of Feb. 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Kumar Behary Rathi, 783, Bhavani Peth, Pune-411 002,

(Transferor)

(2) Shri Bailur Radhakrishna Nayak Anand Apartment, Prabhat Rd., Lane No. 9, Pune-411 004.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5[37EE|812|84-85.---Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Shop No. 13, ground floor, C.T.S. No. 216, Shivaji Nagar situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, ground floor, C.T.S. No. 216 Shivaji nagur, Pune-411 005.

(Area-380 sq. ft. carpet area).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2693 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Poons.

Date: 27-8-1984

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37EE|813|84-85.--Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing.

No. Flat No. 6, Plot No. 5, Happy Colony, Kothrud, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ashwini Builders, 1488, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri Milind Madhav Vaidya, 1131, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 5, Happy Colony, Kothrud, Pune-

(Area-1104 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2777 83-84 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Date: 27-8-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
PUNE

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA- $5_137EE_1814|84-85$.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

No. Flat No. 101, 1st floor, Plot No. 29|33, Rajesh apartment Behind post office, Navghar, Vasai Rd. situated at Thane-Dist.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Pune in January, 1984
For an apperent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s Vithoba Construction Co., Vasai Road, Near Happy Palace, Vasai Road (West), Dist. Thane.

(Transteror)

(2) Shri Hansida Hanif, Clo Sayeed Abdul Kadar, Kirana Merchant, Koliwada, Bassein, Dist. Thane-401201.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Plot No. 29|33, Rajesh apartment Behind Post Office, Navghar, Dist. Thane.

(Area -652 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3274|83-84 in the month of Jan. 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona,

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37EE|815|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. Flat No. F-1, 1st floor, 'Priyamvada' C.H.S. S. No. 585 P. No. 49, Gultekadi situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Augn. Page in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. N. Sen and Shri M. K. Ugar, Hirwal, 636|3, Vijaynagar Colony, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri R. Shridharan, Clo Mr. V. Ramkrishnan, Al5, Utkarsha Apartment, Gultekadi, Pune-411 037.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-1 'Priyamvada' C.H.S. S. No. 585, P. No. 49 Gultekadi, Punc-411 009.

(Area-827 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3090 in the month of January 1984.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Date: 27-8-1984

·----

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|816|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No. Office No. 44 & 45, Shanti centre, Plot No. 8, Sector No. 17, D.B.C. Vashi situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Shree Shantinath Enterprises, 304, Tulsiani Chambers, Nariman Point.
Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) M/s. Grewal Exports Pvt. Ltd., 6-A-6. New Excelsior Building, Bastion Road, Bembay-400 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 44 & 45 Shanti Centre, Plot No. 8, Sector No. 17 D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Area-1250 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7381|84-85 in the month of May, 1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-8-1984

(1) M|s. Yogi Corporation, P.N.S. House, 2nd floor, Sir P.M. Road, Fort. Bombay-400 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60|61 ERANDAVANF, POONA-4.

Poona-4, the 31st August 1984

Ref. No. IAC. ACQ|CA-5|37EE|817|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the competent authority under Section 269D of the Jucome-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6 1B, I Flat No. 302, 3rd floor, Gopal Nagar, Bhiwandi

situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acan. Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair marthe value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ato said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Mr. Sadanand Mahudev Durgule,
 Kupali, Opp. S. T. Stand,
 Near Power Office, Bhiwandi, 421 302, Dist. Thane.

(Transferee)

bjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 6|8-1, 3rd floor, Gopal Nagar, Bombay Agra Road, Near Dandekar Factory, Bhiwandi, Thane Dist. (Area - 500 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4224 83-84 in the month of Jan. 1984).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 31-8-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|818|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Villa No. 11, Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp, S.ONO. 210 C|1 & 210 C|2 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registreing Officer at IAC. Acon. Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nsfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaki property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 69—266 Gt[84

(1) Mis. Habitat India Developers and Builders. Meher Building, Shivaji Nagar, Nasik-422 006.

(Transferor)

(2) Mr. Vahid Enayat B. Rowhani, 101-C Building, Anand Nagar, Forget Street, Bombay-36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 18, Azalea Gardens, village Sansari Devlali Camp, S. No. 210 C 1 and 210 C 2.

(Area—1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale tegistered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Puncunder Document No. 132 83-84 in the month of Juneary, 1984) January, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|820|84-85.--Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Villa No. 21 Azalea Gardens Village Sansari, Devlali Camp

situated at Dist. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Ms. Habitat India Developers and Builders, Mehar Building, Shivaji Nagar, Nasik-422006.

(Transferor)

(2) M. Manak F. Daver, 808-Aimai Manzil 2nd floor, Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-400014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Villa No. 21 Azalea Gardens Village-Sansari Devlali Camp S. No. 2109C]1 and 210 C|2, (Area—11018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Runge, Pune under Document No. 137/83-84 in the month of January, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60'6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ[C \-5|37EE|819|84-85.—Whereas, 1, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Villa No. 11, Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp,

situated at Dist. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pacies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Habitat Iudia Developers and Builders, Mehor Building, Shivaji Nagar, Nasik-422 006.

(Transferor)

(2) Mrs Sunita Tularam Mangatani, 9, Lai Sai Society, Development Area—Devlali Camp, Dist. Nasik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 11 Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp S. No. 210 C|1 and 210 C|2 Dist. Nasik. (Area-1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 131,83-84 in the month of January, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN. 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|821|84-85.--Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Villa No. 1, Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp

Dist. Nasik situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afovesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ms. Habitat India Developers and Builders, Meher Building, Shivaii Nagar, Vasik-422 106.

(Transferor)

(2) Dr. 1.t. Col. D. R. Vaze, Sujata Maternity and Nursing Home, 'Prashant' Main Street, Deviali Camp (422 401), Dist. Nasik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 1, Azalea Gardens, situated at Village Sansari,

Devlali Camp, Dist. Nasik S No. 210Cl1, 210 Cl2. Nasik.

(Area—1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune under Document No. 139|83-84 in the month of January, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37EE|822|84-85.-Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Villa No. 13, Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp S. No. 210 C|1 & 210 C|2 situated at Nasik

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and Jus
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Habitat India Developers and Builders, Mehar Building, Shivaji Nagar, Nasik-422006.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajkumari K. Bhijwani, Sukh Sindhu Society, Flat No. 10, Building No. 4, Near Cantonment Hospital Devlali Camp, Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressings used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 13, Azalea Gardens Village Sansari, Devlali Camp S. No. 210 C|1 and 210 C|2.

(Area—1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 140|83-84 in the month of Innany 1984) January, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mis. Habitat India Developers and Builders, Meher Building. Shivaji Nagar, Nasik-422006.

(Transferor)

(2) Mrs. Hemlata Dhatin Dialani, Satnam Society A-2, Flat No. 8, Lam Road, Devlali Camp, Dist. Nasik.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|C Λ -5|37EE|823|84-85.—Whereas, I. SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Villa No. 22. Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp situated at Dist. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acan, Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

at IAC. Acid. Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 22, Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp, S. No. 210 C/1 and 210 C/2.

(Area—1018 sq. ft.)

(Property às described in the agreement to sale registered in the office of the L.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 141|83-84 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-8-1984

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Habitat India Developers and Builders, Meher Building, Shivaji Nagar, Nasik-422 006.

(Transferor)

(2) Mr. Varialdas Jankram Kapoor, A to Z Corner, Main Street, Devlali Camp, Dist. Nasik,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 6016, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37HE|824|84-85,—Whereas, I, SANTOSH DIATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome 'fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement of the competent walks exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Villa No. 6, Azalea Gardens, Sansari, Devlali Camp,

situated at Dist. Nasik (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at LAC. Acon. Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Villa No. 6, Azalca Gardens, Village Sansari, Devlali Camp S. No. 210|C|1 and 210 C|2, Dist. Nasik.

(Area—1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 136|83-84 in the month of January, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|825|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Villa No. 20, Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp, S. No. 210 C|1 & 210 C|2 (Pt.) situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tranfsrred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune in January, 1984 for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Habitat India Developers and Builders, Meher Building, Shivaji Nagar, Nasik-422006.

(Transferor)

 Shri Ahmed Haji Essa, B.A. Dadabhai Mansion, Parel, Bombay-400012.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 20 Azəlea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp Survey No. 210 C|1 and 210 C|2 (Part) Nasik. (Area—1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 111 83 84 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Habitat India Developers and Builders, Meher Building, Shivaji Nagar, Nasik-422006.

(Transferor)

(2) Smt. Mehrunnisa Qureshi L16/84, Vaishali Nagar, Supelea, Bhilai (M.P.), Bhilai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVENE POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EF|826|84-85.—Whereus, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Villa No. 12, Azalea Gardens, Sansari, Devlali Camp S. No. 210|C|1 and 210 C|2 (Part) situated at Dist. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
'0—266 G1|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 12, Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali Camp, Dist. Nasik, S. No. 210 C|1 and 210 C|2 Part. (Area—1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 112/83-84 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 27-8-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. JAC ACQ/CA-5[37EE]84-85[827.--Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Villa No 9, Azalea Gardens, village Sansari, Devlali Camp S. No. 210 C 1 and 210 C 2 (Part) stimated at Nasik

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a t 1AC Acqu. Range, Pune in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

at IAC Acqn. Range, Pune on January, 1984
(1) M|s. Habitat India Developers and Builders, Meher Building, Shivaji Nagar, Nasik.

(Transferor

(2) Shri Arthu Jerry Lewis, D-20, Bina Apartment, Sir, M. V. Road, Andheri, East, Bombay-400 069.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within of public period of 45 days from the date tion of this notice in the Official Gazette a period of 30 days from the service persons, whichever notice on the respective period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo able property within 45 days from the date of i publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the \$5 Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 9, Azales Gardens, village Sansari, Devlali cam S. No. 210|C|1 and 210|C|2, (Part) Dist. Nasik. (Area-1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale register in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune document No. 110 83-84 in the month of January, 1984.)

> SANTOSH DATA Competent Author Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-t Acquisition Range, Poc

Date: 27-8-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|828.—Whereas I. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Villa No. 10. Azalea Gardens, village Sansari, Devlati Camp, S. No. 210 C 1 & 210 C 2 (Pt.) situated at Dist. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market was of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Habitat India Developers and Builders. Meher Building, Shivaji Nagar, Nasik.

(Transferor)

(2) Smt. Zohra Mohammed Ali, Shezad Building, 14, Wanzawadi, 2nd floor, Room No. 2, Mahim, Bombay-400 016.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 10 Azalea Gardens, situated at Sansari, Devlali Camp S. No. 210|C|1 & 210|C|2 Part Dist. Nasik. (Area—1018 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 113|83-84 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saio Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27 8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60]6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|829.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, propertly having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Villa No. 5, Azalca Gardens, Sansari, Devlali camp S. No. 210|C|1 and 210|C|2 (Part) situated at Dist, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Habitat India Developers and Builders, Meher Building, Shivaji Nagar, Nasik.

(Transferor)

(2) Mr. Hiralal Champalal Picha, Bombay Agra Road, at & Post Ghoti-422 402 Dist. Nasik. (M.S.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 5, Azalea Gardens, Village Sansari, Devlali camp, S. No. 210|C|1 & 210|C|2 (Part) Dist Nasik.

(Arica—1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Runge, Pune under document No. 142 83-84 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range, Poona

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-8-1984

Scal :

1-24-2-1

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPFIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.|CA-5|377|830|84-85.—Whereas, I. SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 8, 4th floor, Trimurti Apartments, Shivaji path situated at Kalyan, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Chandrakant Lalubhai Pandya and
 Smt. Pushpaben Chandrakant Pandya.
 Flat No. 8, 4th floor,
 Trimurti apartments, Shivaji path,
 Kalyan, Dist, Thane.

(Transferor)

(2) Shri Jagdevprasad Puranmal Agrawal, 101, Dadi Seth Agyari Lane, 2nd floor, Bombay-400 002.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Floor-4th, Trimurti Apartments, Shivaji Path Kalyan Dist. Thane. (Area—748 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4004/83-84 in the month of Jan. 1984.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|831.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

S. No. 208A, H, No. 2+3 (Pt) Plot No. 7, village Chole C.S. No. 4388 Dombivali situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1))Shii Khandibhai M. Prajapati & others, Jijau Apartment, Near Bhanu Talkies, Kalyan (West), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shree Ganesh Co., 47, Bazargate Street, 2nd floor, Fort, Bombay-400 011.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Survey No. 208A H. No. 2-3, (pt) Plot No. 7, village Chole C.S. No. 4388, Dombivali (East) Dist. Thane. (Area—670 sff. meters)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3167 83-84 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Acquisition Range, Poona
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Poona,

*Teate: 21-8-1984

Scal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EF|84-85|832.—Whereas, J. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No.

25,000|- and bearing No.
Office No. 51 & 52 Shanti Centre, Plot No. 8, Sector No. 17
D.B.C. Vashi situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

IAC. Acqn. Range. Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less han the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shree Shantinath Enterprises, 304, Tulsiani Chambers, Natiman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) Floome Survey Pvt. Ltd., 6-A-6, New Excelssion Building, Bastion Road, Bombay-400 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office building No. 51 & 52 in Shanti Centre Plot No. 8, Sector No. 17, D.B.C. Vashi, New Bombay (Area—1435 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7382 83-84 in the month of May, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Acquisition Range, Poona
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37FE|84-85|833.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Flat No. 205, 2nd floor, C.T.S. No. 216, Shivaji Nagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC. Acqn. Range, Pune on January, 1984
situated at Pune-411 005

stituted at rance-11 003 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Kumar Behrny Rathi 783, Bhavani peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Prabhakar Krishnaji Shiurkar, 853, Budhawar peth, Pune-411 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 205 2nd floor, C.T.S. No. 216, Shivaji Nagar, Pune-411 005. (Arca -680 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 4425 in the month of Jan. 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 21-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mls. Abhang Housing Corporation, Watve House, Neur Shivaji Statue, Shradhanand Road, Dombivali (E), Dist. Thane.

(Transferor)

(1) Shri Mohan Dattatraya Kokane, Gupte Wada Ist floor, Netaji Subhash Road, Vishnu Nagar, Dombivali (W), Dist. Thane.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 21st August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|834.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Apt. No. 21, 3rd floor, Ameya Apartments, Dombivali situated at Dist Thans.

situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Apartment No. 21, 3rd floor, 'Ameya Apartment', Dombivali, Dist. Thane. S. No. 266A, H. No. 6-1A-3 Village Thakurli. (Area—568 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3163 in the month of Jan. 1984.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-71-266 GI 84

Date: 21-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|1178.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000]- and bearing Survey No. 82, Hissa No. 1, Village, Waliv Tal. Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferried under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vasai on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Arfin Joseph Colaso, 2. Shri Cibil Joseph Colaso At Jivanwadi, Merees, Tal. Vasal, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) M/s. Bascein Industrial Development Corporation, Dewan Tower, Navghar, Vasai Road (W), Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Survey No. 82, Hissa No. 1 Village-Waliv, Tal.

Vasai Dist. Thane. (Area—4071 sq. meters).
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 1770 in the month of Jan. 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 27-8-1984

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 27th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|1179.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Survey No. CTS 2082 & 2083 Vita, Lengare Road situated at Dist. Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Khanapur in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. M. Hule, at & Post Vita Dist. Sangli.

(Transferor)

(2) Shri Siddhanath Textile Company, Partner Shri B. B. Jagtap, At & Post Vita, Dist. Sangli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 2082 and 2083 at Vita, Dist, Sangli. (Area-Main shed 172 sq. meters + Office 27.7 sq. meters).
(Property as described in the sale deed registered in the Sub-Registrar, Khanapur under document No. 473 in the month of February, 1984,

> SANTOSH DATTA Competent Authority Acquisition Range, Poona Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3118 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Ahmedabad T.P.S. No. 20 Flat at New Girdhar Park 2nd Floor & 25 sq. yd. land on G.F. for Parking Flat Adm. 91 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 19-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ketankumar Jashwantlal Shukla F-5, New Oirdhar Park, Ambawadi, Ahmedabad-6.

(Transferor)

 Smt. Parulben Pravinchandra Desař 24, Shanti Nagar Socy. Ushmanpura, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad T.P.S. 20 Flat at New Girdhar Park, 2nd Floor, and 25 sq. yd. land on G.F. for parking Flat, Ahmedabad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 21-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3119 Acq.23 [1]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Ahmedabad TPS 21 Manekbag Socy Ltd. paiki FP No. 602 paiki S.P. No. 101 Land Adm. 400 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Ahmedabad on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Hasmukhben, Babubhai Sheth and 2. Shri Babubhai Ambalal Sheth Both Ro Tulsi bag Near Parimal Socy. Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jitendrabhai Parshottamdas Shah 2. Smt. Chitraben Jitendrabhai Shah Both @ Krushna Bhavan Opp: Canara Bank—Gol Limda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS, 21 Manekbag Co.op. Socy. Ltd. paiki F.P. No. 602 Sub Plot No. 101, Land adm. 400 sq. yds.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3120 Acq.23 [I 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Ahmedabad Madalpur alias Chhadawadsim F.P. No. 516|2 paiki Offices on 2nd floor office No. 1, 2, 3, 23, 24, 25, 26 sq. ft. 2150.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 19-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income tarising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Unique Irector Gujarat Pvt. Ltd. Director Shri M. Jafar. M. Yasin Shaikh Natraj Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

 Mahalaxmi Housing Finstock P. Ltd. Director Shri Bholabhai Valjibhai,
 Kankaria Apartment, Rambag Road, Maninagar, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad Madalpur alias Chhadawad FP No. 516[2 paiki offices on 2nd floor office No. 1, 2, 3, 23, 24, 25, 26] 2150 sq. ft.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 21-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P. R. No. 3121 Acq. 23 [J 84-85,-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Ahmedabad Paldi Sim TPS 6 F.P. No. 345 Madhu Park Socy. Flat Adm. 100 sq. yd. on 1st floor Flat No. B-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22, of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Rasiklal Shantilal Panch Ratna Socy. Maha Laxmi, Pancha Rasta Paldi, Ahmedabad,

(Transferor)

(Transweror) (2) Shri Natwarlal Tarachand Ambavi 34 (Under ground seller) Anand Cloth Market, Sarangpur Bridge, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad Paldi Sim TPS. 6 F.P. No. 345 Madhu Park Co-op. Socy. Flat adm. 100 sq. yd. Flat on 1st Floor Flat No. B-5.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 21-8-1984

(1) Smt. Rekhaben Kiritikumar Mehta B-Panchvati, 1st Floor Opp: Pragati High School Ganesh Malve Coss Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Subhadraben Priyakant Shah C-6, Sidhh-Gidi Apartment Pritam Nagar, Paldi Ahmedabad

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No P.R. No. 3122 Acq. 23[I]84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Ahmedabad T.P.S. 22 FP No. 320, Deep Chhaya Co-op. Socy. Block No. G-10 Adm. 84 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer. in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following: persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS, 22 FP No. 320 Deep Chhaya Co.op Hsg. Socy, Block No. G-10 Adm. 84 sq. yd.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition RangeI Ahmedabad

Date: 21-8-1984

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P. R. No. 3123 Acq 23|1|84-85.-Wheeas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ahmedabad TPS 3 B-3 FP No.320 SP No. 8 Flat No. B-3 Pallavi Park Aptt. Opp: Municipal Market, Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedabad on 24-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ratanchand Sundarmal Jain 4154 Roop Nagar, Delhi-110 007.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Subhash Jain B-3 Pallavi Park Aptt. Opp: Municipal Market Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

(4) Shri Subhash Ratanchand Jain, B-3 Pallavi Park Aptt. Opp. Municipal Market,

Navrangpura, Ahmedabad.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS 3 FP No. 320 SP No. 8 Flat No. B-3 Pallavi Park Aptt. Opp. Municipal Market, N. Ahmedabad (Adm. 112 sq. mtr. 122 sq. yd.). Navrangpura.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P. R. No. 3124 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Flat No. B-11 First Floor Yash Pal Co. op. Hsg. Socy. No. 2 Navrangpura Ahmedabad adm. 80 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rameshchandra Dahyabhai by his Power of Attorney Holder Shri Dahyabhai Shivlal 5?Shipl-Usmanpura-A'bad. 13

(Transferor)

(2) Shri Amrutlal Chunilal Kotadia Now Clo Chandrakant Amrutlal Kotadia, Mandhvi Pole-Nagji Bhunder Pale (Stainless Steel Shop) Bhavana Steel Centre, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-11 (adm. 80 sq. yd.) Yash Pal Co. of Hsg. Socy. No. 2 Navrangpura-Ahmedabad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sunil Vadilal Kapasî
'Hari Krupa'
12-Vanshree Socy.,
Thaltej Tekra,
A'bad-389 954.

(Transferor)

(2) Radhi Kamal Nayan Parekh Mili Kamal Nayan Parekh C|o Shri Kamal Nayan Chamanlal Parekh Sheth Chamanlal Girdhardas Bunglow Lal Darwaja, Ahmedabad-380.001, T. No. 26965.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3125 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

A'bad T.P.S. 22 Paldi Flat No. A.A-2 on F. F. adm. 71.5 sq. vd. +18 sq. yd. Galary in New Ankit Co.op H. Socy. Ltd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 30-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A'bad T. P. S. 22 Paldi—Flat No. A.2 F. F. in New Ankit Co.op. H. Socy.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,Ahmedabad

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3126Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.
Bunglow No. 32-B on land adm, 400 sq. yd. at Shaikhpur-Khanpur sim FP No. 221 paiki A'bad (T.P.S. 3).
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 30-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kanjibhai Shankarbhai
 Smt. Laxmiben Kanjibhai
 Hindu Colony—Opp: Stedium
 Navrangpura,
 A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Prakashkumar Savaldas Nagpal 6-Jay Sindu Society, Opp: Gandhi Ashram Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Bunglow No. 32-B on land adm. 400 sq. yd. Hindu Colony Shekhpur-Khanpur F. P. 221 T.P.S. 3 Abad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,Ahmedabad

Date: 21-8-1984

Sanand on 9-1-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M|s Ravi Marble Industries 519, Dunkan Road, Bombay-4.

(Transferor)

(2) M|s Royal Marble Industries Pvt. Ltd. 519, Dunkan Road, Bombay-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3127Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Land S. No. 181 paiki 13448 sq. mtr. i.c. 14713 sq. yd. and construction thereon upto plinth at village Eyava Tal: Sanand Dist: A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land S. No. 181 paiki 13448 sq. mtr. i.e. 14713 sq. yd. and construction thereon upto plinth level at village. Eyava Tal: Sanand Dist; A'bad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Rameshchandra Balubhai Saholiya Manek Wadi Plot No. 534, Bhavnagar,

(Transferor)

(2) Shri Abdul Rajak Ahmadbhai Latiwala Vithlashwar Road, Bhavnagar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3128 Acq.23 [I]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Bhavnagar Shishu Vihar Plot No. 468B at Bhavnagar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Bhavnagar on 6-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evision of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Fncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land Plot No. 468B at Near Shishu Vihar Bhavnagar regd. vide 59 Dt. 6-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3129 Acq.23[I]84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at Vadva gam Talav R. No. 290-295 Plot No. 1 Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lokendrasinh Chandrajit Sinh Gohel (HUF)
 Ramchendrasingh Chandrajit Singh Gohil, 'Mangal Mahal',
 Near Galaxy Cinema,
 Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Gaurav Hotels Private Ltd., Regd. Office—Plot No. 11, 'Nishat'—Near Bank Colony, Bo r Talav Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to he acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vada Gam Talav R. No. 290-295 Plot No. 1 read, vide R. No. 286 Lt. 27-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3130 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDAYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Dhoraji S. No. 501

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Dhoraji Dist. Rajkot on 4-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the togralderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Vyas Ambashankar Harishankar Near Shuklaswar Mandir, Vaghasia Chora, Dhoraji-360 410.

(Transferor)

 Madhavnagar Co.op. Socy. President— Yogeshkumar Jayantilal Bhatt Jamnavad Road, Dhoraji, Dist: Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at S. No. 5 of Dhoraji regd. vide R. No. 1742 Dt: 4-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 17-8-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ar watering ger

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3131 Acg.23|I|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land at S. No. 441 Vidyakunj Co.op. Socy. Plot No. 12 Raikot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Rajkot on 27-1-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—73—266GI|84

Dhirajben Myalchand Shah,
 B, Ushkiran Apartment,
 Sardar Nagar Main Road,
 Raikot.

(Transferor)

'?) Smt. Madhuben Vijaysingh Barad Smt. Induben Rameshkumar Barad Anupama Socy. Kalavad Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot S. No. 441 Vidya Kunj Co.op. Socy. Plot No. 12 regd. vide R. No. 532 Dt: 27-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3132 Acq.23|I|84-85,—Whereas. I, G. K. PANDAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

and bearing No.

Flat at Ravi Kiran Aptt. Near Rashtriya Shala, Rajkot.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 27-1-1984

for au apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rameshchandra Harilal Sheth
 Sudhirchandra Harilal Sheth, 'Navrang', Pedar Road, Bombay.

(Transferor)

Dilipkumar Popatlal Madhwani
 Champak Popatlal Madhwani
 Ravi Kiran Aptt.,
 Rashtriya Shala Road,
 Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Bullding, Flat at 'Ravi Kiran', Aptt. Opp: Rashtriya Shala Regd. vide R. No. 538|27|84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3133 Acq.23|I|84-85.-Whereas, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bldg. at Ward No. 5 H. No. 272 near Karanpara Chowk

Kishorsinhji Road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 5-1-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dhanvantray Jamnadas Chokshi, 13-A. Junction Plot. Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Mansukhlal Maganlal Parmar 'A' Khodiar Krupa, Near Karanpara Chowk, Koshorsinhji Road, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Ward No. 5 H. No. 273 Karanpara Chowk Regd. No. 67, Dt: 5-1-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3134.Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Bldg. at Ramgrishna Sheri situated at 6-4 Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 20-1-1984

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Babubhai Jamnadas Ramkrishna Sheri No. 6-4 Raikot.

(Transferors)

(2) Sh. Chandrikaben Jayantilal Parmar, Rajputpara Sheri No. 2 'Jay deep' Rajkot.

New Address: Ramkrishna Sheri No. 6-4
Ramkrishna Sheri No. 6-4
Corner Building,
Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Ramkrishna Sheri No. 6-4 Rajkot Regd. vide R. No. 379 Dt. 20-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 17-8-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3135.Acq.23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat at Ward No. 15 Texshila Co-op. Socy. situated at 2nd Floor Flat No. 223 Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 19-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating reduction or evaston of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vrajlal Gokalbhai Patel Jawahar Road— Manayadar—Dist, Jonagadh,

(Transferor)

(2) Smt. Ritakumari Lalitkumar Patel Flat No. 223, Tax Shila Co.op. Socy. 'B' Building 2nd Floor, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat at Rajkot Tax Shila Co.op, Socy. Regd. vide R. N. 365 Dt. 19-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 17-8-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad -380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3136,Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat at Ward No. 15 Tax Shila Co.op. Socy situated at 'B' Building 2nd Floor, Flat No. 224 Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Rajkot on 19-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chunilal Gokaldas Patel Javahar Road, Manavadar Dist. Junavadh.

(Transferors)

(2) Smt. Rambhaben, Narshibhai Flat No. 224, 'B' Building 2nd Floor Tax Shilla Co.op. Socy. Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Taxshila Co.op. Socy. Flat No. 224. 'B' Bldg. Ward No. 15 Rajkot regd. No. 364 Dt. 19-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 17-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3137.Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
Shop No. 5 Ground Floor at Crescent 'A' Building ward No.
15 situated at Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at 37EE filed on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. J. S. Corporation, 48, Indra Narayan Road, Santacruz (West) Bombay-54.

(Transferors)

(2) Mrs. Kokila Dhirajlal Thakkar 562, Tax Shila Appartment, Rajkot,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 on Ground Floor in Bldg. Cresent 'A' Ward No. 15 37EE filed on 27-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 25-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **ΑΗΜΕDΛΒΛD-380 009**

Ahmedabad -380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3138.Acq.23|I|84-85.-Whereas, I.

Ref. No. F. R. 100. Statistics of the G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the facometry having a fair market value exceeding immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]-

and bearing Karanpara Sheri No. 37 situated at Bldg, at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 12-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fixeen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Muktaben Pranlal Santokben Bhagwanji, 12, Master Socy. Rajkot.

(Transferors)

(2) M|s. Satvik Builders— 'Piyas' Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Karanpara Sheri No. 37 Rajkot Regd. vide R. No. 188 Dt. 12-1-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3138.Acq.23|I|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 0001, and begging

Rs. 25,000 and bearing Property at Harihar Socy. Kalavad Road, situated at Plot No. 20B—Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kantalaxmi Vamanray Chhaya, Vamanray. C. Chhaya Laxmi Nivas—S. V. Road, Borivali—Bombay.

(Transferors)

(2) Dhorajlal Anatray Patni Plot No. 20B—Harihar Socy. Kalayad Road—Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphise property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Rajkot Harihar Socy, Plot No. 20B,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Taxa,
Acquisition Range-I
Ahmedabac

Date : 25-8-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3140.Acq.23|I|84-85,--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000 - and bearing

No. Building at Rajkot behind Telegraph Office C.S. Ward No. 16|101 Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Rajkot on 13-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds ethe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Kamlaben Jagdishchandra.

Jagdishchandra Fulshankar 3. Jyotindra Jagdishchandra

4. Vidutben Rameshchandra 17, Panch Nath Plot, Rajkot.

(Transferors)

F

(2) 1. Alihussein Ahmedali

- 2. Ahmedali Lukmanji
- 3. Fidaali Abdu Ihussein
- 4. Zikayuddin Abulhuscein 5 Fakruddin Kadarbhai
- 6. Fall cabbas Kadarbhai
- 7. Ismail Taherali
- Saifuddin Taherali.
- Paradise Cloth Stores Vohravad-Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Behind Telegraph Office Rajkot regd. vide No. 230 Dt. 13-1-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad,

Date: 25-8-1984

(1) M/s. J. S. Corporation 48, Indranarayan Road, Santacruz (West). Bombay-54.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Valiben Lakhabhai Gorania Mr. Rajiv Rambhai Gorbania Dhuvan Naka, Dilipbapu Washi Near Market—Jamnagar.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3141.Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Flat No. 1001 at 10th floor Bldg Crescent Rajot Ward No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on 37EE filed on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Crescent 10th Floor Flat No. 1001 37EE filed on 27-1-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3241.Acq.23.1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No. City Survey No. 5357 parki House Adm. 86 sq. mtr. In Municipal limits on the way to Jintan Road—Surendranagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at Wadhwan on 24-1-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Smt. Sashwantiben Chandrakant Parikh Kukda Press. urendranagar.

(Transferors)

(2) Smt. Bilkishben Varikhbhai Shaikh Kulsam Manzil—Jintan Road Bharat Para—Surendranagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 5357 paiki House Adm. 86 sq. mtr. in Municipal limit on the way to Jintan Road Surendranagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 25-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3143.Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 16—Swastik Socy. 173 sq. yds. land & Bldg.

105 sq. yds.—Surendranagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhwann on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

(1) Shri Pravinchandra Narsidas Shah District Co. op. Bank Surendranagar.

(Transferors)

(2) Sh. Kishorkumar Panachand Shah. 16, Swastik Society, Surendranagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 16 Swastik Socy. Land 173 sq. yd. and Bldg. 105 sq. yd. Surendranagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 25-8-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3144.Acq.23 I 84-85,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Bldg. Adm. 92 sq. yd. on land adm. 165 sq. yd. at City
S. No. 76 79 paiki at Wadhwan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhwan on 18-1-1984,

at wadhwan on 18-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1)Shri Popatlal Merabhai Punchhya Sent. Chandrikaben Popatlal Shahibag Socy. Surendranagar.

.(Transferors)

(2) Smt. Jyotibala Maganlal Rawal Near Shahibag Society Surendranagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building adm. 92 sq mtr on land adm. 165 sq. yd. Wadhwan City S. No. 76|79 paiki.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 25-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3145.Acq.23|I|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Block No. 24 Sangam Socy. Land 491 sq. yd. and Bldg.

110 sq. yd. (and Share Certificate) at Surendranagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Wadhwan on 18 1-1983

at Wadhwan on 18 1-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely : -

(1) Sh. Chaturdas Nanchand Shah, by Power of Attorney Holder Shri Kiritkumar Vrajlal Shah Kukada Press-Surendranagar.

(2) Shri Dhirajlal Babulal Thakar 24—Sangam Society. Surendranagar.

(Transferors)

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 24 Sangam Socy, Land 491 sq. yd. and Bldg. 110 sq yd. (and Shara Certificate(at Surendranagar.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Ahmedabad.

Date: 25-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahemedabad, the 25th August 1984

Ref. No. P.R.No. 3146Acq.23|I|84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Limdi Sim S. No. 383 adm. 4A and 30G and Construction thereon at Limdi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Limdi on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, narryly

(1) Shri Jayantilal Keshavlal Prop: of Paramhans Ceremic Industries Chhalia Para—Limdi— Dist: Surendranagar.

(Transferor)

(2) M|ş Esco Ceremic Industries Partners. Shri Kiran Pravinchandra Vora Smt. Meenal Tushar Vora Smt. Jaswanti Pravin-chandra Vora at 31- Hamam Street-Bombay-Fort

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given i. that Chapter.

THE SCHEDULE

Limdi sim S. No. 383 Land adm. 4 A and 30G and super construction thereon at Limdi Dist: Surendranagar.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Ahmedabad,

Date: 25-8-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahemedabad, the 25th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3147 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

No. R. S. No. 1935 2 Paiki Block No. 1 Giri Vihar Co. op. H. Socy-Surendranagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhwan on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chhabildas Sukhlal Talsalia Bld. No. 3 Flat No. 17 Samrat Ashok Socy. Valkeshwar—Bombay.

(Transferor)

(2) Harjivandas Roopjibhai Patel Block No. 1 Giri Vihar Co. op. Hsg. Socy. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. S. No. 1935|2 Paiki Block No. 1 Giri Vihar Co. op. H. Socy. Surendranagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 25-8-1984

Scal:

75-266GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23th August 1984

Ref. No. P.R.No. 3148Acq.23]I[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. S. No. 21/1 Land at Timbawadi—Junagadh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vashrambhai Karsanbhai Smt. Jivtiben Karsanbhai by power of Attorney Holder Shri Narsi Vashram Pabani Taxa Shila Co. op. H. Socy. Timbawadi—Janagadh.

(Transferor)

(2) Shri Narshi Vashram Pabani Chairman|Secretary, Taxa Shila Co. op. Hsg. Socy. Timba Vadi— Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 21 1 Timbavadi—Janagadh adm. 7326 sq. yd.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date : 23-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Harkishandas Vallabhdas Kotecha, Wagheswarl Plot, Porbandar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3149 Acq.23|I|84-85,—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. bldg. at Porbandar Wd. No. 3 S. No. 1718

No. bldg. at Porbandar Wd. No. 3 S. No. 1718 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Porbandar on 16-1-1984

has been transferred under the Registration Act 1906 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Porbandar on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Jethanand Shoukatray Goplani, Shri Prataprai Shoukatray Goplani Opp: Plaza, Porbandar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Porbandar.

Ward No. 3 City S. No. 1718. Porbandar.

G. K. PANDYA
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-I
Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD
Ahmedabad the 27th August 1984

Ref. No. P.R.No. 3150 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. R. S. No. 17 Plot No. 1 to 60 27429 sq. yd. at Amreli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amreli on 16-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Khoja Ismailbhai
 Chhaganbhai Ajani by
 Appointed officer by Hon. Court
 Shri R. S. Gosai Bench Clerk,
 Jt. Civil Court (Sr. Division) Amreli.

 (Transferor)

(2) Shri Ram Land Development Corporation, Shri Mangaldus Kanjibhai Ganatra Amreli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. S. No. 17 Plot 1 to 60 27429 sq. yd. Land at Amreli Municipal Limit Amreli R. No. 1521 Dt. 16-1-1984.

G. K. PANDYA
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 27-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

A hmedabad, the 27th August 1984

Ref. No. P. R. No. 3151 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 407 Paiki N. A. Land adın. 5000 sq. mtr. at village Agatrai Tal: Keshod.

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Keshod on 11-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jivraj Narad Chhatrala village: Agatrai Tal: Keshod (Saurashtra)

(Transferor)

(2) M|s Umiya Paper Board Industries Partner: Shri Vallabhdas Jivraj & Ors. Agratrai—Keshod—Tal: Keshod.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given me that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 407 Paiki N. A. Land 5000 sq. mtr. of Agatrai Keshod Tal: Keshod R. No. 26 Dt: 11-1-1984

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad the 27th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3152 Acq. 23 [184-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Bldg. at Talala near Govt. Post Office Two storyed Bldg. adm. land 171 sq. mtr. & Bldg. 115 sq. mts. Agr. land situated at Vill. Devli, ND (and more fully described in the Schedule appeared hereto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Veraval on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Parshottam Devchand
 - 2 Smt. Prabhaben Haridas
 - 3. Shantaben Devchand
 - Smt. Jayaben Keshavji
 - Kanchanben Nandlal
 Karsanhbai Devchand
 - 7. Vanitagauri VrailalAll @ Talala.8. Laxmidas Deo Chand

(Transferor)

(2) The Veraval People Co. op. Bank Ltd. Veraval.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Talala Near Govt. Post Office, Two storyed Bldg. land adm. 171 sq. mtr. & Bldg. 115 sq. mtr. R. No. 31 Dt. Dt: 27-1-84

> G. K. PANDYA Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 27-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOYERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedebad, the 3rd September 1984

Rcf. No. P. R. No. 3153 Acq. 23|J|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. Kaluur Ward No. 2 City S. No. 4139 and 5208 Paiki
F.F. with 1|2 share in land Relief Road—A'bad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at

A'bad on 25-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Kasturbhai Motilal Shah Ind. & Karta of HUF

2. Shri Ratilal Motilal Shah

3. Shri Ratilal Motilal Shah -Ind. & Karta of HUF. 25-Shanti Nagar Socy.

Ind. & Karta of HUP Usmanpura—Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Indravadan Chimanlal Thakkar Zaveri Vad. Opp. Bata Shop, Relief Road, Ahmedabad-380 001 Telephone No. 338822

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A'bad city Relief Road, Kaluur wd. No. 2, City S. No. 4139 & 5228. office on F.F. and 1 4 share in land.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009

Ahmedabad-380 009 the 3rd September, 1984

Ref. No. P. R. No. 3154 Acq.23|I-84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Mithipur Maninagar TPS, 4 F. P. No. 106 plot No. 108 land 519 sq. yd. paiki 1/2 of West side.-A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on -31-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under คนปsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Hatishkumar Nanubhai Thakkar Shobha Ram Surti Pole, Khadia-Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Krishna Apartment Owners Association, by President-Smt. Rohiniben Chandrakant God bole 45, Madhya Varga Society, Maninagai Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The term i used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mithipur-Maninagar A'bad T.P.S. 4 F.P. No. 106 -Plot No. 108-Municipal S. No. 139 and 139-1-3-4 Land 529 sq. vd. & Bldg. thereon paiki 1|2 undivided share on west side.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-9-1984

FORM ITN8-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad the 3rd September 12984

Ref. No. P. R. No. 3155 Acq. 3[1]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Mithipur—Maninagar T.P.S. 4 F.P. No. 6 Plot 108 land 519 sq. yd. Paiki 1/2 of East Side A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A' bad, on 3-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-76-266GI 84

(1) Shri Hatishkumar Nanubhal Thakkar, Shobha Ram Surti's Pole Khadia—A'bad.

(Transferor)

(2) Krishna Appartment Owners Association. by President-Smt. Rohiniben Chandrakant God bole. 45, Madhyam Yarga Socy. Manager—Ahmedabad. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Mithipur—Maninagar—A' bad T.P.S. 4 F.P. No. 106—Plot No. 108—Municipal S. No. 139 1-3-4 Land 529 sq. yd. & Bldg, thereon Paiki 1|2 undivided share on East side.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistatnt Commissioner of Income-tx Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 3-9-1984

FORM I'INS---

(1) Shri Chandulal Motilal Parikh, Near Mori Kuva, Dhangadhara Saurashtra.

(2) Shri Shankarlal Keshavlal,

Paldi, Ahmedabad

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3156 Acq. 23 I 84-85.—Wherens, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

B. No. 8-B Pinakin Society—Paldi Ahmedabad—Paldi sim S. No. 47 asd 48 F.P. No. 32 Sub Plot No. 8 [and more fully described in the Schedule agreed horeto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

B. No. 8B Pinakin Co-operative Housing Society,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Pinakin Co-operative Housing Society, Paldi Valdi sim S. No. 47 and 48 F.P. No. 32 Sub-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 3-9-1984

4 JUL 110. U.

JOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kishorbhai Nareshchandra Shah. 'Darshan' Gulbai Tekra, Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) Saroj Amrut Estate & Investment Pvt. Ltd. At Regd. Office-22-Yagnesh Shopping Centre Near Ranna Park Bus Stand, Ghatlodia—Ahmedabad.

(Transferee)

ACQUISITION RANE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3157 Acq.23 I 84-85.—Whereas, I, 3. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to .. the 'said Act'), have reason to believe that the

mmovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Ellis Bridge TPS. 3 F.P. No. 623 paiki S. P. No. 14-A paiki 378 sq. mtr. land and Building thereon with furniture and ixture, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 12-1-1984

or an apparent consideration which is less 'e fair market volue of the aforesaid property, and I have cason to believe that the fair market value of the property s aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication in the Official Gazette or a period of the service of notice on the respe whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in th able property, within 45 days from t publication of this notice in the Off

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ellisbridge TPS. 3 F.P. No. 623 paiki S.P. No. 14A paiki 878 sq. mtr. land and building thereon with furniture and fixture Ahmedabad R. No. 455 dated 12-1-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Kashiben Gordhandas Patel, C-3 Birju Co-operative Housing Society, Opp. Azad Society Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Navinbhai Kasturbhai Dalal, Flat No. C-3 Birju Co-operative Housing Society, Opp. Azad Society—Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3158[Acq.23]I[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 26918 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 0001, and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. C-3 Birju Co-operative Housing Society Ambawadi Opp. Azad Society, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 27-1-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-3 Birju Co-operative Housing Society, Opp. Azad Society Ambawadi—Ahmedabad. R. No. 1200 dt. 27-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3159[Acq.23]I]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Paldi Plot No. 26-2-2—Paiki Tenament No. 1—Sur Sangam Society Prabhudas Thakkar College—Paldi—Ahmedabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC (Acq.) Range-1 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferor)

(2) Madhavdas Sunderdas, Manohardas Sundardas, 1—Sur Sangam Socy. Prabhudas Thakkar College—Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B. No. 1 Sur Sangam Society, Prabhudas Thakkar College, Paldi—Ahmedabad Land and Building R. No. 1153 dated 25-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANE-I.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3160 Acq. 23 [7] 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDAYA.

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinalter referred to as to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

As. 23,000]- and bearing No. 1 & 2 on F. F. Navrangpura, T.P.S. F.P. No. 104]! paiki, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Jitendra Corporation, Partner: Bherulal Baxiram, Jitendra Chambers, Near Income-tax Office, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Jayprasad Madhavprasad Acharya, Shop No. 1 & 2 First Floor, Jitendra Chambers, Jitendra Chambers Near Income-tax Office, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 & 2—Jitendra Chambers—Shaikhpur-Khanpur. Navrangpura—F.P. No. 104|1 Paiki A'bad R. No. 1446 dt. 31-1-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 3-9-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3161|Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Shop No. 4 on G.F. Jitendra Chambers Near I.T. Office, Navrangpura—Ahmedabad-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Jitendra Corporation, Pattner: Should Haxiram, Jitendra Chambers, Near Income-tax Office, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Madhav Prasad Bhuralal Acharya, Jitendra Chambers, Near Income-tax Office, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons with the property expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 on G.F. Jitendra Chambers—Near Income-tax Office, Shakkhpur-Khanpur—Navrangpura—TPS. FP No. 104 1 paiki, Ahmedabad.

G. K. PANDIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

AGGARWAL BHAWAN, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3162|Acq. 2]I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 8-14-15 on F. F. Jitendra Chambers—Nr. I. T. Office—Navrangpura—A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Jitendra Chambers, Partner: Bherulal Baxiram, Jitendra Chambers, Near Income-tax Office, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Smt. Pushpaben Madhavprasad Acharya, Shop No. 8, 14, 1 6 F.F. Jitendra Chambers, Near Income-tax Office. Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 8—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, 14, 15 F.F. Jitendra Chambers—Near Incometax Office, Shaikhpur-Khanpur—Navrangpura—TPS F.P. No. 104[1 paiki—Ahmedabad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 3-9-1984

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 3rd September 1984

Ref. No. P. R. No. 3163 [Acq. 23]1|84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 5 on GF. Jitendra Chambers, Near Income-tax Offic, Ashram Road, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 31-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
77—266GI[84]

(1) Mls. Jitendra Corporation,
Partner: Shri Bherulal Baxiram,
Jitendra Chambers—Near Income-tax Office,
Navrangpura—Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Maheshkumar Madhavprasad, Jitendra Chambers. Nr. Income-tax Office, Navrangoura—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 on G. F. Jitendra Chambers, Nr. Income-tax Office, Ashram Road, Shaikhpur-Khanpur—Navrangpura, K. P. No. 104 I Paiki Ahmedabad,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-9-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad, the 4th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3164 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. Rajkot S. No. 458—Saraswati Socy. Plot No. 17-A
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Rajkot on 3-1,1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said 1 hereby inmate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Ushaben Manharlal Mirani, Saraswati Society, Kalavad Road, Raikot.

(2) Taragauri Dahyabhai Shah, Co. R. Vinayakant and Co., Manavadar--Dist. Junagadh.

(Transferor)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at S. No. 458 Saraswati Co-op. Socy. Plot No. 17-A regd. vide R. No. 99|3-1-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-9-1984 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 4th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3165 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land at Race Course S. No. 477 at Shreyas Co-op. Socv. Rajkot.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 10-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bitween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chandan Prabha Prabhudas Bavishi, 25, Prahlad Plot.

(Transferor)

 Smt. Sakinaben Sabirbhai Patel, 11. Diwanpara, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Race Course S. No. 477, Shreyas Co.op. Socy. R. No. 160 dt. 10-1-1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad, the 4th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3166 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Building at Jagnath Sheri No. 9 near Jagnath Mandir-Raj-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 3-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to be oelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. Mahendra Ratilal Mehta.
 Dr. Arunkumar Mahendra Mehta,
 Power of Attorney—Harkant Popatlal,
 Clo Nagrik Bank—Raiya Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Rajnikant Bhanushankur Rawal, Jagnath Sheri No. 9, Near Jagnath Mandir—Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actional have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Rajkot Jagnath Sheri No. 9 Regd, No. 37/3-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmcdabad.

Date 4-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 4th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3167 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property at Jankalyan Socy. Plot No. 61-Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on R. No. 351. 37G form received in Febrary, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ratilal Chhaganlal Patel,
 2-B. Kotacha Tower 9, Rumkrishna Nagar,
 Vivekanand Road—Rajkot.

(Transferor)

(1) Ratilal Babubhai Kagdada.

(2) Shantaben Ratilal Kngdada. Jan Kalyan Socy. Plot No. 6, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Jankalvan Socy, Plot No. 61 Rajkot vide R. No. 351.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3168 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Property at Patel Colony, Sheri No. 5 Road No. 4 C. S. No.

39|G|5 Jamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jamnagar on 11-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen are controlled. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and_or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Mohanlal Kalyanji (Decd) L. R.
 - 1. Kumudben Mohanlal Doshi 2. Hamendrai Mohanlal Doshi
 - Dilip Mohanlal Doshi
 - 4. Kiritkumar Mohanlal Doshi 5. Jayprakash M. Doshi 6. Tripul M. Doshi

 - Jyoti M. Doshi,
 - alias Jyotiben Bharatkumar Kothari 5, Patel Colony, Jamnagar

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Maneklal Sanghvi Near Punjab National Bank, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Jammagar Regd. No. 118|11-1-84 at Patel Colony, Sheri No. 5.

> G. K. PANDYA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-9-84

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009. Ahmedabad-380 009, the 4th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3169 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Shaikhpur-Khanpur Sim S. No. 59-3 TPS, 19 F. P. No. 375 land 642 sq. yd. i.e. 536-77-62 sq. mtr. & Bldg. thereon,

Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 6-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Rutabhai Galbabhai Chaudhry Shri Veljibhai Mayabhai Chaudhry
Shri Ramjibhai Dalsangbhai Chaudhry
Shri Jesingbhai Valjibhai Chaudhry
Residence Sr. No. 2 & 4 at Mehsana Co-op. H. Sy. Gulbai Tekra, A'bad.

Residence Sr. No. 2 &4 at Mehsana Co-op. H. Soc. New Wadaj, Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shri Vikas Arvindbhai Shah Prop: of M|s Vikas Shah Enterprises C-10, Bhavna Appartments, Narayan Nagar, Paldi, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shaikhpur-Khanpur sim S. No. 59-3 TPS. 19 F. P. No. 375 Land 642 sq. yds. i.e. 536-77-62 sq. mtr. and Bldg. thereon A'bad (R. No. 257 Dt: 6-1-1984).

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 4-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDI.OOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3170 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

A'bnd T.P.S. 24 F. P. 92 paiki 166 sq. mtr. land & Bldg. 87 sq. yd. B. No. 3 Ideal Colony, Maninagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

 Shri Naranbhai Nagjibhai Pithadia 3-Ideal Colony, Behind Jal Hind High School, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ratilal Dahyabhai Thakkar Smt. Nayanaben Ratilal Thakkar 3, Ideal Colony, Behind Jai Hind High School, Maninagar, Ahmedabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A'bad T. P. S. 24 Maninagar F. P. No. 92 B. No. 3. Ideal Colony. Behind Jaihind High School, Maninagar, Ahmedabad.

G. K. PANLYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-9-84

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3171 Acq.23|I|84-85,---Whereas, 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land at Mahuva Revenue S. No. 313|1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Mahuva on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have reason to believe that the fair market value o fthe property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of th

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following namely:—
78—266GI84

 Sasanbhai Isabhai, Mariambhai Isabhai Vishvakrama Road, Mahuva, Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Parekh Kalidas Damodardas Gandhi Nivas, Nutan Nagar, Mahuva, Dist: Bhavnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms ond expressions unsed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mahuva R. S. No. 313/2 Regd. vide 2280 Dt: 13-1-1984

G. K. PANDY \
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date : 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TRICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3172 Acq.23|1|84-85.—Whereas, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 9 Sarvodaya Shopping Centre Salapas Road Opp: Relief Cinema A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 2-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Babuhai alias Umebhai Rahimbhai Khoja Society Kankaria, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Avni Enterprises. Manubhai Premjibhai Shop 9, Sarvodaya Commercial Centre, Salapas Road, Near Relief Cinema, Ahmedabad-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 Sarvodaya Commercial Centre Salapas Road Near Relief Cinema, Abad-1.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1)_OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3173 Acq.23|I|84-85.-Whereas, I. G. K. PANDYA. being the Competent Authority under Section 269B οf the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing A'bad City Khadia Wd. No. 3 Dhobi's pole House City S. No. 2938 Adm. 182 sq. yd.

cand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 16-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:---

(1) Chandrakant Shabkarlal Doctor 6, Jagabhai Park. Maninagar. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Tharparkar Lohana Mahajan Trust Ramji Niwas, Mandvi Pole, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in. that Chapter.

THE SCHEDULE

A'bad city Khadia Wd. No. 3 C. S. No. 2938 House attm. 182 sq. yd. R. No. 583 Dt: 16-1-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-9-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3174 Acq.23|I|84-85,—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shekhpur Khanpur, Navrangpura, A'bad TPS-3 FP No. 100 Shop No. 114 on GF Ajanta Com. Centre, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed herety), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 31-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

 Shantilal Girdharlal Shah Bulakhidas Girdharlal Shah B. No. 3 Keshavbag Socy.. Usmanpura, Ahmedahad.

(Transferor)

S. K. Mehta Family Trust
 Trustee: Rajendra, J. Khara & Ors.
 Naval Aptt,
 Maha Laxmi 5 Rasta,
 Paldi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A'bad Shekhpur-Khanpur Navrangpura T.P.S. 3 PF No. 100, Shop No. 114 on G.F. Ajanta Commercial Centre I.T. Char Rasta A'bad.

G. K. PANDYA
Competent Authora
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3175 Acq.23 I 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bering No.

A'bad City Odhav Sim S. No. 324 paiki 215 sq. Bldg. on G.F. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad on 31-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the s Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followpersons, namely . -

(1) M|s A. P. Pharmaticuals
Shri Maneklal Maganlal Shah & Ors.,
Manikya Aptt. Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) The Ahmedabad Mercantile Co.op Bank Ltd., Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bidg, adm. 215 sq. yd. on G.F. A'bad City Taluka village Odhav on Main Road R. No. 1402 Dt: 31-1-84.

G. K. PANDYA Competent Authori · Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-9-84 Seal:

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3176 Acq.23|I|84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 6 Kasamb Aptt. Opp: Gurukul Temple Drive in Road Memnagar A'bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

37EE filed on 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the conceafment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Kadamb Appartment Owners Association, Secretary Shri Ramniklal Patel Plot No. 1 Kadamb Appartment Opp: Gurukul Temple Drive-in-Road, Memnagar, A'bad.

Transferor(5)

(2) Smt. Shashibala Navnitlal Shodhan Plot No. 6, Kadamb Appartments Opp: Gurukul Temple Drive-in-Road, Memnagar, A'bad.

(Transferee)

Descriptions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used serein as are defined in Chapter XXA of the said Actaball have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 Kadamb Appartment Opp. Gurukul Temple, Drive-in-Road, Memnagar, Ahmedabad,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-9-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

Ref. No. P. R. No. 2938 Acq.23|I|84-85.---Whereas, ,1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

S. No. 41-8 paiki Plot No. D situated at Umara, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 4-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

 Koshikaben Dilipbhai Desai Power of Attorney Holder, Thakorbhai Maganlal Naik at Kadampali Socy, Nanpura, Surat.

(Transferor)

 (2) Bakulbhai Mafatlal (President of Girnar Co. Op. Socy), Gopipura, Kazinu Medan, Surat.
 Bhikhubhai Kantilal Patel Sagrampura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Umara. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 56 Dt: 4-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-9-84

Seal

FORM ITNS----

(1) Shri Bansibhai Babubhai Tamakuwala Galemandi Moti Sheri-Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

Ref. No. 2939 Acq. 23|II|84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Bugalow No. 25 in Dev Deep Co. op. Hsg. Socy. Majura-

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Ishwarbhai Devjibhai Patel 25, Dev Deep Co. op. Hsg. Socy. Majura Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Umara—in Dev Deep Co. op. Hsg. Socy, The document is regd, at S. R. Surat vide No. 564 Dt: 20-1-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-9-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Gaduben Thekordas at Rampura. Main Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Devubhai Joitaram Patel, B-65-Ram Krishna Socy. Lambe Hanuman Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

Acf. No. P. R. No. 2940 Acq.23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Bugalew No. A-25 Shivnagar Co. op. Hsg. Socy. Karanj-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the alarmad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Shivnagar Co-op. Hsg. Socy. Karanji, Surat. The document is registered at S.R. Surat vide No. 613 dt. 20-1-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---79--266GTI84

Date: 3-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

Ref. No. 2941 Acq.23 | II | 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the Said Act), have reason to believe that the inimovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing office No. 535 adm. 295 sq. ft. Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in the Office of the undersigned

in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mis. Shenti Builders-Ajanta Shopping & Textile Areade Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) Mis. Shree Synthetics Ltd. Maulakhi-Maski Road, Post Box No. 6, Üjjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saxi Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road.
 Surat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

(2) Shri Gopal Kabra, 151, 451 Textile Market, 151, 451 Textile Market, Ring Road. Surat.

(Transferce)

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. P. R. 2942 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Adm. office No. 525, 269 sq. ft. 'Ajanta Shopping and Textic Arcade. Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37E is submitted in the Office of the undersigned in January. 1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37E is submitted in the Office of the undersigned in January. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 609, the 3rd September 1984

Ref. No. P. R. No.2944 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Office No. 441 adm. 265 sq. ft. Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January, 1984

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shanti Builders,
Ajanta Shopping and Textile Arcade
Ring Road
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Swaroopehand Agarwal, Karkend Bazar, P.O. Kusunda, Dist. Dhanbad, Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-9-1984

Sout :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

Ref. No. P. R. No. 2945 Acq.23[II]84-85.--Wheras, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Office No. 537 (Adm. 295 sq. ft.) Ajonta Shopping and Textile Arcade, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the legoe of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Mis. Shanti Builders, Ajanta Shopping and Textile, Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Bhupendra Navinchandra Nanavati. Saiyadpura Vaida Sheri. Surat.

(fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date: 3-9-1984

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd Septembor 1984

Ref. No. P. R. No. 2946 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

weing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 7/27, Seventh Floor, Adm. 265 sq. ft., Aainta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping and Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M|s. Shanbo Fabrics, Bodawala Ind. Estate, Kotargam Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37E is submitted in the office of the undersigned in January, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AMMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

Ref. No. P. R. No. 2947 Acq.23 [II] 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

NS. 23,000|- and bearing Olfice No. 329 (adm. 265 sq. ft.) Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping and Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M|s. Vinod kumar Rakshkumar 56, Dayanand Nagar, Street No. 2, Lowrence Road, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this restice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37E is submitted in the office of the undersigned in January, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-9-1984

(1) M|s Shanti Builders, Ring Road, Smat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayesh H. Dalal. 12/1762 Pestanji Vakil Street, Shahpor, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2NL FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Armedobad 380 009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R No. 2948 Acq. 23 II 84-85.—Whereas I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1561 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office No. 630 (265 sq. ft.) Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration. exceeds the apparent consideration interest by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section (69D of the said Act, to the following ersons, namely

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Read, Surat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

(2) Shri Mahendra H, Gotawala, 2343, Khangad Sheri, Salabat Para, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Ref. No. P.R. No. 2949 Acq. 23 II 84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
Office No. 220 (Adm. 265 sq. ft.) Second Floor, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat

Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January, 1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or n period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-11, Ahmedæbad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
80—266GI|84

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2950 Acq. 23|II|84-85.--Whereas I, G.K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Block No. 162, situated at Vejalpur, Adm. 13794 sq. yd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at Navsari on 19-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaki exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 1. Parvatiben wd|o Vasanji Jivanji, Vejalpor, Tal. Navsari, Dist. Valsad.
 2. Smt. Maniben d|o Vasanji Jivanji,

Vejalpor, Tal. Navsari, Dist. Valsad.

(Transferor)

 Shri Chetankumar Bhaskarral Desai, Vejalpor, Tal. Navsari, Dist. Valtad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Vejalpor. Tal. Navsari adm. 13794 sq. vds.

The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 162, dated 19-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1984

FORM ITNS———

(1) Nanubbai Jivanji Patel, Pir, Mchollo, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Dhansukhlal Nanubhai Gandhi
 Babubhai Harkishandas Rana, Navsari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND THOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2951 Acq. 23/11/84-85.—Whereas J, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
S. No. 239|3 Block No. 4, House No. 436-437 & 438, situated at Vijalpor Navsari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 16-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Navsari,

The document is regd, at S.R. Navsari vide No. 111 dated 16-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

ng Date : 5-9-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2952 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing S. No. 193A paiki. situated at Vijalpur Navsari, Adm. 9672 sq. ft. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) 1. Thakorbhai Khushalbh ai Patel, 1 arota Bazar, Naysari.
 - 2. Bhagubhai Punjabhai, Ashanagar, Navsari.

(Transferor)

(2) Shii Yamuna Co. op. Hsg. Socy. Kadambari Station Road, Navseri,

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at S. No. 193A paiki Vejalpor Navsari.

The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 47 deted 6-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 5-9-1984 Seal :

sear

(1) 1. Thakorbhai Khushalbhai Patel,

Tarota Bazar---Navsari.
2. Bhagubhai Punjabhai Patel--Asha Nagar,
Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Co.op. Hsg. Socy., Kadambari Centre—Station Road, (Navsari

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-350 009

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2953 Acg. 23/II/84-85,--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. S. No. 193A|Paiki adm. 8528 sq. ft. at Vijalpor Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Vijalpor S. No. 193A paiki. The document is regd. at S. R. Navsari vide No. 48 df. 6-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Shakriben Dhudalal Shah, 803—Mahavir Aptt.—Athwa Line, Surat. (Transferor)

(2) Kirtilal Dhirailal Kothati, 812, Mahavir Aptt. Athwa Gate—Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2954 Acq. 23|H|84-85,---Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat at Mahavir Aptt. No. 803 at Athwa Gate—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 17-1-1984

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Gate---Mahavir Aptt. Surat, The document is regd, at S. R. Surat vide No. 305 dt, 17-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mojabhai Hasanbhai,

Nr. Matwa Kuwa Kafol.
(2) Shri Rasulbhai Anubhai,
Opp. Vakharia High School, Kalol.

('Fransferor)

(2) Janta Co.op. Hsg. Socy. Ltd., Panch Hatdi Bazar—Kalol.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND LOOR, HANDLO HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 HANDLOOM

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2955 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. (1) S. No. 996—35 Guntha of Kalol sim, (2) S. No. 995 1—1 Acre 20 Guntha of Kalol Sim. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 3-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 43 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

In this case transferor are different and they are related to each other while a transferee is one for both the transactions sale deeds have been read on 3-1-1984 for an amount of Rs. 56511 and 122168 for S. No. 996 and 995 1 rsply of Kalol Sim.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II_ Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 5-9-1984 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RGAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2956 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

No. S. No. 1995|1 1995|2 Land adm. 0-35 Guntha eac at Mehsana Sim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Mehsana on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chauhan Mohmedbhai Nathubhai & Ors., Mehsana.
 (Transferor)
- (2) Mathurji Panjaji Family Trust,

 Trustee Mathurbhaj Punjaji Thakor, & other trustees—Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed has been read, on 23-1-1984 for an amount of Rs. 47851 in respect of land of S. No. 1995|1, 2 with measurement of 35 guntha each S. No. at Mehsana Sim.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2957 Acq. 23/11/84-85. -Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 614 of Kalol Sim (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Kalol 3-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;-

81-266GI/84

(1) Wdlo Chhaganji Dhirii & 1 H Ataji Chhaganji Thakor, Moto Vas—Thakorvas—Kalol Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Sitaramanagar Co-op. Socy., Clo Promotor, Shri Chaturbhai Shanabhai Patel, Nr. Shreenagar New Swaminarayan Temple, Kalol. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within apperiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, in the name of Sitaram Nagar Co.-op. H. Socy. for an amount of Rs. 663051- in respect of land adm. 1 Acre 22 Guntha of S. No. 614 of Kalol Sim.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-9-1984

(1) Shri Chhotabhai Sarabhai Patel, Alindra Tal : Matar, Dist: Kaira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohiniben Naginbhai Patel, Sokhda, Dist: Baroda. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND LOOR, HANDLO HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 HANDLOOM

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad, the 5th September 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official date of Gazette.

Ref. No. P. R. No. 2958 Acq. 23|II|84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Gotri bearing S. No. 798 having 5148 sq. ft.

area

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any mongys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd. in respect of land adm. 5148 sq. ft. (572 sq. yd.) for an amount of Rs. 15444. The land is situated at Gotri area being S. No. 798.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1984

Scal:

(1) Shri Babubhai Dungardas Patel, Sunav Tal. Petlad, Dist. Kaira.

(2) Shri Jagdishbhai Dungardas Patel, B-5 Mehsana Nagar Socy. Nizampura—Baroda. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2959 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and hearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No.
S. No. 11-112-116-117 of Nizampura area
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Baroda on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been read, at No. 483 for an amount of Rs. 75000]- in respect of bldg, at Nizampura in S. No. 111-112 & 116-117.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 5-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2960 Acg. 23 II 84-85,—Whereas, I

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 277 plot No. 10 in Purohit Aptt. Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 12-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Chaturlaxmi Ratanlal Bhatt Darbarpor, Bhatvadi-Vaso Tal: Petlad.

(Transferor)

(2) Ambica Mills Ltd. Kankaria. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BXPLANATION:—The terms and expressions ued herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amount of Rs. 155000 in respect of bldg. situated in S. No. 277 bearing Flat No. 10 in Purohit Aptt. Sayajiganj Vibhag-2, Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2961 Acq. 23[II]84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/rand bearing

Sheet No. 195 section F. 2 Gang Bazar—Mehsana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mehsana on 17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Maganlal Ambalal Patel, Peetaji Ganj, Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Babulal Ramjibhai Patel, Section-2, F. 2 Ganj Bazar—Mehsana.

(Transeferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property under consideration is of bldg, with built up area 168, sq. mtr. located in plot No. of Nondh No. 2817 in vibhag F. 2 at Ganj Bazar Mehsana. The sale deed regd, in the month of January, 84 bearing regd, No. 147.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-9-1984

(1) Shri Mohanbhai Shivramdas Patel, Palaj Tal: Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bhudardas Joitaram Patel, Hinglairaipura. Tal: Dist. Mehsana Post. Motap.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JI, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P.R. 2962 Acq. 23|II|84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Bldg. at Mehsana in Sahjanand Socy. bearing S. No. 1990/61

with built up area 93.42 sq. mtr.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Mebsana on 21-1-84

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nerrous, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amount Rs. 81000|- in respect of building adm. 93-42 sq. mtr. in Sanjanand Socy. bearing S. No. 1990|61 at Mehsana's Sim.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1984

 Shri Ishwarbhai Bababhai Patel & Ors. Jotana Tal. Dist. Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Patel Dwarkabhai Nathbhai Panchot no petapura, Anandpura Dist. Mehsana.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P.R. 2963 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Mehsana Sim's S. No. 1990|160 Shop No. 1 of Nagarpalika (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mehsana on 30-1-1984

Mensana on 30-1-1964
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

1957 (27 if 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amount of Rs. 30000]-in respect of Shop No. 1 of Mehsana Nagarpalika bearing S. No. 1990|160.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1984

Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Savitaben Ranchhodlal Patel, Moto Kotharivado, Kadi Kalol.

(Transferor)

(2) Amrutlal Nathalal Patel--Dharmanath Co. op. Socy. Block No. 30-Kalol.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P.R. 2964 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 497 and 498—Vidya Vihar Co. op. H. Socy. Kalal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), transferred under the Registration Act 1908 has been (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalol on 3-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amount of Rs. 70,000 in respect of building located in S. No. 497 and 498 with built up area about 84 sq. yd.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid arometty by the issue of this notice under sub. section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1984

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2965 Acq. 23|11|84-85.--Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

S. No. 252 213 of Kaloi sim.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Kalol on 17-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mancklal Nanchanddas, Suman Park Co. op, Socy, Kalol.

(Transferor)

(1) Shri Patel Keshavlal Nanchanddas, Kalyanpura - -Kalol.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amount of Rs. 81,000]-in respect of land bearing S. No. 252|213 of Kalol sim. The measurement of plot is 0.35 Guntha.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-9-1984

Scal:

82 - 266 GI 84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Gopal Ramanlal Soni, Anand Bhayan.
 Vaso Dist: Kaira.

(Transferor)

(2) Shri Nathalal Savehand Shah, 10 Moonlight Apartment, Fateganj, Baroda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009.

Ahmedabad, the 6th September 1984

Ref. No. P.R. 2966 Acq. 23|11|84-85,---Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000_{|-} and bearing No.

No. 10 Moonlight Apartment Fateganj Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 3-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said et, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda bearing No. 4172 in respect of property flat at 10 Moonlight Aptt. Fateganj, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th September 1984

Ref. No. P.R. 2967 Acq. 23/11/84-85,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

S. No. 218 & 219 Khalipur-Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 3-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bharatkumar Kanubhai Thakor, Chhani,

Tal: Baroda.

(Transferor)

 Shri Surendrakumur Ranchhodbhai Patel, 4 Bhaktinagar Race Course, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the add. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amount Rs. 26,000|- in respect of property at Kalipur S. No. 218, 219 Tal; Baroda regd. No. 27 Dt; 3-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6-9-1984

Seal 2

FORM ITNS-

(1) Shri Bhailalbhai Mohanlal Patel, Kelanpur—Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ramanbhai Nanabhai Mali, Parasram Bhatha, Sayaji Ganj, Baroda

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2968 Acq. 23|II|84-85.-Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Block No. 44 & 51 of village Kelanpur Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 6-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, at No. 118 on 6-1-84 for an amount of Rs. 35,000|- in respect of 2-38 acre land at village Kelanpur Tal: Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1984

FORM LT.N.S.~

(1) Shri Haribhai Dahyabhai Desai, 33-Atul Society-Vaghodia Road. Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jayantibhai Haribhai Desai. 33-Atul Society-Vaghodia Road, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th September 1984

Ref. No. P.R. 2968 Acq. 23|11|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Building in S. No. 906 at Bapod Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 4-1-84

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered at register No. 8921 on 4-1-84 in respect of bldg. in S. No. 906 and 2100 eq. ft. plot with 84-6 sq. yd. at Bapot Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-9-1984...

Scal:

(4) -5011 Kevgas Hirabhai Patel, Ranoli, Tai: Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vithalbhai Purshottamdas, Kamdhenu Bunglow, Race Course—Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th September 1984

** Ref. No. P.R. 2970 Acq. 23 H 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

S. No. 434|2 1 Acre 1 9Guntha Ranoli

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 6-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 17 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered at No. 117 Jan. 84 in respect of property of S. No. 434|2 at Ranoli Apparment cost of 1 Acre 19 Guntha is 36875|-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,-II Ahmedabad

Date: 13-8-1984

Sèal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th September 1984

Ref. No. P.R. 2971 Acq. 23 [1] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and 'oearing No. 383, 385—Koyali Borada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mukulbhai Natwarlal Dave, Rambhai Mension—Sayajiganj, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Vindchandra Haribhai Barot, Post Kovali.

Barot Vee-Dist : Baroda.

(Transferec.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. at No. 179 on 9-1-84 for an amount of Rs. 85,000 - in respect of property at Jay Ambe Socy.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6-9-1984

Seal .

FORM I.T.N.S .-

(1) Kekhushroo, N. Kotwal, 'Shrini House'—Nanpura—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Premabhai Jethabhai Solanki, 'Sirin House 1|1180, Kalaposhi Mohallow—Nanpura-Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th September 1984

Ref No. P.R. 2972 Acq. 23 III 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Flat at Nanpura Surat Adm. 906 sq ft. Sirin House'—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Jan 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforest exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration nand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 11, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 6-9-1984

Scal:

(1) M/s. Varsha Manufacturers, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, New Al-One Procuss, Plot No. 221 Road No. 6, Udhana Udyognaear, Udbana---Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th September 1984

Ref. No. P.R. 2973 Acq. 23|Π|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Plot No. 221 Road No. 6 Udhana Udhyognagar, Udhana Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), in the office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:--

83 -- 266 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-9-1984

Scot :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sanubhai Kapasji, Kapasji Faramji, At Vyara Station Road, Dist. Surat.

(2) Mahendrabhai Nathubhai, Katargam—Surat. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2974 Acq. 23/11/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Block No. 79 S. No. 86, 88 to 92 & 97 paiki situated at Pokhara Tal: Vyara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vyara on 30-1-1984

Vyara on 30-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at village Pokhara Tal: Sangadh. The document is regd. at S. R. Vvara vide No. 31-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Mahesh Varjivahdas, Clerk—B-11—Dena Parivar, Timalia Vad—Surat.

(Transferor)

(2) Dr. Chandulal Chhaganbhai Patel, C-1, Vijayaraj Aptt. Nr. Kailagh Tower, Sagrampura—Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedibad, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2975 Acq. 23/11/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Ward No 10 Nonda No 433A situated at Panini Bhit

Bhanshalt Falia—Surat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Paniai Bhit Bhansali Falia. The document is read, at S. R. Surat vide No. 684, Dt. 25-1-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unue, subsection (1) of Section 269D of the suid Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-LL 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th Soptember 1984

P. R. No. 2976 Acq. 23 [1] 84-85.—Whereas 1, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000]- and bearing
Block No. 9, Plot No. 3, Udhana—Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Surat on 10-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reisons, namely(1) Laxmichand Bhagaji, Power of Attorney Holder, Kantilal J. Shah, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Ramila Amritlal, Markview Road No. 3, Udhana, Surat.

(Tiansferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the eaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Udhana. The document is regd at S.R. Surat vide No. 181 Dt. 10-1-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-9-1984

Scal.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2977 Acq. 23|H|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

S. No. 2 at Mangara Vadi-Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Valsad on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Olivar Alfrad Desai & Others Tithal Road, Surat

(Transferor)

(2) 1. Rameshchandra Narandas Pardiwala

 Satish R. Pardiwala Jawaharm Nagar Socy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used becein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Valsad. The document is regd. at S. R. Valsad vide No. 201 Dt. 13-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-9-1984

(1) MI. Shree Ram Aptt. Co. op. Hsg. Socy. Timaliavad, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devandrakumar Kachralal Doshi, 902 Rajeshwar Aptt. Nanpura, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

No. P.R. No. 2978 Acq. 23 II 84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 902 at Rajeshwar Aptt. Timaliavad Nanpura, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed in the Office of the undersigned on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration inerests by more man fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is filed in the office of the undersigned in Jan. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-9-1984

Seal.

 Jitendrakumar Himatlal Shah, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Calision Silk Mills. Z-1192, Surat Textile Market, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2979 Acq. 23|II|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

and bearing No.

Shop No. 2 1192 at Surat Textile Market, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37ED has been filed in the office of the undersigned
on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is filed in the office of the undersigned in January, 1984,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 6-9-1984

الموالية المناسبينية والمناسبية المناسبة الم

FORM ITNS-

 Vasudev Sunderlal Chhabariya, At 215, Sindhi Market Panch kuva, Ahmedabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Lalventi Ramchandra Kishankumar Ramchandra Sureshkumar, at L. 13, Hari Nagar, Opp. L. B. Cinema, Bhatar Road, Surat,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2908 Acq. $23|\Pi|84-85$.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. R. No. 3107, situated at Textile Market Surat Shop R. No. 3107

and bearing R. No. 3107, situated at Textile Market Surat Shop R. No. 3107

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): The property is situated at Surat Textile Market. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 764 Dt. 30-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th August 1984

Ref. No. P.R. G. K. PANDYA, No. P.R. No. 2909 Acq. 23 II 84-85.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No.

Shop No. R. 2108 situated at Surat Textile Market Ring

Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 25-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---84-266G184

(1) I Pravinchandra Chhaganlal Patel Huishadbhai Chhaganbhai Patel, at Kailash Nagar Socy. Sagrampura. Surat.

(Transferor)

(2) 1. Madan Gopal Lalchandra oza 2 Shyamsunder Lalchandra Sharma

3. Dindayal Lalchandra Oza 4. Vasant Gopal Madanlal Oza Parjara Sheri Sagarampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market. The document is regd, at S.R. Surat vide No. 680 dt. 25-1-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-8-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2910 Acq. 23|II|84-85,---Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and hearing No.

C.S. No. 1056, situated at Laxmi Bhuvan Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

nas been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1998) in the office of the registering officer at Surat on 79-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Sweet Home Organisors Partner Maganbhai, N. Patel, 63, Narmad Nagar Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Bhikhabhai Pragjibhai Patel at Post Mot (Mon) Tal. Bardeli Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from th₂ date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 566 dated 20:1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2911 Acq. 23|II|84-35.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Nondh No. 4-4 Ward-13, situated at Athwa Lines, Surat

Nondh No. 4-4 Ward-13, situated at Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 18-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Khushmat Pravinchandra Modi Vijya Vihar, Athwa Lines, Opp. Ashwin Park, Surar.

(Transferor)

(2) Amit Kulin Mehta A-3 Vaibhav Aptt. Athwa Lines Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 503 dated 18-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 16th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2912 Acq. 23|II|84-85,--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nondh No. 1395 Ward No. 1, situated at Ward No. 1, and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Surat on 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Kantilel M. Shah, Tekara Faliu, Behind High School, Zagadia.

(Transferor)

(2) Shekhar Rameshchandra Mehta, 11|A I ands and Bhulabhai Desai Road, Valkashwar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exp res later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ward No. 1 Nondh No. 1395. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 231 dt. 12-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kalpanaben Ashokkumar Mehta Sopa iwala Sadan, Ambaji Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Jayshriben Sharadchandra Dixit Amliram Makubhai Munsafin Sheri, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-330 009

Ahmedabad-380 009, the 16th August 1984

Ref. No. P.K. No. 2913 Acq. 23]II|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh No. 1137 Ward No. 10, 4th Floor, Surat

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 7-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of Contrability of the transferor to pay tax under the said. Act are respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ward No. 10 Nondh No. 1137 4th floor adm. 825 sg. ft. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 121 dt. 7-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1984

 Shri Muljibhai Nathabhai Patel Sterling Aptt. Kazinu Medan, Gopipura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Sureshbhai Ambalal Shah, 408, Smeeta Aptt. Kazinu Medan, Surat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2914 Acq. 23 | II | 84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 3272-A-3272-B and situated at Kazi nu Medan, Gopipura,

Sterling Aptt. No. 6B

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Gopipura, Surat sterling Apt. Flat No. B-6. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 74 dated 6 1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1984

Ref No. P.R. No. 2915 Acq. 23|84-85---Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Block No. 1034, situated at Ganesh Sisdar, Tol. Navsari Dist. Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Navsari on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lallublai Premabhai Patel Arvindbhai Lallubhai Patel Dineshbiai Lallubhai Patel Kashucai Lallubhai Patel at Post. Ganesh Sisodara Tal Navsari Dist. Valsad.

(Transferor)

1. Shri Nathubhai Kanjibhai Patel
 2. Shri Ramjibhai Nathubhai Patel
 3. Shri Pravinbhai Patel
 at Gauesh Sisodara, Tal. Navsari,
 Dist. Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situate at Ganesh Sisodara. The document is regd. of S.R. Navsari vide No. 196 dt. 20-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Vallabhbhai Bhikhabhai Patel At Urn Tal. Navsari, Dist. Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Bavanji Arsibhai Kukadiya, At Vallabh Nagar Co. op. Hsg. Socy. Ashapuri, Vijalpur Road,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedaoad-380 009, the 10th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2916 Acq. 23[II]84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'add Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Block No. 303,
situated at village Unn. Tal, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfereed

under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Officer at

Navsarl on 21-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at village Unn. The document is registered at S.R. Navsari vide No. 210 dt. 21-1-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-8-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmeda bad-380 009, the 10th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2917 Acq. 23|II|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Tika No. 11 5 C.S. No. 22 & 23 Block No. 101 at Yatim

Aptt. Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed

under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, im respectof of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M|s. Shri James's partners

1. Rushmikant Chandulal Gandhi
2. Jitendra Bhogilal Mehta 64, Ashabag, Navsari.

(Transferor)

(2) 1. Shi Kamal Jayendra Kumar Mehta 2. Smt. Tarunaben Nanubhai Mehta, 101. Yatin Aptt., Chandni Chowk, Navsarı.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Qatin Aptt. Chandani Chok Navsari Flat No. 101 adm. 880 sq. ft. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 253 dt. 27-1-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--85-266GI|84

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th August 1984

Rcf. No. P.R. No. 2918 Acq. 23|II|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. 69|1, situated at Nandeval, Tal. Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bharuch on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vali Umarji Isap VK Salim Vali Patel At Karmad Tal, Dist, Bharuch,

(Transferor)

(2) Zabir Mohmad Hafeji Ismail Patel At Karmad, Tal. Dist. Bharuch.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Nandeval S. No. 69|1 Adm. 3A 23G. The document is regd. at S.R. Bharuch vide No. 20 dated 3-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Mow, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P.K. No. 2919 Acq. 23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 345 parks, situated at Village Abarama, Tal. Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registra Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valsad on 18-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sumantrai Bhanabhai Desai and minor Umesh Sumantrai Desai 2. Samir Sumantrai Desai

3. Shobhanaben Sumantrai Desai At village Abrama, Tal. Dist. Valsad.

(Transferor)

 (2) M|s Western India Megnats Pvt. Ltd. A-12, La ram Shopping Center,
 S. V. Foad, Andheri, Bombay (West)-400 058.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land, ciruated at village Abrama adm. 29947 sq. mtrs. The document is regd. at S. R. Valsad vide No. 228 dated 18-1-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the effects and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:---

Date: 17-8-1284

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2920 Acq.23|11|84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

R.S. No. 322|1 paiki Land situated at village Abrama Tal. Dist: Valsad.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valsad on 24-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M|s Muler & Filiphs India Ltd.
Director-Shri Chandrakant Thakordas Parekh,

(Transferor)

(2) Sid Mak Laboratories (India) Pvt. Director. Shri Jitendra Balubhoi Desai Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The land situated at Abrama.

The document is regd. at S.R. Valsad vide No. 429 Dt: 24-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 17-8-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2921 Acq.:23[11]84-85.-Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. Office No. 532 (Adm. 295 sq. ft.) Ajanta Shopping and
Textile Arcade Ring Road-Surat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowmg persons, namely:-

(1) Mls Shanti Builders Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s Shree Synthetics Ltd. Maulakhi Maksi Road Post Box No. 6-Ujjain (M.P.)

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

> 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 18-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P.R.No. 2922 Acq. 23|II|84-85-Whereas, 1, G. K. PANDYA,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office No. 533 adm. (295 sq. ft.) Ajanta Shopping and Textile Arcade-Ring Road-Surat.

Form No. 37EE is submitted (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has beentransferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ass, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Shanti Builders Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Shree Synthetics Ltd. Nanulakhi - Maksi Road, Post Box No. 6 - Ujjain-M.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, ahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 18-8-1984

(1) M/s Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M|s Shree Synthetics Ltd. Naulakhi-Maksi Road, Post Box No. 6, Ujjain (M.P.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2923 Acq. 23 II 84-85. Whertas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Office No. 534 Adm. (295 sq. ft.) Ajanta Shopping and Textile Arcade Ring Road-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersignin Jan. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission r Income-tax
Acquisition Range II
Ahmedahad

Date: 18-8-1984

*FORM I.T.N.S .-

(1) M|s Shanti Builders, Ajama Shopping & Textile Arcade Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunil Jagirdar 44, Sangam Society Athwa Lines-Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

· Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2924 Acq. 23 II 84-85-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Office No. 221-Adm. 265 sq. ft. Ajanta Shopping & Textile Areade, Rang Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under singned in Jan. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Date: 18-8-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Communication of the second section of the section of the second section of the se

FORM ITNS-

(1) Mis Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashokbhai Maganlal Modi 55-Krishna Kunj Society, Athwa Lines-Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Rcf. No. P.R. No. 2925 Acq. 23|11|84-85—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. No. Office No. 336 (Adm. 295) sq ft. Ajanta Shopping and

Textile Arcade-Ring Road-Surat

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weanth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
86-266G184

Date: 18-8-1984

Scal;

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANGELOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2926 Acq. 23|H|84-85-- Whereas, I, G. K. PANDYA.

being he Competent Authority under Section 2698 of the being he Competent Admoraty under section 2026 of the Income-tax Act. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove ble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Office No. 740 (Adm-265 to ft.) Ajanta Shopping

Textile Areaus King Fond Surat. (and more office of the undersigned form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent censileration and that the consideration for such transfer as severed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and to:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mls Shanti Builders. Ring Road. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ashok kumar Jalan Surat Textile Market 2nd Floor, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 18-8-1984

Scal :

FORM ITNS----

(1) M|s Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ravindrakumar Jain, 50-C-tton Street (Nemani Katra) 1st floor-Calcutta-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said propertimay be made in writing to the understand:

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

- Ref. No. P. R. No. 2927 Acq. 23|II|84-85-Whereas, I, G. K. PANDYA,
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Office No. 520 (Adm. 265 sq. ft.) Ajanta Shopping and Textile Arcade-Ring Road-Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rosson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EF is submitted in the office of the undersigned in Jan. 84.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2928 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. Office No. 243 (Adm. 85 sq. ft.) Ajanta Shopping and

Textile Arcade-Ring Road-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the Undersigned

in January, 1984

for an apparent (consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s, Shanti Builders, Ring Road.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Jagirdar (HUF) 44-Sangam Society-Athwal Lines,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabad

Date: 18-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2929 Acq. 23|Π|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Office No. 521 (Adm. 265 sq. ft.) Ajanta Shopping and Textile Avende Ring Road Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE submitted in the Office of the undersigned in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar Jain 50-Cotton street (Nemani Katra)-First Floor, Calcutta-7

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-If
Ahmedabed

Date: 18-8-1984

FORM ITN9 --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380009, the 18th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2930 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, L. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. Office No. 332 Third Floor (295 sq. ft.) Ring Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is submitted in the Office of the Undersigned

in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Shanti Builders, Ring Road, Surat. Ajanta Shopping and Textile Arcade, Surat.
 (Transferor)
- Mis. Elevator Electrical and Mis. Ravi Corporation, 'Jeevan Deep' Kadampalli Road, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 18-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 14th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2931 Acq. 23 [II]84-85.—Whereas, I, G, K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. 694 paiki plot No. 28 in Vastu Nirman Socy. Sector No. 21 with area 330 sq. mtr. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nolice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khand Parshu Chhatrasinh Barot Plot No. 28, Vastu Nirman Socy. Sector No. 4-Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Shri Bhavanrshinh Shivsinhji Gohil C|o D.S. Judeja, Sector 20,13,14, Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed register at S.R. Gandhinagar Plot No. 28 of main Plot No. 694 of Vastu Nirmal Socy. Sector No. 21 Gandhinagar, The built up area is 72.50 sq. mtr. in the Plot area of 330 sq. mtr.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 24th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2932 Acq. 23[1][84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Shop No. 869

Sector No. 21-Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 31-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tramsfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Girdharlal Bhaichandra Mistry Shukla's Khadki-Dhana Suthar's Pole, Kalupur-Ahmedabad.

(2) Shri Somehand Kachralal Shah 543, Mahavir Socy. Sector No. 21 Gandhinagar

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The transaction has been registered by S.R. Gandhinagaf for property situated in Sector No. 21 having Shop No. 869. With built up area of 72-sq. mtr. in the plot of 135 sq. mtr.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 24-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 24th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2933 Acq. 23[II]84-85—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Tenament No. 15B in Plot of 250 sq. mtr.

with built up area 99 sq. yd. Bavla (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Dholka on 30-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--87--266GU84

(1) Shri Ramanlal Trikamlal Chhatpati & Confirming party Chairman Shri Kantilal Parshottamdas Shah & Natottamdos Gandalal Thakkar, 35-A P & T Socy. Vejalpur, Bavla Tal: Dholka.

(Transferor)

(2) Sheth Chandrakant Vanmalidas No. 2 Kalpna Colony, Nr. Rambag-Manineger-A'bad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The transaction has been taken place for tenament No. 15B with built up area in 250 sq. mtr. plot regd. No. 108 Dt: 30-1-1984 at Bavla Dist; Ahmedabad.

G. K. PANDYA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 24-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1984

Ref. No. P.R. 2934 Acq. 23/ Π |84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 146 of Chaklashi Pati

Bunglow No. 22 Rohini Socy. College Road

Nadiad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Harshadbhai Bhailalbhai Patel 22, Rohini Society College Road, Nadiad.

(Transferoi)

(2) Shri Virbalaben Ramanlal Desti, 22, Rohini Society, College Road, Nadiad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property of bunglow No. 22 with built area of 90 sq. mtr. of Rohini Socy, bearing S. No. 146 of Chaklashi. The transaction has been registered at Register No. 624 on 17-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedaba I

Date: 17-8-1984

Scal:

(1) Pathan Bhikhankha Ijjatkhan Vansole Tal: Anand Dist: Kairn.

(Translerot)

(2) Patel Dashruthbhei Ambalal Vansole Tal: Anand Dist: Kaira,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2935 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing S. No. 953 of Vansol Village Tal: Anand (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

ot Anand on 3-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the san-Act shall have the same meaning as give: in that Chapter,

THE SCHEDULE

The transaction in respect of land adm. 3A 3 G, situated at village Vansol Tal: Anand Dist: Kaira for Rs. 40.000|-

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shantibhai Hirabhai Patel & Shardaben Hirabhai Patel Noore Ellari Socy. Nadiad.

(Transferor)

(2) Meenaben Karimbhai Vohra Noore Ellari Socy. Nadiad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2936 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 2192/2 Nadiadi Hirji Pati's Sim of Nadiad

Dist: Kaira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 13-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the sale instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land adm. 0-22-26 of S. No. 2192|2 at Hirji Pati's Sim Nadiad Dist. Kaira. The transaction has been regd. by S.R. Nadiad at registration No. 598 on 13-1-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 17-8-84

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ret. No. P.R. No. 2937 Acq. $23|\Pi|84-85$.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. 2-A House No. 3 of Dena Bank—Parivar Socy.—Anand Dist. Kaira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anand on 17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Shri Kantibhai Somabhai Patel Nr. Ice Factory—Anand Shankar Bhavan Tal: Anand—Dist. Kaira.

(Transferor)

(2) Shri D. B. Parekh The International Automobiles 294-E--Cross cat Road Coimbatore-641012. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same in aning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed has been registered for the property adm. 110 sq. mtr. kith builtup area of 92 sq. mtr. at Dena Parivar Socy. Anand.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-8-84

(1) Masrubhai Bhagyanbhai Rabari Kelanpur Dist: Baroda.

(Transferor)

(2) Tejas Corporation V. K. Hitendrasinh Ramsinh Thakor Kelanpur-Haripura-Dist. Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedaabd-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2980. Acq.23[H/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Kelanpur Tal. Dist. Baroda tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; l and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amount of Rs. 42999 in respect of property land at Kelanpur Dist. Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-9--1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Musabhai Rasulbhai etc. Katapor Tal: Hansot Dist: Bharuch.

(Transferor)

(2) Bhojani Family Trust— Trustee: Shri Chhotubhai A. Bhojani Kakuni Paga Rasul Manzil Raopura—Baroda.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedaabd-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2981 Acq.23 II 84-85.-Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat in Adarsh Aptt. Raopura Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 24-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions use, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd, for an amount of R. 140000[in respect of flat in Adarsh Aptt. Raopura. Baroda

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-9-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:--

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No 2982 Acq.23[II]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Building in S. No. 171 to 182 Pratapganj naka Sayajiganj Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 18-1-84

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jahangirsha Farimorz Anop Pratapganj naka Natraj Cinema nr. Baroda. E-4|11 Urmi Aptt. Fateganj Baroda Nr. Mount Karmal School Baroda.
- (2) Smt. Shantaben Raichanddus Thakkar Chhani Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amount of Rs. 111000 in respect of bldg, for S. No. 171 to 182 at Pragapganj Naka Sayaji Ganj Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-9--1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedaabd-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2983 Acq.23-U[84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bldg. No. AT 1/2 S. No. 125/B Baroda City Vibhag

Bank S. No. 21-6/284 Road Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personn, namely:—

88--266GI|84

(1) Savitaben Ramanlal Shah Shastri Pole—Sultanpura—Baroda.

(Transferor)

(2) Haji Basirkha Mahetabkha Pathan 5-Municipal Quarter. Shaikh Farid Maholla Pani Gute-Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amount of Rs. 150000|-in respect of bldg. on the road S. No. 21-6|284 Baroda city Vibhag Bank Road—Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Shri Bavsi D. Bhagwagar 14 Krushna Krupa Socy. Sama Road—Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Jaghir Faramrose Chinoy B-4|11 Urmi Aptt. Fatehgani—Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD
Ahmedaabd-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R No 2984 Acq. 23-II[84-85—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. B-4|11 in Urmi Aptt. Futegaj, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on Jan 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amount of Rs. 72000[-in respect of Flat No. B-4]11 Urmi Aptt. Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 4985 Acq.23-II[84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Plot No. 1 adm. 468 sq. mtr. of S. No. 774 & 778 of Gotri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on Jan 84

ar baroth on Jan 84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Naranprasad P Shukla Nandanvan Socy. Baroda.
- (2) Shri Narandutt. P. Mathuraprasad Shukla Ghanvati Naranprasad Shukla Nandanyan Socy. Baroda.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. at No. 2396 Dt. 17-1-1984 in respect of Plot No. 1 of S. 774 & 784 of Gotri Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2986 Acq.23-II|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot in Tarang Society Productivity Road Sayajiganj-Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on Jan 84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- Smt. Ilaben Chandrakant Bhatt Vahivat Karta Shri Haresh Chandrakant Bhatt 58, Urmi Socy. Alkapuri—Baroda.
- (2) Dr. Hasmukhbhol Chhaganlal Shah 86 Dudheshwar Socy. Ajwa Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) Reditating the reduction or eventon of the Hability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A plot in Tarang Socy, Productivity Road Sayaji Ganj Baroda. An instrument has been regd. for the plot at No. 338. Dt. 16-1-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, an purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2987 Acq.23 Π]84-85.---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. S. No. 81 1 of Sama Bldg. in 557 sq. mtr. Plot area with 134.20 sq. mtr. built up area

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on Jan. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Zubin Mihir Mandvivala 15 Rambhai Mension Sayajiganj Baroda,
 - (Transferor)
- (2) Mr. Rajshi Kiran son of N. Natrajan 546 A Fertilizer Nagar P.O. Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. at No. 240 on 12-1-84 in respect of property in plot No. 557 of Sama's S. No. 81|1 wiht 134.20 sq. mtr. built up area.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2988 Acq.23 II 84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. K. 1291 at Surat Textile Market—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 19-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) M|s. Shah Kanaji Ramji 8-Shriniketan Socy. Sumul Dairy Rd. Surat.

(Transferor)

(2) Hemlata Mahendrasinh Sanghvi 45 Shantiniketan Socy. Sumul Dairy Road—Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

The property is situated at Surat Textile Market. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 521 dt. 19-1-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2989 Acq. 23[84-85.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 1471 situated at Ambar Colony-Nr. Amarat Nagar Udhana—Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mohmad Kasam Shaikh Ambar Colony-Tal: Choryashi Udhana.

(Transferor)

(2) Mohmedsadik Suleman Dindar and Ors.

1. General Power of Attorney Holder Shri Ismail Ahmed Mulla at Parsivad Rander

2. Yusuf Ismail Vaid, Salyadpura Turava Street—

Surat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Udhana The transaction is regd, at S.R. Surat vide No. 128 Dt. 7-1-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2990 Acq.23-II|84-85.---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land S. No. 2|3543 at cambay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cambay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M|s. Kapadia Bros. Pvt. Ltd. Through its Directors. Manisha 2nd Floor Grant Road, Bombay-7.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sureshchandra Morarji Makwana
 - 2. Shri Valjibhai Vithaldas
 - Shri Balprasad Bhavaniprasad Bhulakhid ni chawl Cambay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

A sale deed has been registered at Sr. No. 118 for land adm. 5203 sq. yd. of S. No. 2[3543 cambay.

G. K. PANDYA
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Competent Authority
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-9-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2991 Acq.23-11/84-85.—Whereas, f.

G. K. PANDYA, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

S. No. 2|3543

Land at Cambay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cambay on 9-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(B) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions namely:—89—266GI[84]

 Mls. Kapadia Bros. Pvt. Ltd. Through its Director
 54-AA Product Road, Manisha 2nd Floor Grant Road, Bombay-7.

Transferor)

Magaabhai Kalyanbhai
 Dehyabhai Dhulabhai
 Buakhi ni Chawl
 Cambay.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. at No. 119 for an amount of Rs. 51000]— in respect of land adm. 1198 sq. mtr. at Khambhat.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-II, Ahmedabad

Date: 10-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II.
AIMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2992 Acq.23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

S. No. 87 Krishna Co. op. H. Socy. Vibhag. No. 1

Kharabhat Kasba.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been (ansferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cambay on 19-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer and or
 - s) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhikhabhai Shanabhai & Ors. Village : Shakarpur. Cambay.

(Transferor)

(2) Chairman, Shri Daxesh Thakorlal Krishna Co. op. Hsg. Socy. Kachhia Pole Aling Shakarpur Road Nr. Garnala Cambay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, at reg. No. 166 and 167 for the land adm. 7828 12.00 sq. mtr. and Krishna Co. op Socy. Cambay.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-9-1984

ARI III ULC, 1

FORM I.T.N.S.-

 Shri Prahladbhai Madhabhai Patel & Ors. Village: Khoraj Dist: Gandhinagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th September 1984 Ref. No. P.R. No. 2993 Acq.23-11 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Dist. Gandhinagar

Land at Khoraj S. No. 81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Ratilal Jagjivandas Village : Khoraj Dist : Guodhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. in respect of land at Khoraj adm. 4A 19 G.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th September 1984

Ref. No. P. R. No. 2994 Acq.23-11|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

Building with open land at Raopura.

Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has 'ocen transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any, income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hemantkumar Revandas Patel 85—Urmi Co.op. Socy. Ltd. Jetlpur—Baroda.

(Transferor)

(2) Vadodara Khadayata Bhavan Mandal Trust 90 Jagdishchandra, K. Mehta Keshav Smruti—Ahmedavadi Pole— Kadva Sheri—Vadodara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, in respect of open land at building at Raopura Baroda Reg. No. 453 built up area 266 sq. yd.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 10th September 1984

Ref. No. III-962 Acp.—Whereas, J. P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 5 and holding No. 5 situated at Circuit House Area, Jamshedpur

hand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 31-1-1984

for an apparent consideration which is less than the nar market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Kaushlaya Bhagat,

- 2. Arun Bhagat and
 3. Pradeep Bhagat, At 14 Udey Park, New Delhi (Transferor)
- (2) 1. Shri Chandrika Pd. Rlo Village Hatia, P.O. Choshbari, P.S. Bakhtiarpur, District Patna.
 - Miss Namita Sinha r o Village, P.O. Adauri, Distt. Sitamarhi.
 - Miss Natasa Sinha r|o Vill. Bhatolia P.O. Bell, District Sitamarhi.
 - 5. Miss Nandita Sinha R|o Pandui House, Boaring Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0.264 Acres with a double storeyed building situated at Circuite House area, Jamshedpur and described in sale deed No. 145 dated 31-1-1984 Registered with Registrar of assurances Deihi.

P. K. DUBAY
Competent Authority
luspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1984

Scal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1985

New Delhi, the 6th October 1984

No, F. 4|2|84-EI(B).—A competitive examination for recruitment to the posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRIŅAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR and VISHAKHAPATNAM commencing on 19th March, 1985 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated the 6th October, 1984.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below:—

Category I: (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel & Mines).

(i) Geologist (Junior) Group A 25 (Includes 8 vacancies reserved for Scheduled castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates)

(ii) Assistant Geologist, Group B 15 (Includes 5 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 vacancies for Scheduled Tribes Candidates)

Category II: (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Irrigation).

(i) Junior Hydrogeologist, Group A. 144 (Includes 26 vacancies reserved for Scheduled Castes and 13 vacancies for Scheduled Tribes candidates)

(ii) Assistant Hydrogeologist, Group B. 78 (Includes 12 vacancies reserved for Scheduled Castes and 6 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the application form the Services posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preference as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the Employment News.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office.

This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1985. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1985 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 3rd December, 1984 (17th December, 1984 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to the 3rd December, 1984 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by

necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam. Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh. Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti, District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 3rd December, 1984.

NOTE (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of application should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rupees Forty eight) [Rs. 12.00 (Rupees Twelve) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through Crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed feed in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FFE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion ramit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a hona fide displaced person from entithile. East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a hona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a hona fide

repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees Thirty) [Rs. 8.00 (Rupees eight) in the case of candidates belonging to Scheduled Cas(es and Scheduled Tribes], will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below Rule 7 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Geologists' Examination held in 1984 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1984 examination his candidature for the 1985 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days of the date of Publication of the final result of the 1984 Examination in the Employment News.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question papers in all the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN, Dy. Secy. Union Public Service Commission

ANNEXURE-I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he derires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 19th Pebruary, 1985 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They shou'd therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidats, whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, thould submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified conv of

- certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 & 7 of the Notice and para 6 below).
- (ii) Attested certified copy of Certificate of age.
- (iii) Attested|certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the second copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Attendance Sheet (attached with the application form duly filled in.
- (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- (vii) Attested certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (viii) Attested certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).

NOTE (i):-CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUB-MIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (vii) AND (viii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF THE GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS COR-RECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTER-VIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RE-SULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINA-TION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF AUGUST, 1985. THEY SHOULD KEEP THE ORIGI-NALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGI-NAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THEY WILL, HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii) —Candidates are furthe required to sign the attested certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vii) and (viii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Accretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED BANK draft for the prescribed fee

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

- Note:—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.
- (ii) Certificate of Age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate,

No other document relating to age like horoscopes, affidayits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation Higher Secondary Examination certificates in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age of completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested|certified copy of the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate, an attested|certified copy of a certificate from the Headmaster|Principal of the Institution from where he passed the Matriculation|Higher Secondary Framination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFI-CATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED | CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAIN-ING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
 THE MATRICULATION|HIGHER SECONDARY
 EXAMINATION CERTIFICATE OR AN
 EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE
 OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL
 BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND
 NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS
 CHANGE WILL BE CONSIDERED OR
 GRANTED.
- NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.
- (iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested certified copy of such certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 31st July, 1985.

(iv) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. > 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate,

N.B -Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned underparagraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below at (a) from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily resides, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who has migrated from one State|Union Territory to another, may submit in support of his claim an attested certified copy of a certificate in the form given below at (b) : -
- (n) Form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri|Shrimati|Kumari*..... son|daughter* of Shri|Shrimati of village|town* in District Division* of the State Union Territory* of ______ belongs to the _____ Union Territory* of _____ Caste Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste Scheduled Tribe* under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 19503, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order 1951*, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Re-organisation Act. 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971; and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act 1976. the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Casten Order, 1962*. the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970* the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978* the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 2. Shri|Shrimati|Kumari* and*|or his|her* family ordinarily reside(s) in village*| town of District* Division of the State* Union Territory of Signature..... **Designation...... (with the seal of office) Place State* Union Territory Date *Please delete the words which are not applicable. Note.-The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950. · (b) Form of certificate to be produced by a candidate belonging to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe who has migrated from one State/Union Territory to another State/Union Territory. This is to certify that' Shri|Shrimati|Kumari' son[daughter] of Shri of village town* in District Division of the State Union Territory belongs to the Caste|Tribe which is recognised as a Scheduled Caste|Schedule Tribe. Under :the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes)

In amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories)

Order, 1950*.

Order. 1951*

(Union Territories)

The state of the s
Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976.]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh Order 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968**
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*
2. The certificate is issued on the basis of the Scheduled Castes Scheduled Tribes* certificate issued to Shri Shrimati*
·
Signature Designation
(with seal of Officer)
Place State Union Territory
Date

- *Please delete the words which are not applicable.
- **Officers competent to issue Caste|Tribe certificate;
- (i) District Magistrate Additional District Magistrate Collector Deputy Commissioner Additional Deputy Commissioner Deputy Commissioner Deputy Collector 1st Class Stipendiary Magistrate city Magistrate Sub-Divisional Magistrate Taluka Magistrate Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate Additional Chief Presidency Magistrate Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and or his family normally resides.
- (v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, Lakshadweep.
- 5. (i) Persons employed in the Geological Survey of India and Central Ground Water Board claiming age concession under Rule 6(b) should submit a certificate, in original, from Head of their Office Department in the following form:—

Form of certificate to be produced by Candidates

Certified that Shri|Shrimati|Kumari holds a permanent|temporary* post of in the Geological Survey of India|Central Ground Water Board* w.e.f......

Signature....

Designation....

Ministry|Office....

Office Stamp....

*Strike out whichever is not applicable.

- (ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c) (ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(e)(iv) or 6(e)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified

copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under rule 6(c) (viii) or 6(c) (ix) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) should produce an attested certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c)(xi) should produce an attested certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was diabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xii) or 6(c)(xiii) should produce an attested certified copy of a Certificate from the District Magistrate of the area in which

he may for the time being, be resident to show that he is a hona fale repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

- (viii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs|SSCOs claiming age concession in terms of Rule 6(c)(xiv) or 6(c)(xv) should produce an attested copy of the certificate, as applicable to them in the form prescribed below from the authorities concerned.
 - (A) Applicable for Released Retired Personnel.

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Station

Date

(B) Applicable for serving personnel.

2. He is due for release/retirement w.e.f. and is likely to complete his assignment of five years by

Name and Designation
of the Competent Authority
SLAL

Station

Date

Authorities who are competent to issue certificates are as follows:---

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hgrs. New Delhi.

Navy--Directorate of Personnel, Naval Hqrs. New Delhi.

- Air Force—Directorate of Personnel Officers, Air Hars, New Delhi.
- (b) In case of JCOs|ORs and equivalent of the Navy and Alr Force.

Army—By various Regimental Record Offices. Navy—BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.

- (ix) A displaced person from crstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 6(c)(xvi) or 6(c)(xvii) and or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January. 1971 and 31st March, 1973:—
 - Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- y 6. A candidate belonging to any of the categories, referred to in para 5(ii), 5(iii), 5(iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) or the Ministry of Irrigation as the case may be.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application, including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, *lpso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates' Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Communications Regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNIIN PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED. IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination,

B. NATURE OF THE TEST

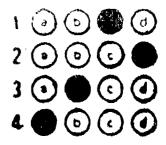
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3. . . etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong-

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it

completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have clapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Auswer Sheet in the examination hall. You will also be required to enclosed some particulars on Answer Sheet: Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB Pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Text Booklet before opening the Text Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important or you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your core will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary materials from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -- *denotes the correct|best answer option)

(General Studies)

Bleeding of the nose and the cars is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- (b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary--Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections,

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far.

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below :---

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- (c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagloclase in a basalt is:

- (a) Oligoclase
- '(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and ratisfying the equation $% \left(1\right) =\left\{ 1\right\}$

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y∞ax
- (c) y ⇔acx+be—x
- *(il) y==-aex-a

rangan and the state of the property of the state of the

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its officiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) a
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma.
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhisim.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa
- (b) Nyaya, Vaisosaika, Jainism and Buddhism Carvaka

- (c) Advaits, Vedānts, Sāmkhya, Cārvilka Yoga
- *(d) Buddhism Samkhya, Mimamsa, Carvaka

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representative to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representative in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes. .
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items.

(question) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the Syllabus for this examination.